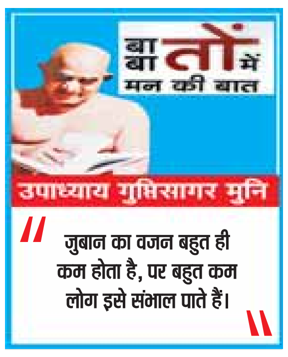

दैनिक अर्थ प्रकाश

खबरों की विश्वसनीयता, हमारी पहचान

पंजाब • हरियाणा • हिमाचल • चंडीगढ़ • दिल्ली • उत्तराखंड • बिहार • उत्तरप्रदेश • राजस्थान • छत्तीसगढ़ से प्रसारित

सुबल वाणी

धैर्य वह गुण है जो तुम्हें हर तूफान के बाद भी स्थिर खड़ा रहने की ताकत देता है।

वर्ष 40 | चंडीगढ़, बुधवार, 25 जून, 2025 | अषाढ़ कृष्ण पक्षः अमावस्या विक्रमी संवत-2082 | www.arthparkash.com | YouTube/Arth Parkash TV | अंकः 174 | मूल्य 2.00 रुपये | पृष्ठः 12

न्यूज़ ब्रीफ

ईपीएफओ ने ऑटो सेटलमेंट की सीमा पांच लाख की

नई दिल्ली (अप्रस)। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने अपने अंशधारकों के लिए भविष्य निधि जमा से 'ऑटो सैटलमेंट' के माध्यम से अग्रिम राशि निकालने की सीमा एक लाख रुपए से बढ़ाकर पांच लाख रुपए कर दी है। ईपीएफओ के सूत्रों ने मंगलवार को यहां बताया कि कोविड काल के दौरान एक लाख रुपए तक के अग्रिम दावे के लिए ऑटो सेंटलमेंट की सुविधा शुरू की गई थी जिसे अब पांच लाख रुपए तक बढा दिया गया है। इससे लाखों अंशधारकों को लाभ होगा। ईपीएफओ ने सबसे पहले कोविड-19 महामारी के दौरान सदस्यों के लिए वितीय सहायता के लिए यह सुविधा आरंभ की थी। बाद में इसे बीमारी, शिक्षा, विवाह और आवास जैसी आवश्यकता के लिए बढ़ा दिया गया है। हाल में ईपीएफओ ने अपनी सेवाओं को तेज़, पारदर्शी और जन अनुकूल बनाने के लिए कई सुधार किए हैं। इनमें अपने ग्राहक को जानो, त्रुटि सुधार की प्रक्रिया को सरल बनाना आदि शामिल है। इसके अलावा अंशधारक को अपने प्रोफाइल सुधार के लिए नियोक्ता और ईपीएफओ पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। सूत्रों अनुसार यह प्रक्रिया बिना किसी मानव संलिप्तता के तेज़ी और पारदर्शिता के साथ दावा निपटाती है। वित्त वर्ष 2024-25 में ईपीएफओ ने ऑटो सेटलमेंट के ज़रिए रिकॉर्ड 2.34 करोड़ अग्रिम दावे निपटाये हैं जो कि पिछले वर्ष 2023-24 के 89.52 लाख दावों की तुलना में 161 प्रतिशत अधिक है। वित्त वर्ष 2023-24 में जहां 31 प्रतिशत अग्रिम दावे ऑटो सेटलमेंट से निपटाये गये थे। वित्त वर्ष 2024-25 में यह आंकड़ा बढ़कर 59 प्रतिशत हो गया।

आप का 'विजय' रोड शोः काम की राजनीति को वोट देने के लिए लुधियाना वेस्ट को दिल से शुक्रिया

जनता ईमानदारी और मेहनत को पहचानती है, इस उपचुनाव में आप की जीत इसका सबूतः सीएम मान

हमने सेमीफाइनल जीता, 2027 में 'आप' का आएगा तूफानः मनीष सिसोदिया

यह लुधियाना वेस्ट की जनता की जीत, आपका काम हमेशा मेरी प्राथमिकता रहेगाः संजीव अरोड़ा

अर्थ प्रकाश संवाददाता

लुधियाना, 24 जून। आम आदमी पार्टी (आप) ने लुधियाना पश्चिम उपचुनाव में अपनी शानदार जीत के जश्न में एक भव्य रोड शो निकाला और लोगों को आप पर एक बार फिर विश्वास जताने के लिए धन्यवाद दिया। संजीव अरोड़ा ने आप उम्मीदवार के तौर पर यह उपचुनाव पिछले विधानसभा चुनाव की तुलना में करीब दोगुना अंतर से जीता। रोड शो में मुख्यमंत्री भगवंत मान, आप पंजाब के प्रभारी मनीष सिसोदिया, आप पंजाब अध्यक्ष अमन अरोड़ा, आप पंजाब के कार्यकारी अध्यक्ष अमनशेर सिंह शैरी कलसी एवं पार्टी के कई विधायक व पदाधिकारियों के साथ हजारों पार्टी कार्यकर्ताओं व स्थानीय लोग शामिल हुए। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने लुधियाना पश्चिम के लोगों के भारी समर्थन के लिए उनका हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आपने संजीव अरोड़ा को पहले से भी अधिक अंतर से जिताकर आम आदमी पार्टी पर फिर से अपना भरोसा दिखाया है। लोकतंत्र में जनता ही असली शासक होती है। जो लोग दावा करते थे कि वे कुछ भी हासिल कर सकते हैं, उन्हें कल एहसास हो गया कि उनका अति आत्मविश्वास गलत था।

कांग्रेस और अकाली दल पर निशाना साधते हुए मान ने कहा कि 1885 में बनी कांग्रेस पार्टी और 1920 में बनी शिरोमणि अकाली दल अब अप्रासंगिक हो चुकी है। अकाली दल के उम्मीदवार की जमानत जब्त हो गई, जो दर्शाता है कि लोगों ने उनके अहंकार को नकार दिया है। मान ने लुधियाना पश्चिम और गुजरात के विसावदर उपचुनाव में आप की जीत का श्रेय पार्टी कार्यकर्ताओं को देते हुए कहा कि यह जीत अकेले हमारी नहीं है, यह हर उस पार्टी कार्यकर्ता की मेहनत की जीत है, जो घर-घर जाकर लोगों से जुड़े। जनता ईमानदारी और मेहनत को पहचानती है। हमारा लक्ष्य पंजाब को दूसरा कैलिफोर्निया या लंदन बनाना नहीं है, हमारा लक्ष्य पंजाब के गौरव को फिर से वापस पाना और रंगला पंजाब बनाना है। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से सोशल मीडिया पर अनावश्यक विवादों से बचने और लोगों के काम पर ध्यान केंद्रित करने की अपील की।मान ने कहा कि हमारा मिशन लोगों की सेवा करना है, न कि छोटी-मोटी लड़ाइयों में उलझना। उन्हें बोलने दें, लेकिन हम अपना काम करते करेंगे।

यह जीत आम आदमी पार्टी के लिए गर्व का क्षणः सिसोदिया

आप पंजाब के प्रभारी मनीष सिसोदिया ने लुधियाना पश्चिम की जनता, संजीव अरोड़ा और सभी आप कार्यकर्ताओं को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह जीत आम आदमी पार्टी के लिए गर्व का क्षण है और ईमानदार राजनीति में लोगों की आस्था का प्रमाण है। लुधियाना पश्चिम के लोगों ने न केवल संजीव अरोड़ा को चुना, बल्कि पारंपरिक राजनीतिक पार्टियों के अहंकार और गुंडागर्दी को नकारकर पारदर्शी शासन के प्रति अरविंद केजरीवाल के दृष्टिकोण अपनी मुहर लगाई। यह जीत राजनीति में ईमानदारी वापस लाने के मिशन की भी जीत है।

यह जीत लुधियाना पश्चिम के लोगों की हैः संजीव अरोड़ा

नवनिर्वाचित विधायक संजीव अरोड़ा ने लुधियाना पश्चिम के लोगों और आप कार्यकर्ताओं के अटूट समर्थन के लिए उनका आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह जीत लुधियाना पश्चिम के लोगों की है। मैं आप सभी को मुझ पर किए भरोसे और समर्थन के लिए धन्यवाद देता हूं। उन्होंने कहा कि पिछले 100 दिन मैंने सिर्फ लोगों का सम्मान करने और उनकी बात सुनने पर ही अपना ध्यान केंद्रित किया। हम यहां के लोगों की हर समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करने की कोशिश करेंगे। उन्होंने कहा कि अगर यह सेमीफाइनल था, तो अब हम फाइनल को और बड़े अंतर से जीतने के लिए तैयार हैं।

ढाई घंटे में ही टूटा इजराइल-ईरान सीजफायर इजराइल ने ईरान पर की बमों की बारिश

अर्थ प्रकाश नेटवर्क

तेहरान/दोहा। सीजफायर शुरू होने के करीब ढाई घंटे बाद ईरान ने इजराइल पर 6 बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। एक मिसाइल बीर्शेबा शहर में इमारत पर गिरी, जिसमें 5 लोगों की मौत हो गई, जबकि 20 से ज्यादा घायल हैं। ईरानी हमले के जवाब में इजराइल ने अपनी सेना को तेहरान में हमले का आदेश दिया था। थोड़ी देर पहले इजराइल ने ईरान की राजधानी तेहरान में एक रडार साइट पर हमला किया। इजराइली आर्मी रेडियो ने हमले की पुष्टि की है।

ताजा हमले के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इजराइल पीएम बेंजामिन नेतन्याहू को फोन करके ईरान पर हमला रोकने को कहा था। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक नेतन्याहू ने ट्रम्प से कहा कि मैं हमला नहीं रोक सकता, क्योंकि ईरान ने पहले सीजफायर का उल्लंघन किया और उसे जवाब देना जरूरी है।

गौरतलब है कि दोनों देशों के बीच जारी जंग के 12वें दिन मंगलवार सुबह 3.32 बजे ट्रम्प ने सीजफायर पर सहमति बनने का ऐलान किया था। सुबह 10.38 बजे उन्होंने एक और पोस्ट किया और लिखा कि अभी से सीजफायर लागू होता है, प्लीज इसे न तोड़ें।

ट्रम्प के फोन पर नेतन्याहू बोले- पहले हमला ईरान ने किया, हम जवाब देंगे

मैं ईरान में तख्ता पलट के खिलाफ, इससे अशांति फैलेगीः ट्रंप

अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प एक बार फिर ईरान में तख्ता पलट के अपने बयान से पलट गए हैं। उन्होंने मंगलवार को नीदरलैंड के हेग में नाटो शिखर सम्मेलन के लिए जाते समय एयर फोर्स वन पर मीडिया से कहा कि मैं तख्ता पलट नहीं चाहता। मैं चाहता हूं कि सब कुछ जल्द से जल्द शांत हो जाए। ट्रम्प ने कहा कि तख्ता पलट से अशांति फैलती है और हम इतनी अशांति नहीं देखना चाहते। अमेरिकी राष्ट्रपति ने दो दिन पहले ही ईरान में सत्ता परिवर्तन के संकेत दिए थे। शनिवार को उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर कहा कि अगर मौजूदा ईरानी सरकार ईरान को फिर से महान नहीं बना सकती, तो सत्ता परिवर्तन क्यों नहीं होना चाहिए।

इजरायली हमले में ईरानी सेना आईआरजीओ के इंटेलिजेंस डिप्टी चीफ की मौत

वाई नेट मीडिया के मुताबिक ईरानी सेना इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के इंटेलिजेंस डिप्टी चीफ अली रजा लतीफी इजराइली हमले में मारे गए। हालांकि, रिपोर्ट में यह नहीं बताया गया कि यह हमला कौन सा था और कब हुआ था।

चुनाव आयोग ने राहुल गांधी को बातचीत के लिए किया आमंत्रित

महाराष्ट्र चुनाव में गड़बड़ी के आरोप पर बातचीत करेगा आयोग

अर्थ प्रकाश नेटवर्क

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने विपक्ष के नेता राहुल गांधी को महाराष्ट्र विधानसभा के चुनाव को लेकर उनके किसी भी सवाल पर बातचीत के लिए उन्हें पत्र लिख कर आमंत्रित किया है। आयोग के सूत्रों ने यूनीवार्ता को बताया कि महाराष्ट्र विधानसभा के चुनावों के मुद्दे पर इसी महीने की सात तारीख को एक अंग्रेजी अखबार में प्रकाशित राहुल गांधी के लेख में उठाए गए मुद्दों के संदर्भ में आयोग ने उन्हें 12 तारीख को पत्र लिखा है। इस पत्र में उन्हें बातचीत के लिए आमंत्रित किया गया है। सूत्रों के अनुसार, राहुल गांधी से कहा गया है कि आयोग महाराष्ट्र के चुनावों के बारे में कांग्रेस पार्टी की पहले की शिकायतों का विस्तृत उत्तर दे चुका है जो आयोग की वेबसाइट पर देखा जा सकता है। राहुल गांधी ने अपने सात जून के लेख में मोटे तौर पर उन्हीं मुद्दों को दोहराया है।

सूत्रों के अनुसार आयोग ने राहुल गांधी को लिखा है कि महाराष्ट्र के चुनाव को लेकर यदि सचमुच कोई शिकायत रही होंगी तो कांग्रेस पार्टी के प्रत्याशियों ने उन्हें सक्षम न्यायालय में चुनव याचिका दायर कर उठाया होगा। उन्होंने कहा, ' फिर भी विपक्ष के नेता के मन में कोई सवाल है तो आयोग उनके साथ सभी मुद्दों पर चर्चा करने के लिए पारस्परिक रूप से सुविधाजनक तिथि और समय पर बैठ कर बातचीत करने को तैयार है।

महाराष्ट्र विधान सभा के चुनाव पिछले साल नवंबर में कराये गये थे। कांग्रेस ने मतदाता सूचियों और आखिरी घंटों में मतदान की तथाकथित तेज गति को लेकर कुछ सवाल उठाये थे। आयोग ने 24 दिसंबर 2024 को कांग्रेस को इस पर विस्तृत जवाब दिया था। जवाब की प्रति आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। आयोग का कहना है कि वह सभी चुनाव कानून-कायदे से कराता है और इस संबंध में जारी निर्देशों को सख्ती से लागू करता है।

संपूर्ण चुनाव प्रक्रिया विधानसभा क्षेत्र स्तर पर विकेंद्रीकृत तरीके से संचालित की जाती है

आयोग ऐसे विवादों को लेकर बार बार कहता रहा है कि संपूर्ण चुनाव प्रक्रि या विधानसभा क्षेत्र स्तर पर विकेंद्रीकृत तरीके से संचालित की जाती है। आयोग कह चुका है कि महाराष्ट्र में चुनाव के समय उसके द्वारा 1,00,186 से अधिक मतदान केंद्र स्तरीय अधिकारी (बीएलओ), 288 निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ), 139 सामान्य पर्यवेक्षक, 41 पुलिस पर्यवेक्षक, 71 व्यय पर्यवेक्षक और 288 रिटर्निंग अधिकारी (आरओ) और राज्य भर में राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त 1,08,026 मतदान केंद्र स्तरीय एजेंट (बीएलए) शामिल किए गए थे। इनमें कांग्रेस के 28,421 एजेंट शामिल थे।

रणनीति | **पीएम मोदी के लोकप्रिय 'मन की बात' कार्यक्रम को लेकर पंचकूला स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय पंचकमल में हुई प्रदेश स्तरीय कार्यशाला**

विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए 'विकसित हरियाणा' बनाएंगेः सीएम सैनी

अर्थ प्रकाश संवाददाता

पंचकूला, 24 जून। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए हरियाणा को विकसित राज्य बनाएंगे। उन्होंने कहा कि हरियाणा विकसित होगा तो देश विकसित होगा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मंगलवार को पंचकूला स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय पंचकमल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय ''मन की बात'' कार्यक्रम को लेकर हुई प्रदेश स्तरीय कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता सभी बूथों पर 100 प्रतिशत पीएम मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सुनना सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री के मन की बात भी सुनें और लोगों के साथ मन की बात भी करें। कार्यशाला को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने पीएम मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम को जनमानस से आत्मीय जुड़ाव का सशक्त माध्यम बताया। संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा, कार्यक्रम के प्रदेश संयोजक एवं प्रदेश महामंत्री सूरेंद्र पूनिया ने भी कार्यशाला को संबोधित किया। कार्यक्रम से पहले मुख्यमंत्री, प्रदेश अध्यक्ष और संगठन मंत्री ने पौधारोपण भी किया।

'मन की बात' कार्यक्रम को लेकर कार्यशाला को संबोधित करते सीएम नायब सिंह सैनी। फोटो-अजय गौतम

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि भाजपा के कार्यकर्ता कर्मठ और कर्तव्यनिष्ठ हैं। कार्यकर्ताओं की मेहनत और परिश्रम के कारण ही केंद्र और हरियाणा में तीसरी बार भाजपा की सरकार बनी है। उन्होंने कार्यकर्ताओं का आह्वान करते हुए कहा कि कार्यकर्ता सभी बूथों पर 100 प्रतिशत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम मन की बात को सुनना सुनिश्चित करें।

सीएम सैनी ने कहा कि 'मन की बात' कार्यक्रम राजनीति से ऊपर उठकर है। मन की बात कार्यक्रम के जरिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समाज व देश के लिए अच्छा काम करने वालों को प्रोत्साहित करते हैं। उन्होंने कहा कि पीएम के मन की बात कार्यक्रम को सुनने के बाद कार्यकर्ताओं में एक नई ऊर्जा का संचार होता है। सीएम सैनी ने कहा कि पीएम मोदी की अगुवाई में देश विकास के रास्तों पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। विदेशों में नए और सशक्त भारत की पहचान बनी है। हम विश्वगुरु बनाने के राह पर अग्रसर हैं।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि 70 वर्ष से अधिक उम्र के जिन लोगों के आयुष्मान कार्ड नहीं बनें हैं उनका कार्यकर्ता आयुष्मान कार्ड बनवाने में मदद करें। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता स्वयं भी पौधे लगाएं और दूसरे लोगों को भी एक पेड़ मां के नाम अवश्य लगाने के लिए प्रेरित करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश तरक्की कर रहा है। कार्यकर्ताओं से आह्वान करते हुए उन्होंने कहा हर बूथ पर लोगों को मोदी और हरियाणा भाजपा सरकार की उपलब्धियां बताएं और योजनाओं से लोगों को अवगत कराएं।

मन की बात कार्यक्रम सेवा, प्रेरणा और राष्ट्र निर्माण की भावना को सुदृढ्ढ करता हैः बड़ौली

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ''मन की बात'' कार्यक्रम केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि जनमानस से आत्मीय जुड़ाव का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि मन की बात कार्यक्रम सेवा, प्रेरणा और राष्ट्र निर्माण की भावना को सुदृढ्ढ करता है। कार्यशाला में बड़ौली ने अच्छा काम करने वाले कार्यकर्ताओं की तारीफ भी की। उन्होंने कहा कि पिछली बार 17 हजार 663 बूथों पर मन की बात कार्यक्रम को सुना और अपलोड किया गया। इस बार कार्यकर्ता 20 हजार 629 बूथों पर मन की बात कार्यक्रम को सुनें और अपलोड कर हरियाणा को नंबर-1 बनाएं। बड़ौली ने कहा कि कांग्रेस द्वारा लगाए गए आपातकाल के 50 वर्ष पूरे हो रहे हैं। भाजपा हर जिले में कार्यक्रम कर लोगों को कांग्रेस के काले अध्याय के बारे में बताने का काम करेगी। उन्होंने कार्यशाला में आए सभी पदाधिकारियों से अपील करते हुए कहा कि वे अधिक से अधिक पौधे लगाएं और स्वच्छ पर्यावरण बनाने के लिए कार्य करें।

पंजाब सरकार ने धान के खरीद सीजन से चार महीने पहले तैयारियां शुरू की

नये बने मंत्री समूह ने किसानों को धान के सुचारू खरीद सीजन का दिया भरोसा; कटाई से पहले मंडियां रहेंगी तैयार

- लेबर, कारटेज और ट्रांसपोर्ट नीति को पहले ही दे दिया गया है अंतिम रूप
- खरीद से पहले बना दी जायेगी धान की स्टोरेज के लिए अपेक्षित जगह
- इस साल दिसंबर तक अतिरिक्त 40 लाख मीट्रिक टन भंडारण क्षमता उपलब्ध करवाई जायेगी

अर्थ प्रकाश/अक्षित जैन

चंडीगढ़, 24 जून। धान की खरीद सीजन 2025 से 4 महीने पहले ही अपनी तैयारियाँ पूरी करते हुए, मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार ने अनाज की खरीद की निगरानी करने और राज्य में आने वाले सीज़नों में गेहूँ और धान की सुचारू और निर्विघ्न खरीद को यकीनी बनाने के लिए मंत्री समूह का गठन करके एक मिसाली पहल की है। मंत्री समूह ने आज पंजाब भवन चंडीगढ़ में अपनी पहली मीटिंग की।

ज़िक्रयोग्य है कि इस मंत्री समूह में कृषि मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियां बतौर चेयरमैन और ख़ाद्य, सिविल सप्लाई और उपभोक्ता मामले के मंत्री लाल चंद कटारूचक्क, परिवहन मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर और जल संसाधन मंत्री बरिन्दर कुमार गोयल मैंबर के तौर पर शामिल हैं। प्रमुख सचिव ख़ाद्य और सिविल सप्लाई राहुल तिवारी ने 1 अक्तूबर 2025 से नवंबर के अर्ध तक चलने वाले खरीफ सीज़न के दौरान धान की सुचारू और निर्विघ्न खरीद को यकीनी बनाने के लिए की जा रही योजनाबंदी के बारे एक पेशकारी दी।

आगामी खरीफ सीजन के दौरान धान की खरीद के मद्देनज़र भंडारण सम्बन्धी अपेक्षित जगह उपलब्ध कराने के अहम मुद्दा संबंधी अवगत करवाते हुये मंत्री समूह को बताया गया कि इस सम्बन्ध में हर संभव यत्न किये जा रहे हैं और इस साल दिसंबर तक 40 लाख मीट्रिक टन जगह उपलब्ध करवा दी जायेगी। इसके इलावा अगले साल जून के अंत तक लगभग 82-83 लाख मीट्रिक टन जगह बना ली जायेगी।

कृषि मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियां ने भरोसा दिलाया कि मिल्लरों आढ़तियों और किसानों के सभी जायज़ मुद्दों का हल निकाला जायेगा और केंद्र सरकार/ एफ. सी. आई. के हस्तक्षेप की ज़रूरत वाले मुद्दों को उनके साथ बड़े स्तर पर उठाया जायेगा। उन्होंने आगे कहा कि राज्य सरकार द्वारा स्टोरेज के लिए अपेक्षित जगह यकीनी बनाने के लिए हर संभव यत्न किये जा रहे हैं। महत्वपूर्ण प्राप्ति का वर्णन करते हुये गुरमीत सिंह खुड्डियां ने बताया कि 31 जुलाई तक कुल 117 एल. एम. टी. के लक्ष्य के साथ अब तक 100 एलएमटी से अधिक चावल डिलीवर किये गए हैं।

इस मौके पर लाल चंद कटारूचक्क ने बताया कि आने वाले खरीफ सीजन में लगभग 175-180 लाख मीट्रिक टन धान की फ़सल मंडियों में आने की उम्मीद है और राज्य सरकार इसकी सही देखभाल के लिए सभी ज़रुरी प्रबंध कर रही है। अपेक्षित जगह की उपलब्धता का जिक्र करते हुये उन्होंने कहा कि 46 एल. एम. टी. गोदामों के निर्माण के लिए प्रस्ताव उच्च स्तरीय समिति की तरफ केंद्र सरकार को भेजे गए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान निजी तौर पर इस मुद्दे को केंद्र सरकार के समक्ष उठा रहे हैं।

किसानों को सिर्फ़ माहिरों द्वारा सिफ़ारिश किये बीजों का प्रयोग करने की अपील करते हुए श्री कटारूचक्क ने उनको नकली किस्मों के बीजों के प्रयोग से गुरेज़ करने के लिए कहा। उन्होंने दोहराया कि पंजाब सरकार न्यूनतम समर्थन मूल्य पर अनाज का दाना- दाना खरीदने के लिए वचनबद्ध है। इसके इलावा फसलों में नमी की मात्रा घटाने के लिए उन्होंने किसान भाईचारे को सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक ही कम्बाईनों का प्रयोग करने की सलाह दी।

केंद्र सरकार को अनाज की निरंतर ढुलाई यकीनी बनाने के लिए अपील करते हुये स. लालजीत सिंह भुल्लर ने कहा कि वह राज्य सरकार के गोदामों से करीब 12 एल. एम. टी. अनाज की ढुलाई यकीनी बनाई जाये तो नयी धान की फ़सल की स्टोरेज के लिए और जगह बनाई जा सके। उन्होंने संतोष जाहिर किया कि केंद्र की तरफ से राज्य की इस जायज़ माँग के प्रति सकारात्मक स्वीकृति आयेगी।

ये रहे मौके पर मौजूद

इस मौके पर दूसरों के इलावा प्रमुख सचिव ख़ाद्य, सिवल स्पलाई और उपभोक्ता मामले के राहुल तिवारी, सचिव पंजाब मंडी बोर्ड रामवीर, एम. डी. पनसप सोनाली गिरी, अतिरिक्त् डायरैक्टर ख़ाद्य, सिविल सप्लाई और उपभोक्ता मामले डा. अंजुमन भास्कर और जी. एम. (वित्त) ख़ाद्य, सिविल सप्लाई और उपभोक्ता मामले सरवेश कुमार शामिल थे।

वित्तमंत्री हरपाल सिंह चीमा ने की बड़ी कार्यवाही, आबकारी व कर विभाग का औचक निरीक्षण

फाइलों का निपटारा करने में की देरी भी भ्रष्टाचार का हिस्सा: चीमा

- कई ब्रांचों का रिकॉर्ड लिया कब्जे में, तुरंत दिशा-निर्देश भी जारी
- कहा, अनुपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों के विरुद्ध होगी कार्यवाही

अर्थ प्रकाश संवाददाता

पटियाला, 24 जून। पंजाब के वित्त, कराधान और आबकारी मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने आज पटियाला में आबकारी और कर विभाग के मुख्य दफ़्तर में औचक चैकिंग की। मंगलवार दोपहर के खाने के तुरंत बाद पटियाला पहुँचे हरपाल सिंह चीमा ने आबकारी कमिश्नर के साथ आबकारी और कर विभाग के मुख्य दफ़्तर में औचक चैकिंग करते हुये विभिन्न ब्रांचों में जाकर जायज़ा लिया और यहाँ तैनात अधिकारियों और कर्मचारियों की हाज़िरी जांचने के साथ-साथ उनके मेज़ों पर पड़ी फाइलों की भी जांच की।

वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि उनकी यह चैकिंग विशेषतः कई फाइलों और मामलों का निपटारा करने में हो रही देरी का कारण जानना है। इस दौरान वित्त मंत्री और कमिश्नर एक्साईज विभाग ने कई तरह के दस्तावेज़ अपने कब्ज़े में लिए और कईयों की सूची बना कर आगे कार्यवाही के लिए आदेश दिए।

सरकारी दसतावेज़ी फाइलों के साथ साथ उन्होंने एक्साईज विभाग में चल रहे कामकाज जिसमें ई आफिस मुख्य रूप से शामिल है, की भी जांच की और यह देखने की कोशिश की कि एक केस या फाइल निपटाने में कितनी देरी हो रही है और क्या यह काम तुरंत हो रहे हैं जा एक दो दिन की कोताही भी इस्तेमाल की जा रही है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि काम करने या फाइल निपटाने में देरी भी भ्रष्टाचार माना जायेगा।

इस दौरान वित्त मंत्री ने अलग अलग ब्रांचों के सुपरडैंट और अन्य अधिकारियों को भी तलब किया और जो अधिकारी या कर्मचारी मौके पर मौजूद नहीं थे, उनकी हाज़िरी भी जांची और जो अधिकारी बिना मूवमैंट रजिस्टर भरे अपने डैपूटेशन वाले स्थान पर गए हुए थे, उनकी भी पड़ताल की।

इसके उपरांत मीडिया के साथ बातचीत करते हुये वित्त, कराधान और आबकारी मंत्री एडवोकेट हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि यदि कोई व्यक्ति काम में देरी करता है तो वह भी भ्रष्टाचार का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि नैगटिव रिपोर्ट या पॉजिटिव रिपोर्ट देनी उस अधिकारी का अधिकार क्षेत्र है लेकिन काम में किसी भी तरह की जानबुझ कर की गयी देरी को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता।

आबकारी मंत्री ने कहा कि जो अधिकारी या कर्मचारी बिना मूवमैंट रजिस्टर भरे दफ़्तर में मौजूद नहीं है उनके ख़िलाफ़ कार्यवाही की जाएेगी। उन्होंने बताया कि कुछ ब्रांचों का रिकार्ड कब्ज़े में लिया गया है और कुछ अधिकारियों की पड़ताल करने के लिए कह दिया गया है।

एक सवाल के जवाब में हरपाल चीमा ने कहा कि हाईवे पर जो कमर्शियल वाहन चल रहे हैं ख़ास तौर पर भारी वाहन, जिनकी तरफ से जीएसटी की चोरी की जाती है या किसी अन्य तरह की कर सम्बन्धी कोताही की जा रही है, उनके ख़िलाफ़ पहले भी कार्यवाही की गई थी और आगे भी इस तरह की कार्यवाही की जाएेगी।

एडवोकेट चीमा ने कहा कि मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी की पंजाब सरकार जिन मुद्दों पर पंजाब की सत्ता में आई थी, उन सभी मुद्दों का हल किया जायेगा और लोगों को एक पारदर्शी और इमानदार सरकार देने के साथ साथ समयबद्ध तरीके के साथ उनके काम भी किये जाएंगे।

'युद्ध नशों विरुद्ध' के 115वें दिन 140 नशा तस्कर गिरफ़्तार

3 किलो हेरोइन, 60 हजार रुपए की ड्रग मनी बरामद

- नशा छुड़ाने सम्बन्धी यत्नों के हिस्से के तौर पर पंजाब पुलिस ने 89 व्यक्तियों को नशा छोड़ने का इलाज लेने के लिए राज़ी किया

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 24 जून। राज्य में से नशों के मुकम्मल ख़ात्मे के लिए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों पर शुरु किये गए 'युद्ध नशों विरुद्ध' के 115वें दिन पंजाब पुलिस ने आज 140 नशा तस्करों को गिरफ़्तार करके उनके कब्ज़े में से 3 किलो हेरोइन और 60,500 रुपए की ड्रग मनी बरामद की है। इससे सिर्फ़ 115 दिनों के अंदर गिरफ़्तार किये गए कुल नशा तस्करों की संख्या 19,007 हो गई है।

यह आपरेशन डायरैक्टर जनरल आफ पुलिस (डीजीपी) गौरव यादव के निर्देशों पर राज्य के सभी 28 जिलों में एक ही समय चलाया गया।

ज़िक्रयोग्य है कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पुलिस कमिश्नरों, डिप्टी कमिश्नरों और एस. एस. पीज़ को पंजाब को नशा मुक्त राज्य बनाने के हुक्म दिए हैं। पंजाब सरकार द्वारा नशों के विरुद्ध जंग की निगरानी के लिए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा के नेतृत्व अधीन 5 सदस्यीय कैबिनेट सब कमेटी भी बनाई गई है।

आपरेशन के विवरण देते हुये स्पैशल डीजीपी कानून और व्यवस्था अर्पित शुक्ला ने बताया कि 94 गज़टिड अधिकारियों की निगरानी अधीन 1500 से अधिक पुलिस कर्मचारियों के सम्मिलन वाली 200 से अधिक पुलिस टीमों ने राज्य भर में 482 स्थानों पर छापेमारी की, जिसके चलते राज्य भर में 97 ऐफआईआरज़ दर्ज की गई। उन्होंने आगे कहा कि दिन भर चले इस आपरेशन के दौरान पुलिस टीमों ने 510 शक्की व्यक्तियों की जांच भी की। स्पैशल डीजीपी ने बताया कि पंजाब सरकार द्वारा राज्य में से नशों के ख़ात्मे के लिए तीन-आयामी रणनीति - इनफोरसमैंट, डी-एडिकशन और प्रीवैंशन (ईडीपी) - लागू की गई है और पंजाब पुलिस ने इस रणनीति के हिस्से के तौर पर आज 89 व्यक्तियों को नशा छोड़ने और पुनर्वास का इलाज लेने के लिए राज़ी किया है।

आधार नियमों को समझाने के लिए पंजाब पुलिस व यूआईडीएआई ने संयुक्त रूप से जागरूकता वर्कशॉप का किया आयोजन

- पुलिस अधिकारियों को आधार के सुरक्षित, कानूनी और प्रभावी उपयोग के बारे में दी गई जानकारी; एम-आधार ऐप के व्यावहारिक प्रशिक्षण और डाटा गोपनीयता पर भी हुई चर्चा

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 24 जून। आधार नियमों की बेहतर समझ और पुलिस सेवाओं के साथ इसके कानूनी एकीकरण के लिए पंजाब पुलिस के कम्युनिटी अफेअरज़ डिवीज़न (सीएडी) ने भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) के क्षेत्रीय दफ़्तर, चंडीगढ़ के सहयोग के साथ पुलिस अधिकारियों को प्रशासन और कानून प्रवर्तन में आधार के सुरक्षित प्रयोग के बारे अवगत करवाने के लिए जागरूकता वर्कशाप का आयोजन किया।

इस सैशन का संचालन स्पेशल डायरैक्टर जनरल आफ पुलिस (स्पेशल डीजीपी) कम्युनिटी अफेअरज़ डिवीज़न गुरप्रीत कौर दिओ और श्री राम सिंह एडीजीपी टीऐसऐस की मौजूदगी में डीडीजी चंडीगढ़ कमांडर धीरज सरीं के नेतृत्व अधीन यूआईडीएआई क्षेत्रीय दफ़्तर की टीम द्वारा किया गया जिसमें प्रशासन और कानून लागूकरण में आधार के सुरक्षित प्रयोग को यकीनी बनाने के बारे विचार-चर्चा की गई। इस सैशन में पंजाब के सभी जिलों से 100 पुलिस अधिकारियों ने भागीदारी की।

यूआईडीएआई टीम ने आधार तस्दीक सम्बन्धी साधनों, जिनमें एम-आधार एप भी शामिल है, के बारे व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया और पुलिस जांच के दौरान दुरुपयोग को रोकने के लिए कानूनी सीमाओं के बारे जानकारी दी।

इस मौके पर बोलते हुये स्पेशल डीजीपी गुरप्रीत कौर दिओ ने कहा कि यह सैशन कानूनी और गोपनीयता सम्बन्धी मानकों की पालना को यकीनी बनाते हुये यूआईडीएआई और कानून लागूकरण वाली एजेंसियों के दरमियान तालमेल को मज़बूत करने की दिशा की तरफ एक अहम कदम है। उन्होंने कहा कि हमारे अधिकारी अब डाटा सुरक्षा के साथ समझौता किये बिना आधार से सम्बन्धित तस्दीक प्रक्रियाओं के साथ बेहतर ढंग से निपट सकते हैं।

इस दौरान यूआईडीएआई टीम ने पुलिस अधिकारियों की तरफ से एम-आधार एप के प्रयोग के द्वारा आधार सम्बन्धी प्रमाणों की पुष्टि करने के बारे जानकारी दी और आधार से सम्बन्धित कानूनी मुद्दों और गोपनीयता चिंताओं के बारे चर्चा की।

सुखबीर बादल अपनी सलाह परिवार को दें, पंजाब को नहीं : बलतेज पन्नू

- कहा-अपने स्वार्थ में बादल परिवार ने अकाली दल को खाली दल बना दिया, अब उनका मुकाबला नोटा के साथ हो गया है

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 24 जून। शिरोमणि अकाली दल (बादल) के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल द्वारा पंजाब सरकार में नियुक्तियों को लेकर दिए बयान पर आम आदमी पार्टी ने तीखा प्रतिक्रिया व्यक्त की है। पार्टी ने कहा कि लुधियाना पश्चिम विधानसभा उपचुनाव में अकाली उम्मीदवार के ज़मानत जब्त होने के बाद वह बौखला गए हैं। उन्हें अब अपने राजनीतिक जीवन का अंत स्पष्ट नजर आने लगा है।

आप नेता बलतेज पन्नू ने इस मामले पर सुखबीर बादल को घेरा और कहा कि हमें आपकी सलाह की कोई जरूरत नहीं है। अपनी सलाह अपने परिवार को दें, पंजाब को नहीं। उन्होंने कहा कि अपने स्वार्थ में बादल परिवार ने अकाली दल को खाली दल बना दिया है। सभी बड़े नेता पार्टी छोड़ चुके हैं। अब पार्टी उनकी उनकी प्राइवेट लिमिटेड कंपनी बनकर रह गई है। इसलिए पंजाब के मसलों पर वह न ही बोलें तो बेहतर होगा।

पन्नू ने कहा कि सुखबीर बादल की बौखलाहट का असल कारण यह है कि चुनावों में उनकी पार्टी मुकाबला नोटा के साथ हो गया है। उन्हें डर है कि कहीं नोटा को उनके उम्मीदवार से ज्यादा वोट न आ जाए। उन्होंने कहा कि 2017 के बाद हर चुनावों में जिस तरह अकाली दल की बुरी हार हुई है, पंजाब के इतिहास में किसी भी पार्टी का इतना बुरा हाल नहीं हुआ।

उन्होंने कहा कि सुखबीर बादल की हालत अब ऐसी गई है कि पंजाब का कोई भी व्यक्ति उनकी किसी भी बात पर भरोसा करने को तैयार नहीं है। वह अपनी छल-कपट और धोखेबाजी के कारण लोगों का भरोसा पूरी तरह खो चुके हैं।

पन्नू ने कहा कि लुधियाना पश्चिम उपचुनाव में लोगों ने आप सरकार की पिछले 3 साल के कार्यों पर अपनी मोहर लगाई है।

आगे भी हम इसी तरह अपना काम जारी रखेंगे। हमें देश में कहीं भी शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य सार्वजनिक सेवाओं का विशेषज्ञ व्यक्ति मिलेगा तो पंजाब की भलाई के लिए हम उसकी मदद लेंगे।

DIRECTORATE OF PUNJAB STATE LOTTERIES

Draw Time: 06:00 PM ONWARDS DATE:24/06/2025

RESULT OF PUNJAB STATE DEAR 20 MONTHLY LOTTERY

MRP Rs 20/- Per Ticket

1st Prize Amount (1) Rs. 5 Lakhs (On 5 digits With Series)
(Seller Prize Amount Rs. 50 Thousand + Sub Stockist Prize Amount Rs. 20 Thousand, Total Prize Amount Rs. 5.70 Lakhs)

D 98059

2nd Prize Amount (100) Rs. 2,000/- (On last 4 digits)
(Seller Prize Amount Rs. 200/-, Sub Stockist Prize Amount Rs. 50/-, Total Prize Amount Rs. 2250/- each)

0218 2384 3790 6555 8014

3rd Prize Amount (100) Rs. 1,000/- (On Last 4 digits)
(Seller Prize Amount Rs.100/-, Sub Stockist Prize Amount Rs. 20/-, Total Prize Amount Rs. 1120/- each)

2559 2798 3941 6332 9140

4th Prize Amount (100) Rs. 500/- (On last 4 digits)
(Seller Prize Amount Rs. 50/-, Sub Stockist Prize Amount Rs. 10/-, Total Prize Amount Rs. 560/- each)

0870 3524 5720 8759 8849

5th Prize Amount (100) Rs. 200/- (On last 4 digits)
(Seller Prize Amount Rs. 50/-, Sub Stockist Prize Amount Rs. 10/-, Total Prize Amount Rs. 260/- each)

0804 3322 5503 6202 6840

6th Prize Amount (8000) Rs. 50/- (On last 4 digits)
(Seller Prize Amount Rs. 20/-, Sub Stockist Prize Amount Rs. 10/-,Total Prize Amount Rs. 80/- each)

0044	0086	0098	0105	0119	0136	0198	0256	0260	0281
0343	0378	0414	0446	0499	0501	0531	0534	0536	0554
0621	0643	0659	0664	0670	0678	0729	0749	0757	0773
0857	0872	0886	0924	0981	1050	1077	1080	1091	1113
1190	1310	1320	1341	1367	1446	1454	1477	1519	1537
1550	1571	1578	1597	1599	1618	1625	1659	1676	1687
1690	1691	1704	1734	1752	1774	1780	1800	1822	1835
1837	1891	1928	1941	1978	1987	2002	2031	2078	2137
2153	2251	2319	2336	2342	2355	2364	2439	2459	2471
2505	2517	2518	2537	2541	2549	2581	2603	2637	2664
2680	2698	2773	2922	2943	2944	2950	2962	2981	2989
3001	3004	3022	3023	3095	3102	3103	3122	3179	3237
3249	3262	3308	3313	3377	3427	3443	3502	3508	3509
3510	3527	3561	3640	3642	3645	3657	3667	3676	3677
3680	3719	3772	3811	3844	3846	3868	3900	3942	3968
3977	4005	4022	4049	4133	4169	4196	4210	4222	4239
4276	4285	4290	4307	4314	4315	4393	4404	4413	4459
4481	4529	4589	4596	4616	4631	4695	4717	4728	4763
4769	4790	4823	4892	4895	4901	4949	4959	5046	5101
5108	5114	5124	5159	5166	5167	5189	5198	5207	5280
5318	5379	5381	5433	5438	5464	5508	5524	5540	5598
5649	5653	5668	5677	5684	5719	5721	5763	5820	5841
5924	5944	5963	6002	6041	6068	6080	6143	6185	6199
6208	6229	6234	6243	6309	6318	6328	6337	6345	6367
6409	6498	6503	6510	6536	6582	6593	6594	6636	6641
6644	6657	6660	6663	6681	6688	6712	6781	6783	6828
6829	6843	6848	6863	6879	6888	6911	6969	6976	6989
7005	7012	7033	7039	7066	7091	7115	7171	7182	7237
7244	7360	7375	7383	7400	7412	7440	7467	7490	7499
7529	7553	7557	7562	7598	7621	7634	7702	7710	7728
7800	7872	7891	7893	7916	7938	7959	7975	7993	7994
8027	8032	8039	8094	8104	8123	8153	8176	8190	8220
8232	8263	8264	8401	8408	8418	8435	8469	8480	8492
8506	8526	8541	8566	8578	8579	8602	8622	8678	8715
8789	8795	8854	8860	8899	8906	8944	8949	8972	8975
9023	9038	9043	9048	9050	9054	9063	9068	9084	9091
9116	9131	9136	9156	9171	9173	9180	9202	9204	9219
9227	9229	9243	9277	9281	9283	9303	9307	9343	9457
9529	9546	9588	9635	9643	9667	9698	9706	9742	9760
9782	9857	9866	9897	9907	9925	9939	9954	9974	9975

Issued by DIRECTORATE OF PUNJAB STATE LOTTERIES
Kindly check the final result with Official Gazette Notification

DIRECTORATE OF PUNJAB STATE LOTTERIES

DRAW TIME: 06:00 PM ONWARDS DRAW DATE:24/06/2025

RESULT OF PUNJAB STATE DEAR 10 DIAMOND TUESDAY WEEKLY LOTTERY

MRP Rs 10/- Per Ticket

1st Prize Amount (10)Rs.10,000/-,Common to all series (On last 4 digits)
(Seller Prize Amount Rs.500/-, Total Prize Amount Rs.10500/- each)

0307

2nd Prize Amount (10)Rs.2000/-, Common to all series (On last 4 digits)
(Seller Prize Amount Rs.200/-, Total Prize Amount Rs.2200/- each)

2525

3rd Prize Amount (100)Rs.500/-, Common to all series (On last 4 digits)
(Seller Prize Amount Rs.50/-, Total Prize Amount Rs.550/- each)

0532 1488 2026 4376 5243 5409 6157 8417 9656 9937

4th Prize Amount (100)Rs.200/-, Common to all series (On last 4 digits)
(Seller Prize Amount Rs.20/-, Total Prize Amount Rs.220/- each)

0478 1519 1809 1854 2319 3737 4088 5776 8152 8327

5th Prize Amount (2000)Rs.100/-, Common to all series (On last 4 digits)
(Seller Prize Amount Rs.10/-, Total Prize Amount Rs.110/- each)

0001	0077	0139	0150	0161	0248	0345	0413	0440	0483
0508	0564	0568	0666	0840	0863	0937	0968	1079	1095
1100	1239	1306	1408	1436	1445	1452	1478	1522	1573
1582	1633	1643	1678	1779	1794	1958	2012	2041	2149
2173	2174	2185	2371	2390	2392	2413	2431	2442	2467
2745	2758	2861	2904	2924	2932	3114	3132	3154	3160
3188	3213	3236	3252	3360	3385	3402	3468	3484	3554
3647	3807	3811	3816	3836	3882	3907	3920	3931	4110
4140	4152	4185	4281	4300	4306	4333	4377	4378	4410
4439	4538	4600	4687	4714	4807	4838	4851	4898	4903
4931	4996	5111	5234	5289	5352	5379	5380	5421	5473
5633	5703	5714	5720	5730	5736	5742	5793	5818	5920
5960	6139	6143	6163	6179	6222	6284	6285	6328	6335
6374	6416	6526	6529	6584	6601	6618	6654	6666	6701
6731	6845	7064	7109	7159	7269	7274	7289	7364	7368
7380	7431	7471	7588	7655	7746	7767	7793	7801	7806
7877	7882	7940	8041	8094	8155	8156	8200	8250	8253
8369	8420	8498	8536	8542	8555	8565	8599	8627	8698
8713	8765	8770	8803	8830	8854	9109	9269	9277	9371
9396	9397	9492	9500	9554	9776	9859	9870	9909	9960

Issued by DIRECTORATE OF PUNJAB STATE LOTTERIES
Kindly check the final result with Official Gazette Notification

---

बिल्डर पर धोखा करने के आरोप लगाते हुए निवेशकों ने किया शांतमय रोष प्रदर्शन

- बिजली विभाग ने भी बिल्डर को नियमों की अवहेलना करने संबंधी निकाला पत्र

अर्थ प्रकाश संवाददाता

जीरकपुर, 24 जून। स्थानीय चंडीगढ़ अंबाला हाईवे पर स्थित माया गार्डन मैग्नीशिया प्रोजेक्ट के निवेशकों ने बिल्डर पर धोखाधड़ी के आरोप लगाए तथा प्रोजेक्ट में अनियमितताओं के आरोप लगाते हुए सरकार से की जांच की मांग की। पीड़ित निवेशकों द्वारा मैग बायर्स वेलफेयर एसोसिएशन का गठन करके रिटायर्ड कर्नल प्रवीण विज को इस संस्था का सर्व समिति से अध्यक्ष बनाया गया था जिसमें सभी पीड़ित निवेशकों को सदस्य बनाया हुआ है। इस संस्था के पदाधिकारीयों के अनुसार करीब 5-6 वर्ष पहले बरनाला बिल्डर द्वारा माया गार्डन मैग्नीशिया के नाम पर जीरकपुर के चंडीगढ़ अंबाला हाईवे पर एक प्रोजेक्ट शुरू किया गया था, जिसमें लोगों को निवेश करने के लिए कहा गया था। प्रोजेक्ट शुरू करने से पहले जो बिल्डर द्वारा सीएलयू लिया गया था उसमें साफ-साफ लिखा गया था कि यह प्रोजेक्ट एक ही यूनिट है इसको अलग-अलग हिस्सों में डेवलप नहीं किया जा सकता। इसके बाद रेरा से भी जब मंजूरी ली गई है वह भी सिंगल यूनिट की ही मंजूरी ली गई थी। उसमें भी यही बात लिखी गई थी कि इसको अलग-अलग हिस्सों में डेवलप नहीं किया जा सकता और इसकी पूरे प्रोजेक्ट के मुकम्मल होने की तिथि भी एक ही होगी। लेकिन बिल्डर द्वारा पैसे बचाने के चक्कर में सबसे पहले गलती यही की गई कि उसके अलग-अलग टावर बना दिए गए। निवेशकों ने आगे आरोप लगाया कि बिल्डर द्वारा जो प्रोजेक्ट के डिजाइन की मंजूरी ली गई है, उसमें भी बिल्डर द्वारा बदलाव कर दिए गए हैं तथा प्रोजेक्ट में जो शोरूम तथा दुकानें बनाई गई है। उनके भी साइज पहले बताए गए साइज से कम बनाए गए हैं। निवेशकों ने यह भी आरोप लगाया के नगर कौंसिल से प्रोजेक्ट की कंप्लीशन सर्टिफिकेट लेने के लिए 8 से 10 एनओसी लेनी पड़ती है लेकिन बिल्डर के पास सारी एनओसी नहीं है और नगर कौंसिल अधिकारियों ने बिल्डर के साथ मिली भगत करके उसे कंप्लीशन सर्टिफिकेट जारी कर दिया गया है। उन्होंने आरोप लगाया के बिल्डर द्वारा दो तरह के सर्टिफिकेट लिए जाने जरूरी है जिनमें से एक कंप्लीशन सर्टिफिकेट और दूसरा ऑक्युपेंसी सर्टिफिकेट, तथा नियमों के अनुसार दोनों सर्टिफिकेट एक साथ जारी नहीं किया जा सकते। इनमें से कंप्लीशन सर्टिफिकेट पहले जारी होता है, इसके बाद ऑक्युपेंसी सर्टिफिकेट जारी होता है। लेकिन नगर कौंसिल द्वारा बिल्डर को मिली भगत करके एक ही सर्टिफिकेट में दोनों का जिक्र किया हुआ है जो के नियमों के बिल्कुल विपरीत है। निवेशकों ने कहा कि इस प्रोजेक्ट को फायर विभाग द्वारा जारी किया गया एन ओ सी भी कैंसिल कर दिया गया है तथा इस प्रोजेक्ट में बिजली की तारें भी बिल्कुल सही नहीं है। सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट सही काम नहीं कर रहा जिसके चलते माया गार्डन मैग्नीशिया प्रोजेक्ट में सीवरेज ओवरफ्लो हो रहा है।

बिजली विभाग ने भी निकाला बिल्डर को नोटिस

बिजली विभाग जीरकपुर ने बरनाला बिल्डर को नियमों की अवहेलना करने संबंधी निकल गए पत्र में लिखा है कि हमें आपके प्रोजेक्ट के खिलाफ एक शिकायत मिली है, जिसमें आप बिजली मीटर लगाने के लिए दुकान मालिकों से अनुचित राशि वसूल रहे हैं। आपने बिजली कनेक्शन के बदले प्राप्त सुरक्षा राशि का विवरण भी नहीं दिया है और न ही आपने दुकानदारों द्वारा बिजली कनेक्शन जारी करने के लिए आवेदन किए गए फॉर्म की प्रति प्रस्तुत की है। यह आपके द्वारा हस्ताक्षरित कानूनी समझौते का स्पष्ट उल्लंघन है और यह शिकायत के दावों को भी सत्य सिद्ध करता है कि आप बिजली कनेक्शन के लिए अधिक शुल्क लेकर उपभोक्ता को परेशान कर रहे हैं। आपको फ्रैंचाइज़ समझौते के खंड/मानदंडों का अनुपालन करने का निर्देश दिया जाता है, अन्यथा आपके विरुद्ध विभागीय/कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बिल्डर ने नहीं उठाया फोन

इस मामले संबंधी बरनाला बिल्डर के प्रोजेक्ट माया गार्डन मैग्नीशिया के बिल्डर सतीश जिंदल तथा अरुण जिंदल को को फोन किया तो उन्होंने फोन नहीं उठाया।

हम फायर विभाग, प्रदूषण विभाग, और बिजली विभाग के साथ तालमेल करके इकट्ठी रिपोर्ट बनाएंगे। उसके बाद ही अगली कार्रवाई की जाएगी।

अजय बराड़ बिल्डिंग इंस्पेक्टर नगर परिषद जीरकपुर।

स्वास्थ्य विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव ने राज्य टास्क फोर्स (एसटीएफ) की साप्ताहिक बैठक की अध्यक्षता की

यदि कोई डॉक्टर अवैध गर्भपात में संलिप्त पाया तो सख्त कार्रवाई होगी

- हरियाणा में लिंगानुपात 23 जून तक सुधरकर 906 हुआ, जो पिछले वर्ष इसी अवधि में 902 था
- अवैध गर्भपात प्रथाओं के कारण सोनीपत में आयुष चिकित्सक का पंजीकरण रद्द किया गया

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 24 जून। हरियाणा की स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री कुमारी आरती सिंह राव के निर्देश पर हरियाणा में लिंगानुपात सुधारने के लिए राज्य टास्क फोर्स (एसटीएफ) की साप्ताहिक बैठक आज यहां स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री सुधीर राजपाल की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में अवैध गर्भपात पर अंकुश लगाने और 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' अभियान के तहत राज्य के लिंगानुपात में और सुधार लाने के प्रयासों को तेज करने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

बैठक में बताया गया कि हरियाणा में लिंगानुपात इस वर्ष एक जनवरी से लेकर 23 जून तक बढ़कर 906 हो गया, जो पिछले वर्ष इसी अवधि में 902 था।

अतिरिक्त मुख्य सचिव ने अवैध गर्भपात करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया, साथ ही अधिकारियों को कहा कि यदि कोई डॉक्टर इसमें संलिप्त पाया जाता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, जिसमें लाइसेंस रद्द करना भी शामिल है। उन्होंने अधिकारियों को अल्ट्रासाउंड और एमटीपी केंद्रों पर छापेमारी तेज करने और नवजात बच्चों का पंजीकरण अभियान बढ़ाने का निर्देश दिया, खासकर चरखी दादरी जिले में, जहां लक्षित हस्तक्षेप की आवश्यकता है। टास्क फोर्स ने लिंगानुपात निगरानी से संबंधित कर्तव्यों में लगातार गैर-प्रदर्शन के लिए चरखी दादरी के पूर्व सीएमओ डॉ. राजविंदर मलिक को चार्जशीट करने का फैसला किया। इसके अलावा, गर्भवती महिलाओं से जुड़ी सहेली के कामकाज-खासकर जहां गर्भपात की घटनाएं रिपोर्ट की गई हैं,की जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए बारीकी से निगरानी की जाएगी।

अतिरिक्त मुख्य सचिव ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) की सख्त निगरानी के निर्देश देते हुए कहा कि जिन क्षेत्रों में अवैध गर्भपात की रिपोर्ट की जा रही है, वहां के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारियों (एसएमओ) की जवाबदेही तय की जाए। एक अन्य मामले में उन्होंने भिवानी के सीएचसी-गोपी के कार्यवाहक एसएमओ डॉ. एम. नेहरा को उनके क्षेत्र में कम लिंगानुपात के कारण चार्जशीट करने का निर्देश दिया।

सीमा पार से अवैध गर्भपात गतिविधियों से निपटने के लिए स्वास्थ्य अधिकारियों को पड़ोसी जिलों में अपने समकक्षों के साथ समन्वय करने और प्रवर्तन और खुफिया-साझाकरण तंत्र को मजबूत करने के लिए संयुक्त बैठकें आयोजित करने का निर्देश दिया गया।

अतिरिक्त मुख्य सचिव ने निर्देश दिया कि रक्तस्राव के लक्षणों के साथ अस्पताल पहुंचने वाली किसी भी महिला को रिवर्स ट्रैकिंग से गुजरना होगा और यह पता लगाने के लिए परीक्षण किया जाना चाहिए कि उसने मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेगनेंसी (एमटीपी) की गोलियां खाई हैं या नहीं। यदि कानून का कोई उल्लंघन पाया जाता है, तो बिना देरी के उचित कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए।

बैठक में बताया गया कि पिछले सप्ताह (17 जून से 23 जून, 2025) के दौरान, एमटीपी किट की अवैध बिक्री पर राज्य भर में 28 निरीक्षण किए गए, जिनमें 1 दुकान को सील किया गया और दो एफआईआर दर्ज की गईं। हरियाणा में डेढ़ महीने के भीतर एमटीपी किट बेचने वाले थोक विक्रेताओं की संख्या 32 से घटकर 3 हो गई है और राज्य के 15 जिलों में एमटीपी किट की बिक्री की प्रवृत्ति में उल्लेखनीय गिरावट देखी गई है। सोनीपत के खरखौदा में एक आयुष चिकित्सक का पंजीकरण रद्द कर दिया गया और अवैध गर्भपात प्रथाओं के लिए उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई।

अधिकारियों को उन सहेलियों की पहचान करने के भी निर्देश दिए गए जिन्होंने बालिकाओं के सफल जन्म को सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ऐसी सहेलियों को उनके प्रयासों को मान्यता देने और इस महत्वपूर्ण कार्य में व्यापक सामुदायिक भागीदारी को प्रोत्साहित करने के साधन के रूप में संबंधित सीएमओ द्वारा प्रोत्साहित किया जाएगा। बैठक में स्वास्थ्य विभाग के सचिव और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के मिशन निदेशक श्री रिपुदमन सिंह ढिल्लों और विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

शहरी क्षेत्रों में विस्तारित करने की आवश्यकता पर दिया बल

अतिरिक्त मुख्य सचिव ने 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' अभियान को शहरी क्षेत्रों में भी विस्तारित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे बालिकाओं को बचाने के महत्व के बारे में शहरी आबादी के बीच जागरूकता पैदा करने में उपायुक्तों और रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए) को सक्रिय रूप से शामिल करें। उन्होंने सार्वजनिक पार्कों और अन्य सामुदायिक स्थानों पर नियमित जागरूकता अभियान आयोजित करने का आह्वान किया, जिसमें संबंधित मुख्य चिकित्सा अधिकारियों (सीएमओ) को इस उद्देश्य के लिए अधिकारियों को तैनात करने के लिए अधिकृत किया गया।सार्वजनिक पार्कों में जागरूकता रैलियां आयोजित की जाएंगी, जिसमें समुदाय को संवेदनशील बनाने के लिए जिले के लिंगानुपात को प्रमुखता से प्रदर्शित करने वाले बैनर होंगे। मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) अपने-अपने जिलों में सभी स्वास्थ्य संबंधी गतिविधियों के समग्र प्रभारी के रूप में काम करेंगे। इसके अलावा, शहरी स्थानीय निकाय (यूएलबी) अवैध गर्भपात प्रथाओं को रोकने के प्रयासों में सक्रिय रूप से शामिल होंगे। इस उद्देश्य के लिए, प्रवर्तन और जागरूकता पहलों का समर्थन करने के लिए यूएलबी से नोडल अधिकारी नियुक्त किए जाएंगे। इसके अलावा, मेडिकल कॉलेजों में सामाजिक और निवारक चिकित्सा के स्नातकोत्तर छात्रों को सामुदायिक जागरूकता और आउटरीच प्रयासों को मजबूत करने के लिए शहरी क्षेत्रों में लगाया जाएगा। इसके अतिरिक्त, महिला एवं बाल विकास विभाग को इस संदेश को और अधिक प्रसारित करने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर समर्पित अभियान चलाने का निर्देश दिया गया।

एसटीएफ हरियाणा और दिल्ली स्पेशल सेल का संयुक्त ऑपरेशन

तीन लाख का इनामी गैंगस्टर रोमिल वोहरा मुठभेड़ में ढेर, शांतनु मर्डर केस में 10 गिरफ्तार

अर्थ प्रकाश/अरविंद मोहन शर्मा

कुरुक्षेत्र, 24 जून। एसटीएफ ने एक संयुक्त अभियान के दौरान कुख्यात अपराधी रोमिल वोहरा को मुठभेड़ में ढेर कर दिया है। रोमिल वोहरा पुत्र कपिल वोहरा, निवासी अशोक विहार, यमुनानगर, जिसकी गिरफ्तारी पर 3 लाख का इनाम घोषित था। एसटीएफ के एसपी विक्रांत भूषण व एसपी कुरुक्षेत्र नीतीश अग्रवाल ने मंगलवार को एसपी कार्यालय के सभागार में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि एसटीएफ को सूचना मिली थी कि अपराधी रोमिल वोहरा गुरुग्राम और फरीदाबाद से दिल्ली व उत्तरी हरियाणा में किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में है। इस सूचना पर एसटीएफ सेंट्रल यूनिट के इंचार्ज उप निरीक्षक राकेश कुमार व एसटीएफ करनाल यूनिट की टीम द्वारा तत्परता से कार्रवाई करते हुए जानकारी को काउंटर इंटिलिजेंट स्पेशल सेल दिल्ली के साथ साझा किया गया। उन्होंने कहा कि संयुक्त कार्रवाई के तहत स्पेशल सैल दिल्ली के निरीक्षक मंजीत सिंह व उनकी टीम को ऑपरेशन में शामिल किया गया। दोनों एजेंसियों द्वारा गुरुग्राम-फरीदाबाद से दिल्ली की ओर जाने वाले मार्गों पर अलसुबह सघन नाकाबंदी की गई। इस दौरान आरोपी को रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन उसने पुलिस पार्टी पर फायरिंग कर दी। आत्मरक्षा में पुलिस द्वारा की गई जवाबी कार्रवाई में एसटीएफ हरियाणा के उप निरीक्षक रोहन, स्पेशल सेल दिल्ली के उप निरीक्षक प्रवीन और आरोपी रोमिल वोहरा घायल हो गए। सभी को उपचार हेतु अस्पताल ले जाया गया, जहां रोमिल को मृत घोषित कर दिया गया। दोनों पुलिस अधिकारियों का उपचार जारी है।

हत्या और फायरिंग के मामलों में वांछित

न्होंने कहा कि रोमिल वोहरा एक कुख्यात अपराधी था, जिस पर खेडी लक्खा सिंह ट्रिपल मर्डर और शांतनु मर्डर (शाहाबाद) सहित आठ गंभीर आपराधिक मामले दर्ज थे। इन मामलों में फायरिंग, अवैध हथियारों की सप्लाई, हत्या की योजना और संगठित आपराधिक गतिविधियाँ शामिल थीं। वह लंबे समय से फरार था और स्क्षस्न की प्राथमिक सूची में शामिल वांछित अपराधियों में से एक था।

शांतनु मर्डर केस में एसटीएफ की बड़ी कार्रवाई

उन्होंने कहा कि 13 जून 2025 को शाहाबाद में हुए शांतनु मर्डर केस की जांच में एसटीएफ को एक और बड़ी सफलता मिली है। उप पुलिस अधीक्षक अमन कुमार के नेतृत्व में एसटीएफ अम्बाला और करनाल यूनिट की टीमों ने इस केस से जुड़े कुल 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। ये आरोपी हत्या की साजिश, रैकी, शूटर के रूप में सक्रिय भूमिका और वित्तीय/लॉजिस्टिक सपोर्ट प्रदान करने में शामिल थे। पाँच आरोपियों को पहले सप्ताह में जबकि शेष पाँच को 23 एवं 24 जून को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार सभी आरोपियों को आज माननीय न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया जाएगा।

बिजली की बढ़ी दरों को तत्काल वापस ले भाजपा सरकार : रामचंद्र गुर्जर

- कहा- महंगाई की मार ने पहले ही जनता की कमर तोड़ी

अर्थ प्रकाश/ओम प्रकाश

कैथल, 24 जून। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी कार्यकारिणी सदस्य रामचंद्र गुर्जर ढांड ने मौजदा भाजपा सरकार द्वारा बिजली के दामों में की गई बेतहाशा बढ़ोतरी को जनविरोधी कदम करार देते हुए सरकार से तत्काल प्रभाव से बिजली की बढ़ी हुई दरों को वापस लेने की मांग की है। उन्होंने कहा कि पहले ही महंगी बिजली दरों ने उपभोक्ताओं की कमर तोड़ रखी है, ऐसे में बिजली के दामों में बेतहाशा बढ़ोत्तरी जनता की जेबो व हकों पर डाका डालने के समान है। नई अनाज मंडी ढांड में अपने प्रतिष्ठान पर एक भेंटवार्ता में बातचीत करते हुए कांग्रेसी नेता रामचंद्र गुर्जर ढांड ने कहा कि अचानक बिजली दरें बढने से लोगों के घर पर चार से पांच गुना बढ़े हुए बिल पहुंचने लगे हैं। सरकार ने बिजली के रेट बढ़ाकर और फिक्स चार्ज में भी 75 रुपए प्रति किलो वाट की वृद्धि करके बिजली बिल को चार से पांच गुना तक बढ़ा दिया। विभिन्न कैटेगरी के लिए बनाए गए स्लैब में भी चुपचाप बदलाव कर दिया गया। हरियाणा में बिजली के रेट बढने से करीब 81 लाख उपभोक्ता सीधे तौर पर प्रभावित हो रहे हैं। लोगों के घरों का पूरा बजट बिगड़ गया है। कांग्रेसी नेता रामचंद्र गुर्जर ढांड ने प्रदेश सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि बीजेपी सरकार ने पिछले 11 वर्षों में जब बिजली का कोई नया प्लांट लगाया नहीं तो बिजली की दरें क्यों बढ़ा रही है? । भाजपा सरकार सत्ता के नशे में जनता को प्रताड़ित करने के साथ महंगाई की मार कर रही है। उन्होंने कहा कि कि कांग्रेस की सरकार ने अपने 10 साल के कार्यकाल में 4 थर्मल पॉवर प्लांट और एक परमाणु संयंत्र लगवाकर पावर सरप्लस राज्य बनाया फिर भी कभी बिजली के दाम नहीं बढ़ाएं, उल्टे किसानों के लिए बिजली के रेट कम किए। किसानों के 1600 करोड़ के बिजली के बिल माफ किए और कांग्रेस कार्यकाल में पूरे देश में सबसे सस्ती बिजली हरियाणा में मिलती थी।

बीडीपीओ देंगे अब ड्रेनों की सफाई की रिपोर्ट, डीसी ने जारी किए आदेश

कैथल (अप्रस)। डीसी प्रीति जिले में ड्रेनों की साफ-सफाई को लेकर गंभीर हैं। वे ड्रेनों, नालों व सीवरेज की सफाई कार्य की लगातार निगरानी कर रही हैं। स्वयं ड्रेनों के निरीक्षण के बाद अब बीडीपीओ को निर्देश दिए हैं कि वे अपने-अपने गांवों के क्षेत्रों में आने वाली ड्रेनों की साफ-सफाई संबंधी रिपोर्ट डीसी कार्यालय को भेजें। डीसी प्रीति ने इस बार मानसून से पहले जिले भर के नालों, ड्रेनों व सीवरेज की साफ-सफाई के लिए आवश्यक निर्देश जारी किए थे। इसके बाद डीसी ने अलग-अलग दिनों में स्वयं ड्रेनों का निरीक्षण कर जनस्वास्थ्य, सिंचाई व स्थानीय निकाय विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए थे कि जहां भी साफ-सफाई में कमी है, उसे दूर किया जाए। जिले भर में इस समय मानसून को देखते हुए नालों, ड्रेनों एवं सीवरेज की सफाई का कार्य जोरों पर हैं। अब डीसी ने जिले के सभी खंड विकास एवं पंचायत अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने अधीन आने वाले गांवों की सीमा वाली ड्रेनों की सफाई के संबंध में रिपोर्ट दें।

अपराधियों के खिलाफ स्पेशल कार्रवाई, ऑपरेशन आक्रमण

पानीपत पुलिस की 80 टीमों ने 6 घंटे के दौरान 45 आरोपी किए गिरफ्तार

- 1 देसी पिस्तौल, 1 जिंदा रौंद, 113 बोतल अवैध देसी शराब, जुआ सट्टा खाइवाली में दाव पर लगी 14880 रूपये की नगदी बरामद

अर्थ प्रकाश/सुभाष जैन

पानीपत, 24 जून। पुलिस महानिदेशक हरियाणा श्री शत्रुजीत कपूर आईपीएस के आदेशानुसार अपराधों पर अंकुश लगा आरोपियों की धरपक? के लिए मंगलवार 24 जून को सुबह 6 बजे से दोपहर 12 बजे तक चलाए गए ऑपरेशन आक्रमण अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक श्री भूपेंद्र सिंह आईपीएस की अगुवाई में पानीपत पुलिस ने अपराधियों के खिलाफ स्पेशल कार्रवाई की। इस दौरान जिला पुलिस की टीमों ने अलग-अलग स्थान पर दबिश देकर एक आरोपी को अवैध देसी पिस्तौल व जिंदा रौंद सहित काबू किया। 3 पीओ व एक बेल जंपर को गिरफ्तार किया।

अवैध शराब की तस्करी करते 12 आरोपियों को व सट्टा खाइवाली करते 3 आरोपियों को काबू किया। पकड़े गए आरोपियों के कब्जे से 113 बोतल अवैध देसी शराब और जुआ सट्टा खाइवाली में दाव पर लगी 14880 रूपए की नगदी बरामद की गई। आरोपियों के खिलाफ संबंधित थाना में एक्साइज एक्ट के तहत 12 अभियोग, गेम्बलिग एक्ट के तहत 3 अभियोग, आर्म्स एक्ट के तहत एक अभियोग दर्ज कर कानूनी कार्रवाई अमल में लाई गई।

इसके साथ ही पुराने आपराधिक मामलों में फरार चल रहे 27 आरोपियों को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की।

इसी के साथ अभियान के तहत हाईवे पर लेन ड्राइविंग के नियमों की उल्लंघना करते पाए जाने पर 359 भारी वाहनों के चालान किए।

पुलिस अधीक्षक श्री भूपेंद्र सिंह आईपीएस ने ÷ऑपरेशन आक्रमण÷ के तहत जिला में अपराधियों की धरपक? के लिए पुलिस की 80 टीमें बनाकर जिसमे कुल 356 जवानों को शामिल कर सभी को विशेष रूप से दिशा निर्देश दिए थे। सभी टीमें सुबह छह बजे से ही अपने-अपने क्षेत्र में अपराधियों की धरपकड़ में सक्रिय हो गई थी।

पुलिस अधीक्षक श्री भूपेंद्र सिंह आईपीएस ने कहा कि अपराधों पर अंकुश लगाने व आरोपियों की धरपकड़ के लिये जिले में समय-समय पर ऑपरेशन आक्रमण जैसे अभियान आगे भी इसी प्रकार जारी रहेंगे। अपराध और अपराधियों पर शिकंजा कसने के लिए आम नागरिकों का सहयोग जरूरी है। अवैध कारोबार में संलिप्त व्यक्तियों के संबंध में सूचना नजदीकी पुलिस थाना, अपराध शाखा, चौकी, पुलिस कंट्रोल रूम या डायल 112 को दे।

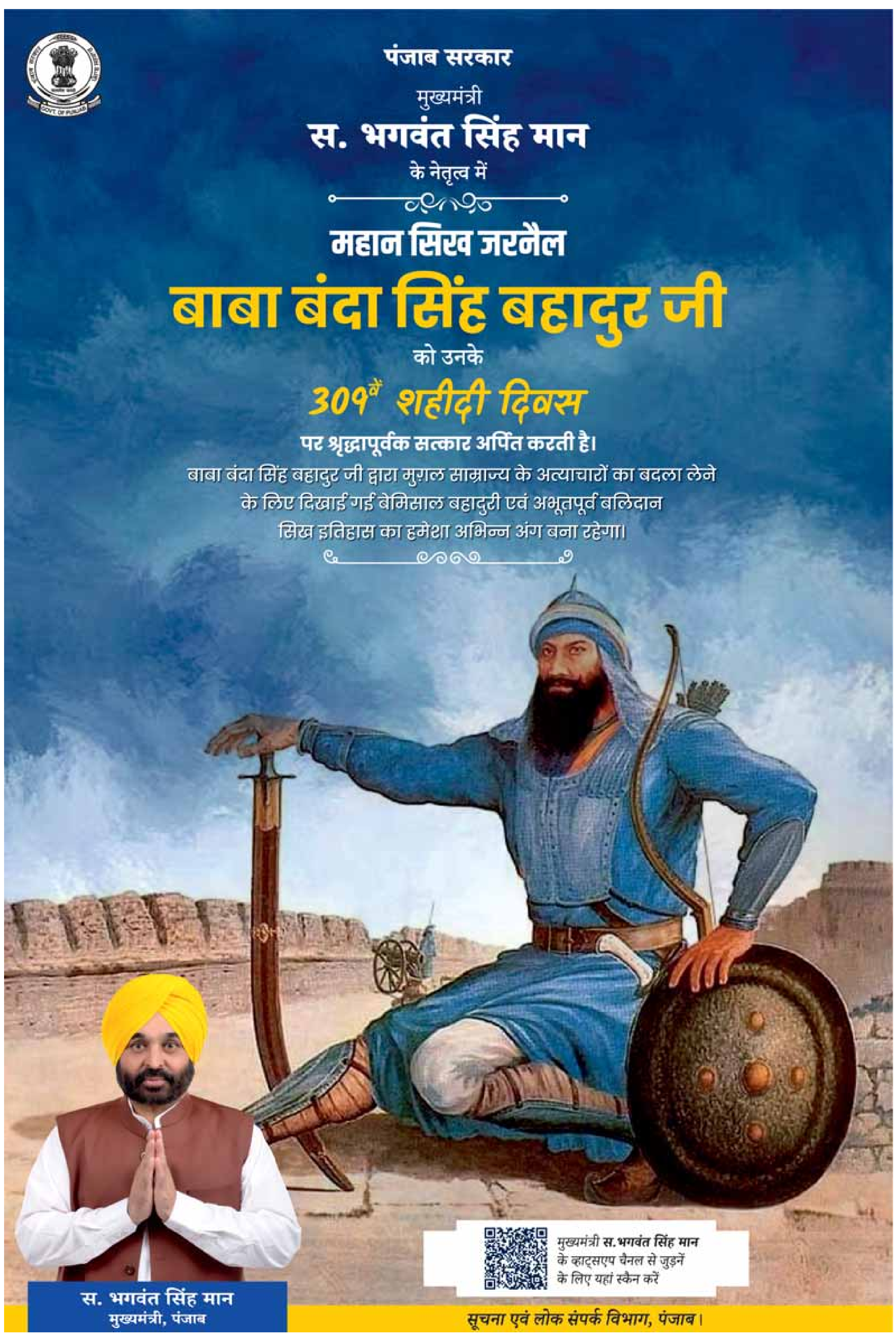

आपातकाल की बर्बरता: 21 माह दहशत में रहा ममगाईं परिवार, सच को दबने नहीं दिया

अर्थ प्रकाश/अर्पण वधवा

कुरुक्षेत्र, 24 जून। भारतीय लोकतंत्र एक कविता है। विविध छंद, आरोह-अवरोह एक विशेष प्रकार का नाद। इस देश के विशाल लोकतंत्र के रास्ते में अनेक आरोह-अवरोह आए; लेकिन लोकतंत्र का उद्घोष नहीं रुका। 50 साल पूर्व तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 25 जून,1975 की रात को आपातकाल की घोषणा की थी और देश को कारागार बना दिया था। उस समय के खौफनाक मंजर को याद करते हुए पूर्व सिविल सर्जन एवं लोकनायक जयप्रकाश जिला नागरिक अस्पताल हृदय एवं छाती रोग विशेषज्ञ डॉ.शैलेंद्र ममगाई शैली ने बताया कि उनके पिता स्वर्गीय डॉ.केशवानंद ममगाई उस समय स्थानीय श्रीमद् भगवत् गीता उच्च माध्यमिक विद्यालय में हिंदी एवं संस्कृत के अध्यापक थे। उस समय वे स्वयं गीता उच्च विद्यालय में छठी कक्षा, बड़े भाई सुभाष आठवीं कक्षा, छोटी बहन उमा गीता प्राथमिक विद्यालय में पांचवी एवं सबसे छोटा भाई राजेश गीता प्राथमिक विद्यालय में तीसरी कक्षा के विद्यार्थी थे। उनके पिता नई दिल्ली से प्रकाशित अंग्रेजी के प्रसिद्ध दैनिक समाचार पत्र 'दि मदरलैंड', राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के साप्ताहिक मुख पत्र 'पांचजन्य' के संवाददाता थे और देश के विभिन्न समाचार पत्रों में उनके स्तंभ लेख प्रकाशित होते थे। इसके अलावा वे पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई द्वारा स्थापित पत्रिका 'राष्ट्र धर्म' के भी संवाददाता थे। आपातकाल लगने की घोषणा रात में होने के अगले दिन स्थानीय महादेव मोहल्ला स्थित घर में जब उनके पिता विद्यालय जाने के लिए तैयार हो रहे थे; तो पड़ोस के उनके एक विद्यार्थी सुरेंद्र शर्मा ने आकर बताया कि गीता विद्यालय के बाहर पुलिस की बस खड़ी है। यह सुनते ही उनके पिता बालों को कंघी किए बिना और नाश्ते के बगैर ही पैदल स्कूल के लिए चल दिए(स्कूल के गेट पर उन्होंने पुलिस के बस को देखा। विद्यालय में प्रवेश करते समय उनका सामना थानेसर के तत्कालीन एसडीएम भास्कर चटर्जी से हुआ।वे हरियाणा के तत्कालीन मुख्यमंत्री स्व.बंसीलाल के खास अधिकारियों में से थे और उनकी गणना तेज-तर्रार और सख्त अधिकारियों में की जाती थी। विद्यालय के अंदर जाकर उन्हें पता चला कि विद्यालय के प्रधानाचार्य स्वर्गीय दीनानाथ बतरा, अन्य अध्यापकों मदनलाल ढींगरा, विश्वनाथ सहित कई अध्यापकों को बीती रात को ही गिरफ्तार कर लिया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य स्व. दीनानाथ बत्रा एवं मुख्य अध्यापक विश्वनाथ विद्यालय के प्रवेश द्वार के अंदर दाएं तरफ बने आवास में ही रहते थे। एसडीएम भास्कर चटर्जी ने आदेश दिया कि दोनों अध्यापकों के आवास को दो घंटे में खाली किया जाए। क्योंकि वरिष्ठ अध्यापकों को गिरफ्तार कर लिया गया था। ऐसी स्थिति में मेरे पिता और एसडीएम चटर्जी के बीच काफी गरमा-गरम बहस हुई और उन्होंने कहा कि मकान का सामान दो घंटे में किसी और जगह ले जाना संभव नहीं है। अंत में मेरे पिताजी की बात मान ली गई और मेरे पिता ने सहयोगियों दीनानाथ बत्रा और विश्वनाथ का सामान अन्यत्र भिजवाने की व्यवस्था की।

डॉ. शैली ने बताया कि उन दिनों आपातकाल के विरोध में मुश्किल से चुनिंदा अखबारों में ही समाचार देखने को मिलते थे; लेकिन मेरे पिता ने 'दि मदरलैंड', 'पांचजन्य' एवं भिवानी से प्रकाशित 'चेतना' समाचारपत्र में नियमित रूप से आपातकाल और उसे जनता को हो रहे लोमहर्षक अत्याचारों के बारे में निरंतर समाचार भेजे। सरकार ने इन खबरों से मुक्ति पाने के लिए दि मदरलैंड, पांचजन्य एवं दैनिक चेतना समाचार पत्र प्रकाशित करने वाली मशीनों को तोड़ दिया। कालांतर में 'दि मदरलैंड' के तत्कालीन संपादक के.आर. मलकानी बाद में उपराज्यपाल बने। आपातकाल के दौरान दैनिक चेतना समाचार पत्र के संपादक रविंद्र नाथ वशिष्ठ को भी गिरफ्तार कर लिया गया था। इस दौरान उनके पिता को संदेश दिया गया कि वे बाहर रहकर लोकतंत्र के समर्थन में अपनी कलम के माध्यम से सच की आवाज बुलंद रखें।

आपातकाल के 21 महीनों के दौरान उन पर आपातकाल के विरोध में समाचार प्रकाशित न करने के लिए कई तरह के हथकंडे अपनाए गए और प्रलोभन दिए गए। इसके अलावा उनकी माता जी पर भी अनेक तरीकों से दबाव डाले गए;लेकिन ऐसे समय जब तत्कालीन शासन के दबाव से ज्यादातर मीडिया घुटनों के बल चल रहा था; उनके पिता ने आर्थिक तंगी और परिवार में छोटे बच्चों होने के बावजूद भी सच की आवाज नहीं दबने दी और बेखौफ समाचार भेजते रहे।हालांकि इसके चलते हुए वे प्रशासन की आंखों की किरकिरी बने रहे और उनका परिवार पूरे इक्कीस मास दहशत में जीता रहा। आपातकाल के दौरान रात को दरवाजा खटखटाने की आवाज सुनकर उनके परिजनों को लगता था कि शायद पुलिस आई है।

आपातकाल के अत्याचारों के बारे में याद करते हुए डॉ. शैली ने बताया कि उस दौरान हरियाणा सरकार तत्कालीन सरकार द्वारा कांग्रेस के तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के पुत्र संजय गांधी के परिवार नियोजन के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए गीता विद्यालय के अनेक अध्यापकों को मीटिंग के बहाने से तत्कालीन रेफरल अस्पताल और आजकल लोकनायक जयप्रकाश जिला नागरिक अस्पताल में ले जाकर दबाव डालकर उनकी नसबंदी कर दी गई;हालांकि इसकी आवश्यकता नहीं थी। आपातकाल के दौरान उनके पिता जैसे हजारों लोगों का बलिदान और समर्पण भावना के कारण लोकतंत्र का दीपक दोबारा टिमटिमाने लगा। आज विश्व में भारत के लोकतंत्र का कोई सानी नहीं है। डॉ. शैली ने उम्मीद जताई की कि इस देश को आपातकालीन जैसे दिनों का फिर से कभी भी सामना न करना पड़े।

मनरेगा मेट संगठन ने एसडीएम के नाम ज्ञापन सौंपा

कलायत(कपिल देव रोहिल्ला)। कलायत खंड के मनरेगा मेट संगठन ने मंगलवार को एसडीएम के नाम एक ज्ञापन सौंपा। इसमें ज्ञापन सौंपने वालों ने मनरेगा कर्मचारियों के खिलाफ गांव बालू के एक व्यक्ति द्वारा की गई शिकायत को शिकायत को झूठी करार दिया गया। संजीव कुमार, राजेश, सत्यवान, रामभूल और बिंटू ने कहा कि मनरेगा कर्मचारी ईमानदारी से काम करते आ रहे हैं। एक व्यक्ति कर्मचारियों की झूठी शिकायत कर उनको परेशान कर रहा है। उन्होंने कहा कि मनरेगा मेट व पीएमएवाई लाभार्थी मनरेगा कर्मचारियों के कार्य से संतुष्ट हैं। यदि कहीं किसी प्रकार की गड़बड़ी है तो प्रशासन जांच करे। संगठन को किसी प्रकार की आपत्ति नहीं होगी। लेकिन बेवजह किसी को तंग न किया जाए। गांव चौशाला के प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थी बसाऊ राम का कहना है कि योजना के तहत उनकी कालोनी आई थी।

भारवड़ा ब्यास प्रबन्ध बोर्ड

ई - निविदा आमंत्रण सूचना

कार्यालय का नाम	निविदा आमंत्रण सूचना न :/ कार्य का नाम	आरंभ की तिथी (समय) अंतिम कार्य पूरा करनें की तिथी (समय) बोली खोलने की तिथी और समय	अनुमानित लागत/ बयाना (अग्रिम) राशि
अतिरिक्त अधीक्षण अभियंता, ओ एंड एम डिवीजन बीबीएमबी, पानीपत। (एचआर)	एनआईटी संख्या 01/2025 -26 400 केवी सब स्टेशन बीबीएमबी पानीपत में 55 केएल/डी सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट उपलब्ध कराना और स्थापित करना।	13.06.2025 को 05.00 बजे 07.07.2025 को 05.00 बजे	₹37.19 लाख ₹37,190/-
मुख्य अभियन्ता, प्रणाली परिचालन, बीबीएमबी, चण्डीगढ	निविदा सं. I-13013/1/ 2021- Computer Cell दिनांक 17.06.2025 क्लास 3 डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र (डीएससी) प्राप्त करने के लिए 3 वर्ष की अवधि के लिए दर अनुबंध (Rate Contract)	17.6.2025, 4:00 बजे 8.7.2025, 01:00 बजे	लागू नहीं लागू नहीं
वरिष्ठ कार्यकारी अभियंता, सिविल अनुरक्षण मंडल (विद्युत सम्भाग) बीबीएमबी, गंगूवाल, जिला:- रोपड़, (पंजाब)	निविदा सं.921 गंगूवाल में एसडीओ/ भण्डार एव परिवहन के कार्यालय परिसर का नवीनीकरण।	19.06.2025 5:00 बजे 16.07.2025 12:30 बजे	₹15,33,000/- ₹30,660/-
वरिष्ठ कार्यकारी अभियंता, इलेक्ट्रिकल एवं कार्यशाला, मण्डल बीबीएमबी, सुंदरनगर	निविदा सं. 02/2025-26 ड्रेजर्स, आउट फॉल्स, कॉम्पलेक्स, सब डिवीजन बीएसएल, (पी) बीबीएमबी, सुंदरनगर पर सीसीटीवी कैमरा, जीपीएस ट्रैकिंग सिस्टम उपलब्ध कराने और स्थापित करने का कार्य पूरा हो गया है।	19.06.2025 को 15.00 बजे 28.06.2025 15.00 बजे 30.06.2025 11.00 बजे	₹4,89,650/- ₹9,800/-
वरिष्ठ कार्यकारी अभियन्ता, हाइडल चैनल एवं बी जी मण्डल, बीबीएमबी, सुन्दरनगर।	निविदा सं. 8/2025-26 बीसीडब्लू (आरडी 80 मीटर) से सिल्ट इजेक्टर बीएसएल (पी) बीबीएमबी सुंदरनगर तक सुंदरनगर हाइडल चैनल सर्विस रोड (दोनों तरफ) के साथ "डब्ल्यू" मेटल बीम क्रैश बैरियर का प्रावधान और स्थापना।	17.06.2025 05:00 बजे 14.07.2025 05:30 बजे	₹74.83 लाख ₹1,50,000/-

नोट: निविदा का विस्तृत विवरण बीबीएमबी वेबसाइट www.bbmb.gov.in और www.etenders.gov.in पर उपलब्ध है। यदि नियत तिथि में किसी प्रकार के विस्तार की आवश्यकता होगी तो उसका शुद्धिपत्र वेबसाइट पर ही पोस्ट कर दिया जाएगा।

168 पीआर बीडी. सेक्ट. 4 — आज व कल के लिए उर्जा बचाएँ

रेल कोच फैक्ट्री, कपूरथला

भारत के राष्ट्रपति की ओर से कार्यरत उप मुख्य मकेनिकल अभियंता/एमएफजी (1) निविदा सं.: एलएसडीडीएक्स-01-2025 अंतिम तिथि/समय: 15.07.2025 15:00 बजे और (2) निविदा सं.: एलएससीएनएक्स-01-2025 अंतिम तिथि/समय: 15.07.2025 15:00 बजे के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं। बोलीदाता केवल अंतिम तिथि और समय तक ही अपनी मूल/संशोधित बोलियां प्रस्तुत कर सकेंगे। इस निविदा के लिए मैन्युअल प्रस्तावों की अनुमति नहीं है और प्राप्त किसी भी ऐसे मैन्युअल प्रस्ताव को अनदेखा कर दिया जाएगा। ठेकेदारों को इस निविदा के लिए निविदा दस्तावेजों की लागत और धरोहर राशि का भुगतान केवल आईआरईपीएस पोर्टल पर उपलब्ध भुगतान मोड जैसे नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से करने की अनुमति है।

ए. निविदा सं.: (1) एलएसडीडीएक्स-01-2025, (2) एलएससीएनएक्स-01-2025, **बी. कार्य/सेवा का नाम:** (1) 100 सं. एलएसडीडीएक्स छत कीफैब्रिकेशन और (2) 150 सं. एलएससीएनएक्स छत कीफैब्रिकेशन, **सी. अनुमानित लागत:** (1) रु. 23,35,000/- (केवल तेईस लाख पैंतीस हजार रुपये) और (2) रु. 36,07,500/- (केवल छत्तीस लाख सात हजार पांच सौ रुपये)। **डी. (1) और (2) के लिए निविदा दस्तावेज लागत:** रु. शून्य। ई. धरोहर राशि (1) रु. 46,700/- (केवल छियालीस हजार सात सौ रुपये) और (2) रु. 72,200/- (केवल बहत्तर हजार दो सौ रुपये)। **एफ. समापन अवधि:** (1) 100 सं. छत के लिए 200 कार्य दिवस और (2) 150 सं. छत के लिए 225 कार्य दिवस। **जी. निविदा (1) और (2) के लिए निविदा अंतिम तिथि और समय:** 15.07.2025 15:00 बजे। **एच. निविदा (1) और (2) के लिए निविदा खोलने की तिथि और समय:** 15.07.2025 15:30 बजे के बाद। I. निविदा (1) और (2) के लिए वेबसाइट विवरण: www.ireps.gov.in, **जे. निविदा (1) और (2) के लिए निविदादाताओं के लिए सामान्य और विशेष शर्तें और निर्देश:** 1. निविदादाता को कर्मचारी भविष्य निधि और विविध प्रावधान अधिनियम-1952 के तहत कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के साथ पंजीकरण का प्रमाण अपलोड करना चाहिए। संगठन द्वारा आवंटित कोड संख्या की एक प्रति निविदा दस्तावेजों के साथ अपलोड की जानी चाहिए। यदि कोड संख्या का इंतजार है, तो पंजीकरण संख्या के आवंटन के लिए आवेदन की प्रति (स्व-प्रमाणित) निविदा दस्तावेजों के साथ अपलोड की जानी चाहिए। उपरोक्त के बिना, निविदा को तुरंत अस्वीकार कर दिया जाएगा। **2. सुरक्षा/धरोहर राशि जमा:** बोली के साथ निविदा (1) के लिए 46,700/- रुपये और निविदा (2) के लिए 72,200/- रुपये की राशि धरोहर राशि के रूप में निर्दिष्ट किसी भी रूप में जमा की जानी चाहिए, ऐसा न करने पर बोली पर विचार नहीं किया जाएगा। हालांकि, डीआईपीपी पंजीकृत फर्मों के लिए ईएमडी से छूट दी जाएगी। **3. पात्रता मानदंड:** ठेकेदार को नीचे दी गई शर्तों को पूरा करना होगा: 'वह फर्म जिसने निविदा खुलने की तिथि से पिछले चार वर्षों में आरसीएफ/एमसीएफ/आईसीएफया केंद्र सरकार/राज्य सरकार की किसी सार्वजनिक क्षेत्र इकाई को छत शीट की टीआईजीवेल्डिंग और छत असेंबली में टीआईजी/एमआईजीवेल्डिंग के साथ घटकों की सफलतापूर्वक आपूर्ति की हो', या 'कोई भी फर्म जिसने निविदा खुलने की तिथि से पिछले चार वर्षों में आरसीएफ/एमसीएफ/आईसीएफया केंद्र सरकार/राज्य सरकार की किसी सार्वजनिक क्षेत्र इकाई के कार्यशाला परिसर में कार्यों के लिए निविदा आइटम या समान आइटम का सफलतापूर्वक निर्माण किया हो, छत शीट की टीआईजीवेल्डिंग और छत असेंबली में टीआईजी/एमआईजीवेल्डिंग के साथ घटकों की टीआईजीवेल्डिंग के साथ'। यहां समान आइटम का अर्थ स्टेनलेस स्टील रेलवे कोच/स्टेनलेस स्टील रेलवे वैगनों के अन्य प्रकारों की छत असेंबली है। ठेकेदार को उपरोक्त शर्त के लिए सहायक दस्तावेज संलग्न करने होंगे। अन्यथा, बोली को सीधे तौर पर निरस्त कर दिया जाएगा।

उप मुख्य मकेनिकल अभियंता/एमएफजी

आर.ओ. सं. 36-एम/2025-26 — दिनांक: 24.06.2025

मधु ने स्टेट में जीता बेस्ट फाइटर का खिताब

अर्थ प्रकाश/शैलेन्द्र जैन

करनाल, 24 जून। 24 वीं ऑल हरियाणा राज्य स्तरीय किकबॉक्सिंग चैंपियनशिप प्रतियोगिता 20 से 22 जून तक चली इस प्रतियोगिता में पूरे हरियाणा प्रदेश के 300 खिलाड़ियों और 30 कोच एवं रेफरियों ने भाग लिया इस प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि श्री विपुल गोयल केबिनेट मंत्री हरियाणा सरकार ने किया हरियाणा राज्य किकबॉक्सिंग संघ के अध्यक्ष संतोष कुमार अग्रवाल एवं पदाधिकारी मौजूद रहे इस प्रतियोगिता में 11 जिलों के खिलाड़ियों ने भाग लिया इसमें पहले स्थान पर फरीदाबाद

दूसरे स्थान पर पर गुरुग्राम ,तीसरे स्थान पर झज्जर जिला ने ओवर ऑल ट्रॉफी जीती अंतर्राष्ट्रीय किकबॉक्सिंग महिला खिलाड़ी मधु कुमारी ने बेस्ट फाइटर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया इस प्रतियोगिता में जिले के 13 खिलाड़ियों ने भाग लिया 6 साल की छोटी खिलाड़ी दृष्टि सैनी ने स्वर्ण पदक जीता राधिका ने 60 के जी में सब जूनियर में स्वर्ण पदक नैंसी 65 के जी में जूनियर महिला सिल्वर मेडल जीता

सिनियरमहिला खिलाड़ी मधु कुमारी ने 55 द्वाद्द में स्वर्ण पदक जीता वही पुरुष सब जूनियर वीर गुलिया ने स्वर्ण पदक जीता केन्व गुलिया 42 केजी में सिल्वर मेडल जीता 47 द्वाद्द में हनीश डगर ने ब्रोंज ओर सिल्वर मेडल जीता ओल्डर कैडेट में वंशराज 45 द्वाद्द स्वर्ण पदक जीता केडिट जूनियर भार कार्तिक ने स्वर्ण पदक जीता निखिल कुमार ने 57 केजी में सिल्वर और एक स्वर्ण पदक जीता जूनियर भार वर्ग में नितिन ने 54 केजी में स्वर्ण पदक जीता 63 केजी में रौनक कुमार ने स्वर्ण पदक जीता

57 केजी में नसीब कुमार ने स्वर्ण पदक जीत कर आगामी होने राष्ट्रीय प्रतियोगिता में अपना स्थान पका कर लिया है कोच जसवंत सिंह अंतर्राष्ट्रीय रेफरी एवं कोच ने बताया इस प्रतियोगिता का समापन हरियाणा राज्य के खेल मंत्री श्री गौरव गौतम किया सभी खिलाड़ियों को अपना आशीर्वाद दिया और भविष्य में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया ओर इस खेल किकबॉक्सिंग को हरियाणा खेल नीति शामिल करने को कहा झज्जर जिला किकबॉक्सिंग के अधिकारी नरेश रतन ओर अनुज पहवा लक्ष्मी स्पोर्ट्स ने खेल किट देकर सम्मानित किया

गर्मी एवं बरसात के मौसम में रखे साफ-सफाई का विशेष ध्यान: एसडीएम

इन्द्री (अप्रस/सीमा देवी)। एसडीएम अशोक कुमार मुंजाल ने जनता का आह्वान किया है कि वे अपने घरों के आसपास व घरों के अन्दर साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें, क्योंकि बढ़ती गर्मी के कारण मक्खी-मच्छर पनपते हैं जिन्हें रोकने के लिए घर व आसपास साफ सफाई का कार्य ही बेहतर कार्य बहुत जरूरी है। बरसात के दिनों में मच्छर के लार्वा अधिक पनपने के कारण उल्टी दस्त व हैजा जैसी बीमारियां फैलती है और मच्छरों से मलेरिया, डेंगू, जापानी व दिमागी बुखार तथा चिकनगुनिया जैसी खतरनाक बीमारियां होती है। उन्होंने बताया कि मलेरिया व अन्य प्रकार के बुखार फैलाने वाले मच्छर रुके हुए गंदे पानी में पैदा होते हैं, जबकि डेंगू बुखार की बीमारी फ़ै लाने वाले मच्छर साफ पानी में पैदा होते हैं। इसलिए सभी व्यक्ति अपनी पानी की टंकियों को समय समय पर अच्छी तरह साफ करके पूरी तरह ढक कर रखें।

न्यूज ब्रीफ

सभी गांवों में चलाया जाएगा जन सुरक्षा अभियान: सोनू भट्ट

करनाल (अप्रस/शैलेन्द्र जैन)। एडीसी सोनू भट्ट ने कहा कि जिला में 'जन सुरक्षा अभियान' की शुरुआत 1 जुलाई से की जाएगी। इस अभियान के तहत जिला के सभी 395 गावों में जागरूकता अभियान चलाकर आमजन तक सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का लाभ पहुंचाया जाए। एडीसी सोनू भट्ट मंगलवार को एडीसी कार्यालय में जिला बैंकर्स परामर्शदात्री समिति की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में पंजाब नेशनल बैंक के अग्रणी जिला प्रबंधक, ब्लॉक विकास अधिकारी और सभी बैंक अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में उन्होंने सभी अधिकारियों को पूरी लगन और समर्पण के साथ काम करने के निर्देश दिए। एडीसी सोनू भट्ट ने कहा कि जन सुरक्षा अभियान 1 जुलाई से 30 सितंबर पूरे जिला में चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह अभियान भारत सरकार द्वारा शुरू की गई एक सामाजिक सुरक्षा पहल है। इस अभियान का उद्देश्य सभी नागरिकों विशेष रूप से कम आय वाले और असंगठित क्षेत्र के लोगों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन का प्राथमिक उद्देश्य सरकार द्वारा चलाई जा रही सभी जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है, ताकि हर पात्र व्यक्ति को इन योजनाओं का लाभ मिल सके।

शहीद भगत सिंह युवा ब्रिगेड की बैठक सम्पन्न

रोहतक (अप्रस/सुकरमपाल)। शहीद भगत सिंह युवा ब्रिगेड की राज्य स्तरीय बैठक का आयोजन रोहतक जिले के रैनकपूरा गांव में किया गया। बैठक में प्रदेशभर से आए संगठन के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता नवीन सरपंच चीरी व संजीत तबलाना झज्जर ने की। बैठक का मुख्य उद्देश्य संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करना, युवा जागरूकता अभियानों की रूपरेखा तय करना तथा आगामी कार्यक्रमों की योजना बनाना था। विभिन्न जिलों से आए प्रतिनिधियों ने अपने-अपने क्षेत्रों की रिपोर्ट प्रस्तुत की और संगठन के विस्तार पर विचार-विमर्श किया। संयोजक करतार पहलवान ने अपने संबोधन में युवाओं से देशभक्ति, समाजसेवा और राष्ट्र निर्माण के कार्यों में बढ़-चढ़कर भागीदारी की अपील की। बैठक में निर्णय लिया गया कि ब्रिगेड द्वारा आने वाले समय में प्रदेश स्तर पर शहीदी सप्ताह, रक्तदान शिविर, स्वच्छता अभियान, शिक्षा जागरूकता रैलियाँ आयोजित की जाएंगी और 5 से 7 हजार युवाओं को जोड़ने का लक्ष्य रखा। बैठक में मुख्य रूप से गौरव मढ़ान अम्बाला , दीपक तेवतिया पलवल, ममता पार्षद रोहतक, सुमित डागर रोहतक, नवीन दलाल मांडोठी, प्रवीण सरपंच चरखी दादरी, सुनील कुण्डू हिसार, सुरेन्द्र बिसला जींद, राहुल चौधरी गुरुग्राम, संदीप बेरी झज्जर, भूदेव डागर घुघेरा आदि उपस्थित रहे। बैठक का समापन राष्ट्रगान और 'इंकलाब जिंदाबाद' के नारों के साथ हुआ। सभी सदस्यों ने संगठन को सशक्त बनाने के लिए एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प लिया।

संचार बैकबोन के लिए 4x48 फाइबर ओएफसी का प्रावधान

ई-निविदा सूचना सं. KIR-N-2025-K-20; दिनांक: 20-06-2025। निम्नलिखित कार्य के लिए अधोहस्ताक्षरी द्वारा ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: **कार्य का नाम:-** स्वीकृत कवच क्षेत्र के अंतर्गत आनेवाले एचयूएन6 सेक्शन के अंतर्गत कटिहार मंडल के अलुवाबाड़ी रोड (एयूबी)-सिलीगुड़ी जं. (एसजीयूजे)(77 आरकेएम) सेक्शन में संचार रीढ़ के लिए 4x48 फाइबर ओएफसी का प्रावधान। निविदा मूल्य: ₹6,14,03,043.98; धरोहर राशि: ₹4,57,000.00। **ई-निविदाएं** 15-07-2025 को 15:00 बजे **बंद होंगी** और 15-07-2025 को 15.30 बजे **खुलेंगी।** उपरोक्त ई-निविदा के निविदा कागजात के साथ संपूर्ण सूचना वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पर 15-07-2025 को 15:00 बजे तक उपलब्ध रहेंगी।

डीआरएम (एसएंडटी), कटिहार

पूर्वोत्तर सीमा रेलवे — ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

हरियाणा में मुख्यमंत्री सैनी के नेतृत्व में हो रहा समग्र विकास: डॉ. पवन सैनी

अर्थ प्रकाश/सुशील कुमार

नारायणगढ़, 24 जून। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता व पूर्व विधायक डॉ. पवन सैनी ने नारायणगढ़ विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों का दौरा कर केंद्र सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित जनजागरूकता कार्यक्रमों में भाग लिया। ये कार्यक्रम हुसैनी, नंगोली, फतेहपुर, संभालवा, मियांपुर, झिड़ी वाला, बड़ी रसौर समेत अनेक ग्रामीण क्षेत्रों में आयोजित किए गए।

इन कार्यक्रमों के माध्यम से डॉ. सैनी ने ग्रामीणों को केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और उपलब्धियों से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 से अब तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने प्रशासन, अर्थव्यवस्था, तकनीक, अंतरराष्ट्रीय संबंधों और सामाजिक न्याय के क्षेत्रों में ऐतिहासिक प्रगति की है।

उन्होंने बताया कि उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत, पीएम आवास योजना, हर घर जल, जनधन योजना, डिजिटल इंडिया और स्वच्छ भारत मिशन जैसी योजनाओं ने समाज के अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाया है।

डॉ. सैनी ने हर गांव में बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और संगठन को मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने न केवल भारत को विकास की ओर अग्रसर किया, बल्कि भारतीय संस्कृति और अस्मिता को वैश्विक मंच पर सशक्त रूप से प्रस्तुत किया है।

डॉ. पवन सैनी ने कहा कि हरियाणा में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में समग्र विकास हो रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार सभी वर्गों के कल्याण के लिए समर्पित है और यह सुनिश्चित कर रही है कि योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम छोर तक पहुंचे।

आधुनिक रेल डिब्बा कारख़ाना, रायबरेली

ई-निविदा सूचना सं0- 15/2025-26 (खुली)/उमुइं ।।/एमसीएफ/आरबीएल

उप मुख्य इंजीनियर-।।/आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना, रायबरेली, भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु ई-निविदा आमंत्रित करते है।

क्रम सं	कार्य का नाम	निविदा सं0	अनुमानित लागत रू0	निविदा खुलने की तिथि	कार्य समापन की अवधि
1	आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना, रायबरेली के प्रशासनिक भवन और एफ.डब्लू.पी. में रिवर्स ऑस्मोसिस (आर.ओ.) जल उपचार संयंत्र का वार्षिक रखरखाव का कार्य 02 वर्ष के लिए।	17/ 2025-26	5,04,096.00	14.07.2025	24 माह

• निविदाकार निविदा बंद होने के दिनांक एवं समय तक अपनी मूल/संशोधित निविदा जमा कर सकते है। इस निविदा के लिये पूर्व प्रचलित मैनुअल ऑफर प्रक्रिया की अनुमति नही है और यदि कोई मैनुअल ऑफर प्राप्त होता है तो उस पर विचार नही किया जायेगा। • अधिक जानकारी के लिये कृपया भारतीय रेलवे की आईआरईपीएस वेबसाइट www.ireps.gov.in पर लॉग ऑन करें।

उप मुख्य इंजीनियर-।।

निविदा संख्या:-AMC-UROMAC-25-26-114

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य यांत्रिक अभियंता/एम & पी आधुनिक रेल डिब्बा कारख़ाना रायबरेली, लालगंज द्वारा निम्नलिखित कार्यो के लिये निविदा सूचना संख्या- AMC-UROMAC-25-26-114 नियत तिथि:- 11.07.2025 जारी की जाती है। यह खुली ई-निविदा भारतीय रेलवे पोर्टल www.ireps.gov.in के माध्यम से प्रतिष्ठित फ़र्मों को आमंत्रित की जाती है- यह निविदा एकल पैकेट प्रणाली पर आधारित है।

कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत रूपया में	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य
खुली निविदा के माध्यम से आधुनिक कोच फैक्ट्री लालगंज में दो वर्ष की अवधि के लिए 01 नग रेल सह सड़क वाहन (निर्माता- यूरोमैक) के लिए स्पेयर पार्ट्स के बिना गैर-व्यापक वार्षिक रखरखाव अनुबंध।	रू. 22,07,072.00 (बाईस लाख सात हजार बहत्तर रूपये मात्र)	रू. 44,200.00	रू. 3,000.00
		कार्य समापन की अवधि- दो वर्ष (24 माह)	

• **निविदा बंद होने की अंतिम तिथि एवं समय-11.07.2025 को 15.30 बजे।** • विस्तृत निविदा सूचना, टर्म्स एवं कंडीशन आदि की जानकारी भारतीय रेल के पोर्टल www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

WM/PLANT

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप. मुख्य यांत्रिक इंजीनियर/फर्नीशिंग-समन्वय, आधुनिक रेल डिब्बा कारख़ाना, रायबरेली द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिये (ई-निविदा सं.- एम-200/एमसीएफ/आरबीएल/फर.एक्टिवटीज/एलडब्लूएससीएन/एफ-71, दिनांक:- 18.06.2025) खुली एकल पैकेट प्रणाली आधारित भारतीय रेलवे पोर्टल www.ireps.gov.in द्वारा ई-निविदा आमंत्रित की जाती हैं- **कार्य का नाम :** कार्य के दायरे के अनुसार प्लंबिंग कार्य सहित एलडब्ल्यूएससीएन ईओजी एलएचबी प्रकार एसी एसएस ट्रक कोचों में आंतरिक मैकेनिकल फर्नीशिंग और फिटिंग के लिए कार्य हेतु निविदा का कार्य। **कार्य की अनुमानित लागत (रूपया में) :** रू. 1,92,48967.78, **अमानत राशि (रूपया में) :** रू. 2,46,300.00, **कार्य की मात्रा-** 136 एलडब्ल्यूएससीएन कोच।, **कार्य समापन की अवधि- 09 माह या पहले । • ई-निविदा** दिनांक- 10.07.2025 को 15.00 बजे तक ऑन-लाइन जमा कर सकते हैं। हस्त लिखित निविदा स्वीकार नहीं की जाएगी। • **ई-निविदा** दिनांक- 10.07.2025 को 15.00 बजे के बाद ऑन-लाइन http://www.ireps.gov.in के द्वारा खोली जाएगी। • **ई-निविदा** सूचना और टर्म्स एवं कंडीशन का पूर्ण विवरण भारतीय रेलवे के आईआरईपीएस की वेब साइट http://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर/फर्नीशिंग/समन्वय

अमेरिका में दो युवकों की मौत से पूरे गांव में मातम

अर्थ प्रकाश/कृष्ण

निसिंग, 24 जून। सिरसल गांव के दो युवक अमेरिका में काम करने के लिए कई सालों पहले गए हुए थे। विशाल कुमार बचपन से ही अपने मामा सुरेश कुमार के घर सिरसल में ही रह रहा था विशाल पुत्र करण सिंह का वास्तविक गांव कौर नीलोखेड़ी था। मामा ने ही सारा खर्च करके विशाल को अमेरिका भेजा था विशाल अमेरिका में वर्क परमिट पर काम कर रहा था। दूसरा युवक अरुण जांगड़ा पुत्र बलबीर सिंह जांगड़ा गांव सिरसल का ही रहने वाला था। दोनों युवक बचपन के ही दोस्त थे। दोनों की आयु 20-22 साल की थी गांव के सभी लोग दोनों युवाओं को बड़ा पसंद करते थे और दोनों युवक अच्छी छवि के थे बचपन से ही मेहनत करते थे और परिवार के लिए अमेरिका काम करने गए थे। दोनों युवक अमेरिका में दिन-रात मेहनत भी कर रहे थे और अचानक एक-दो दिन पहले अपने दोस्त से मिलने जा रहे थे रास्ते में बड़ी दर्दनाक एक्सीडेंट में दोनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई । गाड़ी पूरी तरह से ब्लास्ट हो गई जिसे सुनने के बाद परिवार और पूरे गांव व आसपास के गांव में शौक का माहौल है सभी का रो-रो कर बुरा हाल है। गांव और आसपास के गांव के लोग दोनों युवकों के परिवार को दिलासा देने पहुंच रहे हैं।

जन संवाद कार्यक्रम में उमड़ा जनसैलाब भाजपा नेता डीडी शर्मा ने सुनी लोगों की समस्याएं

अर्थ प्रकाश/मोहित पौलस्त्य

पिहोवा, 24 जून। गांव मुर्तजापुर में जनसंवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जन संवाद कार्यक्रम में बीजेपी नेता जय भगवान शर्मा डीडी पहुंचे। कार्यक्रम में हल्के की जनता की शिकायतों का निवारण करने के लिए मौके पर एसडीएम कपिल कुमार, बीडीपीओ, डीएसपी निर्मल सिंह, एसएचओ जगदीश चंद, बिजली विभाग व जनस्वास्थ्य विभाग मौजूद रहे। चंडीगढ़ फॉर्म में सरपंच के निवास पर पहुंचकर डीडी शर्मा ने जनता को संबोधित करते हुए कहा कि आज वे अपने हलके के गांव मूर्तिजापुर के लोगों की समस्याओं का निवारण करने के लिए अधिकारियों सहित उनके दरवाजे पर पहुंचे हैं। किसी को भी बिजली, पानी, राशन, पेंशन, पुलिस, आदि की कोई भी समस्या हो वह लिखित में या मौखिक रूप से उनके पास आकर बता सकते हैं। जिनका मौके पर निवारण करने की कोशिश की जाएगी। सैकड़ो की संख्या में मौजूद महिलाओं ने अपनी शिकायतों का सिलसिला डीडी शर्मा के सामने रखना शुरू कर दिया। सभी विभागों के अधिकारियों के मौके पर मौजूद होने के कारण डीडी शर्मा ने अधिकतर समस्याओं का मौके पर ही निपटारा करवा दिया। इसके बाद कुछ समस्याएं ऐसी भी थी जिन्हें अधिकारियों को सख्त निर्देश देकर कहा गया कि इन सभी समस्याओं का जल्द से जल्द निपटारा कर दिया जाए ताकि जनता को किसी भी समस्या का सामना न करना पड़े और न ही बार-बार कार्यालयों के चक्कर काटना पड़े।

महिलाओं ने दी अलग-अलग शिकायतें: जन संवाद कार्यक्रम की एक खास बात यह रही कि इसमें 90 प्रतिशत महिलाएं ही शिकायतें लेकर आई थी। पुरुषों की संख्या बहुत कम थी। सबसे ज्यादा शिकायतें कॉलोनी व काटे गए राशन कार्ड दोबारा से जोड़ने बारे में थी। सुखविंदर कौर ने जबरदस्ती दीवार तोड़ने व मारपीट करने की शिकायत दी। धूप छड़ी डेरा से बबली देवी ने राशन कार्ड काटे जाने को गलत ठहराते हुए दोबारा से राशन कार्ड बनाने की बात रखी। इंदिरा कॉलोनी निवासी राजेंद्र कौर ने सर पर पक्की छत के लिए कॉलोनी की मांग की। जसबीर कौर ने भी इंदिरा कॉलोनी में घर को दुरुस्त करने के लिए कॉलोनी की मांग रखी। इंदिरा कॉलोनी निवासी कर्मजीत कौर ने काटे गए राशन कार्ड को नाजायज ठहराते हुए दोबारा से राशन कार्ड बनाने की शिकायत सौंपी। मिर्जापुर निवासी सपना देवी ने भी मकान के लिए कॉलोनी की मांग रखी, शकुंतला देवी, हरजीत कौर, ओम प्रकाश, तरसेम, सलोचन, रामो देवी, भूरी देवी आदि सैकड़ो महिलाओं ने अपनी समस्याएं डीडी शर्मा के सामने रखी।

उत्तर रेलवे

खुली निविदा सूचना संख्या-ETrU-T-03-2025-26

वरि. मंडल विद्युत अभियंता/क.वि./उत्तर रेलवे, अम्बाला छावनी द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-टेंडरिंग के माध्यम से निविदायें आमंत्रित करते हैं। इन निविदाओं को प्रत्येक कार्य के आगे दर्शाई गई तिथि को 15:00 बजे तक www.ireps.gov.in पर अपलोड किया जा सकता। इनको 15:00 बजे के उपरांत तत्काल खोला जायेगा।

क्र. सं.	निविदा संख्या	कार्य का विवरण	निविदा बंद/ खुलने की तिथि	लगभग लागत	धरोहर राशि	कार्य पूरा करने की अवधि	वैधता अवधि	टेण्डर फॉर्म की कीमत
1	ETrU-T-03-2025-26	अंबाला मंडल के एसआरई-यूएमबी-डीएचपीआर, यूएमबी-एलडीएच और जेएचएल-एचएसआर-एलडीएच सेक्शन पर उच्च एमएमडी परिवहन उत्पाद/डबल स्टैक ड्वार्फ कंटेनर्स (डीएसडीसी) की आवाजाही के लिए उल्लंघनों को हटाने के लिए सी/डब्ल्यू में ओएचई संशोधन हेतु कार्य।	16.07.2025	₹ 2,08,73,325.77/-	₹ 2,54,400/-	06 महीने	60 दिन	Downloading through IREPS portal -NIL, (₹ 10,000/- Sr.DEE/TRD/UMB ऑफिस से हार्ड कॉपी के लिए)

1. निविदाकार को सभी जरुरी योग्यता दस्तावेज एवं PAN/GSTIN की Scanned Copies IREPS पोर्टल पर अपलोड करनी है। 2. निविदाकार के पास ई-निविदा में भाग लेने के लिए क्लास-III Digital Signature Certificate होनी चाहिए। 3. कार्य में GST, BOCWW, Income Tax एवं नियमानुसार आवश्यक टैक्स लागू होंगे। 4. कार्य में सिमिलर नेचर कंडीशन लागु हैं एवं इस प्रकार है: "Design, supply, erection, testing & commissioning of 50Hz, single phase 25 KV AC OHE". 5. टेंडर डॉक्यूमेंट एवं निविदा सूचना की विस्तृत जानकारी के लिए रेलवे वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाये। संख्या:. ETrU-T-03-2025-26 दिनांक: 23.06.2025

1890/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

▲ अधिकतम 32 डिग्री से.
डिग्री से. 27 न्यूनतम ▼
सूर्योदय 5.22 बजे
सूर्यास्त 7.29 बजे

सोना 24 कैरेट : 99,370.00
सेंसेक्स : 82,055.11
अमेरिका : 86.07
कैनेडियन : 62.76
आस्ट्रेलिया : 56.00

प्रॉपर्टी डीलर को गोली मारने के मामले में एक व्यक्ति गिरफ्तार

सुपारी देकर पार्टनर को मरवाई गोली, पैसे के लेन देन को लेकर चल रहा था विवाद

आरोपी चार दिन के पुलिस रिमांड पर

अर्थ प्रकाश/संदीप सिंह बावा

जीरकपुर, 24 जून। बीती सोमवार को तहसील रोड पर प्रॉपर्टी डीलर को गोली मारने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है के यह सुपारी किलिंग का मामला था और सुपारी देने वाला घायल का पुराण दोस्त और बिज़नस पार्टनर भी था। पैसों को लेन देन को लेकर ही यह हमला किया बताया जा रहा है। सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार पकड़े गए आरोपी सलिंदर कुमार निवासी ककराली ने 80 हजार रूपये एक युवक को जगतार सिंह को मारने की सुपारी दी थी। पुलिस ने जगतार सिंह की शिकायत पर सलिंदर सिंह के खिलाफ 109, 61(2), 111(2), 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज कर उसे अदालत में पेशकर चार दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है। मिली जानकारी अनुसार आरोपी सलिंदर सिंह और घायल जगतार सिंह दोनों पार्टनर थे और प्रॉपर्टी कारोबार करते थे। बताया जा रहा है के कुल 35 लाख के लेन देन को लेकर दोनों पक्षों में कुछ समय से झगड़ा चल रहा था और सलिंदर सिंह की डेरा बस्सी में आडत की दुकार भी है और प्रॉपर्टी में भी अपने पैसे इन्वेस्ट करते थे। बताया जा रहा है के दोनों पुराने दोस्त थे और पिछले दस बारांह वर्षों से प्रॉपर्टी का इकठे ही काम कर रहे कर रहे थे। लेकिन पिछले ढाई तीन वर्षों से उनको पैसों के लेन देन को लेकर विवाद चल रहा था।

सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार सलिंदर सिंह ने दानिश नामक एक युवक को 80 हजार रूपये गोली मारने की सुपारी दी थी। बताया जा रहा है के 50 से 60 हजार रूपये एडवांस दिए थे जिससे दानिश यूपी से असला लेकर आया था और उसके बाद वारदात को अंजाम दिया गया है। पुलिस द्वारा इस की पुष्टि नहीं की है। सीसीटीवी फुटेज में दो हमलवार दिखाई दे रहे हैं दूसरे आरोपी भी यूपी का बताया जा रहा है। जो फिलहाल वारदात के बाद से फरार चल रहे हैं। जिन्हे पकड़ने के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है। गोली चलाने वाला दानिश यूपी के मुजफर नगर का रहने वाला बताया जा रहा है और पिछले कुछ आरोपी सलिंदर सिंह की मोटर पर ही रह रहा था। जो फिलहाल अपने साथी के साथ फरार चल रहा है और पुलिस उन्हें पकड़ने के लिए छापेमारी कर रही है।

पुलिस ने जगतार सिंह की शिकायत पर इरादा कत्ल व आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज कर एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर चार दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है। दोनों हमलवार अभी फरार चल रहे हैं, जिन्हे पकड़ने के लिए छापेमारी की जा रही है।
सतिंदर सिंह, एसएचओ जीरकपुर।

36 बोतल शराब सहित एक एक्टिवा चालक गिरफ्तार, केस दर्ज

अर्थ प्रकाश/संदीप सिंह बावा

जीरकपुर, 24 जून। एकसाइज विभाग ने सुचना के आधार पर बलटाना पुलिस की मदद से 36 बोतल शराब सहित एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पकड़े गए आरोपी के खिलाफ एकसाइज एक्ट के तहत केस दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है। पकड़े गए आरोपी की पहचान अनिल कुमार निवासी वार्ड नंबर 2 गुलाबगढ़ रोड डेरा बस्सी के रूप में हुई है। मामले के सबंध में एकसाइज इंस्पेक्टर गुरप्रीत सिंह ने बताया की उन्हें सुचना मिली के अनिल कुमार निवासी डेरा बस्सी एक्टिवा पर सवार होकर चंडीगढ़ से सस्ती शराब लेकर आ रहा है। सुचना के आधार पर बलटाना पुलिस की मदद से नाकेबंदी कर एक एक्टिवा चालक को रोककर चैक किया तो उसकी एक्टिवा में से 36 बोतलें शराब मार्का रॉयल स्टेग बरामद की गई। जिसके पास उसका कोई लाइसेंस या परमिट नही था। जिसके आधार पर पकड़े गए व्यक्ति अनिल कुमार के खिलाफ एकसाइज एक्ट के तहत केस दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

न्यूज़ ब्रीफ

घर से मोबाइल फोन और नकदी चोरी, मामला दर्ज

चंडीगढ़ (अप्रस/रंजीत शम्मी)। थाना मनी माजरा क्षेत्र एरिया के अंतर्गत एक घर से मोबाइल फोन और नकदी गायब हो गई। मामले की सूचना तुरंत पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले में कारवाई करते हुए अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार शिकायतकर्ता शांति नगर मनी माजरा के रहने वाले रिमी कुमार ने पुलिस को बताया कि वह पेट्रोल पंप पर काम करता है। जैसे ही वह 21 जून रात को अपनी ड्यूटी से घर आया तो सोते वक्त घर के दरवाजे की कुंडी लगाना भूल गए। जब अगले दिन देखा तो घर के बैंड के गद्दे नीचे रखी 40 हजार रुपए की नकदी और एक मोबाइल फोन कोई अज्ञात चोरी कर ले गया। जिसकी शिकायत थाना मनी माजरा पुलिस को दी गई थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

डंडों से हमला करने वाले आरोपियों के खिलाफ किया मामला दर्ज

चंडीगढ़, (अप्रस/रंजीत शम्मी)। थाना मौली जागरा पुलिस ने डंडों से हमला करने वाले आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।और पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है। जानकारी के अनुसार शिकायतकर्ता मौली जागरा निवासी रविंदर ने पुलिस को बताया कि बीते दिन सुंदर नगर मौली जागरा में एक कार्यक्रम था। कार्यक्रम में शिकायतकर्ता और आरोपी भी शामिल थे। सभी ने मिलकर पार्टी की। पार्टी के दौरान किसी बात को लेकर शिकायतकर्ता से बहस बाजी हो गई। बहस बाजी इतनी बढ़ गई कि आरोपियों ने पीड़ित को लात घुसो डंडों और गमला उठा कर मारा। जिसकी शिकायत पुलिस को दी गई थी। पुलिस ने मामले में कारवाई करते हुए आरोपी रणबीर, श्यामू और अन्य के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जॉब व विदेश का वीजा दिलवाने के नाम पर ठगी के तीन मामले में दर्ज

अर्थ प्रकाश/रंजीत शम्मी

चंडीगढ़, 24 जून। यूटी पुलिस ने तीन मामलो में जॉब और विदेश का वीजा दिलवाने के नाम पर लाखों रुपए की ठगी करने वाले आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार शिकायतकर्ता हिमाचल के जिला बिलासपुर के रहने वाले राकेश कुमार और अन्य ने पुलिस को बताया कि उनका कुछ समय पहले सेक्टर 17 स्थित एक प्राइवेट इमीग्रेशन कंपनी कर्मियों से हुआ था। उन्होंने सभी पीड़ितों को बोला कि वह उन्हें विदेश भेज देंगे। सभी उनके झांसे में आ गए। उन्होंने कुल मिलाकर 14 लाख 55 हजार रुपए दे दिए। जब कुछ दिन बीत जाने के बाद संपर्क किया तो वह टाल मटोल करते रहें। ना तो किसी को विदेश का वीजा दिलवाया। और ना ही लिए गए लाखों रुपए वापस किए। जिसकी शिकायत थाना 17 पुलिस को दी गई थी। पुलिस ने मामले में कारवाई करते हुए आरोपी मनप्रीत सिंह और अन्य के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

केस नंबर दो: शिकायतकर्ता मनी माजरा निवासी विशाल और अन्य ने पुलिस को बताया कि उनका कुछ समय पहले सेक्टर 17 स्थित एक प्राइवेट इमीग्रेशन कंपनी कर्मियों से हुआ था। उन्होंने सभी को बोला कि वह उन्हें विदेश भेज देंगे। सभी उनके झांसे में आ गए। उन्होंने कुल मिलाकर 9 लाख 48 हजार रुपए दे दिए। जब कुछ दिन बीत जाने के बाद संपर्क किया तो वह टाल मटोल करते रहें। ना तो किसी को विदेश का वीजा दिलवाया। और ना ही लिए गए लाखों रुपए वापस किए। पुलिस ने मामले में कारवाई करते हुए आरोपी जसकरण सिंह और अन्य के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

केस नंबर तीन : थाना इंडस्ट्रियल एरिया पुलिस ने जॉब दिलवाने के नाम पर ठगी करने वाले आरोपियो के खिलाफ मामला दर्ज किया है।और पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है। जानकारी के अनुसार शिकायतकर्ता गांव दड़वा के रहने वाले अंकित ने पुलिस को बताया कि उनका कुछ समय पहले जीरकपुर निवासी राजीव और अन्य से संपर्क हुआ था। उन्होंने पीड़ित को झांसे में लेते हुए कहा था कि वह उसे जॉब दिलवा देंगे। पीड़ित उनके झांसे में आ गया। उसने 80 हजार रुपए भी दे दिए। जब कुछ दिन बाद संपर्क किया तो वह टाल मटोल करते रहें ना तो पीड़ित को जॉब दिलवाई और ना ही लिए गए पैसे वापिस किए। जिसकी शिकायत थाना इंडस्ट्रियल एरिया पुलिस को दी गई थी। पुलिस ने मामले में कारवाई करते हुए उक्त आरोपियो के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

लोहगढ़ क्षेत्र में सब्जी विक्रेता व ग्राहक के बीच हुई खूनी झड़प

झगड़े दोनों पक्षों के चार लोग बुरी तरह घायल

अर्थ प्रकाश/संदीप सिंह बावा

जीरकपुर, 24 जून। बीती रात करीब दस बजे लोहगढ़ क्षेत्र में स्थित बड़ी पार्क के सामने सब्जी विक्रेता व ग्राहक के बीच खुनी झड़प हो गई। झगड़े दोनों पक्षों के चार लोग बुरी तरह घायल हो गए। जिन्हे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। झगड़े के दौरान कार के शीशे आदि भी तोड़े गए हैं। झगड़े की सुचना किसी राहगीर ने पुलिस को दी तो पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले को शांत करवाया और सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा है। सभी घायल सैक्टर 32 सरकारी अस्पताल में इलाज करवा रहे है। मौके से मिली जानकारी अनुसार सब्जी लेते समय रेट को लेकर मामूली बहस हुई जिसने बाद में खुनी रूप धारण कर लिया। मौके से मिली जानकारी अनुसार सब्जी विक्रेता शराब के नशे में थे। मामले के सबंध में जानकारी देते हुए डियूटी ऑफिसर लाभ सिंह ने बताया के सूचना के बाद वह तुरंत मौके पर पहुंचे तो वहां कुछ लोग जख्मी थे। जिन्हे इलाज के लिए ढकोली अस्पताल भेजा गया। जहां डाक्टरों ने उन्हें सैक्टर 32 सरकारी अस्पताल में रेफर कर दिया जहां उनका इलाज चल रहा है। उनके बयान दर्ज करने के बाद ही आगामी कार्रवाई को अंजाम दिया जाएगा। जांच अधिकारी ने बताया की कार चालक विक्रम रोजाना सब्जी लेने के लिए यहां पक्के ग्राहक के तौर पर आता था। इस दौरान घटना स्थल पर मौजूद लोगों ने बताया की ग्राहक विक्रम जो शराब के ठेके पर काम करता था वह रोजाना सब्जी लेने आता था और कभी कभार सब्जी विक्रेता को शराब भी पीने के लिए दे देता था और बीती रात भी वह सब्जी लेने आया था तो किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया। सब्जी विक्रेता समीर, अली व मुहम्मद अलबर ने कार चालक विक्रम पर हमला कद दिया और उसकी कार के सारे शीशे तोड़ दिए। इस दौरान तीनों सब्जी विक्रेता और कार चालक सभी घायल हो गए थे। जांच अधिकारी ने बताया की घायलों के बयान दर्ज करने के बाद आगामी कार्रवाई की जाएगी।

संसद में बिजली बिल के खिलाफ 27 लाख कर्मियों ने किया 9 जुलाई को हड़ताल का ऐलान

एनसीसीओईईई की बैठक में बोले कर्मचारी, चंडीगढ़ में प्राइवेट कंपनी बिजली आपूर्ति संभालने में विफल, प्रशासन करे पुनर्विचार

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़,24 जून। इस मानसून सत्र में संसद में पेश होने वाले बिल के खिलाफ 27 लाख बिजली कर्मी और अभियंता 9 जुलाई को राष्ट्रव्यापी आम हड़ताल करेंगे। बिजली कर्मचारियों एवं अभियंताओं की सर्वोच्च बॉडी नेशनल कोआर्डिनेशन कमेटी ऑफ इलेक्ट्रिसिटी एम्पलाइज एंड इंजीनियर (एनसीसीओईईई) के बेनर तले मंगलवार को चंडीगढ़ के भकना भवन में हुई उत्तरी जोन के राज्यों के बिजली कर्मचारियों की कन्वेंशन में यह फैसला लिया गया। कन्वेंशन में एनसीसीओईईई के संयोजक एवं सुदीप दत्ता, इलेक्ट्रिसिटी एम्पलाइज फेडरेशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुभाष लाम्बा सुरेश राठी, ऑल हरियाणा पावर कारपोरेशनज वर्कर यूनियन के चेयरमैन देवेन्द्र सिंह हुड्डा, एचपीएसईबी (हिमाचल) के प्रधान कामेश्वर शर्मा, टीएसयू पंजाब के महासचिव कुलविंदर सिंह ढिल्लों,पीएसईबी (एटक) के महासचिव सुरेन्द्र पाल सिंह लोहारिया,यूटी पावरमैन यूनियन चंडीगढ़ के प्रधान अमरीक सिंह व जरनल सेकेट्री गोपाल दत्त जोशी व ईईएफआई की जरनल कौंसिल सदस्य पूनम कुंडू आदि शामिल हुए और संबोधित किया। कन्वेंशन में निजीकरण और बिजली कर्मचारियों की मांगों की अनदेखी की घोर निन्दा की और 9 जुलाई को राष्ट्रव्यापी आम हड़ताल करने का ऐलान किया गया।

ईईएफआई के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुभाष लांबा ने कहा कि बिजली सरकार के लिए सेवा है और निजी कंपनी के लिए व्यापार है। उन्होंने कहा कि निजीकरण के बाद बिजली गरीब व किसानों की पहुंच से बाहर हो जाएगी।

उन्होंने कहा कि 29 श्रम कानूनों को खत्म कर बनाए गए 4 लेबर कोड्स मजदूरों की गुलामी का दस्तावेज है,जिसका डटकर विरोध किया जाएगा। उन्होंने कहा कि घोषणा के बावजूद आठवें पे कमीशन की अधिसूचना जारी नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि पुरानी पेंशन बहाली, ठेका कर्मियों की रेगुलराइजेशन, खाली पदों को स्थाई भर्ती से भरने आदि मांगों की लगातार अनदेखी की जा रही है। ईईएफआई के उपाध्यक्ष सुरेश राठी ने कहा कि निजीकरण के बाद चंडीगढ़ की बिजली आपूर्ति को सुचारू रूप से चलाने में पूरी तरह विफल रही है। इसलिए प्रशासन को फैसले पर पुनर्विचार करना चाहिए।

हरियाणा में भी हड़ताल का ऐलान

एनएचपीसी यूनियन के चेयरमैन देवेन्द्र सिंह हुड्डा ने कहा कि 9 जुलाई को हरियाणा में सभी संगठन एकजुटता के साथ सफल हड़ताल करेंगे। हड़ताल की सफलता के लिए देशभर में कंज्यूमर व कर्मचारियों की संयुक्त सभाएं की जाएगी। कन्वेंशन में हरियाणा, पंजाब, हिमाचल, जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड, चंडीगढ़, राजस्थान से सैकड़ों की संख्या में पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने भाग लिया और कमेटी के संयोजक सुदीप दत्ता द्वारा हड़ताल के पेश किए प्रस्ताव का तालियों की गड़गड़ाहट से अनुमोदन किया। कन्वेंशन में उप्र सरकार द्वारा पूर्वांचल व दक्षिणांचल डिस्कॉम के निजीकरण के फैसले की घोर निन्दा की और उप्र बिजली कर्मचारियों के चल रहे आंदोलन के समर्थन में 2 जुलाई को देश भर में एकजुटता प्रदर्शन करने का फैसला किया।

एमसीसी ने औद्योगिक क्षेत्र फेज 2 में अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाया

अर्थ प्रकाश/वीरेन्द्र सिंह

चंडीगढ़, 24 जून। नगर निगम चंडीगढ़ ने मंगलवार को औद्योगिक क्षेत्र फेज 2 में अतिक्रमण विरोधी प्रमुख अभियान चलाया। नगर निगम आयुक्त अमित कुमार, आईएएस के निर्देशों का पालन करते हुए, प्रवर्तन दलों ने नगर निगम की भूमि पर अवैध रूप से स्थापित सात बड़े जनरेटर को सफलतापूर्वक हटा दिया। यह कदम मूल्यवान सार्वजनिक भूमि को पुनः प्राप्त करने और नागरिक दिशा-निर्देशों के अनुसार उचित उपयोग सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया था।

अतिक्रमण हटाने के अलावा, टीमों ने नगर निगम अधिनियम के तहत विभिन्न उल्लंघनों के लिए उल्लंघनकर्ताओं को 22 चालान भी जारी किए। यह अभियान व्यवस्था बनाए रखने, सार्वजनिक बुनियादी ढांचे में सुधार करने और सरकारी संपत्ति पर अनधिकृत कब्जे को रोकने के लिए एक बड़ी पहल का हिस्सा है।

नगर निगम सार्वजनिक स्थानों को अतिक्रमण से मुक्त रखने के लिए प्रतिबद्ध है और नागरिकों और व्यवसायों से सहयोग करने और नियमों का पालन करने की अपील करता है। आगे भी अन्य क्षेत्रों में प्रवर्तन कार्रवाई जारी रहेगी।

फिर कभी न लौट पायें वो काले दिन’

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 24 जून। 25 जून, 1975 को देष में लगी आपातस्थिति को आज 50 वर्ष हों गये हैं, लेकिन उन काले दिनों की याद आज भी मन मस्तिक पर वैसे ही ताज़ा है।

उस दौर में श्री जय प्रकाश नारायण जी का आंदोलन अपनी चरम सीमा पर था। इसी दौरान 12 जून 1975 को इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज न्यायमूर्ति जगमोहन लाल सिन्हा ने श्रीमति इंदिरा गांधी का 1971 का लोकसभा चुनाव रद्द कर दिया था। इस कारण उनके त्यागपत्र की मांग निरंतर ताकत पकड़ रही थी, परन्तु श्रीमति इंदिरा गांधी ने त्यागपत्र देने के बजाय 25 जून की रात को देश में आपातस्थिति ही लागू कर दी।

26 जून प्रातः सभी विपक्षी नेताओं की गिरफ्तारियां शुरू हो गई थी। अटल बिहारी वाजपेयी, लाल कृष्ण आडवाणी, मौराजी भाई देसाई, चौधरी चरण सिंह, चौधरी देवी लाल सभी नेता मीसा में बन्द कर दिये गये थे।

तानाषाही ओर निरंकुशता केवल अपना स्वार्थ देखती है उसके सामने विचारधारा आदि का कोई महत्व नहीं है। इसी को प्रामाणित करते हुये श्रीमति इंदिरा गांधी ने न केवल विपक्षी, अपितु अपनी पार्टी के भी बड़े वरिष्ठ नेताओं को, जिसमें स्व. चन्द्रषशेखर, कृष्णकांत भी शामिल थे, को जेल में डाल दिया था। जिन लोगों को जेल में डाला गया उनमें से भारी संख्या में लोगों की नौकरियों चली गई, कारोबार बंद हो गये तथा कई परिवारों को भूखे मरने की नौबत आ गई थी। लेकिन इसके वावजूद सभी ने पूरी हिम्मत एवं साहस से इसका मुकाबला किया।

मेरी आयु उस समय मात्र 23 वर्ष की थी और तब मैं पंजाब विश्वविद्यालय छात्र संघ का महासचिव था तथा स्वर्गीय जय प्रकाष नारायण द्वारा चलाये जा रहे आंदोलन में पंजाब एवं चंडीगढ छात्र समिति का अध्यक्ष था। 13 जुलाई, 1975 को जब मैं पंजाब विष्वविद्यालय में लॉ विभाग में प्रवेष लेने गया तो मेरिट में होने के बावजूद भी प्रवेष नहीं दिया गया, उलटे जब मैं इंटरव्यू देकर कमरे से बाहर आया तो मुझे गिरफ्तार कर लिया गया। मेरे उपर झूठा केस बनाया गया था कि मैंने लॉ विभाग के बाहर एक बहुत बड़ी छात्र रैली की तथा उसमें कहा कि हम इंदिरा गांधी सरकार का तख्ता पलट देंगे। दिसंबर माह में तब के न्यायिक मजिस्ट्रेट हंस राज नागरा ने मेरे विरूद्ध मुकदमें को खारिज करते हुये मुझे रिहा करने का आदेष दिया।

उसके बाद मैंने 26 जनवरी, 1976 को पंजाब विश्वविद्यालय में सत्याग्रह करके अपनी गिरफ्तारी दी। रात्रि को मुझे सैक्टर 29 पुलिस लाइन में ले जाकर मेरे दाये हाथ की उंगलियों पर तांबे की नंगी पतली तारें

बांधकर बिजली के करंट लगाकर यातनाएं दी गई। एक बार तो ऐसा लगा कि शायद यह रात जीवन की अंतिम रात होगी। अगले दिन मुझे बुड़ैल जेल भेज दिया गया।

उस दौरान सभी मौलिक अधिकार निलंबित कर दिये गये थे तथा राजनीतिक कैदियों को जेल से न्यायालय में लाकर पेष करने के बजाय जजों को ही जेल में जाकर वहीं पर अदालत लगाने के आदेश दिये गये थे। पुलिस और सरकार पूरी तरह से निरंकुश हो गई थी तथा किसी को भी कभी भी, कहीं से भी और कोई भी झूठा केस बनाकर जेल में डाल देती थी तथा ऐसे सभी बंदियों की जमानत पर कानूनी तौर से प्रतिबंध भी लगा दिया गया था।

आपातस्थिति लगाने के लगभग 6 महीनें बाद आरएसएस, विपक्षी नेताओं, जनसघं आदि सभी गैर कांग्रेसी संस्थाओं ने जिनका आपातस्थिति के विरूद्ध आंदोलन प्रारंभ किया जिनमें हजारों लोगों ने अपनी गिरफ्तारियां देकर देष की प्रधानमंत्री की तानाषही को चुनौती दी।

वह काले दिन बहुत ही डरावनें थे। रिष्तेदार, सगे-सम्बंधी, मित्र सभी मिलने से डरते थे। हर तरफ भय और आंतक का माहौल था। रेडियों पर सेंसर लगा था जिस कारण लोगों को छुप-छुप के बीबीसी के समाचार सुनने पर ही कुछ जानकारी मिलती थी। सारा देष एक खुली जेल की तरह हो गया था जहां आंतक, क्रुरता एवं तानाषाही का माहौल था। हर व्यक्ति पर पुलिस का खौफ था। एक बार तो ऐसा लगने लगा था कि देश में अब लोकतंत्र कभी लौट के नहीं आयेगा तथा एक व्यक्ति की तानाशाही ही अब आगे चलेगी। कई बार जेल में सोचते थे कि शायद जेलों से जीवित बाहर आ भी पायेंगे या नहीं।

श्रीमति इंदिरा ने जब संसद का अधिवेषन आपातस्थिति को पास करने के लिये बुलाया तो ये इतिहास में पहला और आखिरी अवसर था कि संसद में सभी विपक्षी बेंच खाली पड़े थे, बस इंमरजैंसी में सरकार का साथ देने वाली पार्टियों के सांसद ही सदन में उपस्थित थे। वह भी शायद पहली बार था कि श्रीमति गांधी ने बिना मंत्रीमंडल की स्वीकृति के राष्ट्रपति के पास आपातस्थिति लगाने की सिफारिष की थी जिसे तब के राष्ट्रपति स्व. फखरूदीन अली अहमद ने इस असंवैधानिक प्रस्ताव को भी स्वीकार कर लिया था। कैबिनेट को इसकी सूचना अगली सुबह दी गई थी।

परंतु सत्ता के नशे में डूबी श्रीमति इंदिरा गांधी ने अचानक जनवरी, 1977 में यह सोचा कि अब उनके मुकाबले कोई पार्टी या नेता नहीं टिक पायेगा तथा आपातस्थिति के विरूद्ध जोर पकड़ रहे आंदोलन, विदेषों का दबाव तथा विपक्ष को एक और झटका देने के उदेष्य से चुनाव करवाने का निर्णय किया। और चुनाव की घोषणा होते ही जनता के धैर्य का बांध टूट पड़ा और लोग खुलकर इन्दिरा गांधी के विरूद्ध लामबन्द हो गये।

जयप्रकाश नारायण द्वारा दिया गया नारा ‘‘कांग्रेस को गया एक-एक वोट हाथ की हथकड़ी तथा पांव की बेड़ी साबित होगा’’ ने रामबाण का काम किया। चुनाव में इंदिरा जी एवं कांग्रेस बुरी तरह चुनाव हार गये।

1977 में लोकसभा चुनाव में करारी हार के बाद ही देश से आपातस्थिति हटाई गई थी। जब श्रीमति इंदिरा गांधी लोकसभा चुनाव हारने के बाद त्यागपत्र लेकर तब के राष्ट्रपति बी डी जती के पास गई तो श्री जती ने उन्हें सलाह दी कि वह त्यागपत्र से पहले आपातस्थिति वापिस ले लें अन्यथा नई सरकार उसी आपातस्थिति में बने कानुनों को श्रीमति इंदिरा गांधी के विरूद्ध इस्तेमाल कर सकती है। इस पर श्रीमति इंदिरा गांधी की ही सिफारिष पर राष्ट्रपति ने नई सरकार बनने से पहले ही आपातस्थिति हटा दी।

आज भी वो काले दिन याद करके मन कांप उठता है परंतु भारत की जनता में इतनी ताकत है और भारत का लोकतंत्र इतना मजबूत है कि किसी भी बड़े से बड़े संकट से बाहर आ सकता है। आज सारे देष को यह प्रण करने का दिन है कि कोई भी तानाषाह भविष्य में आपातस्थिति लागू करने की तो दूर परन्तु इसे लागू करने सोच भी न सके।

सम्पादकीय

शिक्षा और रोजगार के बीच के अंतर को खत्म करना जरूरी

हरियाणा में मुख्यमंत्री नायब सैनी का विश्वविद्यालयों के नवनियुक्त कुलपतियों से युवाओं की रोजगार क्षमता बढ़ाने के मकसद से कौशल विकास कार्यक्रमों पर विशेष जोर देने का आह्वान उचित प्रयास है। शिक्षा हमेशा से व्यक्ति के संपूर्ण विकास का माध्यम रही है, हालांकि समय के साथ अब ऐसी शिक्षा का महत्व बढ़ रहा है, जो रोजगार भी दिला सके। सरकार चाहती है कि विश्वविद्यालय शिक्षा और रोजगार के बीच के अंतर को कम करने के लिए उद्योगों के साथ मिलकर काम करें। यह सलाह भी उचित ही है कि विश्वविद्यालयों को अपने कम से कम 10 प्रतिशत कार्यक्रम औद्योगिक भागीदारों के सहयोग से संचालित करने चाहिए। वास्तव में इस प्रकार की चर्चा का मकसद शिक्षा के क्षेत्र में रोजगार की संभावनाओं को बढ़ाना और युवाओं को वह राह प्रदर्शित करना है, जिसके तहत वे अपने पैरों पर खड़ा होने में सक्षम हो सकें। हरियाणा में पूर्व मनोहर सरकार की ओर से कौशल रोजगार निगम की स्थापना की गई थी, जिसे नायब सरकार ने भी जारी रखा है। इस प्रकार की योजनाओं से युवाओं को रोजगार के अनेक अवसर प्राप्त हुए हैं। हालांकि राज्य में इस समय सरकारी नौकरियों की प्रणाली में जिस प्रकार से शुचिता कायम हुई है, उसने युवाओं को कड़ी मेहनत करने को प्रेरित किया है।

वास्तव में मुख्यमंत्री नायब सैनी का यह कहना उचित ही है कि साल 2047 में विकसित भारत की अवधारणा में हरियाणा की भूमिका अग्रणी रहने वाली है। प्रदेश जिस प्रकार से देशभर के राज्यों में सभी मामलों में सर्वोपरि बन रहा है, उसे देखते हुए इस राज्य की भूमिका पहले से निर्धारित हो गई है। मुख्यमंत्री का यह कहना भी सही है कि देश के विकास में हरियाणा को अपनी तरक्की की रफ्तार और तेज करनी होगी। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने शपथ ग्रहण करने के तुरंत बाद युवाओं को नौकरियों का उपहार दिया था, उसके बाद अब सरकार ने सरकारी कर्मचारियों को आवास, बेटे-बेटी की शादी एवं अन्य जरूरतों के लिए ऋण लेने की योजनाओं को लागू किया है। महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए अब मातृशक्ति उद्यमिता नाम से योजना को शुरू करना यह बताता है कि मुख्यमंत्री इस विषय में कितने गंभीर हैं।

वास्तव में मुख्यमंत्री नायब सैनी का यह कहना उचित ही है कि साल 2047 में विकसित भारत की अवधारणा में हरियाणा की भूमिका अग्रणी रहने वाली है। प्रदेश जिस प्रकार से देशभर के राज्यों में सभी मामलों में सर्वोपरि बन रहा है, उसे देखते हुए इस राज्य की भूमिका पहले से निर्धारित हो गई है। मुख्यमंत्री का यह कहना भी सही है कि देश के विकास में हरियाणा को अपनी तरक्की की रफ्तार और तेज करनी होगी। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने शपथ ग्रहण करने के तुरंत बाद युवाओं को नौकरियों का उपहार दिया था, उसके बाद अब सरकार ने सरकारी कर्मचारियों को आवास, बेटे-बेटी की शादी एवं अन्य जरूरतों के लिए ऋण लेने की योजनाओं को लागू किया है। महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए अब मातृशक्ति उद्यमिता नाम से योजना को शुरू करना यह बताता है कि मुख्यमंत्री इस विषय में कितने गंभीर हैं। इस योजना के माध्यम से स्वरोजगार अपनाने वाली महिलाओं को 5 लाख रुपये तक का ऋृण प्रदान किया जाएगा। ग्रामीण और शहर में रहने वाली महिलाएं इसके लिए पात्र होंगी। नायब सरकार का हर कदम एवं हर कार्य जनता को समर्पित है और यही उसकी कामयाबी की राह भी तैयार कर रहा है।

पूरे देश में हरियाणा सरकार ही वह सरकार है, जोकि सेना में बतौर अग्निवीर सेवा देने वाले युवाओं को प्रदेश की सरकारी नौकरियों में 10 प्रतिशत का आरक्षण देने का काम कर रही है। वास्तव में इस योजना का मकसद युवाओं को सक्रिय रखना और उनके लिए आजीविका के साधन तैयार करना है। विपक्ष की ओर से इस योजना को पूरी तरह खारिज किया जा रहा है, हालांकि इसी योजना के तहत 25 फीसदी अग्नि वीरों को सेना में स्थाई नौकरी भी दी जा रही है, केवल बाकी के 75 फीसदी युवाओं को चार साल की नौकरी के बाद सेवानिवृत्त किया जा रहा है। सेना एवं केंद्र सरकार की ओर से जहां अग्निवीरों को शहादत की स्थिति में जहां एक करोड़ रुपये की राशि दी जा रही है, वहीं अब हरियाणा जैसे प्रगतिशील राज्य की नायब सैनी सरकार ने चार साल की सेवा पूरी करके वापस आने वाले अग्निवीरों के लिए अपने यहां सरकारी नौकरियों में 10 फीसदी आरक्षण मुहैया करा दिया है।

सरकार ने तृतीय और चतुर्थ श्रेणी की नौकरियों में अग्निवीरों के लिए आयु सीमा में छूट दी है। इसके अलावा पहले बैच के अग्निवीरों के लिए आयु सीमा में यह छूट पांच साल तक होगी। वहीं प्रदेश में कोई भी औद्योगिक इकाई अगर सेवानिवृत अग्नि वीरों को अगर 30 हजार रुपये या इससे ज्यादा वेतन पर नौकरी देती है तो सरकार की ओर से उस औद्योगिक इकाई को 60 हजार रुपये वार्षिक की सब्सिडी भी प्रदान की जाएगी। इस पूरी कवायद का मकसद यही है कि ऐसे प्रशिक्षित युवाओं को तमाम जगह रोजगार उपलब्ध हो। देश की आबादी तेजी से बढ़ रही है, युवाओं को ज्यादा से ज्यादा संख्या में रोजगार उपलब्ध कराने एवं देश की अन्य सेवाओं में ऐसे प्रशिक्षित जवानों को नियुक्त करके कई फायदे हासिल किए जा सकते हैं। यह भी संभव है कि ऐसे प्रशिक्षित युवा देश एवं समाज के प्रति ज्यादा समर्पित भाव से काम करेंगे। हरियाणा देश का वह राज्य बन गया है, जहां समाज के सभी वर्गों का उत्थान हो रहा है, एवं युवा शक्ति को नवीन दिशाएं हासिल हो रही हैं। प्रदेश में रोजगार, व्यवसाय, बिजनेस आदि की संभावनाएं बढ़ी हैं और ऐसा सरकार की नीति एवं उसकी व्यापक सोच से संभव हुआ है। अब खर्ची और पर्ची का जमाना लद चुका है और यही बात युवाओं के उल्लास को कई गुणा कर देती है।

इमरजेंसी के संदर्भ में विशेष

भारतीय लोकतंत्र का काला अध्याय आपातकाल

दैनिक अर्थ प्रकाश

भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में 25 जून 1975 की रात एक ऐसा दिन था जब देश ने अपनी स्वतंत्रता और संविधानिक मूल्यों को खोते देखा। इसी दिन तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी द्वारा देश में आपातकाल (Emergency) की घोषणा की गई, जिसे भारतीय लोकतंत्र का 'काला अध्याय' कहा जाता है। यह आपातकाल 21 महीनों तक, अर्थात 21 मार्च 1977 तक चला। इस अवधि ने भारतीय राजनीति, संविधान, प्रेस और आम जनता की स्वतंत्रता को गहरे स्तर पर प्रभावित किया।

आपातकाल की पृष्ठभूमि: आपातकाल की घोषणा का मुख्य कारण था इलाहाबाद उच्च न्यायालय का वह फैसला, जिसमें इंदिरा गांधी के चुनाव को अवैध घोषित किया गया था। न्यायालय ने उन्हें चुनावी भ्रष्टाचार का दोषी ठहराया और छह साल तक चुनाव लड़ने पर रोक लगा दी। इस निर्णय से उनके पद पर संकट उत्पन्न हो गया। इसके अलावा देश में बढ़ती राजनीतिक अस्थिरता, छात्र आंदोलनों (विशेषकर बिहार आंदोलन), और लोकनायक जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में हो रहे व्यापक जनआंदोलनों से सरकार पर भारी दबाव बन रहा था।

आपातकाल की घोषणा: इंदिरा गांधी ने राष्ट्रपति फ़ख़रुद्दीन अली अहमद से संविधान के अनुच्छेद 352 के अंतर्गत 'आंतरिक अशांति' के आधार पर आपातकाल की घोषणा करवाई। इस घोषणा के साथ ही भारत एक लोकतांत्रिक राष्ट्र से एक 'राज्य नियंत्रित तंत्र' में परिवर्तित हो गया।

आपातकाल के प्रभाव

1. मौलिक अधिकारों का निलंबन: संविधान द्वारा नागरिकों को प्रदत्त मौलिक अधिकारों को निलंबित कर दिया गया। आम लोगों को Habeas Corpus (न्यायालय में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका) का अधिकार भी नहीं रहा।

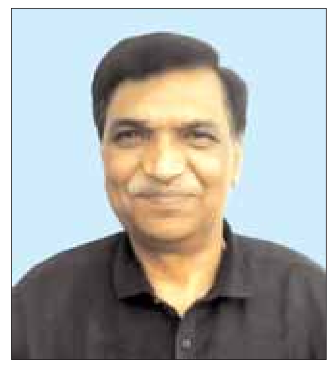

2. सेंसरशिप और प्रेस की स्वतंत्रता का हनन: अखबारों पर कठोर सेंसर लगाया गया। समाचार छपवाने से पहले सरकारी अनुमति जरूरी थी। विरोधी विचारों और लेखों को प्रकाशित करने की अनुमति नहीं थी।

3. विरोधियों की गिरफ्तारी: जयप्रकाश नारायण, अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी, मोरारजी देसाई, चरण सिंह सहित हजारों नेताओं, कार्यकर्ताओं और छात्रों को बिना मुकदमे के जेलों में डाल दिया गया।

4. जबरन नसबंदी अभियान: संजय गांधी के नेतृत्व में जनसंख्या नियंत्रण के नाम पर देशभर में जबरन नसबंदी की गई, जिससे लाखों लोगों को अपमान और पीड़ा झेलनी पड़ी।

5. संवैधानिक संशोधन: 42वाँ संविधान संशोधन पारित कर संसद की शक्तियाँ बढ़ाई गई और न्यायपालिका तथा प्रेस की स्वतंत्रता को और सीमित कर दिया गया।

जन-प्रतिक्रिया और अंत: आपातकाल के दौरान जनता भयभीत थी, लेकिन भीतर ही भीतर आक्रोश पनप रहा था। मार्च 1977 में जब आम चुनाव की घोषणा हुई, तो जनता ने अपने वोट के माध्यम से इसका करारा जवाब दिया। कांग्रेस पार्टी को करारी हार का सामना करना पड़ा और जनता पार्टी के नेतृत्व में पहली बार एक गैर-कांग्रेसी सरकार केंद्र में बनी। यह लोकतंत्र की जीत और तानाशाही प्रवृत्ति की हार थी।

निष्कर्ष: आपातकाल भारत के लोकतंत्र के इतिहास का एक कड़वा लेकिन शिक्षाप्रद अध्याय है। इसने हमें यह सिखाया कि लोकतंत्र की रक्षा केवल संविधान से नहीं, बल्कि जागरूक नागरिकों, स्वतंत्र प्रेस, सशक्त न्यायपालिका और निष्पक्ष चुनाव प्रणाली से होती है। यह घटना हमें सतर्क करती है कि कहीं फिर से लोकतांत्रिक मूल्यों का हनन न हो और देश की आज़ादी व अधिकारों की रक्षा के लिए हम सभी को सजग रहना चाहिए। 'लोकतंत्र की रक्षा केवल एक अधिकार नहीं, हर नागरिक का कर्तव्य है।'

लेखक: कैलाश चंद जैन,
प्रदेश उपाध्यक्ष, भारतीय जनता पार्टी चंडीगढ़।

नौकरी और शिक्षा प्रणाली में क्रांति की ओर एआई का उभरता हुआ क्षेत्र

दैनिक अर्थ प्रकाश

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का सीधा सा अर्थ है – ऐसे कंप्यूटर सिस्टम जो इंसानों की तरह सोच सकते हैं, निर्णय ले सकते हैं और सीख सकते हैं। मशीन लर्निंग , डीप लर्निंग और नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग जैसे उपशाखाएं अब औद्योगिक और सामाजिक संरचना में तेजी से एकीकृत हो रही हैं।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक समय सिर्फ विज्ञान कथाओं का विषय माना जाता था, लेकिन आज यह मानव जीवन के लगभग हर क्षेत्र में वास्तविकता बन चुका है। चाहे वह स्वास्थ्य सेवा हो, बैंकिंग हो, कृषि हो, या फिर शिक्षा व्यवस्था – एआई का प्रभाव व्यापक रूप से दिखाई देने लगा है। आने वाले वर्षों में यह प्रभाव और गहरा होने की संभावना है, जो न केवल रोजगार के स्वरूप को बदल रहा है, बल्कि शिक्षा के तरीकों में भी परिवर्तन ला रहा है।

रोजगार क्षेत्रों पर प्रभाव

1. आईटी और सॉफ्टवेयर उद्योग: सबसे पहले बदलाव आईटी और सॉफ्टवेयर उद्योग में महसूस किए गए हैं। कोडिंग, डेटा विश्लेषण, सॉफ्टवेयर टेस्टिंग जैसे क्षेत्रों में एआई ऑटोमेशन टूल्स का प्रयोग तेजी से बढ़ा है। आज मशीनें बड़ी मात्रा में डेटा को कुछ ही सेकंड में प्रोसेस कर सकती हैं, जिससे विश्लेषणात्मक भूमिकाओं में मानवीय आवश्यकता कम हो रही है। निकट भविष्य में इसका असर उत्पादन या सेवा आधारित आईटी उद्योग से जुड़ी नौकरियों पर पड़ सकता है। वहां नौकरियाँ कम हो सकती हैं।

2. स्वास्थ्य क्षेत्र: आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के करण बिमारियो के पैटर्न को समझ कर, उनको होने की संभावना को जानकर रोकथाम पर काम किया जा सकता है। पैटर्न को समझने के लिए रियल टाइम डेटा पर डीप लर्निंग तकनीक को लागू किया जाता है।इसका मतलब ये हुआ कि डॉक्टर्स को एआई तकनीकों का ज्ञान होना चाहिए या फिर स्वास्थ्य क्षेत्र में एआई इंजीनियरों को नियुक्त किया जाए जो डॉक्टरों के साथ रियल टाइम डेटा पर काम करें ताकि नई बीमारियों की शीघ्र पहचान और उनकी रोकथाम हो सके। अंततः यह कंप्यूटर विज्ञान नौकरियों के आयाम को बढ़ा रहा है।

3. बैंकिंग और वित्त: बैंकिंग में एआई का उपयोग अब सिर्फ चैटबॉट्स तक सीमित नहीं है। जोखिम मूल्यांकन, धोखाधड़ी की पहचान, ग्राहक व्यवहार विश्लेषण जैसे जटिल कार्य अब एआई सिस्टम कर रहे हैं। इससे बैक ऑफिस नौकरियों की संख्या कम होने की आशंका है, जबकि टेक्नोलॉजी विशेषज्ञों की मांग बढ़ रही है।

4. कृषि और ग्रामीण विकास: एआई-सक्षम ड्रोन, मिट्टी विश्लेषण सेंसर और मौसम पूर्वानुमान मॉडल अब किसानों को स्मार्ट खेती की ओर ले जा रहे हैं। हालांकि ग्रामीण क्षेत्र में तकनीकी साक्षरता एक चुनौती बनी हुई है, लेकिन सरकार और स्टार्टअप मिलकर इसे दूर करने की कोशिश कर रहे हैं। इससे इस क्षेत्र में कंप्यूटर विज्ञान की नौकरियों में भी वृद्धि होगी।

5. शिक्षा क्षेत्र: कृत्रिम बुद्धिमत्ता शिक्षा क्षेत्र पर भी बहुत प्रभाव डाल रही है। शिक्षक और छात्र दोनों ही सीखने और प्रदर्शन के लिए जीपीटी मॉडल का उपयोग कर रहे हैं। एआई के उद्भव के बाद, शिक्षकों और छात्रों दोनों को अपनी भूमिकाओं में जीवित रहने के लिए नवीनतम रुझानों के साथ अधिक अद्यतन और अद्यतित होने की आवश्यकता है।

शिक्षा प्रणाली में बदलाव

1. व्यक्तिगत शिक्षा: एआई अब छात्रों की सीखने की गति, ताकत और कमजोरियों के अनुसार पाठ्यक्रम को ढाल सकता है। इससे हर छात्र को उसकी ज़रूरत के अनुसार शिक्षण सामग्री मिलती है – जो पारंपरिक शिक्षा प्रणाली से एक बड़ा बदलाव है।

2. शिक्षकों की भूमिका में बदलाव: अब शिक्षक केवल ज्ञान देने वाले नहीं, बल्कि मार्गदर्शक और संयोजक की भूमिका निभा रहे हैं। एआई-संचालित प्लेटफार्म बच्चों की प्रगति का मूल्यांकन स्वतः कर लेते हैं, जिससे शिक्षक को अधिक फोकस्ड मार्गदर्शन का अवसर मिलता है।

3. स्कूल प्रबंधन और प्रशासन: एआई आधारित ईआरपी सिस्टम अब स्कूलों में उपस्थिति, ग्रेडिंग, समय सारणी और परीक्षा शेड्यूल को स्वचालित कर रहे हैं। इससे प्रशासनिक कर्मचारियों का कार्यभार कम हो रहा है और दक्षता बढ़ रही है।

4. भाषा और क्षेत्रीय सीमाओं का अंत: एआई आधारित ट्रांसलेशन टूल्स और भाषा मॉडल अब अलग-अलग भाषाओं में कंटेंट को सहजता से अनुवादित कर सकते हैं। इससे शिक्षा अब भाषा की बाधाओं से ऊपर उठकर अधिक समावेशी बन रही है।

भविष्य की संभावनाएं और तैयारी

भारत सहित पूरी दुनिया में अब यह समझ बन चुकी है कि एआई को रोका नहीं जा सकता, लेकिन इसे सही दिशा में उपयोग करना आवश्यक है। इसके लिए आवश्यक है कि-

नौकरी क्षेत्रों में री-स्किलिंग और अपस्किलिंग की योजनाएं तेजी से लागू की जाएं।

शिक्षकों को एआई प्रशिक्षण दिया जाए ताकि वे तकनीक का सही उपयोग कर सकें।

नीति-निर्माताओं द्वारा नैतिक एआई गाइडलाइंस तैयार की जाएं।

निष्कर्ष: एआई न केवल एक तकनीकी क्रांति है, बल्कि यह सामाजिक और व्यावसायिक संरचनाओं को नई परिभाषा दे रहा है। इसका प्रभाव हर नौकरी क्षेत्र और शिक्षा प्रणाली पर गहराई से पड़ रहा है। हमें इसे अवसर के रूप में लेना चाहिए, और अपनी शिक्षा व कौशल को इसके अनुरूप ढालकर इस युग में आगे बढ़ना चाहिए।

-डॉ. दिशा हांडा
एसोसिएट प्रोफेसर, यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ कंप्यूटिंग, चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी

अर्थ प्रकाश में **34 साल पहले** आज का दिन

राज्य की शांति के लिए युवा आगे आएं : मनमोहन सिंह

चंडीगढ़। केंद्रीय वित्तमंत्री मनमोहन सिंह ने पंजाब में कई वर्ष से व्याप्त आतंकवाद के लिए राज्य के युवाओं को आगे आने व इस बुराई का डटकर मुकाबला करने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि राज्य में सामाजिक एवं आर्थिक उन्नति तभी हो सकती है जब यहां शांति हो। आज अमृतसर में गुर नानक देव विश्वविद्यालय के वार्षिक दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पंजाब को आतंकवाद की गिरफ्त से युवा वर्ग ही छुड़ा सकता है। मासूमों पर हो रहे अत्याचारों की निंदा करते हुए उन्होंने कहा कि हत्याएं या हिंसा किसी समस्या का हल नहीं। उन्होंने पंजाब समस्या को बातचीत द्वारा हल किये जाने पर जोर दिया। समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति एवं राज्यपाल सुरिन्द्रनाथ ने की। इस अवसर पर अमृतसर के सुप्रसिद्ध नेत्र विशेषज्ञ डा. दलजीत सिंह को आनरेरी डिग्री से सम्मानित किया गया।।

8 खाड़कुओं सहित 10 मरे

चंडीगढ़। पंजाब में गत रात्रि के दौरान चार खूंखार खाड़कुओं सहित आठ खाड़कू मारे गये जबकि खाड़कुओं ने एक निहंग व एक अन्य व्यक्ति की हत्या कर दी। प्राप्त जानकारी के मुताबिक आज सुबह बटाला पुलिस जिला के गांव कोटला में रछपाल सिंह एवं संतोख सिंह नामक दो कट्टर खाड़कु मारे गए। इनके कब्जे से एक दूरबीन युक्त गन एवं एक स्टिक बम बरामद हुआ। जबकि दो अज्ञात खाड़कु फरीदकोट जिला के गांव नानकपुरा में हुई एक मुठभेड़ में मारे गए।

ज्ञान सागर : देखें आज के दिन क्या घटा

1529- मुगल शासक बाबर बंगाल पर विजय प्राप्त करके अपनी राजधानी आगरा लौटा।
1788- वर्जीनिया संयुक्त राज्य अमेरिका का संविधान अपनाने वाला 10वां राज्य बना।
1931 - पूर्व प्रधानमंत्री विश्वनाथ प्रताप सिंह का जन्म।
1932- भारतीय क्रिकेट टीम ने ब्रिटेन के लॉर्ड्स मैदान पर अपना पहला टेस्ट मैच खेला।
1941- फिनलैंड ने सोवियत संघ पर हमले की घोषणा की।
1950- उत्तर और दक्षिण कोरिया के बीच गृह युद्ध शुरू हुआ, जिसने आगे चलकर अंतरराष्ट्रीय शीत युद्ध का रूप लिया।
1951- अमेरिकी टेलीविजन एवं रेडियो नेटवर्क सीबीएस ने न्यूयॉर्क से चार शहरों में पहले रंगीन टीवी कार्यक्रम का प्रसारण किया।
1960- मेडागास्कर फ्रांस से स्वतंत्र हुआ।
1975- तत्कालीन राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद ने आंतरिक आपातकाल लगाने के सरकार के प्रस्ताव को मंजूरी दी।
1983- भारत ने वेस्टइंडीज को 43 रनों से हरा कर पहली बार क्रिकेट विश्व कप का खिताब अपने नाम किया।
1993- किम कैंपबेल कनाडा की 19वीं प्रधानमंत्री बनीं। 1994 को जापान के प्रधानमंत्री सुतोमु हाता ने अपने पद से इस्तीफा दिया।
2005- ईरान के राष्ट्रपति चुनाव में अति कट्टरपंथी माने जाने वाले महमूद अहमदी नेजाद की जीत की घोषणा हुई ।
2009- संगीत और डांस की नई परिभाषा लिखने वाले माइकल जैक्सन का निधन।
2014- लुईस सुआरेज पर फीफा 2014 विश्वकप के दौरान विपक्षी टीम के खिलाड़ी को दांत से काटने का आरोप लगा।

बोल ब्यूटीफुल

मोनिका वर्मा: जब मैंने पहली बार सुना कि आसिम मुनीर को ट्रंप ने इसलिए भोज पर बुलाया, क्योंकि उन्होंने नोबेल के लिए ट्रंप के नाम की अनुशंसा की। तब मुझे लगा कि यह मजाक या मोम है। बाद में जब इसकी पुष्टि हुई तो यही लगा कि ट्रंप की तुलना में बाइडन कहीं ज्यादा तार्किक थे।

आदेश रावल: राजनीति में कभी कोई मरता नहीं है। जनता कभी भी आपको आक्सीजन दे सकती है। दिल्ली विधानसभा चुनाव की हार के बाद अरविंद केजरीवाल ने चुप्पी साध ली थी। अब आम आदमी पार्टी दो सीटों पर उपचुनाव जीती। भाजपा, कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस ने भी एक-एक सीट जीती।

डायबिटीज़ से बचाव में मददगार ये जड़ी-बूटियां और घरेलू उपाय

दुनियाभर में हर साल डायबिटीज़ से दस लाख से ज़्यादा लोगों की मौत हो रही है और यह बीमारी किसी को कभी भी हो सकती है। यह एक ऐसी बीमारी के तौर पर उभरी है जो बेहद तेज़ी से बच्चों से लेकर युवाओं को अपनी चपेट में ले रही है। दरअसल, यह बीमारी तब होती है जब शरीर के अंदर रक्त में ग्लूकोज या शुगर की मात्रा जमा होने लगती है. इससे पीड़ित लोगों को हार्ट अटैक (दिल का दौरा) और हार्ट स्ट्रोक (हृदयाघात) हो सकता है। इसके साथ-साथ डायबिटीज़ से अंधापन, किडनी फेल और पैरों के निष्क्रिय होने जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है.

लक्षण

* ज़्यादा प्यास लगना
* सामान्य से ज़्यादा पेशाब होना, विशेषकर रात में
* थकान महसूस होना
* बिना किसी कोशिश के वज़न कम होना
* मुंह में अक्सर छाले होना
आंखों की रोशनी कम होना
* घाव भरने में समय लगना

डायबिटीज़ आनुवांशिक और पर्यावरणीय कारकों पर आधारित होती है। लेकिन आप अपने खून में ग्लूकोज़ की मात्रा को नियंत्रित करके खुद को डायबिटीज़ से बचा सकते हैं. संतुलित डाइट और व्यायाम करने से ऐसा किया जा सकता है!आप अपनी रोज़ाना की डाइट में सब्जियां, फल, फलियां, और साबुत अनाज शामिल कर सकते हैं।

डायबिटीज (मधुमेह) के उपचार

1. जीवनशैली में बदलाव

-संतुलित आहार: फल, सब्जियां, साबुत अनाज और प्रोटीन से भरपूर आहार लेना चाहिए।

-कम शर्करा और वसा: शर्करा और वसा युक्त भोजन से परहेज करें।

-नियमित भोजन: समय पर खाना खाएं और भोजन में संतुलन बनाए रखें।

2. शारीरिक गतिविधि

-नियमित व्यायाम: प्रतिदिन कम से कम 30 मिनट व्यायाम करें, जैसे पैदल चलना, तैराकी, या साइकिल चलाना।

-वज़न प्रबंधन: स्वस्थ वजन बनाए रखे।

3. तनाव प्रबंधन

-योग और ध्यान: नियमित रूप से योग और ध्यान करें।

-स्वस्थ नींद: अच्छी और पूरी नींद लें।

4. दवाइया: बेहतर स्वास्थ्य पाने के लिए सदियों से नेचुरल उपायों का इस्तेमाल किया जाता रहा है। ब्लड शुगर कंट्रोल करने में जड़ी बूटियों और आयुर्वेदिक पौधों को काफी पसंद किया जाता है। क्योंकि ये प्राकृतिक रूप से ग्लूकोज लेवल को नियमित करने में मदद करते हैं।मधुमेह को काबू में रखने के लिए जड़ी बूटीयों को मिलाकर बहुत से अच्छे आयुर्वेदिक योग बनाए गए हैं जो की बहुत कारगर है।

मधुमेह के मरीजों में किए जाने वाले बदलाव -

-संतुलित आहार का सेवन: प्रोसेस्ड कार्बोहाइड्रेट के बजाय जौ, जई और ब्राउन राइस जैसे साबुत अनाज का सेवन करने की सलाह दी जाती है। आवश्यक पोषक तत्व और फाइबर के लिए डाइट में ताजे फल, सब्जियां, मेवे और बीज शामिल किए जाते हैं।

-चीनी का सेवन न करें: डायबिटीज में व्यक्ति को चीनी न खाने की सलाह दी जाती है। इसकी जगह व्यक्ति गुड़ व खांड का सेवन कर सकते हैं।

-हर्बल चाय और काढ़ा: दालचीनी, मेथी के बीज और तुलसी से बनी हर्बल चाय या काढ़ा पीने से रक्त शर्करा के स्तर को प्राकृतिक रूप से नियंत्रित करने में मदद मिल सकती है।

-प्रोसेस्ड फूड से बचें: प्रोसेस्ड फूड और शुगर युक्त खाद्य पदार्थों का सेवन कम करें, क्योंकि वे ब्लड शुगर के स्तर को बढ़ा सकते हैं और इंसुलिन को बाधित कर सकते हैं।

-लौकी और करेले का सेवन करें: इस दौरान व्यक्ति को लौकी, करेले, परमल आदि का सेवन करने के लिए सलाह दी जाती है।

मधुमेह और इसके उपचार के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए संपर्क करें। डॉ दीपम 9463655837,9023611112

क्लास से न्यूज़रूम तक एमसीएम का मास कम्युनिकेशन कोर्स दे रहा छात्राओं को नई उड़ान

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़। मेहर चंद महाजन डीएवी महिला महाविद्यालय, चंडीगढ़ का मास कम्युनिकेशन विभाग मीडिया शिक्षा के क्षेत्र में लगातार नए मानदंड स्थापित करते हुए विशेष पहचान अर्जित कर रहा है। इंडिया टुडे, द वीक, आउटलुक और ओपन मैगज़ीन द्वारा कराए गए सर्वेक्षणों के अनुसार, यह देश के शीर्ष मास कम्युनिकेशन संस्थानों में गिना जाता है। इसके साथ ही, सिंगल यूज़ प्लास्टिक और स्वच्छता जैसे विषयों पर बनाए गए रचनात्मक और सामाजिक सरोकारों से युक्त जन-जागरूक मीडिया अभियानों के लिए विभाग को चंडीगढ़ प्रशासन द्वारा सराहना प्राप्त हुई है।

मास कम्युनिकेशन विभाग की गौरवशाली परंपरा रही है, जिसने विद्यार्थियों को सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों के विभिन्न मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर उल्लेखनीय योगदान देने के लिए तैयार किया है। इस विभाग की प्रमुख पूर्व छात्राओं में रिभा सूद (सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार), सेरिंग क्युंकित (पीयूएनमीडिया), प्रियंका राणा (पीआर विभाग, नगर निगम, चंडीगढ़), गुर्नाज़ कौर (द ट्रिब्यून), सुभाश्री और आर. के. लक्ष्मी (द टाइम्स ऑफ इंडिया), श्रेया (हिंदुस्तान टाइम्स), सौम्या जोशी (स्क्रीनराइटर), जसलीन कौर (पीटीसी), रूबी (पूर्व में अमर उजाला), यशस्विका (पूर्व में ज़ी न्यूज़) और कुशिका (कैन टीवी) शामिल हैं।

विभाग की समग्र शिक्षा प्रणाली विद्यार्थियों को केवल सैद्धांतिक ज्ञान ही नहीं, बल्कि व्यावहारिक अनुभव भी प्रदान करती है। विभाग में एक अत्याधुनिक रिकॉर्डिंग स्टूडियो की सुविधा भी उपलब्ध है, जहाँ छात्राएँ बुलेटिन, पॉडकास्ट और अन्य मीडिया सामग्री तैयार करते हैं। फ़ोटोग्राफ़ी, वीडियोग्राफ़ी, समाचार लेखन और रचनात्मक लेखन में प्रशिक्षण कक्षा के मुख्य गतिविधियों में शामिल है, इसके साथ फील्ड विज़िट्स, कार्यशालाएँ और उद्योग विशेषज्ञों के साथ संवाद विद्यार्थियों को व्यावहारिक दृष्टिकोण से भी समृद्ध करते हैं। मास कम्युनिकेशन कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए सूचना सेवा, प्रिंट मीडिया, टेलीविजन, रेडियो, सिनेमाजगत, विज्ञापन, जनसंपर्क, सोशल मीडिया मार्केटिंग, कंटेंट क्रिएशन, फोटोग्राफी तथा शिक्षा क्षेत्र में करियर के अनेक मार्ग प्रशस्त करता है। इस पाठ्यक्रम से विद्यार्थी पत्रकारिता, संपादन, स्क्रिप्ट राइटर, इवेंट मैनेजर, मीडिया सलाहकार, ब्रांड कम्युनिकेटर, कंटेंट स्ट्रैटजिस्ट, शोधकर्ता आदि के रूप में कार्य कर सकते हैं।

विभाग में मास कम्युनिकेशन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा तथा स्नातक स्तर पर विविध पाठ्यक्रम संचालित किए जाते हैं, जिनमें शामिल हैं-रचनात्मक लेखन, इवेंट मैनेजमेंट, डिजिटल और सोशल मीडिया, कम्युनिकेशन व पारंपरिक मीडिया, मोबाइल पत्रकारिता और वैश्विक राजनीति व मीडिया।

यह संपूर्ण पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को मीडिया की प्रतिस्पर्धात्मक दुनिया के लिए आवश्यक सैद्धांतिक और व्यावहारिक दक्षता प्रदान करता है। कार्यवाहक प्राचार्या श्रीमती नीना शर्मा ने इस कोर्स के बारे में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा, ÷एमसीएम में हम ऐसे मीडिया प्रोफेशनल्स तैयार करने में विश्वास रखते हैं जो उद्योग की जरूरतों के अनुरूप पूरी तरह तैयार हों। हमें गर्व है कि हमारे विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों की मेहनत से हमें यह निरंतर मान्यता प्राप्त हो रही है।

हिमाचल के सभी जिलों में पहुंचा मानसून बुधवार को पांच जिलों में ऑरेंज अलर्ट

सतलुज नदी में बाढ़ जैसे हालात; ग्लेशियर पिघलने से बढ़ा जलस्तर, शिमला में तेज बारिश

अर्थ प्रकाश संवाददाता

शिमला, 24 जून। हिमाचल प्रदेश के किन्नौर जिला में सतलुज नदी में अचानक पानी का स्तर बढ़ गया है। इससे बाढ़ जैसे हालात बन गए। यह स्थिति भारी बारिश नहीं, बल्कि गर्मी के बाद तेजी से ग्लेशियर पिघलने की वजह से उत्पन्न हुई है। सतलुज में बाढ़ के बाद 450 मेगावाट की निर्माणाधीन शोंगटोंग कड़छम जल विद्युत परियोजना के बैराज को इससे नुकसान पहुंचा है।

इस बीच मानसून आज पूरे प्रदेश में पहुंच चुका है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला ने आधिकारिक तौर पर इसका ऐलान कर दिया है। शिमला, सिरमौर, किन्नौर और कांगड़ा जिला के कुछ भागों में बीते 20 जून को मानसून की एंट्री हुई थी। 4 दिन बाद मानसून ने पूरे प्रदेश को कवर किया है।

वहीं, शिमला में दोपहर बाद सवा 2 बजे कुछ देर के लिए तेज बारिश हुई। इससे शिमला का मौसम सुहावना हो गया है। प्रदेश के 4 जिले हमीरपुर, मंडी, सिरमौर और कांगड़ा में बीती रात को अच्छी बारिश हुई। नादौन में सबसे 63.5 मिलीमीटर बारिश हुई। कांगड़ा में 55.5 मिलीमीटर, पांवटा साहिब 49.0, हमीरपुर 46.0, नेरी, में 39.0, मंडी 34.2 और सुजानपुर में 20.8 मिलीमीटर बारिश हुई। अन्य भागों में मौसम साफ बना रहा।

आज (मंगलवार) भी प्रदेश के कुछ क्षेत्रों में ही हल्की बारिश हुई। मौसम विभाग के अनुसार, बिलासपुर, कुल्लू, मंडी, शिमला, सोलन, किन्नौर और लाहौल स्पीति जिला में आज मौसम साफ रहने का पूर्वानुमान है। ऊना, हमीरपुर, चंबा, कांगड़ा और सिरमौर जिला में हल्की बारिश हो सकती है।

2 दिन पहले 25 जून के लिए 8 जिलों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट दिया गया था। मगर ताजा बुलेटिन में 25 जून को अब 5 जिलों में ही ऑरेंज अलर्ट दिया गया है। यह चेतावनी ऊना, हमीरपुर, बिलासपुर, कांगड़ा और सिरमौर जिले को दी गई है। बिलासपुर, मंडी, शिमला और सोलन जिला के लिए यलो अलर्ट जारी किया गया है।

26 जून को 4 जिलों में भारी बारिश

वहीं 26 जून को ऊना, बिलासपुर, हमीरपुर और कांगड़ा जिला में भारी बारिश का पूर्वानुमान है। मंडी, शिमला, सोलन और सिरमौर जिला में यलो अलर्ट दिया गया है। 27 जून को वेस्टर्न डिस्टरबेंस फिर कमजोर पड़ेगा। इस दिन केवल मंडी जिला में भारी बारिश का पूर्वानुमान है। इस दिन हमीरपुर, शिमला, सोलन और सिरमौर जिला में यलो अलर्ट दिया गया है। अन्य सात जिलों में मौसम साफ रहेगा।

हिमाचली–इन–बैंगलोर ने राजभवन में बिखेरे हिमाचली संस्कृति के रंग

अर्थ प्रकाश/यशपाल कपूर

सोलन, 24 जून। बंगलुरू में रहने वाले हिमाचली लोगों के संगठन हिमाचली-इन-बैंगलोर ने राजभवन बंगलुरु में हिमाचली संस्कृति का प्रदर्शन किया। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। इस विशेष अवसर पर महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, गोवा, गुजरात, ओडिशा और तेलंगाना सहित कई राज्यों के सांस्कृतिक प्रतिनिधि ने भी अपनी उपस्थिति दी।

हिमाचली समुदाय ने राज्य की समृद्ध संस्कृति की जीवंत झलक प्रस्तुत की। कार्यक्रम की शुरुआत हिमाचल की विरासत, परंपराओं और प्राकृतिक सौंदर्य पर आधारित एक प्रभावशाली भाषण से हुई। इसके पश्चात टीम शान-ए-हिमाचल द्वारा पारंपरिक लोकनृत्य और टीम नमा हिल्स हार्मनी द्वारा प्रस्तुत हिमाचली लोकगीतों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। मनदीप, समीक्षा व रीना ने इन टीम का नेतृत्व किया। इस अवसर पर हिमाचली-इन-बैंगलोर के संस्थापक दिनेश राणा, सन्नी शर्मा, अश्विनी शर्मा, अनुराग धीमान ने कर्नाटक राजभवन प्रशासन और हिमाचली समुदाय का इस सफल आयोजन के लिए आभार जताया।

राज्यपाल ने भी की कार्यक्रम की सराहना....

इस अवसर पर बोलते हुए कर्नाटक के राज्यपाल थावर चंद गहलोत ने सभी राज्यों की प्रस्तुतियों की सराहना की और इस प्रयास को संस्कृतिक एकता की दिशा में एक प्रेरणादायक कदम बताया। उन्होंने विशेष रूप से हिमाचली–इन–बैंगलोर) टीम को बधाई दी। साथ ही हिमाचल की ऊर्जावान, सजीव व समृद्ध सांस्कृतिक की प्रशंसा की। कार्यक्रम के अंत में हिमाचली–इन–बैंगलोर टीम को 'राजभवन स्मृति चिन्ह' और पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

मनाली में पर्यटकों के साथ मारपीट की घटना

अर्थ प्रकाश/अशेष शर्मा।

कुल्लू, 24 जून। मनाली में पर्यटकों के साथ मारपीट की घटनाना सामने आई है। पुलिस ने मारपीट की घटना में अभियोग दर्ज किया है। यह घटना मिशन रोड पार्किंग के पास हुई, जब एक परिवार घूमने के लिए मनाली आया था। प्रदीप नामक व्यक्ति अपनी पत्नी दीपिका और 4 महीने की बेटी के साथ स्कूटी पर जा रहा

राज्यपाल ने वीरभद्र सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की

अर्थ प्रकाश संवाददाता

शिमला, 24 जून। राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने आज शिमला जिला के रामपुर स्थित ऐतिहासिक पदम पैलेस, में पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह की चौथी पुण्यतिथि पर आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में भाग लिया।

राज्यपाल ने वीरभद्र सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि वह एक प्रखर राजनेता, दूरदर्शी नेतृत्वकर्ता और जनसेवा के प्रति समर्पित व्यक्तित्व थे। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश के सर्वांगीण विकास में वीरभद्र सिंह का योगदान सदैव स्मरण रहेगा और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा स्रोत बना रहेगा।

राज्यपाल ने यह भी कहा कि वीरभद्र सिंह ने हिमाचल की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पहचान को सहेजने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने धर्मान्तरण पर रोक लगाने के लिए कानून बनाकर देवभूमि की पवित्रता और सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित रखने के लिए प्रतिबद्धता का परिचय दिया। यह उनका राज्य के प्रति गहरे उत्तरदायित्व का प्रतीक था। इस अवसर पर वीरभद्र सिंह के परिवारजन, गणमान्य व्यक्ति, स्थानीय नागरिक एवं अनेक शुभचिंतकों ने भी वीरभद्र सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की।

करोड़ों की कुटबांगड़ पेयजल योजना को वन विभाग की मंजूरी : विवेक कुमार

अर्थ प्रकाश /अजय मल्होत्रा

शाहतलाई, 24 जून। विधानसभा की करोड़ो की कुटबांगड पेयजल योजना को वन विभाग की मंजूरी मिली! लंबे समय से विभाग इस मंजूरी का इंतजार कर रहा था। वन विभाग की मंजूरी नहीं मिलने के चलते इस पेयजल योजना में बिजली कनेक्शन नहीं मिल पा रहा था। जिसके चलते यह पेयजल योजना शुरू नहीं हो पा रही थी। लेकिन अब इस पेयजल योजना को जल्द ही बिजली का कनेक्शन मिलेगा। जल्द ही यह योजना शुरू होगी और कोटधार क्षेत्र की हजारों की आबादी को इस योजना का लाभ मिलेगा। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं झंडूता कांग्रेस नेता विवेक कुमार ने इस योजना को लेकर भाजपा नेताओं पर राजनीतिक करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा है कि पूर्व भाजपा सरकार के कार्यकाल में इस पेयजल योजना को बिना वन विभाग की मंजूरी से ही बना दिया गया था। करोड़ों की राशि खर्च की गई। लेकिन हैरानी इस बात की है कि वन विभाग की मंजूरी नहीं ली गई। विवेक कुमार ने कहा कि कांग्रेस की सरकार प्रदेश में बनने के बाद जल शक्ति विभाग द्वारा इस मसले को उठाया गया। बाकायदा मुख्यमंत्री सुखबिंद्र सिंह सुक्खू व उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्रिहोत्री के समय यह मसला रखा गया। जिसके चलते इस पेयजल योजना की वन विभाग की मंजूरी लेने की प्रक्रिया शुरू की गई। उन्होंने कहा कि पूर्व भाजपा सरकार ने इस योजना को बिना वन विभाग मंजूरी के ही बना दिया। जिसका खामियाजा कोटधार क्षेत्र की जनता को भुगतना पड़ा। भाजपा नेताओं ने यदि प्रक्रिया अपनाई होती तो आज तक इस योजना का लाभ क्षेत्र की जनता को मिलना था। लेकिन भाजपा नेताओं की नालायकी के चलते यह अड़ंगा डला था। लेकिन कांग्रेस की सरकार ने लोगों के हितों को देखते हुए इसके लिए प्रयास किए गए। वहीं, अब इस योजना को वन विभाग की मंजूरी मिल गई। विवेक कुमार ने कहा कि यह योजना कोटधार क्षेत्र की 14 दर्जन पंचायत के लोगों को पानी प्रदान करेगी। इस योजना के लिए आगामी प्रक्रिया शुरू की जाएगी। उन्होंने कहा कि भाजपा नेताओं ने क्षेत्र की जनता को गुमराह करके रखा। महज दो पत्र जारी कर इस योजना को शुरू कर दिया गया। उन्होंने कहा कि इस योजना को लेकर अब आगामी प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इस योजना का वर्तमान में 96 फीसदी कार्य पूरा हो चुका है। 37 करोड़ से अधिक की राशि इस योजना पर खर्च की जा चुकी है।

विवेक कुमार ने कहा कि कुटबांगड़ पेयजल स्कीम 22 अक्तूबर 2019 को स्वीकृत हुई थी। 10 मार्च 2021 को एफसीए का मामला डीएफओ बिलासपुर को भेजा गया। 24 अगस्त 2022 को एफसीए केस कुछ त्रुटियों के साथ प्राप्त हुआ और 10 जनवरी 2024 को डीएफओ द्वारा मामला नोडल अधिकारी वन विभाग शिमला को आगामी कार्यवाही के लिए भेजा गया। 14 अगस्त 2024 को डीएफओ ने दोबारा मामला कुछ त्रुटियों के साथ वापस भेजा। 16 अगस्त 2024 को त्रुटियों का निपटारा कर मामला डीएफओ को भेजा गया। फिर 31 अगस्त 2024 को डीएफओ ने लगाई गई त्रुटियों का निवारण करके ऑनलाईन रिपोर्ट भेजी गई। पहली सितंबर 2024 को डीएफओ कार्यालय से पुनः मामला त्रुटियों के साथ वापस भेजा गया। 11 अक्तूबर 2024 को डीएफओ ने डीएफओ ने त्रुटियों का निवारण करके केस वापस भेजा। 25 अक्तूबर को डीएफओ कार्यालय द्वारा मामला फिर कुछ त्रुटियों के साथ वापस भेजा गया व 26 अक्तूबर को त्रुटियों का निवारण कर केस ऑनलाईन सबमिट किया गया। 29 अक्तूबर 2024 को एफसीए नोडल अधिकारी शिमला द्वारा डिप्टी इंस्पेक्टर जनरल ऑफ फॉरेस्ट को केस भेजा गया था। वहीं, अब इसे वन विभाग की मंजूरी मिली है। उन्होंने इसके लिए मुख्यमंत्री सुखबिंद्र सिंह सुक्खू, उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्रिहोत्री, जल शक्ति विभाग का आभार जताया है। जल्द ही मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू और उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री इसका विधिवत उद्घाटन कर जनता को समर्पित करेंगे।

पेंशनधारकों के लिए जीवन प्रमाण पत्र जमा करवाने की प्रक्रिया 1 जुलाई से प्रारंभ

अर्थ प्रकाश/अजय मल्होत्रा

शाहतलाई, 24 जून। वर्ष 2025 हेतु जीवन प्रमाण पत्र जमा करवाने की प्रक्रिया 1 जुलाई से प्रारंभ की जा रही है। यह प्रक्रिया जिला बिलासपुर के अंतर्गत आने वाले समस्त पेंशनधारकों के लिए लागू रहेगी।

इस संबंध में जिला कोष अधिकारी अमित कुमार बिलासपुर ने सभी पेंशनधारकों से आग्रह किया है कि वे समय रहते अपना जीवन प्रमाण पत्र आवश्यकतानुसार किसी अधिकृत अधिकारी से सत्यापित करवा कर संबंधित कोष कार्यालय अथवा उसके अधीनस्थ उप-कोष कार्यालय में कार्य दिवस के दौरान प्रस्तुत करें।

प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने की प्रक्रिया को सरल, सुगम एवं समयबद्ध बनाए जाने के लिए कोष कार्यालय द्वारा सभी आवश्यक प्रबंध किए गए हैं।

जिला कोष अधिकारी ने सभी पेंशनभोगियों से अपील की है कि वे निर्धारित समयावधि में जीवन प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर अपनी पेंशन की निर्बाध प्राप्ति सुनिश्चित करें। अधिक जानकारी हेतु कोष कार्यालय बिलासपुर के दूरभाष नंबर 01978-222322 पर संपर्क किया जा सकता है।

सोलन में पुलिस ने पकड़ा 4 ग्राम चिट्टा, तीन गिरफ्तार

अर्थ प्रकाश/यशपाल कपूर

सोलन, 24 जून। सोलन पुलिस का चिट्टा के खिलाफ अभियान जारी है। इसी कड़ी में सोलन जिला पुलिस की विशेष अन्वेषण इकाई (एसआईयू) ने गुप्त सूचना के आधार पर बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन युवकों को 4 ग्राम चिट्टा के साथ गिरफ्तार किया है। एसपी सोलन गौरव सिंह ने बताया कि 23 जून को एसआईयू की टीम सोलन शहर में गश्त पर थी, तभी सूचना मिली कि आयुष होम स्टे के समीप एक बोलेरो गाड़ी में सवार तीन युवक रामेश्वर, अनिल और राम बहादुर बाहरी राज्यों से चिट्टा लाकर सोलन में युवाओं को बेचने की योजना बना रहे हैं।

टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गाड़ी में सवार तीनों आरोपियों–शिमला के जटोली (मुंडाघाट)निवासी 35 वर्षीय रामेश्वर ठाकुर, मुंडाघाट निवासी 36 वर्षीय अनिल शर्मा और स्थानीय 34 वर्षीय राम बहादुर निवासी कलावग (मुंडाघाट) को हिरासत में लिया। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से करीब 4 ग्राम चिट्टा बरामद किया गया। एसपी गौरव सिंह ने बताया कि इस मामले में सदर पुलिस थाना, सोलन में अभियोग दर्ज किया गया है। तीनों आरोपियों के पूर्व अपराधिक रिकॉर्ड की जांच की जा रही है और मामले की छानबीन जारी है।

डॉ. शांडिल ने मेले के सफल आयोजन के लिए सभी को दी बधाई

अर्थ प्रकाश/यशपाल कपूर

सोलन, 24 जून। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता तथा सैनिक कल्याण मंत्री कर्नल डॉ. धनीराम शांडिल ने विभिन्न विभागों, स्वयं सेवी संस्थाओं और सोलन के निवासियों को राज्य स्तरीय माँ शूलिनी मेला-2025 के सफल आयोजन की बधाई दी है और आशा जताई है कि भविष्य में भी सभी इस तरह के आयोजन को सफल बनाने में सहयोग देते रहेंगे।

डॉ. शांडिल ने कहा कि राज्य स्तरीय माँ शूलिनी मेला धार्मिक आयोजन होने के साथ-साथ सामाजिक समरसता, सौहार्द और भाईचारे का बेहतरीन उदाहरण है। उन्होंने कहा कि इस मेले में माँ शूलिनी की शोभा यात्रा में लाखों की संख्या में लोग माँ के दर्शन के लिए एकत्र होते हैं। इसके साथ-साथ इस अवसर पर सोलन शहर में आयोजित किए जाने वाले भण्डारे जन-जन के लिए लाभदायक सिद्ध होते हैं। तीन दिवसीय मेले की सांस्कृतिक संध्याओं का बड़ी संख्या में लोग आनन्द उठाए हैं वहीं तीन दिनों तक विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं, प्रदर्शनियां इत्यादि भी आयोजित की जाती हैं।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि इन आयोजनों की सफलता ज़िला प्रशासन, स्वयं सेवी संस्थाओं और विशेष रूप से भीड़ तथा यातायात प्रबंधन के लिए तैनात एन.सी.सी. कैडिटों और महाविद्यालय के छात्रों के समन्वय पर निर्भर करती है। राजनीतिक दल भी इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि इस वर्ष जहां ज़िला प्रशासन विभिन्न आयोजनों में बेहतर प्रबंधन के लिए बधाई का पात्र है वहीं भण्डारा आयोजित करने वाले जन एवं संस्थाएं तथा सांस्कृतिक संध्याओं का प्रबंधन व खेल-कूद प्रतियोगिताओं में आपसी सामंजस्य बेहतरीन रहा है।

डॉ. शांडिल ने कहा कि इस वृह्द आयोजन में सफाई व्यवस्था महत्वपूर्ण है और नगर निगम सोलन के सभी सफाई कर्मचारियों का कार्य अत्यंत उत्कृष्ट रहा है। उन्होंने नगर निगम सोलन और सफाई कर्मचारियों को अपनी भूमिका के सफल निर्वहन के लिए बधाई दी है।

सड़क दुर्घटना के घायलों को डेढ़ लाख तक कैशलैस इलाज की सुविधा

दुर्घटना के बाद 7 दिन के भीतर उठा सकते हैं इस सुविधा का लाभ : उपयुक्त अमरजीत सिंह

आयुष्मान भारत योजना के तहत सूचीबद्ध अस्पतालों में की गई है व्यवस्था

घायलों की तुरंत मदद करने वालों को मिल सकता है 'गुड सेमेरिटन अवार्ड'

अर्थ प्रकाश /अजय मल्होत्रा

हमीरपुर 24 जून। उपायुक्त हमीरपुर एवं जिला सड़क सुरक्षा समिति के अध्यक्ष अमरजीत सिंह ने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं के शिकार लोगों का तुरंत उपचार सुनिश्चित करने के लिए सड़क परिवहन एवं राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्रालय ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के सहयोग से एक विशेष व्यवस्था की है। हिमाचल प्रदेश का स्वास्थ्य विभाग भी इस योजना को लागू कर रहा है।

उन्होंने बताया कि सड़क परिवहन एवं राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्रालय ने सड़क दुर्घटनाओं के शिकार लोगों को आयुष्मान भारत योजना के तहत कवर करने का प्रावधान किया है। ऐसे लोगों का अब आयुष्मान भारत योजना के तहत सूचीबद्ध अस्पतालों में डेढ लाख रुपये तक कैशलैस इलाज हो सकता है। सड़क दुर्घटना में घायल होने पर सात दिन के भीतर इस सुविधा का लाभ उठाया जा सकता है।

उपायुक्त ने सभी जिलावासियों से अपील की है कि अगर उनके सामने कोई भी सड़क दुर्घटना होती है तो वे तुरंत इसके शिकार लोगों की मदद के लिए आगे आएं तथा उन्हें अस्पताल तक पहुंचाएं।

उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटना के बाद अगर घायलों की तुरंत मदद की जाए तो कई लोगों की बहुमूल्य जानें बच सकती हैं। ऐसी दुर्घटनाओं के बाद 'गोल्डन ऑवर' के दौरान यानि एक घंटे के भीतर घायलों को प्राथमिक उपचार की तत्काल आवश्यकता होती है। इसलिए, किसी भी सड़क दुर्घटना के प्रत्यक्षदर्शी को घायलों की मदद के लिए तुरंत आगे आना चाहिए।

उपायुक्त ने बताया कि सड़क दुर्घटना के घायलों की तत्काल मदद करने वाले तथा उन्हें अस्पताल पहुंचाने वाले प्रत्यक्षदर्शियों से पुलिस भी कोई अनावश्यक पूछताछ नहीं करती है। ऐसे मददगार लोगों को प्रोत्साहित करने के लिए सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने 'गुड सेमेरिटन अवार्ड' भी आरंभ किया है। इसलिए, प्रत्यक्षदर्शी को घायलों की मदद के लिए बेझिझक आगे आना चाहिए।

74 की उम्र में नवाचार की खेती, बंगाणा के रोशनलाल ने रची आत्मनिर्भरता की कहानी

बंगाणा के उपरली बॉल में उगाए ड्रैगन फ्रूट, 3300 पौधों से इस वर्ष 4.5 लाख रुपये तक की आमदनी की उम्मीद

अर्थ प्रकाश संवाददाता

बंगाणा, 24 जून। कहते हैं..हौसले उम्र नहीं देखा करते। ऊना जिला के बंगाणा उपमंडल के उपरली बॉल गांव निवासी 74 वर्षीय रोशन लाल इसकी जीवंत मिसाल हैं। उन्होंने न केवल खेती के पारंपरिक ढर्रे को बदला, बल्कि ड्रैगन फ्रूट जैसी उन्नत और उच्च मूल्य की फसल के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था में नवाचार की नयी इबारत लिख दी।

वर्ष 2023 में जब रोशन लाल ने छोटे स्तर पर ड्रैगन फ्रूट की खेती का बीड़ा उठाया, तब यह क्षेत्र के लिए एक नया प्रयोग था। लेकिन आज, 25 कनाल भूमि में लगाए गए ताइवान पिंक वैरायटी के 3300 पौधे फल देने लगे हैं और किसान की मेहनत रंग ला रही है। खेत से ही प्रति फल 80 से 100 रुपये में बिक्री हो रही है और इस साल उन्हें 4 से 4.5 लाख रुपये तक की आमदनी की उम्मीद है।

एक पौधा–25 साल तक की आमदनी

ड्रैगन फरूट औषधीय गुणों से भरपूर होता है, इसमें पोटैशियम, कैल्शियम, एंटीऑक्सीडेंट और एंटी–एजिंग तत्व शामिल हैं। साथ ही यह स्वादिष्ट और पोषण से भरपूर फल है, जो बाजार में ऊंचे दामों पर बिकता है। इसकी विशेषता यह है कि एक बार रोपित पौधा 25 से 30 वर्षों तक फल देता है, जिससे यह किसानों के लिए एक स्थायी आमदनी का स्रोत बन सकता है।

मिश्रित खेती से बढ़ाया आर्थिक संतुलन

रोशन लाल ने केवल ड्रैगन फरूट पर निर्भर न रहकर प्याज, लहसुन और प्याज की पनीरी जैसे फसलों की मिश्रित खेती भी अपनाई। पिछले वर्ष उन्होंने इससे 20 हजार रुपये की आमदनी अर्जित की, जबकि ड्रैगन फरूट की आंशिक बिक्री से 15 हजार रुपये का लाभ हुआ। यह बहुआयामी कृषि मॉडल सबके लिए एक सुंदर सीख है कि किस प्रकार समर्पण, ज्ञान और सरकारी योजनाओं के समुचित उपयोग से कोई भी किसान आत्मनिर्भर बन सकता है।

सरकारी योजनाओं से मिली मजबूती

रोशन लाल का कहना है कि पहले जंगली जानवरों से फसलों को नुकसान होता था, लेकिन अब बागवानी विभाग के सहयोग से स्थितियां सुधरी हैं। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के तहत उन्हें ड्रिप इरिगेशन सिस्टम 80 प्रतिशत अनुदान पर मिला है। इसके अतिरिक्त, विभागीय अधिकारी उन्हें समय–समय पर तकनीकी जानकारी, पोषण सलाह और फसल सुरक्षा उपाय प्रदान करते रहते हैं।

उपरली बॉल क्षेत्र बन रहा है मॉडल बागवानी क्लस्टर

बागवानी विकास अधिकारी वीरेंद्र कुमार ने बताया कि अगस्त 2023 में उपरली बॉल क्षेत्र में 8 प्रगतिशील किसानों के साथ फ्रंट लाइन डेमोंस्ट्रेशन साइट स्थापित की गई। 18.75 लाख रुपये की परियोजना के तहत सीमेंट पोल, पौधारोपण, बाड़बंदी और गड्ढा निर्माण जैसे कार्य किए गए हैं। अब यह गांव ड्रैगन फरूट और सब्जी उत्पादन के समन्वय से एक प्रेरणादायक मॉडल के रूप में उभर रहा है।

जिलाधीश बोले-नवाचार से सशक्त हो रही ग्रामीण अर्थव्यवस्था

जिलाधीश ऊना जतिन लाल ने कहा कि ड्रैगन फरूट जैसी नवाचारी और उच्च मूल्य वाली फसलों की खेती ग्रामीण क्षेत्र में आर्थिक आत्मनिर्भरता को साकार करने में सहायक है। ऊना जिले में किसानों को इसके लिए प्रेरित किया जा रहा है, ताकि वे आत्मनिर्भर हिमाचल के निर्माण में योगदान दे सकें।

नया पुल बनते ही सेक्टर 20 में 10 गुना बढ़ा ट्रैफिक

सेक्टर 21 की डिवाइडिंग रोड पर लग रहा जाम

पीएमडीए 2 प्रस्तावित ट्रैफिक लाइट जंक्शन के लिए लगाएगा टेंडर

अर्थ प्रकाश संवाददाता

पंचकूला। अप्रैल में खुला नया घग्गर नदी पुल, जो सेक्टर 20-21 को 24-26 से जोड़ता है, लोगों के लिए बड़ी राहत लेकर आया है, लेकिन पुल बनने के बाद सेक्टर 20 की तरफ 10 गुना ट्रैफिक बढ़ गया है। सेक्टर 20/21 डिवाइडिंग रोड पर यातायात की समस्या को और बढ़ा दिया है। ट्रैफिक लाइट नहीं होने से आम यात्रियों के लिए परेशानी बन गया है। अधिकारी भी इस गंभीर समस्या की ओर से आंखें मूंदे हुए हैं।

सेक्टर 20 की ओर जाने वाले चार मोड़ हैं और सेक्टर 21 की ओर जाने वाला एक मोड़ है। इस डिवाइडिंग रोड पर सेक्टर 21 का मोड़ यातायात की एक बड़ी बाधा बन गया है। साथ ही यह किसी भी ट्रैफिक लाइट, स्पीड ब्रेकर या पुलिस की मौजूदगी के अभाव में सड़क दुर्घटनाओं की वजह बन रहा है। यहां के रेजिडेंट्स ने कहा कि इस सड़क पर हमेशा यातायात की समस्या रहती थी, लेकिन नए पुल के खुलने के बाद, पूरा यातायात, जो पुराने घग्गर पुल को पार करने के लिए सेक्टर 3 में ताऊ देवी लाल स्टेडियम के पास से गुजरता था, अब नए, अधिक सुविधाजनक पुल का उपयोग करने के लिए सेक्टर 20/21 डिवाइडिंग रोड पर चला गया है। लोगों का कहना है कि चूंकि यह यातायात राष्ट्रीय राजमार्ग की ओर बढ़ रहा है, इसलिए यह बहुत तेज गति से चल रहा है। बाहर से आने वाले कई यात्री यह समझ ही नहीं पाते कि इस मार्ग पर पांच मोड़ हैं, जहां सभी पर यातायात की बहुत ज़्यादा समस्याएं हैं। इससे सड़क दुर्घटनाओं का जोखिम और बढ़ जाता है।

स्थिति और खराब होने का अंदेशा

न ट्रैफिक लाइट न पुलिस कर्मचारी इन भीषण गर्मी में सुबह और शाम का समय सबसे ज़्यादा परेशानी भरा होता है। रेजिडेंट्स ने कहा कि अभी भी कोई ट्रैफिक लाइट नहीं है। ट्रैफिक को नियंत्रित करने के लिए या तो कोई ट्रैफिक पुलिस नहीं है या फिर कोई पुलिस ही नहीं है। हर जगह पूरी तरह से अराजकता है। सेक्टर 21 की अध्यक्ष डॉ नवधा गौर ने टिप्पणी की। हमें लगभग 6.30 बजे बच्चे को लेने जाना है और 1.30 घंटे तक खड़े होकर इंतज़ार करना है, और फिर भी ट्रैफिक वही रहता है क्योंकि कोई भी इंतजार नहीं करता; हर कोई जल्दी में है। इससे अराजकता होती है, बच्चे को लेने में देर हो जाती है, बच्चे को परेशान किया जाता है। ईंधन की खपत होती है, और इसके अलावा, मानसिक तनाव होता है। इस पर ध्यान दिया जाना चाहिए; यह वास्तव में एक बड़ी समस्या है।

दो ट्रैफिक कर्मियों को तैनात करने की मांग

सेक्टर 21 के एक अन्य निवासी, सुरेश अग्रवाल। जो पंचकूला के पार्षद भी हैं जो पंचकूला प्रॉपर्टी एसोसिएशन के अध्यक्ष भी हैं, ने कहा कि हाईवे तक पहुंचने के लिए इस एक सड़क का उपयोग तेज गति से चलने वाला ट्रैफिक करता है। इस पुल को बनाते समय, यहां सड़क के बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने या ट्रैफ़िक की गड़बड़ी को रोकने के लिए बदलाव सुनिश्चित करने के लिए पहले से योजना बनानी चाहिए थी। संपर्क करने पर, क्षेत्र के पार्षद सुनीत सिंगला का कहना है कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि विकास के लिए पुल महत्वपूर्ण था। लेकिन, अधिकारियों को सेक्टर 20 की ओर जाने वाले चार कट/मोड़ में से दो को बंद कर देना चाहिए। हमने पहले यहां ट्रैफ़िक लाइट का मुद्दा उठाया था, लेकिन पुलिस ने कहा कि यह व्यवहार्य नहीं है क्योंकि इससे ट्रैफिक की लंबी कतारें लग जाएंगी। हमने यहां दो ट्रैफिक पुलिस अधिकारियों को तैनात करने का भी अनुरोध किया।

दो ट्रैफिक लाइट जंक्शन प्रस्तावित

सिटी ट्रैफिक प्रभारी के मुताबिक हमने दो ट्रैफिक लाइट जंक्शन प्रस्तावित किए हैं, एक सेक्टर 21 मोड़ पर और दूसरा सेक्टर 21 में आर्मी सोसायटी के पास। पंचकूला मेट्रोपॉलिटन डेवलपमेंट अथॉरिटी (पीएमडीए) इस संबंध में टेंडर प्रक्रिया कर रही है। हमारे पास ड्यूटी पर पुलिसकर्मी हैं, लेकिन नए पुल के कारण यहां ट्रैफिक 10 गुना बढ़ गया है और स्वाभाविक रूप से यह असहनीय हो गया है।

दोनों सेक्टरों की आबादी ज्यादा तभी बढ़ा ट्रैफिक

लंबे रूट के वाहनों के अलावा इन दोनों सेक्टरों आबादी अधिक होने के कारण स्थानीय वाहनों की भीड़ पहले से ही बहुत ज्यादा है। सेक्टर 20 में दो स्कूल और सेक्टर 21 में तीन स्कूल हैं, जो इस सड़क से सिर्फ 500 मीटर की दूरी पर हैं। सेक्टर 21 के सभी स्कूल आने-जाने के लिए सेक्टर 21 के इस एक मोड़ का इस्तेमाल करते हैं। सेक्टर 21 में कई छोटे अस्पतालों के अलावा सबसे बड़े अस्पतालों में से एक, अल्केमिस्ट अस्पताल भी है। सभी इसी सड़क कट से होकर आते-जाते हैं। अस्पताल की एंबुलेंस अक्सर जाम में फंस जाती हैं।

पार्कों में बनेंगे डुअल प्रैक्टिस क्रिकेट कोर्ट

फाइनेंस एंड कॉन्ट्रैक्ट कमेटी की बैठक में मेयर ने दी मंजूरी

अर्थ प्रकाश /आदित्य शर्मा

पंचकूला। नगर निगम पंचकूला के महापौर कुलभूषण गोयल की अध्यक्षता में फाइनेंस एंड कॉन्ट्रैक्ट कमेटी की बैठक हुई। बैठक में नगर निगम आयुक्त अपराजिता भी उपस्थित रहे। बैठक में नगर निगम क्षेत्र के विभिन्न प्रोजेक्ट्स को मंजूरी प्रदान की गई। महापौर ने कहा कि नगर निगम के अंतर्गत प?ने वाले क्षेत्र में विकास कार्य के लिए फंड्स की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी और सभी वार्ड का एक समान विकास कार्य किया जा रहा है। कुलभूषण गोयल ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि हर वार्ड में लोगों की सुविधा के लिए नए प्रोजेक्ट्स जल्द पूरे किए जाएं। इस बैठक में वन विभाग कार्यालय से हरियाणा राज्य औद्योगिक संरचना विकास कार्यालय सेक्टर 6 तक रिडेवलपमेंट के लिए 2 करोड़ 45 लाख 19 हजार रुपये के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। गांव भैंसा टिब्बा वार्ड नंबर 1 में कुछ सड़कों की रिपेयर के लिए 64 लाख 99 हजार रुपये, वार्ड नंबर 1 के गांव सकेतड़ी में सड़क के बकाया कार्यों के लिए एक करोड़ 64 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई। वार्ड नंबर 11 गांव हरिपुर में हरिजन चौपाल कम्युनिटी सेंटर के लिए एक करोड़ 21 लाख 87 हजार रुपये की मंजूरी दी गई। वार्ड नंबर 1 से 5 और 8 से 13 तक विभिन्न पार्कों में डुअल प्रेक्टिस क्रिकेट कोर्ट नेट सहित बनाने के लिए 74 लाख 95 हजार की मंजूरी दी गई।

बॉक्स

इन विकास कार्यों के लिए बजट मंजूर

महापौर कुलभूषण गोयल ने बताया कि वार्ड नंबर 12 सेक्टर 2 पंचकूला में कंस्ट्रक्शन आफ आरओडब्लयू के लिए 3 करोड़ 60 लाख रुपये, वार्ड नंबर 16 गांव चंडीकोटला में शमशान घाट की बाउंड्री वाल के लिए 52 लाख 59 हजार रुपये, वार्ड नंबर 19 गांव जसवंतगढ़ में बॉक्स टाइप ड्रेन सरकारी स्कूल से शमशान घाट बिल्ला तक निर्माण के लिए 64 लाख 63 हजार रुपये, वार्ड नंबर 20 के गांव अलीपुर में फिरनी सड़क और बा टाइप ड्रेन गोगामेड़ी से एचपी गैस एजेंसी तक बनाने के लिए एक करोड़ 74 लाख 39 हजार रुपये, वार्ड नंबर 20 के गांव नग्गल में फिरनी सड़क निर्माण के लिए 81 लाख 59 हजार रुपये, गांव जलोली वार्ड नंबर 20 में फिरनी रोड और बाक्स टाइप ड्रेन के लिए एक करोड़ 56 लाख 90 हजार रुपये, और वार्ड नंबर 20 के गांव खटोली में टीका सिंह के निवास से एमी चंद के निवास तक बाक्स टाइप ड्रेन बनाने के लिए 55 लाख 99 हजार रुपये की मंजूरी दी गई।

चंडीगढ़ में गौवंश की समस्या का हो समाधान : जितेंद्र सनातनी

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़। विहिप चंडीगढ़ महानगर गऊ रक्षा प्रमुख जितेंद्र कालरा ने बताया कि चंडीगढ़ में गौवंश की समस्या एक गंभीर मुद्दा बन गई है। सड़कों पर बेसहारा गोवंश घूमने से ट्रैफिक जाम और एक्सीडेंट की घटनाएं बढ़ रही हैं। भारतीय गोवंश संरक्षण एवं संवर्धन समिति चंडीगढ़ महानगर ने चंडीगढ़ नगर निगम की महापौर से मिल कर अनुरोध किया है कि वह इस समस्या का समाधान करने के लिए तुरंत कार्रवाई करे। इसके अलावा, समिति ने नगर निगम के अधिकारियों की जवाबदेही पर भी ध्यान केंद्रित किया है। नगर निगम के अधिकारियों को आम लोगों और गऊ रक्षकों के फोन कॉल का जवाब देने और उनकी समस्याओं का हल करने के लिए तत्पर रहने का निर्देश दिया जाना चाहिए। चंडीगढ़ महापौर हरप्रीत कौर बबला ने तुरंत संबंधित विभाग के स्ह्रा से बात की और इन सभी समस्याओं का तुरंत प्रभाव से निवारण हेतु कहा। और हमें अस्वस्थ भी किया की जल्दी ही समस्या का निवारण हो जाएगा। इस मौके पर गौ रक्षा प्रमुख जितेंद्र सनातनी, सह प्रमुख जितेंद्र रावत, सह प्रशिक्षण प्रमुख प्रवीण कुमार,धनवंतरी प्रखंड प्रमुख रोशन भारद्वाज, विश्वकर्मा प्रखंड से आकाश कुमार,महाराणा प्रताप प्रखंड से विशाल कुमार उपस्थित रहे।

पंचकूला पुलिस विभाग में अनुबंध पर होगी सात एसपीओ के पदों पर भर्ती

7 जुलाई को जिला पुलिस लाइन, मोगीनन्द में भर्ती के लिए कर सकेंगे आवेदन

अर्थ प्रकाश संवाददाता

पंचकूला। जिला में पुलिस विभाग एसपीओ के पदों पर अनुबंध के आधार पर भर्ती करेगा। यह फैसला पुलिस आयुक्तालय पंचकूला द्वारा हरियाणा पुलिस अधिनियम-2007 की धारा 21 के अंतर्गत लिया गया है।

इन सात विशेष विशेष पुलिस अधिकारियों (एसपीओ) के पदों पर एक वर्ष की अनुबंध आधारित भर्ती की जाएगी। यह पद केवल एक वर्ष के लिए भरे जाएंगे। भारतीय सेना के भूतपूर्व सैनिक, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीआरपीएफ) से सेवानिवृत्त कर्मचारी, हरियाणा औद्योगिक सुरक्षा बल से बर्खास्त सिपाही तथा वर्ष 2004 में चयनित हरियाणा सशस्त्र पुलिस के 819 सिपाहियों के लिए आरक्षित हैं।

पुलिस विभाग द्वारा जानकारी के मुताबिक 7 जुलाई को प्रातः 9 बजे जिला पुलिस लाइन, मोगीनन्द, पंचकूला में भर्ती के लिए आवेदन लिए जाएंगे। आवेदक को अपने मूल प्रमाण पत्र, जन्मतिथि, शैक्षणिक योग्यता, अनुभव प्रमाण पत्र तथा चार पासपोर्ट साइज फोटो सहित उपस्थित होना होगा। उम्मीदवार की आयु 25 से 50 वर्ष के बीच होनी चाहिए और अनुशासनहीनता अथवा चिकित्सा आधार पर सेवा से पृथक न किए गए हों।

उन्होंने बताया कि उम्चमीदवार का चयन केवल साक्षात्कार के आधार पर किया जाएगा तथा कोई लिखित परीक्षा या शारीरिक परीक्षण नहीं होगा। इसके बाद चयनित एसपीओ को 20,000 मासिक मानदेय, वर्दी व जूते हेतु 3,000 एकमुश्त राशि, सरकारी दौरे पर 150 प्रतिदिन यात्रा भत्ता व टी.ए./डी.ए., आकस्मिक अवकाश तथा ड्यूटी के दौरान मृत्यु, स्थाई विकलांगता अथवा गंभीर चोट पर अनुग्रह राशि प्रदान की जाएगी।

कैप्सूल प्रशिक्षण कोर्स में भाग लेना अनिवार्य

एसपीओ पद के उम्मीदवार की नियुक्ति गृह थाना को छोड़कर निकटतम थाने में की जाएगी तथा आवश्यकता अनुसार किसी अन्य जिले में भी तैनाती संभव है। चयनित उम्मीदवारों को 15 दिन के कैप्सूल प्रशिक्षण कोर्स में भाग लेना अनिवार्य होगा। सेवाएं असंतोषजनक आचरण या आवश्यकता न होने पर कभी भी समाप्त की जा सकती हैं तथा नियुक्ति का कोई स्थायी दावा नहीं होगा। अनुसूचित जाति व पिछड़े वर्गों को राज्य सरकार की हिदायतों के अनुसार प्रतिनिधित्व दिया जाएगा।

ऑपरेशन आक्रमण : पंचकूला पुलिस ने एक दिन में किए 13 मामलो में 54 आरोपी गिरफ्तार

अर्थ प्रकाश संवाददाता

पंचकूला। जिला पंचकूला में अपराध, नशा तस्करी और असामाजिक गतिविधियों के खिलाफ ठोस कार्रवाई करते हुए पंचकूला पुलिस ने सोमवार को ÷ऑपरेशन आक्रमण÷ के अंतर्गत जिलेभर में सघन चेकिंग व छापामारी अभियान चलाया। यह विशेष ऑपरेशन पुलिस उपायुक्त पंचकूला सृष्टि गुप्ता और पुलिस उपायुक्त अपराध एवं यातायात अमित दहिया के नेतृत्व में आयोजित किया गया, जिसमें कुल 42 टीमों का गठन किया गया और 208 पुलिसकर्मियों को विभिन्न क्षेत्रों में तैनात किया गया। अभियान के दौरान पुलिस ने 12 एफआईआर दर्ज कर कुल 53 आरोपियों को गिरफ्तार किया, जिनमें कई संगीन अपराधों में शामिल अपराधी भी शामिल हैं। कार्रवाई के दौरान एक्साइज एक्ट के तहत 4 आरोपी, जुआ अधिनियम के तहत 3 अपराधी, एनडीपीएस एक्ट के तहत 3 अपराधी, एक वांछित वारंटी अपराधी, 4 पीपीएस (घोषित व्यक्ति), 1 पीओ (घोषित भगोड़ा), 1 साइबर अपराधी, 19 मारपीट के मामले में शामिल आरोपी, 1 स्नैचिंग और 6 चोरी के आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इनके अलावा कुछ अन्य मामलों में भी आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। मौके पर की गई तलाशी और छापेमारी के दौरान एनडीपीएस एक्ट के तहत 207 ग्राम हेरोइन, 500 ग्राम अफीम, और 320 ग्राम चरस बरामद की गई।

भारतीय स्टेट बैंक ने आयोजित किया रक्तदान शिविर, 74 यूनिट रक्त एकत्रित किए

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़। भारतीय स्टेट बैंक, क्षेत्रीय व्यवसाय कार्यालय (आरबीओ), चंडीगढ़ ने इंडियन मेडिकल एसोसिएशन, सेक्टर 35बी, चंडीगढ़ में रक्तदान शिविर का आयोजन किया। एसबीआई इस वर्ष अपना 70 वां स्थापना दिवस मना रहा है, और इस उत्सव को मनाने के लिए, एसबीआई पूरे भारत में 70,000 यूनिट्स रक्त एकत्रित कर रहा है। इसी क्रम में, आज के शिविर में 74 यूनिट दान किए गए। सभी रक्तदाताओं को इस नेक कार्य में भाग लेने हेतु प्रेरित किया गया था। कैंप का उद्घाटन मुख्य अतिथि सुश्री हरगुनजीत कौर, आईएएस, मैनेजिंग डायरेक्टर, पंजाब एग्रो इंडस्ट्रीज कॉरपोरेशन, चंडीगढ़ ने किया। सुश्री कौर ने सभी रक्तदाताओं के प्रयासों की सराहना की और शिविर के आयोजन के लिए एसबीआई, आरबीओ, चंडीगढ़ की क्षेत्रीय प्रबंधक सुश्री सुभाषिनी राय की प्रशंसा की। श्री नवीन सैनी, एसबीआई स्टाफ ने 85वीं बार रक्तदान किया और उन्होंने इसके लिए युवाओं को भी प्रेरित किया। रक्तदाताओं को समाज के प्रति उनके योगदान के लिए डोनर बैज और स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया गया।

हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल को मयंक ने भेंट की अपनी किताब : बौनी गुड़िया

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़। वरिष्ठ पत्रकार, लेखक और समाज सेवक मयंक मिश्रा ने अपनी नई किताब 'बौनी गुड़ियां' हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला को भेंट की। राजभवन, शिमला में मयंक मिश्रा ने राज्यपाल से मुलाकात की और उन्हें अपनी नई किताब भेंट की। राज्यपाल ने मयंक को उनकी नई किताब के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं। इससे पहले मयंक अपनी यह किताब भारत के पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद और पंजाब के राज्यपाल व चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया को भेंट कर चुके हैं। मयंक चंडीगढ़ साहित्य अकादमी से पुरस्कृत हैं और 'बौनी गुड़िया' उनकी दसवीं किताब है। यह उनका पहला बाल कहानी संग्रह है। इससे पहले उनके दो कहानी संग्रह प्रकाशित हो चुके हैं।

सृष्टि प्रकाशन की ओर से प्रकाशित 'बौनी गुड़िया' में कुल 25 लघु कहानियां हैं। किताब की हर कहानी प्रेरणा देती है और हर कहानी में कोई न की संदेश छिपा है। किताब की पहली कहानी 'बौनी गुड़िया' एक ऐसी 'बौनी' लड़की की कहानी है जिसे बौना होने की वजह से स्कूल में हमेशा ताने सुनने को मिले। लेकिन, उसने अपनी क्लास में पढ़ने वाली एक लड़की की जान बचाकर यह साबित कर दिया कि शारीरिक तौर पर छोटा या कमजोर दिखने वाला इंसान भी वह कर सकता है जो सामान्य व्यक्ति नहीं कर सकता। गौरतलब है कि इससे पहले मयंक ने अपनी किताब 'गूंगी' वर्ष 2019 में भारत के पूर्व राष्ट्रपति (स्वर्गीय) प्रणब मुखर्जी, देश के तत्कालीन उप-राष्ट्रपति एम. वैंकेया नायडू, पंजाब के तत्कालीन राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित और हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय के अलावा तत्कालीन केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री व सांसद अजय भट्ट को भेंट की थी।

पंजाब पुलिस ने नयागांव में संपर्क बैठक के बाद शहीद नशा विरोधी जागरूकता यात्रा निकाली

अर्थ प्रकाश/जे के बत्ता

न्यू- चंडीगढ़। नयागांव में नवनियुक्त थाना प्रभारी इंस्पेक्टर सतनाम सिंह द्वारा आज आते ही पहले अपने स्टाफ के साथ मिटींग की और उनको कहा कि सभी के साथ नम्रता के साथ पेश आना है तथा अगर कोई भी अपनी शिकायत ले कर आता है तो उसके साथ बढे शिष्टाचार के साथ बात करनी है । पंजाब पुलिस जनता के सहयोग के लिये है । उसके बाद थाना प्रभारी इंसपैक्टर सतनाम सिंह ने स्थानीय गणमान्य लोगों के साथ संर्पक मिटींग की । उसके बाद ङन्होने बताया कि पंजाब के मुख्यमंत्री सरदार भगवंत सिंह मान जी द्वारा युद्ध नशों के विरूद्ध अभियान के तहत पंजाब के डी जी पी श्री गौरव यादव जी के निर्देशों पर एस एस पी मोहाली हरमनदीप सिंह हंस व डी एस पी पृथ्वी सिंह चाहल के द्वारा बताये नशे पर नकेल डाल कर समाप्त करने के लिये नयागांव थाना प्रभारी इंस्पेक्टर सतनाम सिंह वचनबद्ध है । इसके बाद नयागांव थाना प्रभारी इंस्पेक्टर सतनाम सिंह ने अपने नयागांव थाने के स्टाफ ऐ एस आई निर्भय सिंह, हवलदार राहुल,थाना हैड मुन्शी संकेत कुमार,एच सी जगजीत सिंह सहित कुछ नया गांव वासियों ने नयागांव के शहीद भगत सिंह चौंक से एक जागरूकता रैली निकाली । ऐ एस आई निर्भय सिंह ने नयागांव थाना प्रभारी इंस्पेक्टर सतनाम सिंह जी का संदेश लोगो को दिया और बताया कि हमने पंजाब को नशामुक्त बनाना है । अगर कोई व्यक्ति के बारे में आपको पता है कि वह नशा बेचता है तो उसकी गुप्त सूचना नयागांव थाने में दें आपका नाम गुप्त रखा जाएगा और पंजाब पुलिस द्वारा आपको इनाम भी मिलेगा । ङन्होने कहा कि इंस्पेक्टर सतनाम सिंह ने कहा है कि पंजाब को नशा मुक्त बनाने की यह लड़ाई हम सबकी लड़ाई है।

दिवंगत सीता देवी जी के याद में जरूरतमंदों को वितरित किए आम व तरबूज

अर्थ प्रकाश संवाददाता

पंचकूला। विश्वास फाउंडेशन पंचकूला ने गुरुदेव श्री स्वामी विश्वास जी के आशीर्वाद से पंचकूला में आम व तरबूज बांटे। यह फल पंचकूला में सेक्टर 5, सेक्टर 4, सेक्टर 11 व सेक्टर 14 की झुग्गिओं में गुजर बसर कर रहे जरूरतमंदों को वितरित किए। विश्वास फाउंडेशन की अध्यक्ष साध्वी नीलिमा विश्वास ने बताया कि विश्वास फाउंडेशन के अनुयायी समाज सेवी अमित कवात्रा, किरण कवात्रा व सन्नी कवात्रा ने अपनी माता दिवंगत श्रीमती सीता देवी जी की याद में उनके सालाना पुण्यतिथि के उपलक्ष्य पर बँटवाये। इस फल वितरण में विश्वास फाउंडेशन से साध्वी नीलिमा विश्वास के साथ साथ मुकेश छाबड़ा, रेनू छाबड़ा, प्रदूमन बरेजा, असीम भल्ला व अन्य सदस्यों ने मिलकर सेवा की।

व्यक्ति में नशे को एक बीमारी मानकर उसका समझबूझ से करें डॉक्टर इलाज : बेदी

हरियाणा के सामाजिक एवं अधिकारिता मंत्री ने सभी नागरिकों से नशे को जड से उखाडने की करी अपील

प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित

अर्थ प्रकाश संवाददाता

पंचकूला। हरियाणा के सामाजिक एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण बेदी ने आज किसान भवन सेक्टर-14 में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय नशा मुक्ति दिवस के उपलक्ष्य में नशा मुक्त भारत व नशा मुक्त हरियाणा, राज्य स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम एवं सम्मान समारोह में मुख्यातिथि के रूप में बोलते हुए कहा कि ''नशा भगाओ समाज बचाओ''। उन्होंने कहा कि नशा एक सामाजिक बुराई है। उन्होंने नशा मुक्त हरियाणा व पंचकूला से जुडे हुए पुलिस, स्वास्थ्य विभाग व अन्य सामाजिक संस्थाओं को नशा मिटाने के योगदान के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि नशा आज युवाओं में बुरी तरह से फैल रहा है और नशे को दूर करने के लिए योगदान दे रहे लोग, संस्थाए सरकार के साथ नशे को प्रदेश व जिला से भगाने का कार्य कर रहे है, बधाई के पात्र है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का सपना है नशा मुक्त भारत वहीं पर हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह का सपना है नशा मुक्त हरियाणा। इसको लेकर पिछले दिनों हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सैनी ने प्रदेशभर में साईकलोथोन यात्रा की शुरूआत की, जिसने प्रदेश के सभी जिलों में घूमकर व कार्यक्रम आयोजित कर प्रदेश के लोगो में नशे के दुष्प्रभाव को बताकर लोगों को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया। श्री बेदी ने कहा कि सर्वप्रथम हमें जिले के स्कूलों में पढ रहे छोटे बच्चों को नशे के दुष्प्रभाव के बारे में जागरूक करना चाहिए ताकि बच्चें नशे का दुष्प्रभाव जानकर उसे दूर रह सके। उन्होंने बताया कि देशों में देश हरियाणा जित दूध दही का खाना। आज नशे की लत ने सैकडों परिवारों को खत्म कर दिया है। उन्होंने बताया कि आज कुछ ताकते प्रदेश के युवाओं को नशे की लत लगाकर प्रदेश को कमजोर करने का कार्य कर रहे है। उन्होंने कहा कि जिस प्रदेश का युवा नशे की लत में पड जाता है वह प्रदेश तरक्की नही कर सकता। उन्होंने सभी लोगों से नशे रूपी बीमारी के बारे में लोगों को जागरूक कर नशे को समाज में जड से उखाडने की अपील की। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति नशा करता है उसके साथ नशेडी की तरह व्यवहार ना करे बल्कि व्यक्ति में नशे को एक बीमारी मानकर उसका समझबूझ से इलाज करे। उन्होंने बताया कि हरियाणा के जवान बोर्डर पर देश की सेवा में सीमाओं को सुरक्षित रख रहे है और इसके अलावा दिल्ली पुलिस व चंडीगढ पुलिस में भी हरियाणा के जवानों की संख्या काफी ज्यादा है। उन्होंने कहा कि अगर युथ ही नशे में पड गया तो देश व हरियाणा की तरक्की व विकास रूक जाएगा।

श्री बेदी ने समाज से नशे को

साइबर अपराध और नशे के खिलाफ पुलिस ने लोगों को किया सचेत

पंचकूला (अप्रस)। जिला के नागरिकों को साइबर अपराध और नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने के लिए पुलिस कमिश्नर शिवास कविराज के दिशा-निर्देशानुसार पंचकूला पुलिस द्वारा निरंतर अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में सेक्टर 19 चौकी इंचार्ज सब-इंस्पेक्टर सचिन द्वारा सेक्टर 19 स्थित सार्वजनिक पार्क में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने भाग लिया। इस अवसर पर सब-इंस्पेक्टर सचिन ने उपस्थित लोगों को साइबर ठगी के बढ़ते मामलों, विशेषकर डिजिटल अरेस्ट, फर्जी कस्टम/केवाईसी कॉल, फिशिंग लिंक, सेक्सटॉर्शन, इन्वेस्टमेंट फ्रॉड और लॉटरी ठगी जैसे धोखाधड़ी के आधुनिक तरीकों के बारे में जानकारी दी और उनसे सतर्क रहने की अपील की। उन्होंने बताया कि किसी भी अज्ञात लिंक पर क्लिक न करें, व्यक्तिगत जानकारी किसी से साझा न करें, और साइबर अपराध से संबंधित किसी भी संदेहजनक गतिविधि की तत्काल नजदीकी पुलिस स्टेशन या साइबर हेल्पलाइन नंबर पर सूचना दें। कार्यक्रम में नशे के खिलाफ भी विशेष संदेश दिया गया। सब-इंस्पेक्टर सचिन ने युवाओं से नशे से दूर रहने और समाज को नशामुक्त बनाने के लिए एकजुट होने का आह्वान किया।

ओबीसी सहायक महामंत्री उत्तर क्षेत्र श्री संजीव कुमार का कालका कारखाना में भव्य स्वागत

अर्थ प्रकाश/जग्गी

कालका: उत्तर रेलवे ओबीसी संगठन के नवनियुक्त सहायक महामंत्री (उत्तर क्षेत्र) श्री संजीव कुमार का कालका कारखाना में ओबीसी पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर ओबीसी कार्यालय में एक विशेष बैठक का आयोजन हुआ, जिसमें शाखा संस्थापक सदस्य श्री प्रदीप कुमार, पूर्व सहायक सचिव श्री प्रीतम सिंह, कार्यकारी अध्यक्ष श्री निर्मल सिंह सहित अन्य पदाधिकारीगण उपस्थित रहे। बैठक की शुरुआत सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के स्वागत से हुई। श्री प्रदीप कुमार, श्री प्रीतम सिंह एवं श्री निर्मल सिंह ने सभी पदाधिकारियों का पुष्पमालाएं पहनाकर सम्मान किया और मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दीं।

इसके उपरांत संजीव कुमार जी को सहायक महामंत्री बनाए जाने की खुशी में ढोल-नगाड़ों के साथ मेन गेट से लेकर आरपीएफ पोस्ट, समस्त कारखाना परिसर और डीएसकेपी स्टोर तक विजय यात्रा निकाली गई, जिसमें मिठाइयों का वितरण किया गया। समस्त कालका कारखाना के कर्मचारियों ने उनका गर्मजोशी से अभिनंदन किया। विशेष रूप से एडीईएन शिमला श्री गुरप्रीत सिंह अपनी टीम सहित शिमला से कालका वर्कशॉप पहुंचे और श्री संजीव कुमार को फूलमाला पहनाकर सम्मानित किया। इसके पश्चात वर्कशॉप कमेटी हॉल में स्वागत समारोह का आयोजन हुआ, जिसमें एनआरएमयू डिवीजन शाखा मंत्री श्री जय प्रकाश, वर्कशॉप शाखा अध्यक्ष श्री कमल, यूआरएमयू की ओर से एडीएस श्री रविन्द्र शर्मा, एससी/एसटी टीम से शाखा मंत्री श्री शौंकी राम, सीएच.ओएस श्रीमती पुष्पा सहित समस्त कर्मचारी उपस्थित रहे।

जिला में हो रहे अवैध निर्माणों के खिलाफ चला डीटीपी का चला पीला पंजा

अर्थ प्रकाश/आदेश त्यागी

सोनीपत। जिला नगर योजनाकार (डीटीपी) अजमेर सिंह ने बताया कि जिले में पनप रही अवैध कॉलोनियों और निर्माणों को प्रारंभिक चरण में ही ध्वस्त करने के लिए उपायुक्त डॉ. सुशील सारवान के निर्देशानुसार प्रशासन द्वारा सख्त अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में मंगलवार को अवैध निर्माणों के खिलाफ डीटीपी का पीला पंजा चला, जिसके तहत गांव खेड़ी मनाजात की राजस्व सम्पदा में निकट दिल्ली-पानीपत रेलवे लाईन के पास 4.5 एकड़ भूमि पर बने अवैध 8 डीपीसी, डब्ल्यू.बी.एम. रोड़ व डीलर ऑफिस बनाकर अवैध कालोनी विकसित की जा रही थी। जिसपर जिला प्रशासन की मदद से तोड़फोड़ की कार्यवाही अमल में लाई गई।डीटीपी अजमेर सिंह ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि अवैध कॉलोनियों में प्लॉट न खरीदें। ऐसी कॉलोनियों में सरकार द्वारा कोई भी मूलभूत सुविधा जैसे सड़क, पानी, सीवरेज या बिजली प्रदान नहीं की जाती। इससे आपकी मेहनत की कमाई जोखिम में प? सकती है। उन्होंने कहा कि प्लॉट खरीदने से पूर्व यह सुनिश्चित करें कि संबंधित कॉलोनी नियमानुसार स्वीकृत है अथवा नहीं।उन्होंने बताया कि कोई भी नागरिक अवैध कॉलोनियों से संबंधित शिकायत या जानकारी के लिए सेक्टर-15 स्थित हुडा कॉम्प्लेक्स की पहली मंजिल पर जिला नगर योजनाकार कार्यालय में संपर्क कर सकता है।

समाजसेवी विनोद धनखड़ ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के के ओएसडी वीरेन्द्र सिंह बदखालसा चंडीगढ़ उनके कार्यालय पर मुलाकात की

दो स्नैचर गिरफ्तार

सोनीपत (अप्रस)। जिले के थाना मुरथल की पुलिस टीम ने फोन छीनने की कोशिश करने की घटना मे संलिप्त दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी तुषार पुत्र सतीश कुमार व हितेश पुत्र दीपक दोनों निवासी जटवाड़ा सोनीपत के रहने वाले है। इस प्रकरण की विस्तृत जानकारी देते हुए बतलाया कि 23 जून 2025 को दीपक पुत्र महेश निवासी जिला मधुबनी बिहार हाल मंगल ढाबा सोनीपत ने थाना मुरथल मे शिकायत दी। कि दो नौजवान लड़के आए और मेरे फोन को छीनने की कोशिश की तभी मेरे पास खड़े साथी कर्मचारियो की मदद से मैने अपना फोन छीनने से बचा लिया और छीना झपटी के दौरान दोनो युवक अपनी बाईक को ढाबा पर छोड़कर भाग गए।

सार्वजनिक सूचना

मैं मंयक पुत्र संजय कुमार निवासी म.नं. 615, वॉर्ड नं. 24, अग्रवाल मार्किट, जीन्द बयान करता हूं कि मेरी माता अनिता पत्नी संजय कुमार के नाम रकबा वाका गांव सिल्ला खेड़ी तहसील सफीदों जिला जीन्द में है। मेरी माता अनिता पत्नी संजय कुमार का दिनांक 28/04/2021 को देहान्त हो चुका है। मेरी माता के हम निम्न वारिस हैं : - 1- मंयक पुत्र, 2- प्राची पुत्री। मेरी माता के उपरोक्त वारसान के अलावा अन्य कोई वारिस नहीं है। मैं अपनी माता का विरासत इंतकाल करवाना चाहता हूं। मेरी माता के वारिस तसदीक किए जाएं। अगर किसी व्यक्ति को इस इंतकाल दर्ज होने में कोई आपति हो तो तहसीलदार सफीदों के पास पंद्रह दिन के अन्दर जाकर अपनी आपति दर्ज करवाए, पंद्रह दिन के बाद में पुत्र मयंक व पुत्री प्राची के नाम विरासत का इंतकाल कर दिया जाएगा।

AP-2208

सार्वजनिक सूचना

खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी असंध ने ग्राम पंचायतों को पत्र जारी किया है जिसमें मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना के अन्तर्गत आने वाले लाभार्थियों को 100-100 गज के प्लाट आवंटित करने की सूची मांगी गई है। जिनकी वार्षिक आय 1 लाख 80 हजार से कम हो। इसके लिए ग्राम पंचायत में मुनादी करवा कर लोगों को सूचित किया जाता है तथा ग्राम सभा का आयोजन करवाकर ग्राम सभी में पात्र लोगों की सूची तैयार की जानी है ताकि कोई भी पात्र इस योजना से वंचित न हो। सभा में सूची तैयार करके पंचायत अधिकारी असंध को सौंपी जानी है। इसी संदर्भ में ग्राम पंचायत बिलोना (असंध) में ग्राम सभा का आयोजन 26 जून 2025 दिन वीरवर को करवाया जाना है। जिसमें ग्राम सचिव रोहित कुमार,सरपंच श्रीमती सोनकी पंच व अन्य ग्राम सभा के सदस्यों द्वारा विचार विमर्श करके पात्र लाभार्थियों की सूची तैयार की जाएगी।

AP-2206

सार्वजनिक सूचना

खंड विकास एवं पचायत3 अधिकारी असंध ने ग्राम पंचायतों को पत्र जारी किया है जिसमें मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना-2 के अंतर्गत आने वाले लाभार्थियों को 100-100 गज के प्लाट आवंटित करने की सूची मांगी गई है। जिनकी वार्षिक आय 1 लाख 80 हजार से कम हो। इसके लिए ग्राम पंचायत में मुनादी करवा कर लोगों को सूचित किया जाता है तथा ग्राम सभा का आयोजन करवाकर ग्राम सभा में पात्र लोगों की सूची तैयार की जानी है ताकि कोई भी पात्र इस योजना से वंचित न हो। सभा में सूची तैयार करके पंचायत अधिकारी असंध को सौंपी जानी है। इसी संदर्भ में ग्राम पंचायत बिलौना (असंघ) में ग्राम सभा का आयोजन 26 जून 2025 दिन वीरवार को करवाया जाना है। जिसमें ग्राम सचिव रोहित कुमार, सरपंच श्रीमती सोनकी, पंच व अन्य ग्राम सभा सदस्यों द्वारा विचार-विमर्श करके पात्र लाभार्थियों की सूची तैयार की जाएगी। खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी श्री प्रशांत कुमार (असंघ) ने कहा कि सरकार प्रतयेक वर्ग के हितों को ध्यान में रखकर इस योजना पर कार्य कर रही है। पंक्ति में खड़े हर पात्र लाभार्थी को सरकार की इस योजना का लाभ दिया जाएगा।

AP-2206

PUBLIC NOTICE

PUBLIC NOTICE! hereby informed the general public that Smt. Ravila W/o Sh. Krishan Lal is absolute owner of Property Plat, Property ID No. 814A/8, Comprised in Khewat no. 747, Mourba No. 89, Killa No. 35/1, Rakba 1 Kanal 16 Marla its parts, Situated in between Park to Apollo Road, Main Kaithal Road, Jind, inside Nagar Parishad, Jind, Tehsil and District Jind, Measuring 1 Marla 7 Sarsai 53 Sq. yards approx. Now, he is taking a loan from PNB Housing Finance Limited Having Branch office at SCO 218-219, First Floor, Sector 12, Karnal. They have lost the following original documents in respect of said property:1. Transfer deed no. 4522/1 dated 04-10-2017 as executed by Sh. Mukesh Lal S/o Sh. Manorath Lal alias Manohar Lal in respect of the property in question measuring 8 Sarsai in favour of Sh. Ravinder Kumar S/o Sh. Manorath Lal in ORIGINAL 2. Sale deed no. 33281 dated 17-01-1989 as executed by Sh. Devi Dayal S/0 Sh. Rur Chand in respect of the property in question measuring 1 Marla 7 Sarsai in favour of Sh. Ravinder Lal Mukesh Lal SS/o Sh. Manorath Lal alias Manohar Lal in equal share in ORIGINAL. A Police report has also been got registered in this respect having details: Unique no. 132300112501388 & 132300112501387 in Haryana Police. If anybody found the said lost documents, then may contact to undersigned and anybody having claim or claiming any prior rights or interest in any manner in this property or has raised loan by depositing the aforesaid documents to any person/bank/ corporation/ financial institution may approach the undersigned and may submit objections within 7 days from the date of this public notice. After the expiry of the period of this notice, no claim shall be entertained and such claim shall be deemed to be false, fake, frivolous, fraudulent and baseless claim and shall have no value in the eyes of law.Adv. Hemant Sharma Chamber No 47 Distt Court Karnal9896260977

AP-2214

सीसीटीवी कैमरा का प्रावधान एवं अन्य कार्य

ई-निविदा सूचना सं. S&T/APDJ/14, 15 & 16; दिनांक: 21-06-2025। अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: क्र.सं. 1, ई-निविदा सं: AP-ST-14-2025-26; कार्य का नाम: पू. सी. रेल के अलीपुरद्वार मंडल के एलसी गेटों पर सीसीटीवी कैमरा का प्रावधान और इसके नेटवर्किंग। विज्ञापित निविदा मूल्य: ₹1,00,19,328.20; बिड सिक्यूरिटी: ₹2,00,100.00। क्र.सं. 2, ई-निविदा सं: AP-ST-15-2025-26; कार्य का नाम: एसएसई/टेली/आइसी/फकीराग्राम जं. के अंतर्गत अलीपुरद्वार मंडल में विश्वसनीयता सुधार के लिए विशेष दूरसंचार कार्य। विज्ञापित निविदा मूल्य: ₹58,47,698.25; बिड सिक्यूरिटी: ₹1,17,000.00। क्र.सं. 3, ई-निविदा सं: AP-ST-16-2025-26; कार्य का नाम: अलीपुरद्वार मंडल के सिग्नलिंग प्रतिष्ठानों में अर्थिंग प्रणाली को सुदृढ़ीकरण। विज्ञापित निविदा मूल्य: ₹3,22,26,106.00; बिड सिक्यूरिटी: ₹3,11,100.00। ई-निविदाएं 16-07-2025 को 15.00 बजे बंद होंगी और 16-07-2025 को बंद होने के बाद खुलेंगी। उपरोक्त ई-निविदा के निविदा कागजात के साथ संपूर्ण सूचना वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध रहेंगी।

डीआरएम (एसएंडटी), अलीपुरद्वार जं.

पूर्वोत्तर सीमा रेलवे

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

AP-2199

सार्वजनिक सूचना

मैं, शिवानी पुत्री मंगल सेन निवासी शारदा कालोनी ... [illegible]

राहुल ऋषि एडवोकेट (पी-510/2003) ... चंडीगढ़ अम्बाला हाईवे, जीरकपुर 98140-58484, 99141-38484

AP-2205

सार्वजनिक सूचना

लेजिंदर कौर पुत्री अवतार सिंह निवासी मकान नं 229, सेक्टर 21-ए, चंडीगढ़ (आरपी - 3256) मुझसे मकान नं. 229, सेक्टर 21-ए, चंडीगढ़ के निम्नलिखित मूल दस्तावेज खो गये है।
1. श्री हरि राम सभरवाल के पक्ष में दिनांक 04-03-1952 का आवंटन पत्र।
2. श्री हरि राम सभरवाल के पक्ष में दिनांक 14-04-1956 का स्थानांतरण पत्र।
3. श्री हरि राम सभरवाल के पक्ष में दिनांक 24-05-1957 का कब्जा पत्र।
4. श्री हरि राम सभरवाल के पक्ष में दिनांक 16-10-1980 का हस्तांतरण विलेख।
5. श्री पी.एन बस्सी के पक्ष में दिनांक 10-09-1980 का श्री हरि राम सभरवाल द्वारा जीपीए।
6. श्री गुरदास सिंह के पक्ष में दिनांक 03-03-1981 का स्थानांतरण पत्र।
यदि किसी को यह मिल जाए तो कृपया इसे ऊपर दिए गए पते पर वापस कर दें।

AP-2201

सार्वजनिक सूचना

संपदा अधिकारी, एचएसवीपी पंचकूला के समक्ष

विषय:अलाटि श्री रविन्द्र प्रकाश की मृत्यु के उपरान्त निर्मित सम्पति मकान न. 1947, सैक्टर-26, अर्बन एस्टेट पंचकूला का स्वामित्व के रूप में हस्तांतरण।

रिकार्ड के अनुसार उक्त वर्णित सम्पति के अलाटि श्री रविन्द्र प्रकाश की 12-03-2023 को मृत्यु हो गई है तथा उनकी सुदेश गुप्ता के पक्ष में पंजीकृत वसीयत है। सुदेश गुप्ता पत्नी स्व. रविन्द्र प्रकाश निवासी #1947, सैक्टर-26, पंचकूला ने उक्त सम्पति को उपरोक्त पंजीकृत वसीयत के आधार पर अपने हक में हस्तांतरण करने का आवेदन व पुन: अलाटमैंट सुदेश गुप्ता के नाम में करने की विनती की है।

यदि किसी व्यक्ति को कथित सम्पति को हस्तांतरण संबंधी कोई एतराज हो तो वह इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 30 दिन के भीतर सम्पदा अधिकारी HSVP पंचकूला के कार्यालय में उचित प्रमाण सहित लिखित रूप में अपने एतराज बताये अन्यथा उक्त सम्पति को सम्पदा अधिकारी की अनुमति से HSVP निति के अनुसार हस्तांतरण/ पुन: अलाटमैंट कर दिया जायेगा और बाद में किसी दावे पर विचार नहीं किया जायेगा।

सुदेश गुप्ता

वसीयत धारक, सम्पदा अधिकारी की और से

AP-2196

सार्वजनिक सूचना

श्री नवीन, डेनिक्स, सहायक संपदा अधिकारी, यूटी, चंडीगढ़ के समक्ष।

विषय: स्व. श्रीमती स्वर्ण की पंजीकृत वसीयत के आधार पर 100.00 प्रतिशत हिस्से के विस्तार तक रिहायशी स्थल सं. 1102, सेक्टर 8-सी, चंडीगढ़ (आरपी 888) के संबंध में स्वामित्व का हस्तांतरण।

आम जनता एवं सभी संबंधित की जानकारी हेतु एतदद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि इस कार्यालय के रिकार्ड के अनुसार, श्रीमती स्वर्ण100.00 प्रतिशत हिस्से के विस्तार तक रिहायशी स्थल सं. 1102, सेक्टर 8-सी, चंडीगढ़ की स्वामिनी है।

विक्रम सिंह, सुखदेव सिंह पुनिया द्वारा सूचित किया गया है कि श्रीमती स्वर्ण की 27.03.2025 को मृत्यु हो गई है तथा उन्होंने मृतक स्वामिनी के निम्नलिखित कानूनी उत्तराधिकारियों को भी सूचित किया है:-(1) गुरदेव सिंह-पति (मृतक), (2) विक्रम सिंह-पुत्र

अब, विक्रम सिंह, सुखदेव सिंह पुनिया ने पंजीकृत वसीयत दिनांक 12.09.2019 के आधार पर अपने पक्ष में स्व. श्रीमती स्वर्ण द्वारा आयोजित 100.00 प्रतिशत हिस्से के विस्तार तक रिहायशी स्थल सं. 1102, सेक्टर 8-सी, चंडीगढ़ के संबंध में स्वामित्व के हस्तांतरण हेतु आवेदन किया है। यदि किसी व्यक्ति को मृतक के उक्त वर्णित के अलावा किसी अन्य कानूनी उत्तराधिकारी के बारे में कोई जानकारी हो तो वह तत्काल संपदा अधिकारी, यूटी., चंडीगढ़ को सूचित करें।

यदि किसी व्यक्ति को उक्त नामत: आवेदकों के पक्ष में कथित संपत्ति में कथित हिस्से के हस्तांतरण के विरूद्ध कोई आपत्ति है, तो वह इस सूचना के प्रकाशन के 30 दिनों के भीतर अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में (मजीस्ट्रेट/ नोटरी द्वारा पूर्ववत सत्यापित शपथपत्र के साथ समर्थित) लिखित में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता/ सकती/ सकते हैं,जिसमें असफल होने पर कथित संपत्ति में कथित हिस्सा उक्त नामत: लाभार्थियों के नामों में उक्त अनुसार हस्तांतरित कर दिया जाएगा एवं बाद में कोई दावा विचारणीय नही होगा।

नवीन, डेनिक्स, सहायक संपदा अधिकारी, संपदा अधिकारी, यूटी., चंडीगढ़ की शक्तियों का निर्वहन करते हुए

AP-2205

सार्वजनिक सूचना

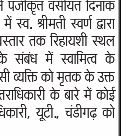

संपदा अधिकारी, यूटी., चंडीगढ़ की शक्तियों के निर्वहन में श्री नवीन, डेनिक्स, सहायक संपदा अधिकारी के समक्ष

विषय:- क्र.सं. 3038, बुक सं. 1, वॉल सं.___, पृष्ठ सं.___, दिनांक 28.06.2019 पर पंजीकृत, फैमिली ट्रांसफर विलेख के आधार पर 20.00 प्रतिशत हिस्से के विस्तार तक रिहायशी स्थल 336, सेक्टर 9-डी, चंडीगढ के संबंध में स्वामित्व के हस्तांतरण के संबंध में।

आम जनता एवं सभी संबंधित की जानकारी हेतु एतदद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि इस कार्यालय के रिकार्ड के अनुसार, श्रीमती अरविंदर कौर 20.00 प्रतिशत हिस्से के विस्तार तक रिहायशी स्थल 336, सेक्टर 9-डी, चंडीगढ के स्वामिनी/ लीजी है।

श्री राजबीर सिंह वालिया द्वारा सूचित किया गया है कि श्रीमती अरविंदर कौर 20.00 प्रतिशत हिस्से के विस्तार तक उक्त कथित संपत्ति के स्वामी हैं, ने 28.06.2019 को श्री राजबीर सिंह वालिया के पक्ष में 20.00 प्रतिशत हिस्से के विस्तार तक फैमिली हस्तांतरण विलेख निष्पादित की है और जो कार्यालय सब रजिस्ट्रार, यूटी, चंडीगढ़ में क्र. सं. 3038, बुक सं. 1, वॉल सं.___, पृष्ठ सं.___, दिनांक 28.06.2019 पर पंजीकृत है। अब, श्री राजबीर सिंह वालिया ने फैमिली हस्तांतरण विलेख दिनांक 28.06.2019 के आधार पर अपने पक्ष में उक्त कथित संपत्ति के 20.00 प्रतिशत हिस्से के हस्तांतण हेतु आवेदन किया है।

यदि किसी व्यक्ति को उक्त नामत: आवेदकों के पक्ष में कथित संपत्ति में कथित हिस्से के हस्तांतरण के विरूद्ध कोई आपत्ति है, तो वह इस सूचना के प्रकाशन के 30 दिनों के भीतर अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में (मजीस्ट्रेट/नोटरी द्वारा पूर्ववत सत्यापित शपथपत्र के साथ समर्थित) लिखित में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता/ सकती/सकते हैं, जिसमें असफल होने पर कथित संपत्ति में कथित हिस्सा उक्त नामत: लाभार्थियों के नामों में उक्त अनुसार हस्तांतरित कर दिया जाएगा एवं बाद में कोई दावा विचारणीय नही होगा।

नवीन, डेनिक्स, सहायक संपदा अधिकारी, संपदा अधिकारी, यूटी., चंडीगढ़ की शक्तियों का निर्वहन करते हुए

AP-2205

ਗਰੇਟਰ ਮੁਹਾਲੀ ਏਰੀਆ ਡਿਵੈਲਪਮੈਂਟ ਅਥਾਰਿਟੀ ਪੁੱਡਾ ਭਵਨ, ਐਸ.ਏ.ਐਸ. ਨਗਰ

ਜਨਤਕ ਸੂਚਨਾ

ਪਲਾਟ ਨੰ: 896, ਸੈਕਟਰ-63, ਐਸ.ਏ.ਐਸ. ਨਗਰ ਦੀ ਅਲਾਟੀ Jamna Devi w/o Gurdass Ram ਦੀ ਮੌਤ ਮਿਤੀ 24-09-2021 ਨੂੰ ਹੋ ਗਈ। Jamna Devi w/o Gurdass Ram ਵਲੋਂ ਮੌਤ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਵਸੀਅਤ ਰਜਿਸਟਰਡ ਕਰਵਾਈ ਸੀ ਜੋ ਕਿ ਵਸੀਕਾ ਨੰ: 876 ਬਹੀ ਨੰ:- 3, Volume No. 3, Page No. 23 ਮਿਤੀ 13-09-2019 ਰਾਹੀ ਸਬ ਰਜਿਸਟਰਾਰ ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਦੇ ਦਫਤਰ ਰਜਿਸਟਰਡ ਹੋਈ ਹੈ। ਇਹ ਵਸੀਅਤ ਅਨੁਸਾਰ ਅਲਾਟੀ ਵੱਲੋਂ ਉਕਤ ਮਕਾਨ ਆਪਣੇ ਪੱਤਰ Ram Tirath ਦੇ ਹੱਕ ਵਿਚ ਕੀਤੀ ਹੈ।

ਰਜਿਸਟਰਡ ਵਸੀਅਤ ਦੇ ਆਧਾਰ ਤੇ Ram Tirath ਨੇ ਉਕਤ ਪਲਾਟ ਨੰ: 896 ਫੇਜ-9, ਐਸ.ਏ.ਐਸ.ਨਗਰ ਦੀ ਮਲਕੀਅਤ ਆਪਣੇ ਨਾਮ ਤਬਦੀਲ ਕਰਨ ਲਈ ਦਸਤਾਵੇਜ ਇਸ ਦਫਤਰ ਨੂੰ ਪੇਸ਼ ਕੀਤੇ ਗਏ ਹਨ ਅਤੇ ਇਹ ਕੇਸ ਮਿਲਖ ਅਫਸਰ, ਗਮਾਡਾ, ਐਸ.ਏ.ਐਸ ਨਗਰ ਦੇ ਦਫਤਰ ਵਿਚ ਵਿਚਾਰ ਅਧੀਨ ਹੈ। ਇਸ ਮਕਾਨ ਦੀ ਮਲਕੀਅਤ ਤਬਦੀਲ ਕਰਨ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਸਭ ਆਮ ਅਤੇ ਖਾਸ ਨੂੰ ਸੂਚਿਤ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਮ੍ਰਿਤਕ ਅਲਾਟੀ ਵਲੋਂ ਕੀਤੀ ਗਈ ਰਜਿਸਟਰਡ ਵਸੀਅਤ ਸਬੰਧੀ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਕੋਈ ਇਤਰਾਜ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਉਹ ਇਸ ਵਿਗਿਆਪਨ ਛੱਪਣ ਦੀ ਮਿਤੀ ਤੋਂ 15 ਦਿਨਾਂ ਦੇ ਅੰਦਰ-ਅੰਦਰ ਆਪਣਾ ਇਤਰਾਜ ਮਿਲਖ ਅਫਸਰ, ਗਮਾਡਾ ਮੋਹਾਲੀ ਪਾਸ ਲਿਖਤੀ ਰੂਪ ਵਿਚ ਦੇ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਨਿਸਚਿਤ ਮਿਤੀ ਅਤੇ ਸਮੇਂ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਪ੍ਰਾਪਤ ਇਤਰਾਜ ਤੇ ਕੋਈ ਵਿਚਾਰ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ ਅਤੇ ਮਕਾਨ ਦੀ ਮਲਕੀਅਤ ਰਜਿਸਟਰਡ ਵਸੀਅਤ ਦੇ ਆਧਾਰ ਤੇ ਤਬਦੀਲ ਕਰ ਦਿੱਤੀ ਜਾਵੇਗੀ ।

ਮਿਲਖ ਅਫਸਰ (ਹ)
ਗਮਾਡਾ ਮੋਹਾਲੀ।

AP-2218

ਗਰੇਟਰ ਮੋਹਾਲੀ ਏਰੀਆ ਡਿਵੈਲਪਮੈਂਟ ਅਥਾਰਿਟੀ, ਮੋਹਾਲੀ ਪੁੱਡਾ ਭਵਨ, ਸੈਕਟਰ-62, ਐਸ.ਏ.ਐਸ.ਨਗਰ

ਮ੍ਰਿਤਕ ਅਲਾਟੀ

ਜਨਤਕ ਸੂਚਨਾ

ਲਾਭਪਾਤਰੀ

Plot No. 479 Phase-04 ਸੈਕਟਰ 59, ਐਸ.ਏ.ਐਸ. ਨਗਰ ਦੇ ਅਲਾਟੀ Yash Pal Bajaj S/o Amar Chand Bajaj R/O # 479 Phase 04 Sector 59, SAS Nagar ਦੀ ਮੌਤ ਮਿਤੀ 02.04.1982 ਨੂੰ ਹੋ ਗਈ ਹੈ। Plot No. 479 Phase-04 ਸੈਕਟਰ 59, ਐਸ.ਏ.ਐਸ ਨਗਰ ਮੋਹਾਲੀ ਦੇ ਵਾਰਿਸਾਂ ਸਬੰਧੀ Rajinder Singh Rana Municipal Councilor of Ward No. 04 Phase 04, Sector 59, SAS Nagar R/o House No. 82 Phase 04 Sector 59, SAS Nagar ਵੱਲੋਂ ਮ੍ਰਿਤਕ ਅਲਾਟੀ ਦੇ ਵਾਰਿਸ ਹੇਠ ਲਿਖੇ ਅਨੁਸਾਰ ਤਸਦੀਕ ਕੀਤੇ ਗਏ ਹਨ:-

1. Sneh Lata	Daughter
2. Kusam Kapoor	Daughter
3. Suman Verma	Daughter
4. Manju	Daughter
5. Alka	Daughter
6. Seema	Daughter

ਉਕਤ ਤਸਦੀਕ ਕੀਤੇ ਗਏ ਵਾਰਿਸਾਂ ਦੇ ਸਰਟੀਫਿਕੇਟ ਦੇ ਅਧਾਰ ਤੇ ਵਾਰਿਸਾਂ ਵੱਲੋ Plot No. 479 Phase-04 ਸੈਕਟਰ 59, ਐਸ.ਏ.ਐਸ ਨਗਰ ਦੀ ਮਲਕੀਅਤ ਆਪਣੇ ਨਾਮ ਤਬਦੀਲ ਕਰਨ ਲਈ ਬੇਨਤੀ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ ਅਤੇ ਇਹ ਕੇਸ ਮਿਲਖ ਅਫਸਰ (ਹ) ਗਮਾਡਾ ਐਸ.ਏ.ਐਸ. ਨਗਰ ਦੇ ਦਫਤਰ ਵਿੱਚ ਵਿਚਾਰ ਅਧੀਨ ਹੈ। ਇਸ ਮਲਕੀਤ ਤਬਦੀਲ ਕਰਨ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਆਮ ਅਤੇ ਖਾਸ ਨੂੰ ਸੂਚਿਤ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਜੇਕਰ ਮ੍ਰਿਤਕ ਅਲਾਟੀ ਦੇ ਉਕਤ ਵਾਰਸਾਂ ਸਬੰਧੀ ਜੇਕਰ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਕੋਈ ਇਤਰਾਜ਼ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਉਹ ਇਸ ਵਿਗਿਆਪਨ ਦੀ ਮਿਤੀ ਤੋ 15 ਦਿਨਾਂ ਦੇ ਅੰਦਰ-ਅੰਦਰ ਆਪਣਾ ਇਤਰਾਜ਼ ਮਿਲਖ ਅਫਸਰ (ਹ) ਗਮਾਡਾ ਐਸ.ਏ.ਐਸ. ਨਗਰ ਪਾਸ ਲਿਖਤੀ ਰੂਪ ਵਿੱਚ ਦੇ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਨਿਸ਼ਚਿਤ ਮਿਤੀ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਪ੍ਰਾਪਤ ਹੋਏ ਇਤਰਾਜ਼ ਤੇ ਕੋਈ ਵਿਚਾਰ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ ਅਤੇ Plot No. 479 Phase-04 ਸੈਕਟਰ 59, ਐਸ.ਏ.ਐਸ ਨਗਰ ਦੀ ਮਲਕੀਅਤ ਮ੍ਰਿਤਕ ਅਲਾਟੀ ਦੇ ਉਕਤ ਵਾਰਿਸਾਂ ਦੇ ਨਾਮ ਤੇ ਕਰ ਦਿੱਤੀ ਜਾਵੇਗੀ।

ਮਿਲਖ ਅਫਸਰ (ਹ)
ਗਮਾਡਾ, ਐਸ.ਏ.ਐਸ. ਨਗਰ

AP-2219

ਗਰੇਟਰ ਮੋਹਾਲੀ ਏਰੀਆ ਡਵੈਲਪਮੈਂਟ ਅਥਾਰਿਟੀ ਪੁੱਡਾ ਭਵਨ, ਸੈਕਟਰ 62, ਐਸ.ਏ.ਐਸ. ਨਗਰ।

ਜਨਤਕ ਸੂਚਨਾ

ਸਿੰਗਲ ਵਿੰਡੋ ਡਾਇਰੀ ਨੰਬਰ 442014 ਮਿਤੀ 30.04.2024 ਰਾਹੀਂ ਬਿਨੈਕਾਰ ਵੱਲੋਂ ਸੂਚਿਤ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਇੰਡਸਟ੍ਰੀਅਲ ਪਲਾਟ ਐਲ ਓ ਆਈ ਨੰ: 742 (ਰੈਫਰੈਂਸ ਨੰ ਐਲ ਪੀ/24-25/715), ਮਿਤੀ 19.08.2024, ਸਾਈਜ਼ 550 ਵਰਗ ਗਜ, ਸੈਕਟਰ 101-ਇੰਡਸਟ੍ਰੀਅਲ ਪਾਰਕ, ਐਸ.ਏ.ਐਸ. ਨਗਰ ਦੇ ਅਲਾਟੀ ਸ੍ਰੀ ਅਮਿਤ ਬਾਂਸਲ ਪੁੱਤਰ ਸ੍ਰੀ ਸੁਭਾਸ਼ ਚੰਦਰ ਵਾਸੀ ਮਕਾਨ ਨੰ: 141, ਸੈਕਟਰ 28-ਏ, ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਨੇ ਉਕਤ ਐਲ.ਓ.ਆਈ. ਦਾ ਸ੍ਰੀਮਤੀ ਦਮਨਜੀਤ ਕੌਰ ਪਤਨੀ ਸ੍ਰੀ ਅਮਿਤ ਬਾਂਸਲ ਵਾਸੀ ਮਕਾਨ ਨੰ 141, ਸੈਕਟਰ 28-ਏ. ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਨੂੰ ਆਪਣਾ ਮੁਖਤਿਆਰੇ ਆਮ ਨਿਯੁਕਤ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਜੋ ਕਿ ਸਬ-ਰਜਿਸਟਰਾਰ, ਐਸ.ਏ.ਐਸ. ਨਗਰ ਦੇ ਦਫਤਰ ਦੇ ਵਸੀਕਾ ਨੂੰ 2025-26/13/4/89, ਬਹੀ ਨੰ: 4, ਜਿਲਦ ਨੰ-, ਸਫਾ ਨੰ-. ਮਿਤੀ 21.04.2025 ਰਾਹੀਂ ਰਜਿਸਟਰਡ ਹੋਈ ਹੈ।

ਹੁਣ ਇਸ ਮੁਖਤਿਆਰੇ ਆਮ ਦੇ ਆਧਾਰ ਤੇ ਸ੍ਰੀਮਤੀ ਦਮਨਜੀਤ ਕੌਰ ਪਤਨੀ ਸ੍ਰੀ ਅਮਿਤ ਬਾਂਸਲ ਵਾਸੀ ਮਕਾਨ ਨੰ: 141, ਸੈਕਟਰ 28-ਏ. ਚੰਡੀਗੜ੍ਹ ਵੱਲੋਂ ਇੰਡਸਟ੍ਰੀਅਲ ਪਲਾਟ ਐਲ.ਓ.ਆਈ. ਨੂੰ 742 (ਰੈਫਰੈਂਸ ਨੇ ਐਲ.ਪੀ./24-25/715), ਮਿਤੀ 19.08.2024, ਸਾਈਜ਼ 550 ਵਰਗ ਗਜ, ਸੈਕਟਰ 101-ਇੰਡਸਟ੍ਰੀਅਲ ਪਾਰਕ, ਐਸ.ਏ.ਐਸ. ਨਗਰ ਨੂੰ ਸ੍ਰੀਮਤੀ ਅਰਵਿੰਦਰ ਕੌਰ ਪਤਨੀ ਸ੍ਰੀ ਗੁਰਦੇਵ ਸਿੰਘ ਮਕਾਨ ਨੂੰ 151. ਦਸ਼ਮੇਸ਼ ਨਗਰ, ਰੂਪਨਗਰ, ਰੋਪੜ, ਪੰਜਾਬ ਅਤੇ ਸ੍ਰੀ ਲਲਿਤ ਗਰਗ ਪੁੱਤਰ ਸ੍ਰੀ ਹੇਮ ਰਾਜ ਵਾਸੀ ਮਕਾਨ ਨੰ: 1152, ਜੇ.ਟੀ.ਪੀ.ਐਲ. ਸਿਟੀ, ਸੈਕਟਰ 115, ਖਰੜ. ਐਸ.ਏ.ਐਸ. ਨਗਰ ਦੇ ਨਾਮ ਤੇ ਵੇਚਣ ਦੀ ਪ੍ਰਵਾਨਗੀ ਮੰਗੀ ਗਈ ਹੈ। ਇਹ ਐਲ.ਓ.ਆਈ. ਨੂੰ ਵੇਚਣ ਦੀ ਪ੍ਰਵਾਨਗੀ ਦੇਣ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾ ਸਭ ਆਮ ਅਤੇ ਖਾਸ ਨੂੰ ਸੂਚਿਤ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਮੁਖਤਿਆਰ ਨਾਮਾ ਆਮ ਅਤੇ ਖਾਸ ਸਬੰਧੀ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਕੋਈ ਇਤਰਾਜ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਇਸ ਵਿਗਿਆਪਨ ਦੀ ਮਿਤੀ ਤੋਂ 15 ਦਿਨਾਂ ਦੇ ਅੰਦਰ-ਅੰਦਰ ਆਪਣਾ ਇਤਰਾਜ ਮਿਲਖ ਅਫਸਰ (ਪ) ਗਮਾਡਾ, ਐਸ.ਏ.ਐਸ. ਨਗਰ ਪਾਸ ਲਿਖਤੀ ਰੂਪ ਵਿੱਚ ਦੇ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਨਿਸਚਿਤ ਮਿਤੀ ਅਤੇ ਸਮੇਂ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਪ੍ਰਾਪਤ ਹੋਏ ਇਤਰਾਜਾਂ ਤੇ ਕੋਈ ਵਿਚਾਰ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ ਅਤੇ ਉਕਤ ਮੁਖਤਿਆਰੇ ਆਮ ਦੇ ਆਧਾਰ ਤੇ ਇੰਡਸਟ੍ਰੀਅਲ ਪਲਾਟ ਐਲ.ਓ.ਆਈ. ਨੰ: 742 (ਰੈਫਰੈਂਸ ਨੰ: ਐਲ.ਪੀ./24-25/715), ਮਿਤੀ 19.08.2024, ਸਾਈਜ਼ 550 ਵਰਗ ਗਜ, ਸੈਕਟਰ 101-ਇੰਡਸਟ੍ਰੀਅਲ ਪਾਰਕ, ਐਸ.ਏ.ਐਸ. ਨਗਰ ਦੀ ਐਲ.ਓ.ਆਈ. ਨੂੰ ਵੇਚਣ ਦੀ ਪ੍ਰਵਾਨਗੀ ਬਿਨੈਕਾਰ ਦੇ ਨਾਂ ਤੇ ਜਾਰੀ ਕਰ ਦਿੱਤੀ ਜਾਵੇਗੀ।

ਮਿਲਖ ਅਫਸਰ (ਪ)
ਗਮਾਡਾ, ਐਸ.ਏ.ਐਸ ਨਗਰ।

AP-2220

अर्थ प्रकाश क्लासीफाइड CLASSIFIED ADS आज ही बुक करें PH. : 0172-2638515, 98883-03520 Email : arthparkashadvt29@gmail.com

सार्वजनिक सूचना

मैं, Sarwan Kumar पुत्र विराम सिंह निवासी मकान नं 108/9, गली नं 6, ऋषि नगर, कैथल (हरियाणा) अपना नाम Sarwan Kumar से बदलकर Sarvan Kumar रखता हूं। संबंधित कृपया नोट करें।
एपी-2193

मैं, कुलदीप सिंह पुत्र श्री धर्मपाल सिंह निवासी 194 बिजलपुर जिला अम्बाला 133206 ने अपना नाम कुलदीप सिंह से बदलकर कुलदीप कुमार रख लिया है भविष्य में मुझे कुलदीप कुमार के नाम से जाना जाए।
एपी-2194

मैं, योगेश पुत्र विजय कुमार निवासी गांव सुर्खपुर टप्पा हवेली, तहसील एवं जिला झज्जर घोषणा करता हूं कि मेरी 10वीं की मार्कशीट नामांकन संख्या 20-1-JH-565-0041, रोल नंबर 1021287650, क्रमांक AW-366399 में मेरे पिता का नाम विजय लिखा है। लेकिन मेरे पिता का सही नाम विजय कुमार है।
एपी-2195

मैं, सुदेश कुमार पुत्र स्वर्गीय परषोतम लाल निवासी #2201, सैक्टर-15, पंचकूला (हरियाणा) घोषणा करता हूं कि मैंने अपने पुत्र नीरज पाठक को अपनी चल-अचल सम्पति से बेदखल किया था। लेकिन अब यह मेरे कहने-सुनने में है। इसलिए अब मैं इसकी बेदखली रद्द करता हूं। अब से इसका मेरी चल-अचल सम्पति पर हक है।

मैं, रानी ग्रोवर पत्नी गुलशन कुमार निवासी #0-28, रेलवे रोड, वार्ड नं.10, नीलोखेड़ी, जिला-करनाल ने अपना नाम शकुन्तला रानी से बदलकर रानी ग्रोवर रख लिया है।
एपी-2196

I JANEB BIBI D/O SADAK ALI R/o Village Raipur Jakhauli (168),Tehsil Baddi Distt Solan (H.P) declares that in my aadhar card no 8530 2586 3238 my name wrongly entered as JANAV but my correct name is JANEB BIBI . Concerned Note .

I SURNALATA R/o Kanur,Malinacha,Kendrapara,Odisha -754224 and currently residing at #186 Basanti Bagh ,PO Karuana,Baddi,Distt Solan (H.P) Distt Solan PIN 173205 for last 15 years , declares that in my minor daughter,s aadhar card no 8001 4745 7328 her name wrongly entered as PRATEEKSHYA PATRA but her correct name is PRATIKSHA PATRA . Concerned Note .
एपी-2203

मैं, विपिन कुमार पुत्र अमी चंद निवासी # 1625 - सी, जनता कॉलोनी, आदर्श नगर, नयागांव जिला एसएएस नगर मोहाली ने अपने बेटी का नाम वैष्णावी बाल्मीकि से बदलकर वैष्णावी रख लिया है।
एपी-2204

मैं, मोहित कक्कड़ पुत्र चिमन लाल हाउस नंबर 66ए, वार्ड नंबर 9 डोगरा गेट कैथल, जिला कैथल (हरियाणा), अपने नाबालिग पुत्र Pryaansh Kakkar का नाम बदल कर Paryaansh Kakkar रखता हूँ । कृपया भविष्य में उसे Paryaansh Kakkar के नाम से जाना जाये । सभी सम्बन्धित कृपया नोट करें ।

मैं, मोहित कक्कड़ पुत्र चिमन लाल हाउस नंबर 66ए, वार्ड नंबर 9 डोगरा गेट कैथल, जिला कैथल (हरियाणा), अपनी नाबालिग पुत्री Khiyanna का नाम बदल कर Khyanna रखता हूँ । कृपया भविष्य में उसे Khyanna नाम से जाना जाये। सम्बंधित कृपया नोट करें।
एपी-2193

मैं, नंबर 3166876W रैंक पूर्व। हवलदार नाम सेवा सिंह वर्तमान में निवासी डूमरखा खुर्द रहता हूं मेरे बेटे का नाम जे एस कुमार शयोकंद से बदलकर जे एस शयोकंद कर दिया है।
एपी-2205

मैं, Rita Bhattacharya पत्नी Aroop Bhattacharya निवासी मकान न. 6, सैनी विहार फेस 1, बलटाना जीरकपुर एस. ए.एस. नगर पंजाब ने अपना नाम Rita Bhattacharya से बदलकर Rita Rattan रख लिया है

मैं, सुरेश चंद गोयल पुत्र सूरज भान निवासी # 342 महावीर कॉलोनी कैथल जींद रोड पटेल नगर हरियाणा अपना नाम बदलकर सुरेश चंद रख लिया है ।

मैं, SHALINI P, कानूनी तौर पर पत्नी आर्मी नंबर 17002267M रैंक नायक- नाम- RANJITHKUMAR M, वर्तमान निवासी- क्वार्टर नंबर 3064 सेक्टर-ई चंडीमंदिर कैंट, पंचकूला, यहकि मेरे पति के सेना सर्विस रिकॉर्ड में मेरा नाम गलती से SHALINI P की जगह R SHALINI लिखा हुआ है, अब मैंने अपना नाम R SHALINI से बदलकर SHALINI P रख लिया है।

मैं, सीमा गर्ग, पत्नी संजय गर्ग, निवासी मकान संख्या 2633, सेक्टर 15, पंचकूला, हरियाणा - 134113, ने अपना नाम बदलकर अब सीमा बंसल कर लिया है। अब मुझे सभी कानूनी और सरकारी कार्यों में सीमा बंसल के नाम से जाना जाएगा। आधार संख्या- 7749 XXXX 2846, जन्म तिथि- 27/05/19731 यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो वह संबंधित प्राधिकरण को सूचित कर सकता है।

मैं, रजनी पत्नी श्री अनिल कुमार, निवासी 2881-A, हुडा कॉलोनी, सेक्टर 15, पंचकूला, ने अपना नाम रजनी से बदलकर रजनी बजाज कर लिया है।

मैं, गुरविंदर सिंह पुत्र बलवंत सिंह निवासी मकान नंबर 1052 सैक्टर 19B चंडीगढ़ ने अपनी नाबालिग बेटी का नाम गुरलीन से गुरलीन कौर रख लिया है।
एपी-2208

मैं, संदीप कुमार सचदेव पुत्र श्री मुनीश कुमार निवासी हाउस नंबर 803, सेक्टर-10, पंचकूला (हरियाणा) घोषणा करता हूं कि मैंने अपना नाम संदीप कुमार सचदेव से बदलकर संदीप सचदेव कर लिया है।

मैं, श्रीमती वसंता कुमारी पत्नी राजेंद्रन, निवास स्थान- 16/86बी चेक्कलविलै, पोस्ट- तिरुवट्टार, तहसील- तिरुवट्टार, जिला- कन्याकुमारी, राज्य- तमिलनाडु, 629177, मेरा पुत्र भारतीय सेना में सेवारत है, उसकी सेवा संख्या- 15719540एम रैंक- नायक अजित कुमार आर है, मेरे पुत्र के सैन्य रिकॉर्ड में मेरा नाम गलती से के. वसंता कुमारी दर्ज है जबकि मेरा वास्तविक और सही नाम वसंता कुमारी राजेंद्रन है और मेरी जन्मतिथि भी गलती से 22-05-1969 दर्ज है लेकिन मेरी सही जन्मतिथि 04-07-1969 है।

मैं, श्री राजेंद्रन केसवन के पुत्र केशवन, डी/नंबर- 16/86बी चेक्कलविलै, पोस्ट- तिरुवट्टार, तालुक- तिरुवट्टार, जिला- कन्याकुमारी, राज्य- तमिलनाडु, 629177 मेरा बेटा भारतीय सैन्य में सेवारत है, उसकी सैन्य संख्या- 15719540एम रैंक- नायक अजित कुमार आर, है मेरे बेटे के सैन्य रिकॉर्ड में मेरा नाम गलती से राजेंद्रन.के के रूप में दर्ज है जबकि मेरा वास्तविक और सही नाम राजेंद्रन केसवन है और मेरी जन्मतिथि भी गलती से 08-09-1962 दर्ज है मेरी सही जन्मतिथि 16-10-1962 जो कि मेरे आधार में सही ढंग से दर्ज है।

मैं, गुरिया पांडे सैन्य संख्या- 15680164L रैंक- हवलदार नाम-एस के चौबे की कानूनी रूप से विवाहिता पत्नी हूँ जो वर्तमान में यूनिट- वेस्टर्न कमांड सिग्नल रेजिमेंट चंडीमंदिर, पंचकूला हरियाणा में तैनात है स्थायी पता- क्वार्टर नं 100, पुलिस कॉलोनी हमिडिया रोड, हमीदिया रोड, भोपाल, भोपाल जी.पी., मध्य प्रदेश, 462001 घोषणा करती हूँ कि मैंने अपना नाम गुरिया पांडे से बदलकर गुरिया चौबे रख लिया है। शपथ पत्र संख्या- 48AA901870, दिनांक- 24/06/2025
एपी-2209

मैं, सुनीता गुप्ता पत्नी राजेश गुप्ता वासी मकान नं 181, Opp. जाट धर्मशाला, सैक्टर-12 पार्ट 2, अर्बन एस्टेट करनाल, हरियाणा-132001, ने अपना नाम बदलकर सुनीता रानी गुप्ता से सुनीता गुप्ता रखा है।

मैं, राहुल सिंह पुत्र बहादुर सिंह वासी मकान नं. 12, संधू कॉलोनी, निर्मल विहार करनाल, हरियाणा- 132001 ने अपनी नाबलिग पुत्री का नाम बदलकर अंक्षाशा से अंक्षाशा सिंह रखा है।

मैं, सुनील पुत्र बिशन दास वासी मकान नं. 2003/15, सैक्टर 32-सी, चंडीगढ़ ने अपना नाम बदलकर सुनील कुमार रखा है।

मैं, कविता चौधरी पुत्री राम भरोसे और पत्नी कमल कांत वासी मकान नं 270/1, सैक्टर 45-ए, चंडीगढ़ ने अपना नाम बदलकर कविता रखा है।
एपी-2210

मैं, Bhubneshwar Kumar पुत्र Bigan Rai निवासी मकान नंबर 983, सरकारी ट्यूबवेल के पास फैदां निज़ामपुर चंडीगढ़ ने अपना नाम Bhubneshwar Kumar से बदलकर Bhuneshwar Ray रख लिया है।

मैं, किरणदीप कौर पत्नी श्री सुरिंदर सिंह निवासी मकान नंबर एचई-136, फेज-V, जिला एसएएस नगर (मोहाली), पंजाब 160059 भारत ने अपना नाम किरणदीप कौर से बदलकर हरमीत कौर रख लिया है।

मैं, सुरेंदर सिंह पुत्र वरयाम सिंह निवासी मकान नंबर एचई-136, फेज-V, जिला एसएएस नगर (मोहाली), पंजाब 160059 भारत ने अपना नाम सुरेंदर सिंह से बदलकर सुरिंदर सिंह रख लिया है।
एपी-2250

I , Gurpreet Singh s/o Pushpinder Singh, R/o # 2056/1, Sector 47-C Chandigarh have changed my name to Gurpreet Singh Dhillon.

मैं, वासुदेव साहू पुत्र फागू साहू, बी-402 चौथी मंजिल, दिव्या माउंट अपार्टमेंट, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, ने अपना नाम बदलकर बासुदेव साहू रख लिया है।
एपी-2213

मैं, गुरसेवक सिंह पुत्र गमदूर सिंह, निवासी गाँव थेह मुकेरिया, तहसील गुहला, जिला कैथल, हरियाणा, ने अपनी नाबालिग पुत्री का नाम मेहनूर कौर से बदलकर महनूर कौर कर दिया है।
एपी-2208

सूचना ,सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि गांव हरिगढ़ भौरख में सफाई कर्मचारी द्वारा अपने पद से त्यागपत्र दे दिया है जिससे गांव में सफाई कर्मचारी का पद रिक्त है इस पद पर नियुक्ति हेतु आवेदन आमंत्रित किए जाने है फार्म लेने की प्रक्रिया निम्न प्रकार से है, दिनांक 30-6-2025 से 2-7-2025 तक आवेदन सरपंच/खंड कार्यालय में जमा करवाए जाएंगे, दिनांक 4-8-25 को साक्षात्कार हेतु 10:00 बजे खंड कार्यालय में हाजिर होना है। सरपंच, श्री कमल कालजा ग्राम पंचायत हरिगढ़ भोरख खंड, पिहोवा

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत चनालहेड़ी के डेरा गुरदयालपुर में ट्यूबवैल पर जलकर्मी की नियुक्ति हेतु खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी पिहोवा के कार्यालय में दिनांक 26-06-2025 से 04-07-2025 तक कार्य दिवस वाले दिन आवेदन पत्र जमा करवा सकते है।
एपी-2215

हम, रघबीर सिंह पुत्र ओम प्रकाश, सीमा देवी पत्नी रघबीर सिंह, निवासी गांव हिरण छप्पर, डाकखाना हड़तान, तहसील रादौर, जिला यमुनानगर अपने पुत्र विरेन्द्र को हमारे कहने-सुनने से बाहर होने पर अपनी चल-अचल संपत्ति से बेदखल करते है। भविष्य में इससे लेन-देन करने वाला व्यक्ति स्वयं जिम्मेवार होगा, हमारा व हमारे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।
एपी-2216

बेदखली सूचना

मैं, मक्खन सिंह पुत्र देव निवासी गांव इस्लामनगर, पो. सीआरपीएफ, पिंजौर (पंचकूला) ने अपनी पुत्री जसविन्द कौर को अपनी तमाम चल-अचल सम्पति, रुपया, पैसा से बेदखल कर दिया है, क्योंकि वह मेरे कहने से बाहर है। भविष्य में जसविन्द्र कौर के साथ किसी प्रकार का लेन-देन करने वाला व्यक्ति स्वयं जिम्मेवार होगा।
एपी-2197

मैं, राजकुमार पुत्र श्री मामन राम निवासी गांव कुटेल तहसील घरौंडा जिला करनाल अपना हल्फ से निम्नलिखित ब्यान करता हूं कि मेरा पुत्र भारत मेरे कहने सुनने से बाहर है और अपनी मनमर्जी करता है मैं अपने पुत्र भारत को अपनी जायदाद चल व अचल सम्पति से बेदखल करता हूँ अब मेरे पुत्र भारत से किसी प्रकार का लेन देन करने वाला या किसी भी प्रकार के कानूनी या गैर कानूनी मामले में उसकी जवाब देही उनकी स्वय की होगी मेरी या मेरे कोई वारिस उसके लिए उत्तरदायी नहीं होगी।
एपी-2198

मैं, सुनील पुत्र श्री किरणपाल निवासी मकान नं. 3151 सेक्टर 25 चंडीगढ़ बयान करता हु कि मेरी लड़की भूमिका (महक) मेरे कहने से बाहर हैं इस लिए मैं उसको अपनी चल अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं उससे लेन देन करने वाला खुद जिम्मेवार होगा।
एपी-2200

मैं, सतिन्दर सिंह पुत्र बलकार सिंह निवासी # 3703, ब्लॉक D सेक्टर 89 मोहाली SAS नगर मोहाली पंजाब मैं घोषणा करता हू कि मैं अपने बेटे जसकर्ण सिंह को अपनी चल और अचल संपत्ति से बेदखल करता हू क्योंकि वह मेरे नियंत्रण से बाहर है अगर कोई भी उसके साथ लेनदेन करता है तो वह खुद जिम्मेदार होगा।
एपी-2202

मैं, मुखतिआर सिंह पुत्र श्री लाभ सिंह वासी झोक डिपूलाना तहसील फाजिल्का घोषणा करता हूँ कि मेरा लड़का राकेश , और मेरी बहू किरन कौर मेरे कहने सुनने से बाहर है। इसीलिए मैं अपने बेटे और बहू को अपनी चल अचल सम्पति से बेदखल करता हूँ जो कोई भी इनसे लेन - देन करेगा खुद जिम्मेवार होगा।
एपी-2207

मैं, चन्दर भान शर्मा पुत्र श्री जिले सिंह शर्मा पता - संजय कॉलोनी फरीदाबाद, हाल पता गांव आट्टा , तहसील समालखा , जिला पानीपत ब्यान करता हूं कि मेरा सगा लड़का राजेश शर्मा व उसकी पत्नी विनिता ये दोनों मेरे व मेरे परिवार के कहने सुनने से बाहर है। इसलिए मै इन दोनों को अपनी चल अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं। भविष्य में इनके साथ लेन देन व अन्य व्यवहार करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरी कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।
एपी-2211

मैं, रेखा पत्नी लेख राज निवासी # 73, गाँव सुकेत्री, तहसील व जिला पंचकूला, मेरा बेटा मलकीत मेरे नियंत्रण से बाहर हैं। मैं उसे अपनी सभी चल/अचल संपत्ति से बेदख़ल करती हूँ । उससे लेनदेन करने वाला खुद ज़िम्मेवार होगा।
एपी-2212

मैं, सरोज (आ0 नं0 9308 0621 6543) पुत्र श्री सुरेश निवासी मकान नं0 811/31 आश्रम बस्ती भिवानी रोड जींद तहसील व जिला जींद अपने हल्फ से बयान करती हूं कि मेरा पुत्र मंजीत व पुत्रवधू प्रियंका दोनों मेरे कहने सुनने से बाहर है मैं इन दोनों को अपनी चल-अचल संपत्ति से बेदखल करती हूं भविष्य में इन दोनों के साथ कोई भी लेनदेन करता है तो इसका जिम्मेदार वह स्वयं होगा इसमें मेरी वह मेरे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी

मैं, सन्त लाल (आ0 नं0 7525 0043 5546) पुत्र श्री टेक राम निवासी बस्ती तहसील असन्ध जिला करनाल अपने हल्फ से बयान करता हूं कि मेरा लड़का विक्रम मेरे कहने सुनने से बाहर है मैं उसे अपनी चल अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं भविष्य में इसके साथ कोई भी लेनदेन करता है तो इसका जिम्मेवार वह स्वयं होगा। इसमें मेरे व मेरे परिवार की कोई जिम्मेदार नहीं होगी।
एपी-2196

हम, रवि पुत्र सोमी राम और ममता पत्नी रवि निवासी मकान संख्या 6716, सेक्टर 56 चंडीगढ़, घोषणा करते हैं कि हमारा बेटा आशीष हमारे नियंत्रण से बाहर है, इसलिए मैं उसे अपनी चल-अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं, इससे लेनदेन करने वाले स्वयं जिम्मेवार होंगे।
एपी-2208

मैं, बिमला रानी पत्नी स्वर्गीय राम तीर्थ निवासी भारत कॉलोनी तहसील पिहोवा जिला कुरुक्षेत्र मेरा पुत्र अशोक कुमार पुत्रवधू नेहा वर्मा व पोत्र आरव मेरे कहने-सुनने से बाहर है इसलिए मैं इनको अपनी चल-अचल संपत्ति से बेदखल करती हूं। भविष्य में इनके द्वारा किये गए अनैतिक कार्य व इनसे लेन देन करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा।

मैं, बीरमती पत्नी विधवा छोटा दीन गाँव ठोल सब तहसील इस्माईलाबाद जिला कुरुक्षेत्र मेरा पुत्र अमित खान पुत्रवधू मुस्कान मेरे कहने-सुनने से बाहर है इसलिए मैं इनको अपनी चल-अचल संपत्ति से बेदखल करती हूं। भविष्य में इनके द्वारा किये गए अनैतिक कार्य व इनसे लेन देन करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा।

मैं, राम चन्द पुत्र साधु राम गाँव असमानपुर तहसील पिहोवा जिला कुरुक्षेत्र मेरा पुत्र नीरज मेरे कहने-सुनने से बाहर है इसलिए मैं इसको अपनी चल-अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं। भविष्य में इसके द्वारा किये गए अनैतिक कार्य व इससे लेन देन करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा।
एपी-2215

सम्बन्ध विच्छेद

मैं, संतोष पत्नी जिले सिंह निवासी 835, सेक्टर 47C, चंडीगढ़ किसी काम से सेक्टर 43 जिला न्यायालय गई थी। वहां मैंने अपना सेल डीड नंबर 3057, दिनांक 16-08-2013 खो दिया। डीड के अनुसार संपत्ति का पता मकान नंबर 571, वार्ड नंबर 2, मुंडी खर?, एसएएस नगर, मोहाली है। यह सेल डीड विक्रेता, अलका भाटिया पत्नी नवीन भाटिया के बीच पूनम पत्नी विजय कुमार निवासी 1084, फेज-1, मोहाली में निष्पादित की गई थी। जिसकी पुलिस शिकायत LAR नं0 2025/019900 है। अगर किसी को यह डीड मिली है, तो कृपया संपर्क करें 8699386182, 9815388400
एपी-2196

मैं श्रीमती मीनाक्षी त्यागी पत्नी श्री राकेश कुमार त्यागी निवासी गांव होलम्बी कलां नार्थ वेस्ट दिल्ली-110082 घोषणा करती हूं कि दिनांक 01/05/2025 कसे मैंने गन्नौर से दिल्लली जा रही थी तो मेरे साथ मेरे प्रोपर्टी के दस्तावेज भी मौजूद थे जिनका दस्तावेज नं. 1897 व 2504 है मैटरों स्टेशन के पस गुम हो गए थे। भविष्य में कोई व्यक्ति उनका गलत प्रयोग करता है तो मैं उसकी जिम्ममेवार नहीं रहूंगी।
एपी-2217

अर्थ प्रकाश समाचार पत्र में अपना विज्ञापन लेकर अपने व्यापार को लाभांवित करें

आवश्यक सूचना
अर्थ प्रकाश में क्लासीफाइड विज्ञापन देने के लिए 9988934664 पर संपर्क करें।

आवश्यक सूचना

अर्थ प्रकाश (हाउस ऑफ प्रिंट एंड डिजिटल मीडिया) का इस समाचार पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/ क्लासीफाइड) के तथ्यों संबंधी कोई दायित्व नहीं है। हमारा समाचार पत्र इनको सत्यापित नहीं करता है। किसी भी प्रकार के विज्ञापनों में पाठकों से विनती है कि वह कोई भी प्रतिक्रिया करने से पहले, विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पूर्व तथ्यों की स्वयं पुष्टि कर लें। यह समाचार पत्र उपरोक्त किसी भी विज्ञापन के प्रति उत्तरदायी नहीं होगा।

शराब की दुकानों की नीलामी में किसी भी प्रकार की धमकी या हस्तक्षेप को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा: डॉ. सुमिता मिश्रा

नीलामी में भाग लेने वाले प्रत्येक व्यक्ति को पूर्ण सुरक्षा का आश्वासन दिया

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 24 जून। हरियाणा के गृह विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने आज सभी संभावित बोलीदाताओं से आगामी शराब की दुकानों की नीलामी में बिना किसी डर के भाग लेने का आग्रह किया, तथा उन्हें पूर्ण प्रशासनिक सहायता और सुरक्षा का आश्वासन दिया।

डॉ. मिश्रा ने कहा, ÷सरकार कानून का पालन करने वाले बोलीदाताओं के पीछे मजबूती से खड़ी है। किसी भी व्यक्ति को वैध सरकारी प्रक्रिया में भाग लेने से डरना या हतोत्साहित नहीं होना चाहिए। हम प्रत्येक प्रतिभागी को पूर्ण सुरक्षा सुनिश्चित करेंगे।÷

डॉ. मिश्रा ने यमुनानगर, कुरुक्षेत्र, जींद, हिसार, रोहतक, करनाल और अंबाला जिलों के उपायुक्तों (डीसी), पुलिस अधीक्षकों (एसपी) और जिला आबकारी एवं कराधान आयुक्तों (डीईटीसी) के साथ ÷कानून एवं व्यवस्था÷ की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए ये टिप्पणियां कीं। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि राज्य सरकार आगामी नीलामी में किसी भी प्रकार की धमकी या हस्तक्षेप को बर्दाश्त नहीं करेगी।

डॉ. मिश्रा ने प्रतिभागियों को डराने के लिए स्थानीय बदमाशों और असामाजिक तत्वों के बीच संभावित मिलीभगत का संकेत देने वाली रिपोर्टों को गंभीरता से लेते हुए पुलिस और खुफिया एजेंसियों को ऐसे व्यक्तियों की तुरंत पहचान करने का निर्देश दिया। उन्होंने सुरक्षा बढ़ाने के लिए जिला खुफिया इकाइयों को ÷आदतन-उपद्रवियों÷ की विस्तृत प्रोफ़ाइल तैयार करने और उनकी गतिविधियों पर निरंतर निगरानी रखने का निर्देश दिया। पुलिस को संदिग्ध लोगों या वाहनों के इधर-उधर घूमने या इकट्ठा होने पर नज़र रखने के लिए कहा गया है।

गृह विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव ने संभावित बोलीदाताओं के बीच विश्वास पैदा करने के लिए संबंधित जिलों के डीसी और एसपी को उनसे सीधे संवाद करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि ये बैठकें सुरक्षा-चिंताओं को दूर करने और प्रतिभागियों को सरकार के अटूट समर्थन का भरोसा दिलाने के लिए मंच के रूप में काम करेंगी। उन्होंने जोर देकर कहा, ÷उपायुक्तों और एसपी को बोलीदाताओं के बीच सक्रिय रूप से पहुंचना चाहिए तथा उनकी चिंताओं को सुनना चाहिए और आश्वासन देना चाहिए कि मजबूत कानून-व्यवस्था व्यवस्था मौजूद है।

डॉ मिश्रा ने कहा कि किसी को भी सरकार की शराब के ठेकों की नीलामी प्रक्रिया को पटरी से उतारने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने प्रदेश सरकार की जीरो-टॉलरेंस नीति को दोहराते हुए चेतावनी दी कि स्थानीय प्रशासन या पुलिस की ओर से किसी भी तरह की ढिलाई को गंभीरता से लिया जाएगा। नीलामी प्रक्रिया की सत्यनिष्ठा से कोई समझौता नहीं किया जा सकता। यदि कोई अधिकारी लापरवाही या मिलीभगत करता पाया गया तो उसके विरुद्ध सख्त विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने नीलामी के सुचारू और पारदर्शी संचालन को सुनिश्चित करने के लिए वीडियो निगरानी, संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बलों की तैनाती और आबकारी विभाग के अधिकारियों के साथ घनिष्ठ समन्वय के महत्व पर भी जोर दिया।

बैठक में आबकारी एवं कराधान विभाग की आयुक्त एवं सचिव श्रीमती आशिमा बराड़, आबकारी एवं कराधान आयुक्त श्री विनय प्रताप सिंह, एडीजीपी/कानून एवं व्यवस्था श्री संजय कुमार के अलावा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

बारिश झमाझम, गलियां, सड़कें लबालब

बरसात से थानेसर वासियों का जीना हुआ दुश्वार

अर्थ प्रकाश/दलबीर मलिक

थानेसर, 24 जून। अभी सावन शुरू भी नहीं हुआ है और सावन से पहले की बरसात ने ही थानेसर शहर की गलियों और सड़कों को तर- बतर करना शुरू कर दिया है। मंगलवार की सुबह-सुबह हुई झमाझम बारिश ने नगर की गलियों और सड़कों पर ऐसा पानी इकट्ठा किया कि नगरवासियों के लिए समस्या का कारण बन गया। नगर के विभिन्न क्षेत्रों के अलावा झांसा रोड थानेसर स्थित प्रसिद्ध शक्तिपीठ भद्रकाली मंदिर से सरस्वती पुल की तरफ जाते हुए गुरुद्वारा नवमी पातशाही के सामने और राजपूत कॉलोनी, सरस्वती कॉलोनी,कुबेर कॉलोनी के समीप इतना पानी इकट्ठा हो जाता है जो इस क्षेत्र के सभी दुकानदार और कॉलोनीवासियों की पीड़ा का मुख्य कारण बन जाता है। वार्ड एक के राजपूत कॉलोनी निवासी मोहनलाल, ताराचंद, अशोक चंद और हैप्पी ने बताया कि जब से यहां नई सड़क का निर्माण हुआ है तब से ही थोड़ी- सी बारिश होते ही यहां पानी इकट्ठा हो जाता है अगर मूसलाधार बारिश हो जाए तो फिर तो सड़क पर डिवाइडर भी दिखना बंद हो जाता है,जो इस सड़क पर आने-जाने वाले वाहन चालकों के लिए भी दुर्घटना का भय पैदा करता है । उन्होंने बताया कि इससे पहले जब यह सड़क ऊंची थी तब पानी इकट्ठा होने की यह समस्या नहीं थी लेकिन सड़क को नीचा करके बनाने के कारण बारिश का पानी अपने आप नाले में ना जाकर सड़क पर ही इकट्ठा रहता है जिस कारण यहां के दुकानदारों और कॉलोनीवासियों को भारी समस्या का सामना करना पड़ता है । इसके कारण सड़क के दोनों और के दुकानदारों की बिक्री प्रभावित होती है जिससे उनको मानसिक के साथ-साथ आर्थिक हानि भी सहन करनी पड़ती है ।

पानी इकट्ठा होने की इस समस्या के समाधान के लिए वार्ड नंबर 1 के पार्षद गौरव भट्ट से बात की गई तो उन्होंने कहा कि इस समस्या के समाधान के लिए वह संबंधित अधिकारियों से बात करेंगे और जल्दी से जल्दी पानी की निकासी का स्थाई समाधान करवाने का प्रयास करेंगे । इसके अतिरिक्त इस सड़क पर बने गड्ढों को भी ठीक करवाने का प्रयास करेंगे। अब देखना यह है कि इन समस्याओं का समाधान कब तक होता है और दुकानदारों और कॉलोनीवासियों को कब राहत मिलती।

न्यूज ब्रीफ

'आप' की जीत पर कुरुक्षेत्र में कार्यकर्ताओं ने बांटे लड्डू

कुरुक्षेत्र (अप्रस/अरविंद मोहन शर्मा)। गुजरात और पंजाब में हुए हालिया विधानसभा उपचुनावों में आम आदमी पार्टी की शानदार जीत पर कुरुक्षेत्र में कार्यकर्ताओं ने ज़ोरदार जश्न मनाया। शहरवासियों को लड्डू बांटकर इस जीत की खुशी जाहिर की गई। प्रदेश सचिव श्री कृष्ण बजाज ने इस मौके पर कहा, यह केवल एक चुनाव नहीं था – यह देश भर के लोगों के लिए एक संदेश था। जब विरोधी कहते थे कि आम आदमी पार्टी अब खत्म हो गई है, तब जनता ने बता दिया कि जो काम करेगा, वही टिकेगा। गुजरात जैसे भाजपा के मजबूत गढ़ में जीत दर्ज करना मामूली बात नहीं, बल्कि आम जनता की उम्मीदों की जीत है – जो झूठे वादों से नहीं, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली–पानी और सच्ची सेवा से जुड़ी है। कृष्ण बजाज ने यह भी कहा कि, गुजरात अब सिर्फ 'विकास की राजनीति' चाहता है और आम आदमी पार्टी ने उस उम्मीद को एक नई ऊर्जा दी है। इस खुशी के मौके पर जिला अध्यक्ष विशाल खूबड्ड, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय अध्यक्ष भारत बराड़, लोकसभा अध्यक्ष सुमित हिंदुस्तानी , एडवोकेट जवाहर गोयल, मनदीप सिंह, लेबर विंग जिला अध्यक्ष गोपाल मेहरा, वेदप्रकाश सैनी, सतीश (ह्ढ्ढञ्ज), सुखवीर सलालपुर, ष्ठक्कबराड़, जितेंद्र, विपिन धीमन और नबी मौजूद रहे।

नौकरी के अवसर उपलब्ध कराएगा एचएएससी: संदीप गोयल

बराड़ा (अप्रस/जयबीर राणा थंबड)। हरियाणा सरकार के उपक्रम हरियाणा स्टेट इलेक्ट्रॉनिक डेवलपमेंट कॉरपोरेशन ने अपना नवीन हार्टरोन एडवांस स्किल आरंभ किया है, जो तकनीकी शिक्षा प्रदान तो करेगा ही, बल्कि छात्रों को सरकारी विभागों और स्टार्टअप्स के साथ नौकरी के अवसर भी उपलब्ध कराएगा। एच.ए.एस.सी. के संचालक संदीप गोयल ने यह जानकारी देते हुए बताया कि यह केंद्र हार्टरोन एडवांस स्किल का हिस्सा है, जो राज्य भर में तकनीकी शिक्षा और नौकरियों के लिए युवाओं को तैयार करने की दिशा में हार्टरोन द्वारा संचालित की जा रही पहलों का एक महत्वपूर्ण विस्तार है। उन्होंने बताया कि राज्य में कुल 82 ऐसे केंद्र खोले जा चुके हैं, जिनमे बराड़ा, नारायणगढ़, कैथल आदि प्रमुख स्थान शामिल हैं। विस्तृत जानकारी देते हुए राज चोपड़ा ने बताया कि एचएएससी का उद्देश्य युवाओं को सायबर सिक्योरिटी, क्लाउड कंप्यूटिंग, डेटा एनालिटिक्स, डिजिटल मार्केटिंग जैसी अत्याधुनिक तकनीकी स्किल में प्रशिक्षित करना है ताकि उन्हें सरकारी या निजी क्षेत्र में रोजगार मिल सके। यह केंद्र न केवल तकनीकी शिक्षा प्रदान करेगा, बल्कि छात्रों को सरकारी विभागों और स्टार्टअप्स के साथ नौकरी के अवसरों में जोड़ने का भी माध्यम बनेगा। उन्होंने बताया कि उन्नत तकनीकी शिक्षा हार्टरोन का आधुनिक कोर्स स्ट्रक्चर उद्योग की मांगों के अनुसार तैयार किया गया है, जिसे राज्यव्यापी विस्तार देने के लिए बराड़ा केन्द्र इसके व्यापक नेटवर्क का हिस्सा बना है, जिसमें पहले से ही 82 केन्द्र मौजूद हैं।

धरने पर बैठे छात्रों से मिले जिला परिषद के चेयरमैन

ढांड (अप्रस/कृष्ण प्रजापति)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, कौल की शाखा में लंबे समय से जारी छात्रों के धरना-प्रदर्शन को लेकर आज जिला परिषद कैथल के चेयरमैन कर्मवीर कौल ने विद्यार्थियों से मुलाकात की। उन्होंने धरनास्थल पर पहुंचकर विद्यार्थियों को भरोसा दिलाया कि उनकी प्रमुख मांगों को सरकार ने स्वीकार कर लिया है। कौल ने छात्रों को समझाते हुए कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन और राज्य सरकार विद्यार्थियों के हितों के प्रति संवेदनशील है। उन्होंने कहा कि आप सभी के द्वारा उठाई गई मांगों पर सकारात्मक निर्णय लिया जा चुका है। अब जबकि आपके एग्जाम भी चल रहे हैं, ऐसे समय में आपकी प्राथमिकता पढ़ाई होनी चाहिए। कृपया किसी के बहकावे में न आएं। चेयरमैन कर्मवीर कौल के इस संवाद से कई छात्रों ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी और कहा कि वे जल्द ही परीक्षा पर ध्यान केंद्रित करेंगे। उल्लेखनीय है कि छात्र बीते कुछ समय से विश्वविद्यालय में शिक्षा व्यवस्था और अन्य मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन कर रहे थे। हालांकि सरकार और प्रशासन के लगातार संवाद और सहयोगात्मक रवैये से अब स्थिति सामान्य होने की उम्मीद है। चेयरमैन कौल की इस पहल को स्थानीय लोगों और अभिभावकों ने भी सराहा है और कहा है कि युवाओं को पढ़ाई की ओर प्रेरित करने का यह प्रयास सराहनीय है।

पालकी पर सवार होकर आएंगी आषाढ़ गुप्त नवरात्रि में माता रानी

सनातन धर्म में नवरात्रि का विशेष महत्व होता है। नवरात्रि के दिनों में देवी मां के नव स्वरूपों की पूजा आराधना की जाती है। साल में चार बार नवरात्रि का पर्व मनाया जाता है जिसमें एक चैत्र नवरात्रि दूसरा शारदीय नवरात्रि और दो गुप्त नवरात्रि। तंत्र मंत्र की साधना में लीन रहने वाले लोगों के लिए गुप्त नवरात्रि बहुत महत्वपूर्ण मानी जाती है। इस बार हिंदू पंचांग के मुताबिक आषाढ़ माह की गुप्त नवरात्रि का शुभारंभ इस वर्ष आषाढ़ गुप्त नवरात्रि इस साल 26 जून से आषाढ़ गुप्त नवरात्रि की शुरुआत हो रही है और 4 जुलाई को समापन होगा। जब भी नवरात्रि गुरुवार से प्रारंभ होती है तो मां पालकी (डोली) में सवार होकर आती हैं। इससे गुप्त नवरात्रि के दौरान तेज बारिश के योग बनेंगे। माता रानी के भक्त गुप्त नवरात्रि के दौरान मां दुर्गा के विभिन्न स्वरूपों की पूजा-अर्चना करते हैं। इस दिन श्रद्धालु निराहार या फलादार रहकर मां दुर्गा की अराधना करते हैं। प्रतिपदा तिथि में घर व मंदिर में कलश स्थापना की जाएगी।

नवरात्रि का पावन त्योहार आदिशक्ति मां दुर्गा को समर्पित माना गया है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, साल भर में कुल चार नवरात्रि आते हैं। जिसमें से दो चैत्र व शारदीय और दो गुप्त नवरात्रि होती हैं। आषाढ़ मास में पड़ने वाले नवरात्रि को

आषाढ़ गुप्त नवरात्रि कहा जाता है। गुप्त नवरात्रि में 10 महाविद्याओं मां काली, तारा देवी, त्रिपुर सुंदरी, भुवनेश्वरी, माता छिन्नमस्ता, त्रिपुर भैरवी, मां धुम्रावती, मां बंगलामुखी, मातंगी और कमला देवी की पूजा की जाती है।

पालकी पर सवार होकर आएंगी माता दुर्गा: नवरात्रि में माता दुर्गा के वाहन का विशेष महत्व होता है। जब भी नवरात्रि गुरुवार से प्रारंभ होती है तो मां पालकी (डोली) में सवार होकर आती हैं। इससे गुप्त नवरात्रि के दौरान तेज बारिश के योग बनेंगे। मां दुर्गा का पालकी पर आना अशुभ माना गया है। शास्त्रों के अनुसार पालकी या डोली की सवारी इस बात का संकेत है कि आने वाले समय में लोगों को महामारी, अर्थव्यवस्था में गिरावट और मंदी का सामना करना पड़ सकता है। इसके अलावा यह हिंसा, प्राकृतिक आपदाओं का भी संकेत देती है। बारिश और बाढ़ आने का संकेत है।

गुप्त नवरात्रि: 26 जून 2025, गुरुवार- नवरात्रि प्रतिपदा, मां शैलपुत्री पूजा, घटस्थापना, 27 जून 2025, शुक्रवार- नवरात्रि द्वितीया, मां ब्रह्मचारिणी पूजा, 28 जून 2025, शनिवार- नवरात्रि तृतीया, मां चंद्रघंटा पूजा, 29 जून 2025, रविवार- नवरात्रि चतुर्थी, मां कुष्मांडा पूजा, 30 जून 2025, सोमवार- नवरात्रि पंचमी, मां स्कंदमाता पूजा, 1 जुलाई 2025, मंगलवार- नवरात्रि षष्ठी, मां कात्यायनी पूजा, 2 जुलाई 2025, बुधवार- नवरात्रि सप्तमी, मां कालरात्रि पूजा, 3 जुलाई 2025, गुरुवार- नवरात्रि अष्टमी, मां महागौरी, 4 जुलाई 2025, शुक्रवार- नवरात्रि नवमी, मां सिद्धिदात्री, नवरात्रि पारणा

आषाढ़ गुप्त नवरात्रि तिथि: वैदिक पंचांग के अनुसार गुरुवार 25 जून को शाम 04 बजे से आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि शुरू होगी। सनातन धर्म में उदया तिथि मान है। इसके लिए 26 जून से गुप्त नवरात्र की शुरुआत होगी। वहीं, आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि का समापन 26 जून को दोपहर 01:24 मिनट पर होगा।

आषाढ़ शुक्ल प्रतिपदा तिथि प्रारंभ: बुधवार, 25 जून 2025 को शाम 04:00 बजे

प्रतिपदा तिथि समापन: गुरुवार 26 जून 2025 को दोपहर 01:24 बजे

उदया तिथि में आषाढ़ गुप्त नवरात्रि: गुरुवार, 26 जून 2025

आषाढ़ नवरात्रि घट स्थापना: प्रतिपदा तिथि में घट स्थापना यानी मां के आवाहन से ही नवरात्रि का अनुष्ठान शुरू होता है। इस साल घट स्थापना का शुभ मुहूर्त द्वि स्वभाव वाले मिथुन लग्न के दौरान है।

मिथुन लग्न प्रारंभ: 26 जून 2025 को सुबह 04:33 बजे

मिथुन लग्न समापन: 26 जून 2025 को सुबह 06:05 बजे तक

कलश स्थापना मुहूर्त: सुबह 4.33 बजे से 6.05 बजे तक (कुल 1 घंटा 32 मिनट की अवधि)

घटस्थापना अभिजित मुहूर्त: सुबह 10:58 बजे से 11:53 बजे तक

अवधि: 00 घण्टे 55 मिनट

शुभ योग: गुप्त नवरात्र के पहले दिन यानी घटस्थापना तिथि पर ध्रुव योग का संयोग बन रहा है। इसके साथ ही सर्वार्थ सिद्धि योग का भी संयोग है। इन योग में मां दुर्गा की पूजा करने से साधक की हर मनोकामना पूरी होगी। साथ ही जीवन में सुखों का आगमन होगा।

ध्रुव योग: रात 11:40 बजे तक

सर्वार्थ सिद्धि योग: सुबह 08:46 बजे से 27 जून को सुबह 05:35 बजे तक।

पूजा विधि

सुबह जल्दी उठकर सभी कार्यो से निवृत्त होकर नवरात्र की सभी पूजन सामग्री को एकत्रित करें। मां दुर्गा की प्रतिमा को लाल रंग के वस्त्र में सजाएं। मिट्टी के बर्तन में जौ के बीज बोएं और नवमी तक प्रति दिन पानी का छिड़काव करें। पूर्ण विधि के अनुसार शुभ मुहूर्त में कलश को स्थापित करें। इसमें पहले कलश को गंगा जल से भरें, उसके मुख पर आम की पत्तियां लगाएं और उस पर नारियल रखें। कलश को लाल कपड़े से लपेटें और कलावा के माध्यम से उसे बांधें। अब इसे मिट्टी के बर्तन के पास रख दें। फूल, कपूर, अगरबत्ती, ज्योत के साथ पूजा करें। नौ दिनों तक मां दुर्गा से संबंधित मंत्र का जाप करें और माता का स्वागत कर उनसे सुख-समृद्धि की कामना करें। अष्टमी या नवमी को दुर्गा पूजा के बाद नौ कन्याओं का पूजन करें और उन्हें तरह-तरह के व्यंजनों (पूड़ी, चना, हलवा) का भोग लगाएं। आखिरी दिन दुर्गा के पूजा के बाद घट विसर्जन करें, मां की आरती गाएं, उन्हें फूल, चावल चढ़ाएं और बेदी से कलश को उठाएं।

पूजा सामग्री

मां दुर्गा की प्रतिमा या चित्र, सिंदूर, केसर, कपूर, जौ, धूप,वस्त्र, दर्पण, कंघी, कंगन-चूड़ी, सुगंधित तेल, बंदनवार आम के पत्तों का, लाल पुष्प, दूर्वा, मेंहदी, बिंदी, सुपारी साबुत, हल्दी की गांठ और पिसी हुई हल्दी, पटरा, आसन, चौकी, रोली, मौली, पुष्पहार, बेलपत्र, कमलगट्टा, जौ, बंदनवार, दीपक, दीपबत्ती, नैवेद्य, मधु, शक्कर, पंचमेवा, जायफल, जावित्री, नारियल, आसन, रेत, मिट्टी, पान, लौंग, इलायची, कलश मिट्टी या पीतल का, हवन सामग्री, पूजन के लिए थाली, श्वेत वस्त्र, दूध, दही, ऋतुफल, सरसों सफेद और पीली, गंगाजल आदि।

नोकरियां यहां देखें

महर्षि देवराहा बाबा स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, देवरिया, उ.प्र. में
विशिष्टतावार आचार्य, सह आचार्य, सहायक आचार्य के
कुल पद : 53
आयु: 1 जनवरी, 2025 को न्यूनतम उम्र 26 से कम व अधिकतम 62 वर्ष से अधिक न हो
अंतिम तिथि: 12-7-2025
करें आवेदन: **www.mdbmc.ac.in** और **www.updgme.com**

भा.कृ.अ.प. केंद्रीय आलु अनुसंधान संस्थान शिमला में
रिसर्च एसोसिएट का पद: 01
अनुबंध आधार
अंतिम तिथि: 14-7-2025
करे आवेदन: सहायक प्रशासनिक अधिकारी (स्था) भा.कृ.अ.प. केंद्रीय आलु अनुसंधान संस्थान शिमला-171001

राजस्थान कर्मचारी चयन आयोग, पटवारी के
कुल पद: 3705
आवेदन की अंतिम तिथि: 29 जून, 2025
आयु सीमा: न्यूनतम आयु 18 वर्ष अधिकतम 40 वर्ष
करें आवेदन: **apeda.rssb.rajasthan.gov.in**

एमपीपीजीसीएल में टेक्निशियन के
कुल पद : 44
आवेदन की अंतिम तिथि: 10 जुलाई 2025
आयु सीमा: न्यूनतम 18 वर्ष व अधिकतम 25 वर्ष
करें आवेदन : **mppgct.mp.gov.in**

जेआईपीएमईआई में सीनियर रेजिडेंट के
कुल पद: 100
अंतिम तिथि: 15 जुलाई 2025
योग्यताएं: डी.एन.बी,एम.एस, एमडी व अन्य पात्रता
करे आवेदन: **jipmer.edu.in**

डब्ल्यूसीसीबी में असिस्टेंट डायरेक्टर, इंस्पेक्टर व अन्य के
कुल पद: 17
अंतिम तिथि: 30 जून 2025
योग्यताएं: बेचलर डिग्री व अन्य पात्रताएं
करे आवेदन: **wccb.gov.in**

जॉब्स से संबंधित सूचनाएं पाने के लिए arthparkash.com देखें

अच्छा हो इसके लिए सफलता का रास्ता चुनना होगा: मुनिश्री विनय कुमार जी

चंडीगढ़। अगर हम कुछ करना चाहते है तो सब ठीक हो इसके लिए सब कुछ नहीं चला सकते कुछ अच्छा चलाना पड़ेगा तभी अच्छा होगा। -अच्छा हो इसके लिए एक अच्छा रास्ता ,सफलता का रास्ता चुनना होगा सब चलता है इससे बहार आना होगा ,उदासीन सोच को बदलना होगा।-अगर आपकी यह धरना है की सब चलता है तो फिर आपने अपनी बुद्धि से नही सोचा । आपका कोई विचार स्तर नही है । जब अपना कोई विचार ही नही है तो विकास कैसे होगा । -सब चलता है -इस सोच वाले कभी इधर कभी उधर होते रहते है ,हम अपने खिलाफ आवाज भी नही उठा सकते क् यों की आत्मबल होगा ही नही । -अच्छा और बुरा दोनों चलने में हम कही के नही रहते । हमारे वसूल , विचार ,नियम ,सिद्धांत सब ख़तम हो जाते हैं । ये शब्द मनीषी संतश्री मुनि विनयकुमार जी आलोक ने सैक्टर-24 सी अणुव्रत भवन तुलसी सभागार में सभा को संबोधित करते हुए कहे।

मनीषीसंत ने आगे कहा जीवन यात्रा में यात्री को यह मालूम होना

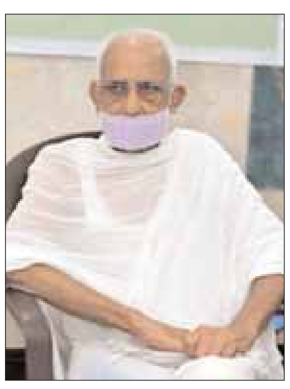

चाहिए की हम कहाँ से चलें हैं, कहाँ जाना है । कठिनाइया आए तो कैसे उनसे पार होना है हमें कितनी क्षमता है ,दक्षता है । समय कभी नही रुकता न किसी के लिए शोक मनाता है यह निरंतर चलता रहता है इसलिए असफल होने पर पुन~ प्रयास करें । विश्स्वास के साथ प्रयास करें संशय हमारे काम को कुशलता से नही होने देता । हर पत्थर की तकदीर बदल सकती है ,सलीके से उसे तराशा जाए । सफलता का सूत्र हम एक बच्चे से लेते है -आइये देखे एक बच्चे से हम कैसे सीख सकते है एक बालक हमेशा प्रसन्न रहता है उसे किसी का न भय होता है न शोक वह एक नियम के तहत जीवन में बढ़ता जाता है ।बछा नही जानता इर्ष्याक् या होती है ,शत्रुताक् या होती है ,वह केवल प्रेम की भाषा जानता है भेद दृष्टि उसमे नही होती बच्चे ग़लत नही बोलते वो हमेशा वही कहते है जो देखते है मुझे याद है हमारा विकास 6 में पढता था एक बार घर के सामने कुछ बच्चो के साथ कल रहा था कुछ देर बाद आकर कहा माँ मैं उसके साथ नही खेलूँगाक् योकि वो चीट कर रहा है ,तो उस समय उसे पता था की जो है उसके कहना ग़लत है । तो बच्चे झूठ तब बोलते है जब वो बराबर इस तरह के हालत में जीते है । उनका कोई बहुत प्यारा खिलौना अगर टूट जाय तो जरा देर में फिर खुश हो जाते है भूल जाते है की उनकी कोई प्रिय वास्तु छूट गई । मनीषीसंत ने अंत मे फरमाया हम और अधिक सीखते जाते हैं, हमारे अनुभव बढ़ते हैं। आपने अनुभव किया होगा जब शुरू में एक छोटी से चोट बहुत तकलीफ दे जाती थी कुछ समय बाद वही चोट मामूली लगने लगती हैक् योंकि तब तक हमारे पास और शक्ति आ जाती है ।

जो महानता महापुरुषों के साथ जुड़ी होती है, वह हमेशा जुड़ी रहती है

जो अपने को नीचा मानता है, वही सबसे उँचा, सबसे महान माना जाता है। उसका नाम सन्तों-महापुरुषों की श्रेणी में आ जाता है, पूजने योग्य हो जाता है। वह अभिमान नहीं करता, क्योंकि अभिमान से सभी को घृणा होती है। संसार का इन्सान अगर किसी हाई पोस्ट (उच्च पद) पर लगा होता है तो वह जहाँ भी चर्चा करता है, 'मैं, मैं' की ही चर्चा करता है कि मेरे में इतनी ताकत है, मैं यह कर सकता हूँ। इसी प्रकार किसी को कोई मान-बढ़ाई मिल जाती है, तो उसे भी 'मैं' खाने लगती है। ऐसे ही किसी को मान होता है अच्छी रचना करने का, गीतकार बनने का लेकिन जब तक इन्सान में 'मैं, मैं' भावना रहती है, तब तक उसकी कद्र नहीं होती, उसका नाम नहीं होता, भल ही वह किसी जाति से ताल्लुक रखने वाला हो या कितनी डिग्रियां हासिल कर रखी हों। गुरुमुखों ने क्योंकि नम्रता को अपनाकर रखा है, इसलिए इनका सहज ही सत्कार होने लगता है, इनके वचनों को संसार पढ़ता है, उनको महानता देता है।

हम पुरातन महापुरुषों के जीवन को देखें तो उनमें हमें कहीं भी अभिमान दिखाई नहीं देता। सभी तरह के गुणों से भरपूर होते हुए भी,

सद्गुरू माता सुदीक्षा जी महाराज

उन्होंने कभी अपने आप को बड़ा नहीं माना, अपने को नम्रता में रा, अपने को दासों का दास बनाया। हम देखते हैं कि एक झरना बहता है, ज्यों-ज्यों वह नीचे की ओर बहता है, त्यों-त्यों वह विशाल सागर की ओर बढ़ता है, विशालता को प्राप्त होता है। इसके विपरीत जो पानी ऊँचाई पर ही टिक जाता है, ठहर जाता है, तो उसमें बदबू आने लगती है, वह बीमारी पैदा करने वाला हो जाता है। इसी प्रकार हम इस दातार के साथ तभी एकाएक हो सकते हैं, जब हम अभिमान को त्याग कर हर प्रकार से नम्रता को अपना लेते हैं। जो इन्सान सन्तों-महापुरुषों की धूलि में अपने आप को न्यौछावर कर देता है, उसका नाम हमेशा ऊँचा बना रहता है।

पंचांग

बुधवार, 25 जून, 2025, सूर्योदय: 05:25 ए एम, सूर्यास्त: 07:23 पी एम, चन्द्रोदय: चन्द्रोदय नहीं, चन्द्रास्त: 07:42 पी एम, शक सम्वत: 1947 विश्वावसु, विक्रम सम्वत: 2082 कालयुक्त, गुजराती सम्वत: 2081 नल, अमान्त महीना: ज्येष्ठ, पूर्णिमान्त महीना: आषाढ़, वार: बुधवार, पक्ष: कृष्ण पक्ष, तिथि: अमावस्या - 04:00 पी एम तक, नक्षत्र: मृगशिरा - 10:40 ए एम तक, योग: गण्ड - 06:00 ए एम तक, क्षय योग: वृद्धि - 02:39 ए एम, जून 26 तक, करण: चतुष्पाद - 05:28 ए एम तक, द्वितीय करण: नाग - 04:00 पी एम तक, क्षय करण: किंस्तुघ्न - 02:39 ए एम, जून 26 तक, सूर्य राशि: मिथुन, चन्द्र राशि: मिथुन, राहुकाल: 12:24 पी एम से 02:09 पी एम, गुलिक काल: 10:39 ए एम से 12:24 पी एम, यमगण्ड: 07:10 ए एम से 08:54 ए एम, अभिजित मुहूर्त: कोई नहीं, दुर्मुहूर्त: 11:56 ए एम से 12:52 पी एम, अमृत काल: 11:34 पी एम से 01:02 ए एम, जून 26, वर्ज्य: 06:24 पी एम से 07:53 पी एम।

भविष्य फल

मेष: बढ़ती महत्वाकांक्षाएं नई सफलता की ओर बढ़ेंगी। आपके व्यक्तित्व में वृद्धि होगी और आप आसानी से लोगों को प्रभावित कर पाएंगे।

वृष: आज घर-परिवार में किसी मांगलिक आयोजन की रूपरेखा बनेगी। आपको व्यवसाय से जुड़े सुनहरे अवसर प्राप्त होंगे।

मिथुन: आज आप कार्य के प्रति पूरी तरह से ईमानदार रहेंगे और आप अपने कामकाज पर ध्यान केंद्रित कर पाएंगे।

कर्क: स्वास्थ्य के संदर्भ में यदि कोई बीमारी पहले से चली आ रही है, तो वह इस सप्ताह बढ़ सकती है। ऐसे में पहले से ही सावधानी बरतें। धन के मामले में दिन सामान्य रहेगा।

सिंह: आज जीवनसाथी की बेहतर सलाह से आपको पैसे कमाने का नया जरिया प्राप्त होगा। उनके साथ बिताये गए कुछ पल आपके रिश्ते को और भी मजबूत बनायेंगे।

कन्या: आज आपकी पारिवरिक स्थिति ठीक रहेगी। वाद-विवाद सुलझ जाएंगे। बिना मांगे ही मदद मिलेगी।

तुला: व्यापारिक संदर्भ में आपको कोई शुभ समाचार मिल सकता है। आपके वरिष्ठ व सहयोगी आपको पूर्ण सहयोग देंगें।

वृश्चिक: आज आप व्यापार में योजनाबद्ध तरीके से काम करेंगे। आपका कुछ अच्छा खाने का मन कर सकता है।

धनु: आज आपके कार्य में उन्नति होगी। इन दिनों आपके लिए कई मौके निकल रहे हैं। जीवन के लिए अनुकूल समय आप को निकलना पड़ेगा।

मकर: आपके सहकर्मी समूह के मध्य आपकी लोकप्रियता में वृद्धि होगी। व्यावसायिक रूप से चीजें सुचारू रहेंगी और अच्छी प्रगति होगी।

कुंभ: आज आपको किसी से कोई उपहार मिल सकता है। इससे आपका मन खुश रहेगा। आज परिवार में हर्षोल्लास का वातावरण रहेगा।

मीन: आप अपना कुछ नया शुरू कर सकते हैं, काफी समय लेने वाला अपना कोई अधूरा काम पूरा कर सकते हैं।

सदस्यता अभियान को लेकर जनता में जबरदस्त उत्साह: अशोक सरोहा

अर्थ प्रकाश/सुरेन्द्र कुमार

गनौर। जननायक जनता पार्टी जिला अध्यक्ष अशोक सरोहा के नेतृत्व में गऩौर हल्का के कुराड़, हसनपुर, लड़सौली, सनफेड़ा गांव के अंदर सदस्यता अभियान चलाया। अभियान में पूर्वपदाधिकारी,बुजुर्गों एवं युवाओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। जिला अध्यक्ष अशोक सरोहा ने पार्टी की नीतियों के बारे में अवगत कराया व हल्का गऩौर अध्यक्ष सियानंद त्यागी ने युवाओं को पार्टी में शामिल होने के लिए अपिल की। अभियान में शामिल रहे जिला प्रेस प्रवक्ता एडवोकेट सुधीर धनखड़ ,पूर्व कर्मचारी प्रकोष्ठ महासचिव जगबीर सरोहा,अनिल सरोहा,राजेश, सुरेन्द्र,योगेश,सुरेश,अनिल, पंडित रामेश्वर, राजेंद्र,नरेंद्र, दीपक, सत्यनारायण, धर्मपाल नरेंद्र, सुंदर, सूरजभान, प्रधान राजेंद्र सिंह,चमन लाल, रोहताश,चौधरी राजेंद्र मौजूद थे।

अधिकारी स्वच्छता अभियान में अधिक से अधिक लोगों को जोड़ें: सुभाष चंद्र

स्थानीय निकाय एवं पंचायत विभाग द्वारा जिला स्तरीय स्वच्छता जागरूकता कार्यशाला आयोजित

अर्थ प्रकाश/आदेश त्यागी

सोनीपत। स्वच्छ भारत मिशन हरियाणा के कार्यकारी वाइस चेयरमैन सुभाष चंद्र की अध्यक्षता में जिला परिषद के मीटिंग हॉल में जिला स्तरीय स्वच्छता जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें जिले के सभी खण्ड विकास अधिकारियों व पंचायत सचिवों ने कार्यशाला में भाग लिया। कार्यशाला में जिला को स्वच्छ रखने बारे विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे स्वच्छता अभियान में अधिक से अधिक लोगों को जोड़ें तथा वार्ड व गांव स्तर पर कमेटियां बनाएं, जिनमें स्कूल, कॉलेज के विद्यार्थियों, एनएसएस, एनजीओ, धार्मिक संतों, भूतपूर्व सैनिकों, खिलाड़ियों, कलाकारों व जनप्रतिनिधियों को शामिल करें। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से भी आह्वान किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में स्वच्छता व स्वच्छ जल की मुहिम शुरू करें।

कार्यशाला में वाइस चेयरमैन ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के एक आह्वान पर सभी देशवासियों ने वर्ष 2014 से देश को स्वच्छ बनाने का बीड़ा उठाया। प्रधानमंत्री ने स्वयं अपने हाथों में झाड़ू लेकर श्रमदान करके देशवासियों को स्वच्छता की इस मुहिम से जुड़ने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री के इस अभियान को हरियाणा प्रदेश में शुरू करते हुए मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने भी श्रमदान करके नागरिकों को

स्वच्छता के प्रति प्रोत्साहित किया है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक जिले में कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा अब तक 08 जिलों में कार्यशाला आयोजित की जा चुकी है।

परिणामस्वरूप हरियाणा प्रदेश ने दो बार देश में स्वच्छता के नंबर-वन पायदान पर अपनी मौजूदगी दर्ज करवाई है। इसके अलावा, हरियाणा प्रदेश खुले में शौचमुक्त प्रदेश भी बना है। उन्होंने कहा कि जहां पर स्वच्छता होती है, वहां पर प्रगति आती है क्योंकि स्वच्छता प्रगति व विकास का प्रतीक है, जबकि गंदगी दरिद्रता, आलस्य व बीमारी लाती है।

उन्होंने कहा कि स्वच्छता तथा स्वास्थ्य का सीधा संबंध होता है। अगर हमारे घर के साथ- साथ हमारा गली-मोहल्ला, गांव-शहर, प्रदेश व देश स्वच्छ रहेगा तो हम सभी नागरिक भी स्वस्थ रहेंगे तथा अपने समाज व देश के विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान देंगे। उन्होंने कहा कि स्वच्छता व्यवहार का विषय है तथा हम सभी को अपने व्यवहार में इसे शामिल करना होगा। यह मुहिम केवल एक पक्ष से नहीं, बल्कि सरकार व जनता दोनों पक्षों के काम करने से सफल होगी। कार्यकारी उपाध्यक्ष ने कहा कि स्वच्छता केवल कहने से नहीं, बल्कि- करने से आएगी। सरकार से हमारी अपेक्षाएं बहुत हैं तथा सरकार हमारी अपेक्षाओं को पूरी भी कर रही है, लेकिन स्वच्छता की अपेक्षा पूरी करने में सभी का सहयोग जरूरी है। उन्होंने कहा कि डीएमसी एवं सीईओ जिला परिषद की अध्यक्षता में कार्यशाला का आयोजन हर महीने होगा। जिसमें सफाई कर्मचारियों की कार्यशाला होगी। जिसमें काम के प्रति प्रोत्साहन स्वास्थ्य जांच की व्यवस्था की जाएगी।

साहित्य व शिक्षा के क्षेत्र में पदम श्री अवार्ड से सम्मानित डॉ. संतराम देशवाल ने कहा कि स्वस्थ भारत मिशन को एक सामाजिक मिशन बनाना पड़ेगा। जिसमें समाज के प्रत्येक वर्ग की भूमिका होगी। क्योंकि जमीनी स्तर पर इस मिशन में समाज का प्रत्येक वर्ग भूमिका का निर्वाह करके इस मिशन को सफल बना सकता है। क्योंकि इस मिशन को सफल बनाने के लिए प्रशासन को समाज के प्रत्येक वर्ग की आवश्यकता है। जिससे स्वस्थ भारत मिशन को सफल बनाया जा सकता है। इस दौरान मेयर राजीव जैन, सीईओ जिला परिषद अभय जांगड़ा, डीडीपीओ जितेंद्र कुमार, नगर निगम जॉइंट कमिश्नर मीतू धनखड़, जिला परिषद डिप्टी सीईओ ललिता वर्मा व पंचायत सचिव और सामाजिक सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी मौजूद रहे।

अमेजन इंडिया ने प्राइम डे 2025 की घोषणा की

चंडीगढ़ । अमेजन इंडिया ने आज घोषणा की कि प्राइम डे 2025 भारत में पहली बार तीन दिन तक मनाया जाएगा। यह खास सेल 12 जुलाई की रात 12 बजे शुरू होकर 14 जुलाई की रात 11~59 बजे तक चलेगी। इन 72 घंटों में प्राइम मेंबर्स के लिए जबरदस्त डील्स, शानदार बचत, नई लॉन्चिंग्स और एक्सक्लूसिव एंटरटेनमेंट का मज़ा मिलेगा, और यह सब कुछ खासतौर पर प्राइम ग्राहकों के लिए तैयार किया गया है। इस बार भारत में पहली बार प्राइम मेंबर्स को 24 घंटे अतिरिक्त शॉपिंग का मौका मिलेगा, जिससे वे बड़े ब्रांड्स और छोटे व्यवसायों से समान रूप से खरीदारी कर सकेंगे। साथ ही, प्रमुख बैंकिंग पार्टनर्स की ओर से मिलने वाले खास ऑफर्स का भी लाभ उठा सकेंगे। ग्राहक आईसीआईसीआई बैंक के क्रेडिट और डेबिट कार्ड्स, एसबीआई क्रेडिट कार्ड्स और आईसीआईसीआई व एसबीआई क्रेडिट कार्ड्स पर ईएमआई के जरिए भुगतान करके 10त्र तक की अतिरिक्त बचत कर सकते हैं।इस प्राइम डे पर प्राइम मेंबर्स को 400 से भी ज्यादा टॉप भारतीय और अंतरराष्ट्रीय ब्रांड्स के हजारों नए प्रोडक्ट्स की लॉन्चिंग पर एक्सक्लूसिव अर्ली एक्सेस मिलेगा। इसके अलावा, छोटे और मध्यम व्यवसायों के उत्पाद भी खास ऑफर्स के साथ उपलब्ध होंगे।

एसुस इंडिया ने आरटीएक्स 5050 जीपीयू से लैस नए गेमिंग लैपटॉप्स लॉन्च किए

चंडीगढ़। एसुस इंडिया का गेमिंग ब्रांड रिपब्लिक ऑफ गेमर्स (आरओजी), जो भारत का नंबर 1 गेमिंग ब्रांड है, ने अपने गेमिंग पोर्टफोलियो का विस्तार करते हुए ऑल-न्यू टीयूएफ गेमिंग एफ16 के साथ आरओजी स्ट्रिक्स जी16 को लॉन्च किया है, जो एनवीआईडिया जीफोर्स आरटीएक्स-टीएम 5050 ग्राफिक्स से लैस है। इसके साथ ही, एसुस आरओजी ने अपने मौजूदा 2024 आरओजी स्ट्रिक्स जी16 (जी614) लाइनअप को भी अपग्रेड करते हुए नया आरटीएक्स-टीएम 5050 जीपीयू शामिल किया है, जो अलग-अलग कीमत की श्रेणियों में हाई-परफॉर्मेंस गेमिंग देने की इसकी प्रतिबद्धता को और भी मजबूत करता है।

नई गेमिंग रेंज के बारे में बात करते हुए, अर्नोल्ड सू, वाइस प्रेसिडेंट, कंज़्यूमर और गेमिंग पीसी, एसुस इंडिया, ने कहा, ÷एसुस में, अपनी गेमिंग लाइनअप को आगे बढ़ाने और विकसित करने के लिए हम लगातार काम कर रहे हैं, ताकि हर तरह के यूजर की जरूरतों को पूरा किया जा सके, चाहे वह प्रतियोगी गेमर हो या फिर रोज़मर्रा का क्रिएटर। आरटीएक्स 5050 से लैस मॉडल्स को हमने अपने आरओजी और टीयूएफ दोनों सीरीज़ में पेश किया है, जिससे हाई-परफॉर्मेंस गेमिंग, एआई-रेडीनेस और इमर्सिव विजुअल्स अब अलग-अलग बजट और इस्तेमाल के लिहाज़ से उपलब्ध हैं। यह लॉन्च भारत के नंबर 1 गेमिंग ब्रांड के रूप में हमारी स्थिति को और मजबूत करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है और हम गेमिंग इकोसिस्टम के हर कोने तक अपनी पहुँच बना रहे हैं।

अमेजन इंडिया ने प्राइम डे 2025 की घोषणा की 12 से 14 जुलाई तक डील्स बड़ी बचत

शिमला। अमेजन इंडिया ने आज घोषणा की कि प्राइम डे 2025 भारत में पहली बार तीन दिन तक मनाया जाएगा।यह खास सेल 12 जुलाई की रात 12.00 बजे शुरू होकर 14 जुलाई की रात 11.59 बजे तक चलेगी।इन 72 घंटों में प्राइम मेंबर्स के लिए जबरदस्त डील्स, शानदार बचत,नई लॉन्चिंग्स और एक्सक्लूसिव एंटरटेनमेंट का मज़ा मिलेगा और यह सब कुछ खास तौर पर प्राइम ग्राहकों के लिए तैयार किया गया है। इस बार भारत में पहली बार प्राइम मेंबर्स को 24 घंटे अतिरिक्त शॉपिंग का मौका मिलेगा जिससे वे बड़े ब्रांड्स और छोटे व्यवसायों से समान रूप से खरीदारी कर सकेंगे।साथ ही प्रमुख बैंकिंग पार्टनर्स की ओर से मिलने वाले खास ऑफर्स का भी लाभ उठा सकेंगे।ग्राहक आईसीआईसीआई बैंक के क्रेडिट और डेबिट कार्ड्स,एसबीआई क्रेडिट कार्ड्स और आईसीआईसीआई व एसबीआई क्रेडिट कार्ड्स पर ईएमआई के जरिए भुगतान करके 10प्रतिशत तक की अतिरिक्त बचत कर सकते हैं।इस प्राइम डे पर प्राइम मेंबर्स को 400 से भी ज्यादा टॉप भारतीय और अंतरराष्ट्रीय ब्रांड्स के हजारों नए प्रोडक्ट्स की लॉन्चिंग पर एक्सक्लूसिव अर्ली एक्सेस मिलेगा।इसके अलावा छोटे और मध्यम व्यवसायों के उत्पाद भी खास ऑफर्स के साथ उपलब्ध होंगे। भारत और उभरते बाजारों के लिए प्राइम डिलीवरी और रिटर्न्स निदेशक अक्षय साही ने कहा प्राइम डे हमेशा से हमारे सदस्यों के लिए एक उत्सव रहा है जहां उन्हें नई लॉन्चिंग्स,बेहतरीन डील्स और ब्लॉकबस्टर एंटरटेनमेंट का अनुभव मिलता है।

नशे के खिलाफ सख्त अभियान में दो आरोपी गिरफ्तार, 30 ग्राम हेरोइन बरामद

सीआईए टीम की बड़ी कार्रवाई में जसविंदर सिंह उर्फ सोनी को भी गिरफ्तार किया

अर्थ प्रकाश/प्रदीप पाल

जगराओं 24 जून। सिधवां बेट थाने में दर्ज हुए नशा तस्करी के मामले में सीआईए स्टाफ ने जेल में बंद नशा तस्करी के आरोपी हरप्रीत सिंह लोंगा को प्रोडक्शन वारंट पर लाकर पूछताछ शुरू कर दी है। हरप्रीत पर नशा तस्करी समेत कई केस दर्ज हैं। पुलिस ने उसके साथी जसविंदर सिंह उर्फ सोनी को भी गिरफ्तार किया है। सोनी हरदेव नगर, चुंगी नंबर 5, अगवाड़ गुजारा, जगराओं का रहने वाला है। उसे भी इसी केस में नामजद किया गया है।

सीआईए स्टाफ के एएसआई सुखदेव सिंह ने बताया कि पिछले सप्ताह पुलिस ने नशा तस्करी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया था। इस दौरान एक महिला समेत तीन तस्करों को 258 ग्राम हेरोइन के साथ पकड़ा गया था। जांच में सामने आया कि आरोपी महिला इंदरजीत कौर उर्फ इंदू का पति हरप्रीत सिंह जेल में रहते हुए गिरोह चला रहा था। वह जेल से पैसे कमा कर जसविंदर सिंह के खाते में भेजता था। जसविंदर वह पैसा इंदरजीत कौर को देता था, जो उससे हेरोइन खरीदकर आगे बेचती थी।

पुलिस को उम्मीद है कि हरप्रीत और जसविंदर से पूछताछ में और भी बड़े खुलासे होंगे। दोनों आरोपियों को लुधियाना अदालत में पेश कर आगे की पूछताछ शुरू कर दी गई है। सीआईए स्टाफ की पुलिस ने नशा तस्करी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया था। पुलिस ने एक महिला समेत तीन तस्करों को गिरफ्तार कर आरोपियों से 258 ग्राम हेरोइन, 8 हजार रुपए ड्रग मनी और आई-20 कार बरामद की थी। पुलिस ने तीनों के खिलाफ थाना सिधवां बेट में मामला दर्ज कर लिया है। आगे की कार्रवाई शुरू कर दी थी।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान गुरप्रीत सिंह उर्फ गोपी निवासी कोट ईस्सेखां, बलविंदर सिंह उर्फ बिंदर सिंह निवासी गांव अबूपुरा सिधवां बेट और इंदरजीत कौर उर्फ इंदू निवासी हरदेव नगर अगवाड़ गुजरा, चुंगी नंबर 5 जगराओं के रूप में हुई थी। जांच में सामने आया कि बलविंदर सिंह उर्फ बिंदर का आपराधिक रिकॉर्ड पुराना है। वह एक महीने पहले ही आर्म्स एक्ट के मामले में जेल से जमानत पर बाहर आया था। उस पर छह मामले दर्ज हैं। इनमें नशा तस्करी, आर्म्स एक्ट और पुलिस हिरासत से फरार होने का मामला भी शामिल है।

बड़े स्तर पर नशा तस्करी करता है गुरप्रीत सिंह गोपी

जांच अधिकारी के अनुसार, गुरप्रीत सिंह गोपी बड़े स्तर पर नशा तस्करी करता है। बिंदर और इंदरजीत कौर उससे हेरोइन खरीदते थे। बिंदर गांवों में और इंदरजीत कौर जगराओं शहर में सप्लाई करती थी। जांच में यह भी सामने आया कि गोपी पर पहले भी नशा तस्करी का मामला दर्ज है। महिला तस्कर इंदरजीत कौर पर तीन मामले दर्ज हैं। जांच अधिकारी के मुताबिक आरोपी हरप्रीत के जेल जाने के बाद उसकी पत्नी इंदरजीत कौर ने नशे के कारोबार की कमान अपने हाथों में लेकर बड़े स्तर पर नशा तस्करी का धंधा शुरू कर दिया।

20 ग्राम हेरोइन के साथ आरोपी गिरफ्तार

अर्थ प्रकाश/प्रदीप पाल

जगराओं 24 जून। जगराओं में पुलिस ने एक मजदूर को नशा तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ थाना सिधवां बेट में केस दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी। आरोपी की पहचान बलविंदर सिंह उर्फ नोटी के रूप में हुई है, जो गांव अबूपुरा सिधवां बेट का रहने वाला है।

थाना सिधवां बेट के अधीन चौकी गिद्दड़विडी के इंचार्ज सुखमंदर सिंह के अनुसार, उन्हें गुप्त सूचना मिली थी। सूचना में बताया गया था कि आरोपी आस-पास के गांवों में नशे की सप्लाई करता है। वह अपने गांव अबूपुरा से पैदल ही सेम की पटड़ी होते हुए मेन जीटी रोड डरेन पुल की तरफ आ रहा था।

पुलिस ने नाकाबंदी कर आरोपी को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से 20 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह मेहनत-मजदरी का काम करता है। पैसों केलालच में आकर उसने नशा तस्करी का धंधा शुरू कर दिया। जांच में पता चला है कि आरोपी पर पहले से ही लड़ाई-झगड़े समेत चार मामले दर्ज हैं। पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश किया है। अब पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपी हेरोइन कहां से लाता था।

आपातकाल का काला सच जन-जन तक पहुंचाएगी भाजपा: देवशाली

26 जून को केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी चंडीगढ़ में

चंडीगढ़, 24 जून। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष आपातकाल पर किये जाने वाले कार्यक्रमों के संयोजक शक्ति प्रकाश देवशाली ने कहा कि लोकतंत्र की हत्यारी कांग्रेस द्वारा भारतवर्ष में लगाए गए आपातकाल के 50 वर्ष पूर्ण होने पर आपातकाल के काले सच को जन-जन तक पहुँचाने हेतु भारतीय जनता पार्टी द्वारा चंडीगढ़ में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा। देवशाली ने बताया कि 26 जून को केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री श्री हरदीप पुरी चंडीगढ़ में कांग्रेस द्वारा लगाए गए आपातकाल के 50 वर्ष पूर्ण होने पर भारतीय जनता पार्टी मुख्यालय 'कमलम' में आयोजित किये जाने वाले सेमिनार को सम्बोधित करेंगे। इस सेमिनार में आपातकाल के दौरान जेल जाने वाले तथा इस प्रताड़ना को सहने वाले 'लोकतंत्र सेनानियों' का सम्मान भी किया जायेगा। हरदीप पुरी इस अवसर पर एक प्रेस वार्ता को भी सम्बोधित करेंगे। पर्यारवण की रक्षा हेतु भाजपा के संकल्प तथा आपातकाल के विरुद्ध संघर्ष करने वाले लोकतंत्र सेनानियों का स्मरण करते हुए 'कमलम' में पौधरोपण भी किया जायेगा। इसके अतिरिक्त श्री हरदीप पुरी युवाओं द्वारा आयोजित की जा रही 'मॉक पार्लियामेंट' में भी शामिल होंगे तथा आपातकाल के दौरान भारतवासियों को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार द्वारा दी गई यातनाओं तथा प्रताड़नाओं को प्रदर्शित करती एक प्रदर्शनी का भी उद्घाटन करेंगे।

पंजाब को नशा मुक्त बनाने का जो संकल्प अरविंद केजरीवाल और भगवंत मान ने लिया है उसे मिलकर पूरा करेंगे: मनीष सिसोदिया

कहा-पंजाब के हर बच्चे को बेहतरीन और विश्वस्तरीय शिक्षा देना हमारा कर्तव्य

अर्थ प्रकाश संवाददाता

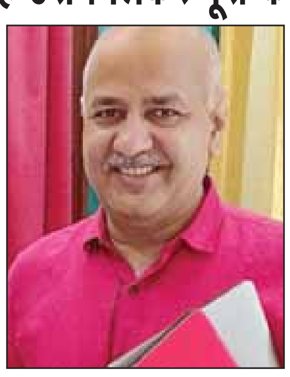

लुधियाना, 24 जून। लुधियाना पश्चिम विधानसभा उपचुनाव में जीत के बाद आज मुख्यमंत्री भगवंत मान और पार्टी के पंजाब प्रभारी मनीष सिसोदिया ने आप नेताओं व कार्यकर्ताओं के साथ एक बड़ा रोड शो निकाला और आप उम्मीदवार को जिताने के लिए लोगों को धन्यवाद दिया।

सिसोदिया ने कहा, 'यह जीत आम आदमी पार्टी के लिए गर्व की बात है और यह ईमानदार राजनीति में लोगों का विश्वास का प्रमाण है। लुधियाना पश्चिम के लोगों ने न केवल संजीव अरोड़ा को चुना है बल्कि उन्होंने पारंपरिक राजनीतिक पार्टियों के अहंकार और गुंडागर्दी को नकारकर आप सरकार के पारदर्शी शासन एवं अरविंद केजरीवाल के दृष्टिकोण अपनी मुहर लगाई है। यह जीत राजनीति में ईमानदारी वापस लाने के हमारे मिशन की भी जीत है।'

सिसोदिया ने आप सरकार के दौरान पंजाब में पिछले तीन सालों के दौरान हुए अभूतपूर्व कार्यों की भी तारीफ की और लोगों को आगे और भी तेजी से विकास करने का भरोसा दिया। उन्होंने कहा कि 2022 में पंजाब में आम आदमी पार्टी के पक्ष में की लहर चली थी, वहीं कल की जीत एक तूफान की तरह आई। अब हम सब मिलकर पंजाब के तीव्र विकास के लिए रॉकेट की स्पीड से काम करेंगे।

सिसोदिया ने पंजाब से नशा खत्म करने, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने एवं किसानों के आर्थिक उत्थान के लिए आप सरकार की प्रतिबद्धता की भी पुष्टि की। उन्होंने कहा कि पंजाब को नशा मुक्त बनाने का जो संकल्प आप संयोजक अरविंद केजरीवाल और मुख्यमंत्री भगवंत मान ने लिया है उसे हम मिलकर पूरा करेंगे और पंजाब के सभी गांवों और शहरों को पूरी तरह नशा मुक्त बनाएंगे।

वहीं पंजाब के हर बच्चे को आधुनिक व विश्वस्तरीय शिक्षा देना हमारा कर्तव्य है और इस कर्तव्य को निभाने के लिए मान सरकार लगातार प्रयासरत है। पूरे राज्य में सरकारी स्कूलों का पुनरुद्धार किया जा रहा है और कई स्कूलों को आधुनिक व्यवस्थाओं से सुसज्जित कर 'स्कूल का एमिनेंस' में तब्दील किया जा रहा है। आने वाले दिनों में पंजाब का शिक्षा मॉडल पूरे देश के लिए एक मिसाल बनेगा।

पुलिस अधिकारियों के भेदभावपूर्ण व्यवहार की निंदा!

मामले में कथित एसएचओ, एएसआई और सरपंच के खिलाफ कानूनी कार्रवाई!

अर्थ प्रकाश/प्रदीप पाल

जगराओं 24 जून। अनुसूचित जाति के दो परिवारों को न्याय दिलाने के लिए तीन साल से अधिक समय से पुलिस थाने के समक्ष धरने पर बैठे पीड़ित और जन संगठनों के नेताओं ने पुलिस अधिकारियों के भेदभावपूर्ण व्यवहार की निंदा करते हुए कल पुलिस थाने के समक्ष स्थायी मोर्चा खोल दिया और धरना देकर न्याय की मांग की। प्रेस को जारी बयान में दशमेश किसान मजदूर यूनियन के अध्यक्ष गुरदयाल सिंह तलवंडी और महासचिव जसदेव सिंह लालटों, मजदूर संघर्ष कमेटी के अध्यक्ष भरपूर सिंह छज्जावाल, गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार कमेटी के अध्यक्ष जसप्रीत सिंह ढोलन, ग्रामीण मजदूर सभा के अध्यक्ष निर्मल सिंह धालीवाल ने कहा कि पुलिस अधिकारियों द्वारा पंजाब राज्य अनुसूचित जाति आयोग के आदेशों की भी जानबूझकर अनदेखी की जा रही है। उन्होंने कहा कि आयोग ने अपने लिखित आदेशों में स्पष्ट रूप से कहा था कि कानून के अनुसार 'संज्ञेय अपराध' के मामलों में तुरंत एफआईआर दर्ज की जानी चाहिए, लेकिन ग्रामीण पुलिस अधिकारी न केवल जानबूझकर एफआईआर दर्ज करने में विफल हो रहे हैं, बल्कि माननीय आयोग और उच्च अधिकारियों को भी गुमराह कर रहे हैं। इस समय, मामले में वादी इकबाल सिंह रसूलपुर ने कहा कि पुलिस अधिकारी दो दशकों से कानून का उल्लंघन कर रहे हैं।

दशमेश किसान मजदूर यूनियन के अध्यक्ष गुरदयाल सिंह तलवंडी और सचिव जसदेव सिंह ललतों, सत्कार कमेटी के अध्यक्ष जसप्रीत सिंह ढोलन, ग्रामीण मजदूर सभा के अध्यक्ष कामरेड निर्मल सिंह धालीवाल ने कहा कि जब तक दोनों पीड़ित परिवारों को कानून के अनुसार न्याय नहीं मिल जाता, तब तक पुलिस स्टेशन के समक्ष धरना जारी रहेगा। इस समय, पीड़ित इकबाल सिंह रसूलपुर, पीड़िता सुरिंदर कौर रसूलपुर, कमलजीत कौर, बलविंदर सिंह, कमीकर सिंह, दर्शन सिंह धालीवाल, दलजीत सिंह जगराओं, पूर्व सदस्य पंचायत सुखदेव सिंह रायकोट आदि मौजूद थे।

इको सिटी-वन न्यू चंडीगढ़ में नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन

शिविर से लगभग 480 मरीजों को लाभ मिला: अरविंद पुरी

अर्थ प्रकाश/जे के बत्ता

न्यू चंडीगढ़, 24 जून। इको सिटी-वन न्यू चंडीगढ़ 722 सेक्टर 6 में फिजियोथेरेपी प्लैनेट नि:शुल्क शिविर का आयोजन किया गया। इस संबंध में जानकारी साझा करते हुए इको सिटी वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष श्री रमेश बेरवाल ने बताया कि इस शिविर का उद्घाटन प्रसिद्ध समाजसेवी श्री अरविंद पुरी, पुरी ट्रस्ट के चेयरमैन एवं शहीद कर्नल मनप्रीत सिंह भरौजियां (कीर्ति चक्र से सम्मानित) के चाचा श्री हरमेल सिंह तथा एस डी ओ एस श्री हरतेज सिंह ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर शहीद कर्नल मनप्रीत सिंह की भाभी प्रांजल सागर भी मौजूद रहीं, जो सामाजिक कार्यों में जरूरतमंद मरीजों को बिना किसी दवा के नि:शुल्क उपचार उपलब्ध कराती रही हैं। इसके अलावा फोर्टिस अस्पताल के ऑर्थोपेडिक सर्जन डॉ. जुबिन मेहता व डॉ. समृद्धि (बी पी टी) व डॉ. पायल (बी पी टी) की टीम ने सुबह 10 बजे से शाम 7 बजे तक मरीजों की निशुल्क जांच व दवाइयां उपलब्ध करवाई। इस कैंप में करीब 480 मरीजों की मशीनों के माध्यम से विभिन्न बीमारियों की जांच की गई। इस अवसर पर आए मुख्य अतिथियों ने पहुंचे हुए डॉक्टरों की टीम को सम्मानित किया। इस अवसर पर श्री पुरी ने शहीद कर्नल मनप्रीत सिंह की याद में परिवार द्वारा की गई इस पहल की सराहना की और कहा कि यह शहीद को सच्ची श्रद्धांजलि है जिससे अनेक जरूरतमंद परिवारों को लाभ मिला है। उन्होंने कहा कि इस तरह के कैंप इसी तरह आयोजित होते रहेंगे। इस अवसर पर उन्होंने सभी आयोजकों व अन्य लोगों का आभार व्यक्त किया।

गढ़वाल सभा नयागांव चुनाव की तैयारी जोरों पर, 'बुरांस का फूल' चुनाव चिन्ह को मिल रहा भारी जनसमर्थन

अर्थ प्रकाश/जे के बत्ता

न्यू- चंडीगढ़, 24 जून। गढ़वाल सभा(रजि) नयागांव के जो अब चुनाव 13 जुलाई को होने हैं उसकी तैयारी के लिए 'बुरांस का फूल' चुनाव निशान से प्रधान पद ईमानदार प्रत्याशी ज्योति प्रसाद भट्ट द्वारा ढिल्लों फार्म में हुई बैठक में सफल व उत्साहपूर्वक हो रही है । समाजसेवी महासचिव पद के दावेदार श्री हेमेन्द्र नौडियाल के सहयोग से आयोजित की गई सभी बैठके जिसमें भारी जनसमूह ने ज्योति प्रसाद भट्ट एवं उसकी समस्त टीम को अपना समर्थन दिया जा रहा है। समाज सेवक महासचिव पद के दावेदार श्री हेमेन्द्र नौडियाल ने बताया कि पूरे नयागांव में बुरांस का फूल चुनाव चिन्ह को जबरदस्त समर्थन मिल रहा है इस बैठक में ज्योति प्रसाद भट्ट ने अपने चित परिचित व जोशीले अंदाज में भाषण देकर अपनी सारी टीम का परिचय उनके पिछले किए गए कार्यों का विवरण सहित आए हुए मतदात सदस्यों से करवा रहे है और अब समस्त जनता का विश्वास हासिल कर सभी सदस्यों उन्हें समर्थन देने का वायदा किया। इनके 'बुरांस का फूल' चुनाव निशान से प्रधान पद ईमानदार प्रत्याशी ज्योति प्रसाद भट्ट, वरिष्ठ उप प्रधान कमल सिंह पवांर,उप प्रधान संजय उनियाल, समाज सेवक - महासचिव पद के दावेदार श्री हेमेन्द्र नौडियाल, सचिव पद के लिये मकान सिंह भंडारी,कोषाध्यक्ष के लिये अव्वल चंद डोटियाल, उप कोषाध्यक्ष भगवान सिंह पवार गौतम, कोष निरीक्षक के सुरेन्द्र बिष्ट, सांस्कृतिक एवं खेल कूद सचिव रविन्द्र दत्त सेमवाल, प्रेस सचिव रमेश चंद डोटियाल,माल सचिव भरपूर सिंह बिष्ट,संगठन सचिव रणबीर सिंह नेगी,संगठन सचिव धर्मानन्द भट्ट,संगठन सचिव मनवर सिंह बिष्ट,संगठन सचिव नरेश मैठाणी है । उन्होंने यह भी बताया कि 'बुरांस का फूल' चुनाव निशान से सभी साफ छवि व सच्चे समाज सेवक के रूप में ईमानदारी के साथ कार्य करने वाले पदाधिकारी चुनाव लड़ रहे हैं । समाज सेवक महासचिव पद के दावेदार श्री हेमेन्द्र नौडियाल ने बताया कि नयागांव की गढ़ समाज की जनता से हमे भरपूर प्यार और सहयोग मिल रहा है तथा हमारी जीत निश्चित है।

चंडीगढ़ में गौवंश की समस्या का हो समाधान: जितेंद्र सनातनी

चंडीगढ़, 24 जून (अप्रस)। विहिप चंडीगढ़ महानगर गऊ रक्षा प्रमुख जितेंद्र कालरा ने बताया कि चंडीगढ़ में गौवंश की समस्या एक गंभीर मुद्दा बन गई है। सड़कों पर बेसहारा गोवंश घूमने से ट्रैफिक जाम और एक्सीडेंट की घटनाएं बढ़ रही हैं। भारतीय गोवंश संरक्षण एवं संवर्धन समिति चंडीगढ़ महानगर ने चंडीगढ़ नगर निगम की महापौर से मिल कर अनुरोध किया है कि वह इस समस्या का समाधान करने के लिए तुरंत कार्रवाई करे। इसके अलावा, समिति ने नगर निगम के अधिकारियों की जवाबदेही पर भी ध्यान केंद्रित किया है। नगर निगम के अधिकारियों को आम लोगों और गऊ रक्षकों के फोन कॉल का जवाब देने और उनकी समस्याओं का हल करने के लिए तत्पर रहने का निर्देश दिया जाना चाहिए। चंडीगढ़ महापौर हरप्रीत कौर बबला ने तुरंत संबंधित विभाग के एमओएच से बात की और इन सभी समस्याओं का तुरंत प्रभाव से निवारण हेतु कहा। और हमें अस्वस्थ भी किया की जल्दी ही समस्या का निवारण हो जाएगा। इस मौके पर गौ रक्षा प्रमुख जितेंद्र सनातनी, सह प्रमुख जितेंद्र रावत, सह प्रशिक्षण प्रमुख प्रवीण कुमार,धनवंतरी प्रखंड प्रमुख रोशन भारद्वाज, विश्वकर्मा प्रखंड से आकाश कुमार,महाराणा प्रताप प्रखंड से विशाल कुमार उपस्थित रहे।

विश्व कल्याण हेतु अग्रसेन समिति ने श्री द्वारकाधीश मंदिर में करवाया समागम

भगवान श्री कृष्ण कन्हैया जी महाराज जी का मंगल अभिषेक महोत्सव एवं सत्संग का कार्यक्रम मन्दिर श्रीद्वारिकाधीश जगराओं में आयोजित

अर्थ प्रकाश/प्रदीप पाल

जगराओं, 24 जून। श्री अग्रसेन समिति जगराओं अग्रवाल समाज द्वारा रविवार को भगवान श्री कृष्ण कन्हैया जी महाराज जी का मंगल अभिषेक महोत्सव एवं सत्संग का कार्यक्रम मन्दिर श्रीद्वारिकाधीश (जगराओं) में आयोजित किया गया । विश्व कल्याण हेतु समिति द्वारा परब्रम्ह परमेश्वर श्रीकृष्ण भगवान जी के मुख्य पांच अवतारों से संबंधित देव पूजा प्रसाद वंदन किया गया। श्री द्वारकाधीश मंदिर के संचालक आचार्य हितेश मुनि जी महाराज जी ने भक्तों को सत्संग का अर्थ समझाते हुए कहा कि सत्संग का अर्थ है संतों और भक्तों की संगति, जहाँ भगवान के गुणों, लीलाओं और शिक्षाओं की चर्चा होती है। उन्होंने कहा कि श्री कृष्ण की महिमा का श्रवण और मनन करने से मन शुद्ध होता है, और भक्तिभाव जागृत होता है। आचार्य जी ने कहा कि भगवान श्री कृष्ण के उपदेशों, जैसे गीता में दिए गए कर्मयोग, ज्ञानयोग और भक्तियोग को हर भक्त को समझने और जीवन में उतारने का प्रयास करना चाहिए । इससे मनुष्य अपने जीवन को सफल बना सकता है। आचार्य जी द्वारा किए गए कीर्तन से सभी भक्त आनंदित होकर झूम रहे थे और उन्हें ऐसा प्रतीत हो रहा था जैसे खुद द्वारकाधीश जी महाराज उनका दर्शन देने आए हुए हैं। श्री अग्रसेन समिति अग्रवाल समाज के चेयरमैन अनमोल गर्ग, अध्यक्ष कमलदीप बंसल, सोशल मीडिया इंचार्ज हिमांशु सिंगला ने आचार्य श्री हितेश मुनि महाराज की चरण वंदन करते हुए कत्याल और खुल्लर परिवार सहित सभी भक्तों का धन्यवाद किया। इस मौके विशेष रूप से रमेश कत्याल, राजेश कत्याल, सौरभ कत्याल परीक्षित कत्याल, गौरव खुल्लर, कुणाल खुल्लर ,श्री अग्रसेन समिति के उपाध्यक्ष दीपक गोयल डीके, संगठन महामंत्री अमित बंसल, महासचिव मोहित गोयल, सचिव पुनीत बंसल, खजांची वैभव जैन, रोहित गोयल, मोहित बंसल, सुनील गुप्ता विकास गर्ग हाजिर थे।

सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के 11 साल बनाम कांग्रेस की 60 साल की विफलता: एन.के. वर्मा

अर्थ प्रकाश/जे के बत्ता

न्यू-चंडीगढ़, 24 जून। भाजपा लीगल सेल पंजाब के प्रभारी श्री एन.के. वर्मा ने बताया कि उन्हें भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाए जा रहे '11 साल बेमिसाल' जनजागरूकता अभियान के अंतर्गत पूरे पंजाब में 'प्रोफेशनल मीट' आयोजित करने की जिम्मेवारी सौंपी गई है। उन्होंने कहा कि इस अभियान के अंतर्गत वकीलों, डॉक्टरों, सीए, शिक्षकों सहित विभिन्न पेशेवर वर्गों से संवाद किया जा रहा है, और अब तक 15 जिलों में सफलतापूर्वक कार्यक्रम संपन्न हो चुके हैं। इन आयोजनों का उद्देश्य कांग्रेस के 60 वर्षों के कुशासन और भाजपा के 11 वर्षों के सुशासन के बीच का स्पष्ट अंतर समाज के जागरूक वर्गों तक पहुंचाना है। वर्मा ने कहा कि भारत की स्वतंत्रता के बाद जो विभाजन हुआ, आपातकाल जैसी लोकतंत्र विरोधी घटनाएं घटीं, और 2जी, कोयला, कॉमनवेल्थ जैसे घोटालों से देश को लूटा गया। ये सब कांग्रेस की सत्ता-लोलुप नीतियों और संवैधानिक दुरुपयोग की देन हैं। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस की स्थापना 1857 की क्रांति के बाद ब्रिटिश सत्ता को बचाने के लिए एक 'सेफ्टी वाल्व' के रूप में की गई थी, जिसके कारण भारत को 50 वर्ष अतिरिक्त गुलामी सहनी पड़ी। वर्मा ने जोर देकर कहा कि यह वही कांग्रेस है जिसने 1975 में आपातकाल लगाकर प्रेस, न्यायपालिका और नागरिक अधिकारों को कुचल दिया। लाखों निर्दोष नागरिकों को जेल में डाला गया और जबरन नसबंदी जैसे अमानवीय कदम उठाए गए। विडंबना यह है कि वही कांग्रेस आज हाथ में संविधान की प्रति लेकर 'संविधान खतरे में है' का नारा देती है। उन्होंने याद दिलाया कि इसी कांग्रेस ने राज्यों की लोकतांत्रिक सरकार को गिराने के लिए 88 बार राष्ट्रपति शासन केवल इंदिरा गांधी के शासनकाल में हुआ। उन्होंने कहा, 'देश की जनता अब जान चुकी है कि संविधान को असली खतरा उनसे है, जिन्होंने उसे बार-बार सत्ता के औजार की तरह इस्तेमाल किया।' एन.के. वर्मा ने कहा कि इसके विपरीत भाजपा सरकार ने बीते 11 वर्षों में जनकल्याण, राष्ट्र निर्माण और पारदर्शी शासन का उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की योजनाओं - आयुष्मान भारत, उज्ज्वला योजना, पीएम किसान, जनधन योजना ने समाज के सबसे कमजोर वर्गों को संबल और सम्मान दिया है। उन्होंने कहा कि डिजिटल इंडिया के तहत आज छोटा से छोटा व्यक्ति भी डिजिटल हों गया है हार्वेक के पास मोबाइल है हर कोई पैसे का लें दें मोबाइल की ऐप से करता है, मेक इन इंडिया और 'मेक फॉर वर्ल्ड' जैसे अभियानों ने भारत को आत्मनिर्भरता के साथ-साथ वैश्विक आर्थिक शक्ति में बदला है।

महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों के लिए हर नल में जल, शौचालय, गैस, लखपति दीदी योजना, मुद्रा लोन ओर न जाने क्या क्या। कोविड महामारी के समय भाजपा सरकार की तत्परता की सराहना करते हुए वर्मा ने कहा कि न केवल देशवासियों को मुफ्त वैक्सीन और राशन मिला, बल्कि 100 से अधिक देशों को वैक्सीन मैत्री के तहत सहायता देकर भारत ने विश्व में मानवता की मिसाल पेश की, 70 करोड़ लोगों को फ्री राशन। उन्होंने कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध, इजरायल-गाज़ा संकट और ईरान जैसे क्षेत्रों से भारतीयों को सुरक्षित निकालना भारत की वैश्विक कूटनीतिक सफलता का प्रमाण है। अब भारत वो भारत नहीं है, इस सरकार ने सिंधु जल संधि पर पुनर्विचार, 'मिशन सिंदूर' के अंतर्गत आतंकियों पर पाकिस्तान के 100 किमी अंदर जाकर कार्रवाई की- जिसमें बेटियों को भी पूरा समान मिला उन्हें इस मिशन की कमांड सौंपना- भारत की सैन्य और सामाजिक शक्ति को दर्शाता है। वर्मा ने बताया कि S-400, आकाश मिसाइल, तेजस, हैमर बम जैसे स्वदेशी रक्षा उपकरण अब दुनिया भर में भारतीय वैज्ञानिक कौशल और आत्मनिर्भर भारत का प्रतीक बन चुके हैं। आज देश में नए एआईआईएमएस मेडिकल कॉलेज, विश्वविद्यालय, वंदे भारत जैसी ट्रेनें और भारतमाला जैसे एक्सप्रेसवे राष्ट्र के विकास की गति को नई दिशा दे रहे हैं। भारत का निर्यात बढ़ा है, विदेशी निवेश में वृद्धि हुई है और भारत आज दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा है। यही सब इस देश वासियों को बताने के लिए पंजाब में ही नहीं बल्कि पूरे देश में 'प्रोफेशनल मिट' के कार्यक्रम करवाए जा रहे है

भारत निर्वाचन आयोग बिहार में निर्वाचक नामावलियों का विशेष गहन पुनरीक्षण प्रारंभ करेगा

दैनिक अर्थ प्रकाश

भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने आज बिहार राज्य में आयोग द्वारा विनिर्दिष्ट दिशा-निर्देशों और कार्यक्रम के अनुसार विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) आयोजित करने के अनुदेश जारी किए हैं। गहन पुनरीक्षण का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी पात्र नागरिकों के नाम निर्वाचक नामावली में शामिल हों ताकि वे अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें, कोई भी अपात्र मतदाता निर्वाचक नामावली में शामिल न हो और निर्वाचक नामावली में निर्वाचकों के नाम जोड़ने या हटाने की प्रक्रिया में पूरी पारदर्शिता लाई जा सके। बिहार के लिए अंतिम गहन पुनरीक्षण आयोग द्वारा वर्ष 2003 में किया गया था।

तेजी से बढ़ते शहरीकरण, लगातार पलायन, युवा नागरिकों का वोट देने के लिए पात्र होना, मृत निर्वाचकों की सूचना प्राप्त न होना और निर्वाचक नामावली में विदेशी अवैध आप्रवासी के नाम शामिल होने जैसे विभिन्न कारणों से गहन पुनरीक्षण करना आवश्यक हो गया है ताकि निर्वाचक नामावलियों की सत्यनिष्ठा और त्रुटिमुक्त निर्वाचक नामावलियों की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके। इस गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया के दौरान बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) सत्यापन के लिए घर-घर जाकर सर्वेक्षण करेंगे।

विशेष पुनरीक्षण करते समय, आयोग मतदाता के रूप में पंजीकृत होने की पात्रता और निर्वाचक नामावली में पंजीकरण के लिए निरर्हता के संबंध में उन संवैधानिक और कानूनी प्रावधानों का पूरी सावधानी से पालन करेगा, जो क्रमशः भारत के संविधान के अनुच्छेद 326 और लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 16 में स्पष्ट रूप से निर्धारित किए गए हैं।

लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 की धारा 23 के अनुसार, निर्वाचक के रूप में नामांकन की पात्रता शर्तों को

ईआरओ द्वारा अपना समाधान हो जाने पर पहले से ही सत्यापित कर लिया जाता था। अब, पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए यह आवश्यक होगा कि जिन दस्तावेजों के आधार पर ईआरओ का समाधान होता है, उन्हें ईसीआई-नेट पर भी अपलोड किया जाए, क्योंकि वर्तमान उन्नत प्रौद्योगिकी व्यवस्था में ऐसा करना संभव है। हालांकि, गोपनीयता को ध्यान में रखते हुए ये दस्तावेज केवल अधिकृत चुनाव अधिकारियों के लिए ही सुलभ होंगे। किसी भी राजनीतिक दल या निर्वाचक द्वारा उठाए गए किसी भी दावे और आपत्ति के मामले में, ईआरओ का समाधान होने से पहले एईआरओ इसकी जांच करेगा। इस अधिनियम की धारा 24 के तहत, ईआरओ के आदेश के विरुद्ध जिला मजिस्ट्रेट और मुख्य निर्वाचन अधिकारी के समक्ष भी अपील की जा सकती है।

सीईओ/डीईओ/ईआरओ/बीएलओ को यह ध्यान रखने के निदेश दिए गए हैं कि वास्तविक निर्वाचकों, विशेष रूप से वृद्ध, बीमार, दिव्यांगजनों (पीडब्ल्यूडी), गरीब और अन्य कमजोर समूहों को परेशान न किया जाए और उनके लिए वॉलंटियर्स की तैनाती सहित यथासंभव सुविधा प्रदान की जाए।

हालांकि, भारत निर्वाचन आयोग द्वारा हर संभव प्रयास किए जाएंगे कि पुनरीक्षण प्रक्रिया सुचारू रूप से चले और निर्वाचकों को कम से कम असुविधा हो, फिर भी आयोग सभी मतदान केंद्रों में सभी राजनीतिक दलों से अपने बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) नियुक्त करके इस प्रक्रिया में उनकी सक्रिय भागीदारी की अपेक्षा रखेगा। बीएलए की सक्रिय भागीदारी यह सुनिश्चित करेगी कि विसंगतियां, यदि कोई हों, तैयारी के चरण में ही दूर कर ली जाएं, जिससे दावे, आपत्तियां और अपील दायर करने के मामलों में कमी आएगी। यह उल्लेखनीय है कि किसी भी चुनावी प्रक्रिया में निर्वाचक और राजनीतिक दल, दोनों ही सबसे महत्वपूर्ण हितधारक होते हैं और केवल उनकी पूर्ण भागीदारी से ही बड़े पैमाने पर संचालित होने वाले इस कार्य को सुचारू रूप से और सफलतापूर्वक संचालित किया जा सकता है।

देश के पूंजीगत निवेश का इंजन बन रहा उत्तर प्रदेश : योगी

हालिया रिपोर्ट के अनुसार वित्तीय वर्ष 2025-26 में 16.3त्न हिस्सेदारी के साथ नंबर-1 रहने का अनुमान

अर्थ प्रकाश/विजय कुमार निगम

लखनऊ। उत्तर प्रदेश ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि वह देश के विकास इंजन के तौर पर मजबूती से उभर रहा है। हालिया रिपोर्ट के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2025-26 में भारत के कुल पूंजीगत व्यय (कैपिटल एक्सपेंडीचर) में अकेले यूपी की हिस्सेदारी 16.3त्न रहने का अनुमान है, जो सभी राज्यों में सबसे अधिक है। यह लगातार दूसरा वर्ष होगा जब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश पूंजी व्यय में टॉप पर रहेगा।

उल्लेखनीय है कि पूंजीगत व्यय का अर्थ उस धनराशि से है जो सरकारें स्थायी परिसंपत्तियों जैसे कि सड़कें और राजमार्ग, विद्यालय, अस्पताल आदि के निर्माण या अधिग्रहण पर खर्च करती हैं। सरल शब्दों में यह वह खर्च है जो सरकार भविष्य की सुविधा और विकास के लिए करती है जैसे इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण करना।

बैंक ऑफ बड़ौदा की ओर से प्रस्तुत की गई हालिया रिपोर्ट के मुताबिक वित्त वर्ष 2025-26 में देश के 26 राज्यों का कुल पूंजीगत व्यय 10.2 लाख करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है, जो पिछले वित्त वर्ष 8.7 लाख करोड़ था। रिपोर्ट के मुताबिक, उत्तर प्रदेश (16.3 प्रतिशत), गुजरात (9.4 प्रतिशत), महाराष्ट्र (8.3 प्रतिशत), मध्य प्रदेश (8.1 प्रतिशत) और कर्नाटक (7.6 प्रतिशत) ये पांच राज्य मिलकर देश के कुल पूंजीगत व्यय का 50 प्रतिशत से अधिक हिस्सा खर्च करेंगे। इन आंकड़ों में सबसे ऊपर उत्तर प्रदेश का नाम आना इस बात का संकेत है कि राज्य में

इंफ्रास्ट्रक्चर और औद्योगिक विकास की रफ्तार तेज है। पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में भी यूपी ने सबसे अधिक 16.9 प्रतिशत पूंजीगत व्यय किया था। इसके बाद महाराष्ट्र (10.9 प्रतिशत), गुजरात (8.1 प्रतिशत), मध्य प्रदेश (7.5 प्रतिशत) और ओडिशा (6.4 प्रतिशत) थे।

योगी सरकार द्वारा पिछले कुछ वर्षों में की गई रणनीतिक योजना, निवेशक सम्मेलन, लॉजिस्टिक हब निर्माण, एक्सप्रेसवे और एयरपोर्ट्स का विस्तार जैसे बड़े प्रोजेक्ट्स ने राज्य को पूंजीगत निवेश के मामले में देश का सिरमौर बना दिया है। यूपी इंडस्ट्रियल डिफेंस कॉरिडोर, इंटरनेशनल फिल्म सिटी, मेडिकल कॉलेजों का निर्माण और गंगा एक्सप्रेसवे जैसे मेगाप्रोजेक्ट्स भी इसके प्रमुख उदाहरण हैं। इज ऑफ डूइंग बिजनेस और कानून-व्यवस्था में सुधार के चलते यूपी घरेलू और विदेशी निवेशकों के लिए पहली पसंद बन गया है। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023 के दौरान मिले भारी निवेश प्रस्ताव अब धरातल पर उतर रहे हैं, जिससे राज्य का कैपिटल एक्सपेंडिचर भी बढ़ा है और युवाओं के लिए रोज़गार के नए अवसर भी पैदा हो रहे हैं। यही नहीं, केंद्र और राज्य सरकार की संयुक्त कोशिशों से यूपी को बजट आवंटन, परियोजनाओं की मंज़ूरी और वित्तीय सहायता में बड़ी बढ़त मिली है। इससे स्वास्थ्य, शिक्षा, बुनियादी ढांचे और नगरीय विकास जैसे क्षेत्रों में पूंजीगत व्यय को उल्लेखनीय बढ़ावा मिला है।

रिपोर्ट के अनुसार 2025-26 में कुल 26 राज्यों की प्राप्तियां 10.6 प्रतिशत बढ़कर 69.4 लाख करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है। इसमें राजस्व प्राप्तियां 12.3 प्रतिशत और पूंजीगत प्राप्तियां 6.6 प्रतिशत बढ़ने की संभावना है। उत्तर प्रदेश यहां भी सबसे आगे रहेगा, जो अकेले 13.3त्न राजस्व का योगदान देगा। इसके बाद महाराष्ट्र (11.3त्न), मध्य प्रदेश, कर्नाटक और राजस्थान (5.9 प्रतिशत प्रत्येक) रहेंगे। उत्तर प्रदेश की यह उपलब्धि केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह दर्शाती है कि योगी सरकार विकास की नई परिभाषा गढ़ रही है। अगर यही रफ्तार बनी रही, तो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप निकट भविष्य में उत्तर प्रदेश भारत के ग्रोथ इंजन के साथ-साथ आर्थिक राजधानी के रूप में उभर सकता है।

बिहार के सभी ग्राम पंचायतों में बनेंगे 'विवाह मंडप', मंत्रिमंडल की बैठक में मंजूरी

अर्थ प्रकाश नेटवर्क

पटना। बिहार के सभी ग्राम पंचायतों में गरीब परिवारों की बेटियों के विवाह कार्यक्रम के लिए 'विवाह मंडप' बनाए जाएंगे। बिहार मंत्रिमंडल की मंगलवार को हुई बैठक में मुख्यमंत्री कन्या विवाह मंडप योजना' को मंजूरी दी गई।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में 46 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। इस बैठक में मुख्यमंत्री कन्या विवाह मंडप योजना को स्वीकृति प्रदान की गई। इस योजना के लिए 40 अरब 26 करोड़ से ज्यादा की राशि से 8,053 ग्राम पंचायतों में चरणबद्ध तरीके से विवाह मंडप निर्माण कराया जाएगा।

बैठक में अंतरराज्यीय मार्गों पर बसों के संचालन के लिए 75 एसी बसें खरीदने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई। एक बस की अनुमानित कीमत 74 लाख रुपए है। इसके लिए परिवहन निगम को 55.50 करोड़ रुपए अनुदान दिए जाएंगे। राज्य

सरकार ने फैसला किया है कि अगर कोई निजी बस ऑपरेटर अंतरराज्यीय मार्गों के लिए नई एसी बस खरीदेगा, तो सरकार उसे हर बस पर 20 लाख रुपए प्रोत्साहन राशि देगी। 150 बसों के लिए कुल 30 करोड़ रुपए दिए जाएंगे। इसके साथ ही योजना को सही तरीके से चलाने के लिए 60 लाख रुपए अतिरिक्त खर्च करने की मंजूरी भी दी गई है। कुल खर्च 30.60 करोड़ रुपए होगा। इसके अलावा बैठक में 74 नॉन एसी बसों के खरीदने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई है। बैठक में बिहार ग्रामीण जीविकोपार्जन प्रोत्साहन समिति (जीविका) द्वारा संपोषित स्वयं सहायता समूह को तीन लाख रुपए से अधिक एवं 10 लाख रुपए की अधिसीमा तक की बैंक ऋण राशि को सात प्रतिशत की ब्याज दर पर उपलब्ध कराने के लिए अतिरिक्त ब्याज की राशि की प्रतिपूर्ति राज्य सरकार द्वारा किए जाने के प्रस्ताव को भी स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। नीतीश मंत्रिमंडल ने बैठक में जीविका द्वारा संपोषित दीदी की रसोई में खाने की थाली की दर को आधी यानी 40 से घटाकर 20 रुपए करने पर मुहर लगाई। अभी तक ये कैंटीन राज्य के सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पतालों और सरकारी संस्थानों में हैं। इन्हें सभी जिलों के कलेक्ट्रेट, अनुमंडल कार्यालय, प्रखंड एवं अंचल कार्यालयों में भी लागू करने का निर्णय लिया गया है। इसके लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा अधिकारियों को निर्देशित कर दिया गया है ताकि सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले आमजनों को सस्ते दर पर शुद्ध भोजन मिल सके।

छत्तीसगढ़ के विकास के लिए मध्य क्षेत्रीय परिषद बना सार्थक मंच : मुख्यमंत्री साय

अर्थ प्रकाश/अखिलेश कुमार

रायपुर। उत्तरप्रदेश के वाराणसी में आयोजित मध्य क्षेत्रीय परिषद की 25वीं बैठक में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि यह परिषद केन्द्र और राज्यों के बीच सहयोग और समन्वय का सशक्त मंच बन चुकी है, जिसके माध्यम से छत्तीसगढ़ सहित मध्य भारत के विभिन्न क्षेत्रों के विकास को नई दिशा मिली है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने की दिशा में मध्य क्षेत्रीय परिषद ने ठोस योगदान दिया है। छत्तीसगढ़ राज्य की अर्थव्यवस्था, आंतरिक सुरक्षा, सांस्कृतिक पर्यटन और बुनियादी ढांचे के विकास में परिषद की भूमिका निर्णायक रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने नक्सल समस्या पर बोलते हुए कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह की दृढ़ इच्छाशक्ति और राज्यों के बीच बेहतर समन्वय से छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद के विरुद्ध बड़ी सफलता मिली है। बसवराजू और सुधाकर जैसे शीर्ष नक्सली नेताओं के न्यूट्रलाइज होने को उन्होंने नक्सलवाद की रीढ़ टूटने जैसा करार दिया। उन्होंने बताया कि बस्तर के विकास के लिए बोधघाट-महानदी इंद्रावती लिंक जैसी कई हजार करोड़ की परियोजनाओं पर भी हम काम कर रहे हैं। रावघाट-जगदलपुर रेललाइन परियोजना को मिली मंजूरी भी इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मुख्यमंत्री ने परिषद को अवगत कराया कि पिछली बैठक में दिए गए सुझावों पर तेजी से अमल हुआ है। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में 28 नई बैंक शाखाएं, डॉयल-112 सेवा का विस्तार, 82 हजार से अधिक बच्चों को कुपोषण से बाहर निकालना जैसी उपलब्धियाँ राज्य के विकास के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बस्तर पंडुम और बस्तर ओलंपिक जैसे आयोजनों ने स्थानीय खेल और सांस्कृतिक प्रतिभाओं को मंच दिया है। आयुष्मान भारत योजना के तहत 87.2 प्रतिशत नागरिकों को कार्ड वितरित किए जा चुके हैं, और 1075 में से 1033 शासकीय अस्पताल इससे जोड़े जा चुके हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि नई औद्योगिक नीति लागू होने के बाद राज्य को अब तक 5.5 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जिनमें 3.5 लाख करोड़ पावर सेक्टर से हैं। छत्तीसगड़ देश में विद्युत उत्पादन में दूसरे स्थान पर है और 2030 तक प्रथम स्थान का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में 23 घंटे 27 मिनट और शहरी क्षेत्रों में 23 घंटे 51 मिनट की औसत विद्युत आपूर्ति राज्य के ऊर्जा प्रबंधन की दक्षता को दर्शाता है। प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के तहत 6 लाख घरों को सौर ऊर्जा से जोड़ने का कार्य प्रगति पर है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में डेढ़ लाख से अधिक सोलर कृषि पंप किसानों को सिंचाई सुविधा प्रदान कर रहे हैं। एनडीडीबी के साथ हुए एमओयू से राज्य में दुग्ध उत्पादन में नया विस्तार होगा। अटल डिजिटल सुविधा केंद्र पंचायतों में डिजिटल सुशासन के सेतु बन रहे हैं और लोक सेवा गारंटी अधिनियम 2011 के प्रभावी क्रियान्वयन से सेवाओं की पारदर्शी और समयबद्ध डिलीवरी सुनिश्चित हुई है।

वाईएस जगन ने टीडीपी द्वारा छात्रों व बेरोजगारों से विश्वासघात की निंदा किया

अर्थ प्रकाश / बोम्मा रेड्डी

ताडेपल्ली। पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने राज्य के बेरोजगार युवाओं और छात्रों के साथ किए गए विश्वासघात के लिए गठबंधन सरकार की कड़ी निंदा की। एक्स पर पोस्ट किए गए एक बयान में, उन्होंने वाईएसआर कांग्रेस पार्टी द्वारा आयोजित राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन 'युवथा पोरु' में भाग लेने वाले सभी छात्रों और युवाओं को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने सरकार के धोखे और लापरवाही के खिलाफ अपनी आवाज उठाने के लिए सड़कों पर उतरने के लिए उनकी प्रशंसा की।

वाईएस जगन ने नरसारावपेट में शांतिपूर्ण तरीके से विरोध कर रहे छात्रों पर पुलिस लाठीचार्ज पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने सरकार की हिंसक प्रतिक्रिया पर सवाल उठाया और पूछा कि छात्रों ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपने और उनसे जो वादा किया गया था, उसे मांगने के अलावा और क्या गलत किया है। उन्होंने याद किया कि चुनाव अभियान के दौरान, टीडीपी ने घर-घर जाकर न केवल 3,000 रुपये मासिक बेरोजगारी भत्ता देने का

वादा किया था, बल्कि प्रत्येक घर में प्रत्येक पात्र युवा को मुद्रित बांड भी वितरित किए थे। ये वादे उनके घोषणापत्र में भी प्रकाशित किए गए थे और उनके सहयोगी मीडिया आउटलेट्स जैसे कि ईनाडु में भी इसे आगे बढ़ाया गया था, जिस समाचार पत्र में ने हाल ही में बताया था कि राज्य में 1.25 करोड़ से अधिक लोग नौकरियों की प्रतीक्षा कर रहे हैं। फिर भी, पूरे एक साल तक सत्ता में रहने के बावजूद, सरकार ने बेरोजगारी सहायता में एक भी रुपया नहीं दिया।

वाईएस जगन ने सवाल किया कि 1.25 करोड़ युवाओं में से कितने लोगों को वास्तव में वादे के अनुसार 3,000 रुपये मासिक भत्ता मिला। उन्होंने कहा कि टीडीपी ने इस साल एक बार फिर युवाओं को धोखा दिया है। इसके अलावा, वाईएस जगन ने बताया कि गठबंधन सरकार जगन शासन की शिक्षा योजनाओं के तहत लंबित धनराशि जारी करने में विफल रही है। उन्होंने कहा कि जगन्नाथ विद्या दीवेना के तहत फीस प्रतिपूर्ति के रूप में 4,200 करोड़ रुपये जनवरी 2024 से जून 2025 तक छह तिमाहियों में देय थे। इसमें से केवल 750 करोड़ रुपये ही जारी किए गए हैं। इसी तरह, वासथी दीवेना योजना के तहत, दो किस्तों के लिए 2,200 करोड़ रुपये लंबित थे - एक अप्रैल 2024 में और दूसरी अप्रैल 2025 में। कुल मिलाकर, छात्रों के लिए 6,400 करोड़ रुपये लंबित थे, लेकिन केवल एक अंश का भुगतान किया गया था। इस वित्तीय उपेक्षा ने कई छात्रों को अपनी शिक्षा जारी रखने के बजाय पढ़ाई छोड़ने और काम की तलाश करने के लिए मजबूर किया है।

वाईएस जगन ने मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की आलोचना की कि वे किए गए वादों को पूरा करने के बजाय असहमति को कुचलने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि युवा केवल उनसे किए गए वादों के कार्यान्वयन की मांग कर रहे थे और सवाल किया कि क्या अब इसे भी अपराध माना जाता है।

उन्होंने यह कहते हुए निष्कर्ष निकाला कि नरसारावपेट में लाठीचार्ज गठबंधन की ÷लाल किताब÷ शैली के शासन का स्पष्ट संकेत है, जहाँ जवाबदेही की जगह दमन ने ले ली है। उन्होंने चेतावनी दी कि सरकार के झूठ, विश्वासघात और उत्पीड़न को जल्द ही लोगों के सामने पेश किया जाएगा और चंद्रबाबू से आग्रह किया कि वे बहुत देर होने से पहले अपना रास्ता सुधार लें

मुखर्जी का नारा कोई राजनीतिक नारा नहीं बल्कि राष्ट्र की एकता और अखंडता का प्रतीक :भजनलाल

अर्थ प्रकाश/मनोहर लाल

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भारतीय जनसंघ के संस्थापक डा श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस को केवल स्मरण का नहीं, प्रेरणा का दिन बताते हुए कहा है कि डा मुखर्जी का नारा एक देश में दो विधान, दो निशान नहीं चलेंगे, वह कोई राजनीतिक नारा नहीं था बल्कि राष्ट्र की एकता और अखंडता का प्रतीक था और भारत की आत्मा की पुकार था।

श्री शर्मा ने सोमवार को यहां भाजपा प्रदेश कार्यालय में डा मुखर्जी को श्रद्धाजंलि को श्रद्धांजलि के लिए आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि जनसंघ की स्थापना कर वैकल्पिक राजनीतिक विचारधारा को जन्म देने वाली 14 लोगों की पार्टी आज 14 करोड़ कार्यकर्ताओं का संगठन बनकर विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बन गई।

उन्होंने कहा कि डा मुखर्जी जी ने राष्ट्रवाद को सर्वोच्च प्राथमिकता

दी। जहां हुए बलिदान मुखर्जी, वो कश्मीर हमारा है का नारा आज भी जीवंत है। कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने की उनकी प्रतिबद्धता को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साकार किया। राम मंदिर निर्माण हो या अनुच्छेद 370 का समाप्त होना, यह सब उनकी दूरदर्शी सोच और बलिदान का परिणाम है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सभी कार्यकर्ताओं का आह्वान किया डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सपनों के भारत को साकार करने के लिए हम सबको मिलकर कार्य करना होगा। श्री मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत का जो संकल्प लिया गया है, उसे हम सभी को पूरा करना होगा।

सुरक्षा से सुशासन और सहकार से समृद्धि ही ध्येय : मुख्यमंत्री यादव

अर्थ प्रकाश नेटवर्क

भोपाल। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में आज वाराणसी में हुई मध्य क्षेत्रीय परिषद् की 25वीं बैठक में सहभागिता की। बैठक में उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर धामी, एवं छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय भी उपस्थित रहे। डॉ. यादव ने कहा कि सुरक्षा से सुशासन और सहकार से समृद्धि ही सरकार का मुख्य ध्येय है और हमारी सरकार इसी दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि राज्यों के बीच

समन्वय, विकास के विभिन्न आयाम, सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं पर्यटन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर केन्द्रित यह बैठक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में सार्थक सिद्ध होगी। उन्होंने कहा कि बैठक में तय एजेंडा बिन्दुओं पर गहन विचार-विमर्श के अलावा राज्यों में हुई बेस्ट प्रैक्टिसेस का प्रेजेंटेशन भी दिया गया।

अपने प्रदर्शन से सभी वर्गों के लोगों का विश्वास जीता है : मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू

अर्थ प्रकाश / बोम्मा रेड्डी

अमरावती। तेलुगु देशम, बीजेपी, जनसेना गठबंधन सरकार की 1 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में कार्यकर्ताओं के साथ-साथ वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारीराज्य सचिवालय के प्रमुख विभाग के अधिकारी एवं मुख्य सचिव भी इस बैठक में उपस्थित थे शायद है पहले इस तरह का बैठक और आयोजन हैहर जिले के पार्टी कार्यकर्ता और अधिकारी की संयुक्त बैठक हो रही है एक बैठक का आयोजन किया जिसमें पार्टी की उपलब्धि पर चर्चा हुई

राज्य के कृषि मंत्री किंजरापु अत्चन्नायडू ने कहा कि गठबंधन सरकार बनने के एक साल के दौरान पार्टियों ने अपने प्रदर्शन से सभी वर्गों के लोगों का विश्वास जीता है। उन्होंने सोमवार को अमरावती में आयोजित सुपर सरकार के पहले चरण में मंत्री

अत्चन्नायडू की भागीदारी पर प्रसन्नता व्यक्त की। इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व में सरकार के शासन की आलोचकों द्वारा विकास और कल्याण पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रशंसा की गई है। उन्होंने कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि ये उपाय आने वाले समय में अधिक स्थिरता का मार्ग प्रशस्त करेंगे और लोगों के लिए उठाए गए कल्याणकारी उपाय और विकास कार्यक्रम विशेष महत्व के हैं। उन्होंने कहा कि गठबंधन सरकार ने कल्याण, कृषि, औद्योगिक विकास, बुनियादी ढांचे में सुधार के साथ-साथ सामाजिक न्याय के लिए काम करके लोगों का विश्वास अर्जित किया है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष के दौरान गठबंधन सरकार द्वारा उठाए गए कल्याणकारी कार्यक्रमों और विकास उपायों ने राज्य को अग्रणी बना दिया है और सरकार द्वारा उठाए गए हर कदम ने राज्य को अग्रणी बना दिया है कहा ।

सीमावर्ती क्षेत्रों में सड़क व संचार सुविधाओं के विस्तार किया जाना जरूरी : मुख्यमंत्री धामी

अर्थ प्रकाश नेटवर्क

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को वाराणसी में केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह की अध्यक्षता में आयोजित मध्य क्षेत्रीय परिषद की 25वीं बैठक में प्रतिभाग किया। बैठक में उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव, छत्तीसग? के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय एवं मंत्रीगण उपस्थित थे।

मध्य क्षेत्रीय परिषद की बैठक में मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने राज्य से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण मुद्दों को उठाते हुए कहा कि अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं से लगा उत्तराखण्ड राज्य सामरिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके दृष्टिगत राज्य के सीमावर्ती क्षेत्रों में सड़क, संचार, सुरक्षा एवं रसद आपूर्ति की समुचित सुविधाएं उपलब्ध कराना आवश्यक है। उन्होंने केन्द्रीय गृह मंत्री से आग्रह किया कि सीमा सड़क संगठन के माध्यम से उत्तराखण्ड को और अधिक सहायता प्रदान की जाए। वाईब्रेंट विलेज कार्यक्रम के अंतर्गत राज्य के सीमावर्ती गाँवों में सुविधाओं का विकास किया जाए जिससे वहां हो रहे पलायन को रोकने में सहायता

मिल सके। उन्होंने सीमांत क्षेत्रों में संचार सुविधाओं के विकास के लिए भारत नेट योजना, 4-जी विस्तार परियोजना तथा उपग्रह आधारित संचार सेवाएं प्रारंभ करने का भी अनुरोध किया।

मुख्यमंत्री ने बैठक में उत्तराखंड राज्य के हित में केंद्र सरकार से कुछ नीतिगत प्रावधानों में शिथिलता प्रदान करने का भी आग्रह किया। उन्होंने राज्य में प्रधानमंत्री आवास योजना के केंद्रीय अनुदान का आवंटन एकमुश्त किये जाने, प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के कुशल संचालन हेतु अतिरिक्त सहयोग प्रदान करने, जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के अध्ययन के लिए राज्य में एक उच्चस्तरीय ग्लेशियर अध्ययन केंद्र की स्थापना किये जाने और जैव विविधता संरक्षण संस्था की स्थापना के लिए भी केंद्र से तकनीकी सहयोग की मांग की। मुख्यमंत्री ने राज्य में साहसिक पर्यटन की संभावनाओं को देखते हुए अंतर्राष्ट्रीय साहसिक खेल प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना के लिए सहयोग मांगा। उन्होंने उत्तराखण्ड में वर्ष 2026 में नंदा राजजात यात्रा और 2027 में कुम्भ मेले के सफल एवं भव्य आयोजन हेतु केंद्र सरकार से आवश्यक सहयोग प्रदान करने का भी आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि लगभग 80 प्रतिशत पर्वतीय भू-भाग वाले उत्तराखण्ड राज्य का 71 प्रतिशत क्षेत्र वनों से आच्छादित है। राज्य की जटिल भौगोलिक परिस्थिति तथा विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं के कारण राज्य की आर्थिक गतिविधियाँ सीमित हैं। इन प्रतिकूल परिस्थितियों एवं सीमित संसाधनों के बावजूद राज्य की अर्थव्यवस्था में लगभग डेढ़ गुना की वृद्धि हुई है।

विश्व पटल पर देवीदढ़ को खास पहचान दिलाने की आवश्यकता, प्रदेश के पर्यटकों की पहली पसंद

- देवदार के घने जंगल में देवीदढ़ का खुला मैदान बना पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र
- कशिकारी माता–कमरूनाग पैदल ट्रैक पर ठहराव के लिए उम्दा पड़ाव
- कबड़ा देव कमरूनाग की बहन करती हैं यहां निवास

अर्थ प्रकाश/सुभाग सचदेवा

गोहर, 24 जून। घने देवदारों के बीच हरी घास का खुला ढलानदार मैदान और साथ ही चट्टानों से अठखेलियां करता निर्मल-उजला पहाड़ी नदी-नालों का पानी। हरे-भरे खेतों में मटर-आलू की लहलहाती फसल और दूर कहीं गांव के पीछे ढलते सूरज का नज़ारा। जी हां, हम बात कर रहे हैं जिला मंडी के नाचन विधानसभा क्षेत्र के तेजी से उभरते हुए पर्यटक स्थल देवीदढ़ की। स्वच्छ आवो-हवा के साथ प्राकृतिक छटाओं को निहारने के लिए दूर-दूर से पर्यटक जिऊणी घाटी के अंतिम छोर पर बसे इस रमणीक स्थल पर पहुंच रहे हैं।

समुद्र तल से करीबन 7800 फीट की ऊंचाई पर स्थित देवीदढ़ जिला मंडी का एक उभरता हुआ पर्यटन स्थल है। यह क्षेत्र पूरी तरह से देवदार के घने जंगलों से ढका हुआ है। लुभावनी प्राकृतिक सुंदरता से संपन्न देवीदढ़ मैदानों की चिलचिलाती गर्मी से राहत दिलाने के लिए बेहतरीन स्थल है। देवीदढ़ शिकारी माता और देव कमरूनाग के लिए एक प्रमुख ट्रैकिंग प्वाइंट भी है। शिकारी माता यहां से मात्र आठ किलोमीटर की दूरी पर है। कमरूनाग पहुंचने के लिए यहां से पैदल ट्रैक के साथ ही सम्पर्क सड़कें भी हैं। हर साल हजारों प्रकृति प्रेमी यहां सप्ताहांत बिताने आते हैं। हिमाचल के अलावा पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ व दिल्ली से भी पर्यटक यहां पहुंच रहे हैं। चंडीगढ़ से आए दंपत्ति मीना एवं विद्या सागर ने बताया कि वे अकसर यहां घूमने आते रहते हैं। यहां का शांत वातावरण व स्वच्छ हवा उन्हें काफी भाती है। मंडी से आए गगनेश ने बताया कि गर्मी से राहत पाने यहां आए हैं। यहां ताजा हवा, मनमोहक नजारे और देवी दर्शन का आनंद मिला।

अराध्य देव बड़ा देव देव कमरूनाग की बहन का है यह मैदान

देवीदढ़ का नाम यहां स्थित माता मुंडासन से जुड़ा है। स्थानीय ग्रामीण नारायण सिंह बताते हैं कि दढ़ का शाब्दिक अर्थ मैदान होता है और देवी शब्द जुड़ने से इसका अर्थ हुआ देवी का मैदान। माता मुंडासन का एक छोटा सा मंदिर यहां स्थित है। बकौल नारायण सिंह देवी मुंडासन मंडी जनपद के आराध्य देव कमरूनाग की बहन मानी गई हैं। मेले के दौरान कमरूनाग जी के पुजारी पांच दिन यहां निवास करते हैं। एक मान्यता यह भी है कि चंड–मुंड संहार में मुंड को हराने पर देवी दुर्गा का नाम मुंडासन पड़ा और शेर पर सवार उनकी मूर्ति मंदिर में स्थित है।

पार्क में अठखेलियां

देवीदढ़ में निचले छोर पर बच्चों के लिए ट्रैकिंग ट्रेल, वाटर वोटिंग, झूले इत्यादि स्थापित किए गए हैं। सेल्फी प्वांइट भी बनाया गया है। घास के मैदान से थोड़ा बाहर निकलें तो यहां से बहते पहाड़ी नाले के किनारे टहलना एक अलग अनुभव देता है। नाले पर बना पुराना पुल हर किसी को आकर्षित करता है। थोड़ी ऊंचाई पर शिकारी माता मार्ग से और भी मनमोहक नजारे देखे जा सकते हैं।

कैसे पहुँचें

वायु मार्ग से आने के लिए निकटतम हवाई अड्डा कुल्लू जिले के भुंतर में लगभग 94 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। ट्रेन द्वारा पहुंचने के लिए निकटतम रेल संपर्क जोगिंदर नगर में नैरो गेज लाइन है जो लगभग 111 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। सड़क मार्ग से जाना हो तो मंडी–डडौर–चैलचौक–देवीदढ़ सड़क पर 55 किलोमीटर का सफर तय कर पहुँचा जा सकता है। चंडीगढ़ तक रेल या हवाई मार्ग के बाद चंडीगढ़–मनाली फोरलेन मार्ग पर मंडी सुंदरनगर के बीच डडौर गांव से यहां की यात्रा की जा सकती है।

ग्रामीण जीवन में ठहरने का अलग ही मज़ा

यहां ठहरने के लिए होमस्टे की अच्छी सुविधा सुलभ दामों पर मिल जाती है। प्रदेश सरकार होम स्टे सुविधाओं को बढ़ावा देने के लिए कई ठोस कदम भी उठा रही है, जिससे सैलानियों को ठहरने की बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होने के साथ ही होम स्टे संचालकों को भी लाभ सुनिश्चित हो रहा है। पर्यटक देवीदढ़ में वन विश्राम गृह में भी ठहर सकते हैं। उन्हें आस–पास के ग्रामीण जीवन को और नजदीक से जानने–समझने का भी मौका मिलता है। स्थानीय लोगों को इससे आमदन भी अच्छी हो जाती है। चाय–स्नैक्स का ठेला लगाने वाले डूम राम बताते हैं कि वे सीजन के दौरान एक दिन में दो से तीन हजार रुपए कमा लेते हैं।

जिला स्तरीय बैंक सलाहकार एवं समीक्षा बैठक आयोजित, एडीसी ने की अध्यक्षता

धोखाधड़ी से निपटने के लिए उचित कदम उठाने के दिए निर्देश

- जिला में बैंको ने मार्च तिमाही 2025 तक बांटे 2959.96 करोड़ के ऋण

अर्थ प्रकाश संवाददाता

ऊना, 24 जून। अतिरिक्त उपायुक्त (एडीसी) ऊना महेंद्र पाल गुर्जर ने बैंकों को वार्षिक ऋण योजना के तहत निर्धारित लक्ष्यों को समय पर प्राप्त करने के निर्देश दिए ताकि लोगों की आर्थिक जरूरतों को पूर्ण किया जा सके। उन्होंने किसानों को लाभान्वित करने के लिए ज्यादा से ज्यादा किसानों को कृषि कार्ड वितरित, कृषि औजारों हेतु ऋण प्रदान करने तथा लघु उद्योगों को बढ़ावा देने के लिये प्रोत्साहित करने को भी कहा। यह बात एडीसी ने जिला स्तरीय बैंक सलाहकार एवं समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए कही।

महेंद्र पाल गुर्जर ने बैंकों की वार्षिक ऋण योजना के अंतर्गत की गई उपलब्धियों पर संतोष व्यक्त किया, लेकिन प्राथमिक क्षेत्र में ऋण वितरण की कम उपलब्धि पर चिंता जताई। उन्होंने सभी बैंकों को जमा-ऋण अनुपात बढ़ाने और प्राथमिक क्षेत्र में ऋण वितरण में सुधार के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्यों और नीतियों का पालन करते हुए बैंकों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि अधिक से अधिक लोगों को ऋण योजनाओं का लाभ मिले, जिससे आमजन और उद्यमियों को लाभ पहुंच सके। उन्होने सभी बैंको को निर्देश दिए कि सरकार प्रायोजित योजनाओं के तहत ऋण आवेदनों को समय पर मंजूरी दें। इसके अलावा बैंकिंग प्रणाली में ग्राहकों के साथ आए दिन हो रही धोखाधड़ी के लिए उचित कदम उठाने तथा अधिक से अधिक ग्राहकों को जागरूक करने एव सतर्कता बरतने के लिए आवश्यक कदम उठाने पर भी जोर दिया।

एडीसी ने चौथी तिमाही में बैंकों द्वारा लक्ष्यों के बदले उपलब्धियों की समीक्षा करते हुए बताया कि जिला के बैंकों ने मार्च 2025 तक 2398.71 करोड़ के ऋणों के वार्षिक लक्ष्य के बदले में 2959.96 करोड़ के ऋण वितरित किए। बैंकों की जमा राशि 15006.45 करोड़ हो गयी है, इसमें 8.16 प्रतिशत वार्षिक दर से वृद्धि हुई है जबकि ऋण 11.77 प्रतिशत की दर से बढ़ कर 4735.37 करोड़ हो गया है। जिला का ऋण जमा अनुपात वर्ष में 31.56 प्रतिशत हो गया है। जिला का ऋण जमा अनुपात राष्ट्रीय लक्ष्य 60 प्रतिशत की अपेक्षा कम है। उन्होंने बैंकों का ऋण जमा अनुपात सुधारने के लिए बैंकों और सरकारी विभागों को भरसक प्रयत्न करने के निर्देश दिए।

अतिरिक्त उपायुक्त ने बताया कि बैंकों ने 31 मार्च, 2025 तक किसानों को 70,132 कृषि कार्ड बांटे जबकि मार्च तिमाही में बैंकों ने 378 कृषि कार्ड बांटे हैं। बैंकों का कृषि ऋण 896.98 करोड़ है जो कि कुल ऋणों का 18.94 प्रतिशत हैं। उन्होंने बैंकों को जनता के जीवन स्तर को सुधारने के लिए हर संभव मदद करने के निर्देश दिए।

ये रहे मौके पर मौजूद

बैठक में जिला परिषद अध्यक्षा नीलम कुमारी, एसडीएम ऊना विश्व मोहन देव चौहान, भारतीय रिजर्व बैंक से जिला अग्रणी अधिकारी राहुल जोशी, मुख्य जिला अग्रणी बैंक प्रबन्धक संजीव कुमार सक्सेना, आरसेटी निर्देशक सुधीर कुमार शर्मा, संयुक्त निदेशक उद्योग अंशुल धीमान, उपनिदेशक मत्स्य विभाग विवेक चंदेल, बीडीओ केएल वर्मा, जिला पंचायत अधिकारी श्रवण कुमार, उपनिदेशक बागवानी केके भारद्वाज, डीडीएम नाबार्ड सबरिना राजवंशी सहित विभिन्न बैंकों के जिला समन्वयकों तथा सरकारी/ गैरसरकारी अधिकारियों ने भाग लिया।

बरसात से पहले नगर निगम की तैयारी अधूरी: पुष्पा देवी

बरसात मुहाने पर नालों की सफाई नहीं हो पाई

- पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष ने नगर निगम पर उठाए सवाल

अर्थ प्रकाश संवाददाता

ऊना, 24 जून। मुहाने पर खड़ी बरसात ने शहरवासियों की चिंता बढ़ा दी है। लोगों को अभी से बरसात के दिनों में जलभराव की चिंता सतानी शुरु हो गई। नगर निगम ऊना द्वारा समय रहते नालों की सफाई नहीं करवाई जा सकी है। ऐसे में आने वाले दिनों में ऊना शहर के लोगों को जलभराव की समस्या गहराने की आशंका बढ़ गई है। नगर परिषद ऊना की पूर्व अध्यक्ष व पार्षद पुष्पा देवी ने कहा कि हर साल बरसात के दिनों में नालों की सफाई करवाई जाती है, लेकिन इस बार नालों की सफाई नहीं हो पाई है। उन्होंने कहा कि ऐसे में लोगों को जलभराव की समस्या का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि शहर के विभिन्न इलाकों में नालों की हालत बद से बदतर बनी हुई है। गंदगी, प्लास्टिक और मलबा जमा होने के कारण पानी का बहाव पूरी तरह अवरुद्ध हो चुका है। इस बारे में स्थानीय लोग भी उनसे कई बार गुहार लगा चुके है, लेकिन अधिकारियों द्वारा इस पर कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है।

पुष्पा देवी ने बताया कि वार्ड नंबर 1, 5, 9, वार्ड नंबर 10, 11 रामपुर एरिया में बड़े-बड़े नाले हैं। जिन्हें हर साल बरसात से पहले जेसीबी के साथ साफ करवाया जाता था, लेकिन अब नगर परिषद को नगर निगम का दर्जा मिल चुका है, लेकिन इस बार नगर निगम के अधिकारियों द्वारा इन नालों की सफाई के लिए कोई कार्रवाई नहीं की गई है। अब बरसात शुरु हो चुकी है। ऐसे में लोगों को अपने घरों में बरसाती पानी घुसने की चिंता शुरु हो गई है। उन्होंने कहा कि अगर जल्द नालों की सफाई नहीं करवाई गई तो पहली ही बारिश में दुकानों व घरों में पानी घुसने का खतरा पैदा हो जाएगा।

पुष्पा देवी ने बताया कि इसके अलावा शहर की विभिन्न गलियों की हालत भी खस्ता पड़ी हुई है। गलियों की रिपेयर का काम नहीं हो पा रहा है। गलियों की रिपेयर के लिए आउटसोर्स पर रखे कामगारों को निकाल दिया गया है। अब नए टेंडर नहीं हो पाए है। ऐसे में गलियों की रिपेयर नहीं हो रही है। उन्होंने कहा कि गलियों में गहरे गडढे पड़ चुके है, जोकि हादसों का कारण बन रहे है। लोग लगातार ऐसी समस्याएं लेकर उनके पास आ रहे है, लेकिन गलियों की दशा को भी नहीं सुधारा जा रहा है। उन्होंने कहा कि नगर निगम अधिकारियों को लोगों की समस्याओं का समाधान करना चाहिए। अन्यथा नगर निगम को जनता के आक्रोश का सामना करना पड़ेगा।

छपराहण की पूर्वी ठाकुर व बासा का रणवीर कुमार जेएनवी पंडोह के लिए चयनित

अर्थ प्रकाश/सुभाग सचदेवा

गोहर 24 जून। गोहर उपमंडल की छपराहण पंचायत के कूट गांव की पूर्वी ठाकुर ,व बासा पंचायत के रणवीर कुमार का चयन जवाहर नवोदय विद्यालय पंडोह में छठवीं कक्षा के लिए हुआ है। पुर्वी ठाकुर जो वर्तमान में डीएवी पब्लिक स्कूल गोहर से छठवीं की पढ़ाई कर रही थी, अब आगे की पढ़ाई जेएनवी पंडोह से करेगी। पूर्वी के पिता डॉ हरीश चन्द्र हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय हमीरपुर में कार्यरत और माता दयावंती देवी गृहिणी है। डीएवी पब्लिक स्कूल गोहर के प्रधानाचार्य चन्द्रेश्वर कुमार शर्मा और छपराहण पंचायत के प्रधान दिनेश कुमार ने पूर्वी ठाकुर को जेएनवी पंडोह में चयनित हाने के लिए बधाई दी और उसके उज्वल भविष्य की कामना की। वहीं पर ग्राम पंचायत बासा का रणवीर कुमार भी अब जेएनवी पंडोह से करेगा पढ़ाई। उपमंडल गोहर की बासा पंचायत के रणवीर कुमार का चयन भी जवाहर नवोदय विद्यालय पंडोह के लिए हुआ है। रणवीर कुमार वर्तमान में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला गोहर से छठवीं कक्षा का विद्यार्थी है, जेएनवी का ऐंटरैंस टैस्ट पास कर आगे की पढ़ाई जेएनवी पंडोह से करेगा। रणवीर कुमार के पिता योगराज निजी व्यवसाय करते हैं और माता डोलमा देवी सरदार पटेल विश्वविद्यालय मंडी में कार्यरत है। गोहर स्कूल की प्रधानाचार्या अंजू बाला ने रणवीर कुमार को जेएनवी चयन के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दी है।

बाल विकास परियोजना अंब के तहत भरे जाएंगे आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं व सहायिकाओं के 11 पद

- 7 जुलाई तक कर सकते हैं आवेदन

अर्थ प्रकाश संवाददाता

ऊना, 24 जून। बाल विकास परियोजना अंब के तहत आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के 4 और सहायिकाओं के 7 पदों के लिए आवेदन मांगे गए हैं। कार्यकारी सीडीपीओ अंब कुलदीप कुमार ने बताया कि इच्छुक अभ्यर्थी अपने आवेदन सादे कागज पर भर के 7 जुलाई सायं 5 बजे तक बाल विकास परियोजना कार्यालय अम्ब में जमा करवा सकते हैं। कुलदीप कुमार ने बताया कि आंगनवाड़ी केंद्र छपरोहिए, स्तोथ, प्रतापनगर-1 और कटोहड़ खुर्द-2 में आंगनवाडी वर्करों का 1-1 भरा जाएगा। इसके अतिरिक्त आंगनबाड़ी केंद्र अरनवाल, झोला भटोला, सारड़ा, वधमाणा-1, मिरगु (अमोकला प्रीतम), सेरी-1 और थनीकपुरा में सहायिकाओं का 1-1 पद भरा जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि इन पदो के लिए साक्षात्मकार 9 जुलाई को सुबह 10 बजे बाल विकास परियोजना अधिकारी कार्यालय अम्ब में होगा।

शैक्षणिक योग्यता एवं मानदंड

कुलदीप कुमार ने बताया कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और आंगनवाड़ी सहायिका हेतु न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 12वीं पास निर्धारित की गई है। प्रार्थी की आयु 18 से 35 वर्ष के मध्य होनी चाहिए। अभ्यर्थी संबंधित आंगनवाड़ी केंद्र के सर्वे क्षेत्र का सामान्य निवासी होना चाहिए। प्रार्थी के परिवार की वार्षिक आय 50 हजार से अधिक नही होनी चाहिए जिसका प्रमाण पत्र नायब तहसीलदार/तहसीलदार/कार्यकारी मजिस्ट्रेट अधिकारी द्वारा प्रमाणित/प्रतिहस्ताक्षरित होना चाहिए।

ये रहेगी साक्षात्कार की प्रक्रिया

उन्होंने कहा कि विज्ञापित पदों के लिए चयन कुल 25 अंकों में से योग्यता के आधार पर होगा। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और आंगनवाड़ी सहायिका के लिए जमा दो के अंक प्रतिशतता के अधिकतम पास अंक के आधार पर शैक्षणिक योग्यता के लिए अधिकतम 10 अंक दिए जाएंगे, जिसमें जमा दो में अंकों का प्रतिशत अधिकतम 7 अंकों के अधीन आनुपातिक आधार पर होगा। उच्च शैक्षणिक योग्यता रखने वाले उम्मीदवारों को 3 अतिरिक्त अंक दिए जाएंगे, जिसमें स्नातक के लिए 2 अंक तथा स्नातकोत्तर और ऊपर के लिए 1 अंक रखा गया है। कार्य अनुभव के लिए अधिकतम 3 अंक दिए जाएंगे, इसमें संबंधित पंचायत में कार्यरत आंगनवाड़ी कार्यकर्ता/आंगनवाड़ी सहायिका/बाल सेविका/बालवाड़ी शिक्षक/नर्सरी शिक्षक/सिलाई शिक्षक/ईसीसीई की शिशु पालक, जिन्होंने 10 महीने तक काम किया है, उन्हें प्रत्येक वर्ष के अनुभव के लिए एक अंक दिया जाएगा, जो अधिकतम 3 अंकों के अधीन होगा। 40 प्रतिषत और उससे अधिक विकलांगता वाली दिव्यांग महिलाओं के लिए 2 अंक दिए जाएंगे। इसमें यह शर्त रहेगी कि विकलांगता इस प्रकार की ना हो कि वह उनकी नौकरी की जिम्मेदारी के निर्वहन में बाधा उत्पन्न करे। एससी/एसटी/ओबीसी उम्मीदवारों के लिए 2 अंक, राज्य गृह निवासी,बालिका आश्रम निवासी, अनाथ, विधवा, निराश्रित, तलाकशुदा, विवाहित महिलाएं जिनके पति का पिछले 7 वर्षों से पता नहीं चल पा रहा है, महिलाएं जो अपने पतियों द्वारा परित्यक्त हैं और जो अपने माता–पिता के साथ रह रही हैं, के लिए 3 अंक दिए जाएंगे। जिनके कोई पुत्र नहीं है ऐसे दो पुत्रियों वाले परिवारों की अविवाहित लड़की के लिए 2 अंक या जिनके कोई पुत्र नहीं है ऐसे दो पुत्रियों वाली विवाहित महिलाओं के लिए 2 अंक दिए जाएंगे। व्यक्तिगत साक्षात्कार के लिए 3 अंक दिए जाएंगे।

सलोगड़ा में पेड़ से झूलता मिला शव, जांच में जुटी पुलिस

सोलन, 24 जून (अप्रस)। सोलन थाना के तहत कूड़ा संयंत्र सलोगड़ा के समीप पेड़ से झूलता शव मिला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने मिली जानकारी के अनुसार कूड़ा संयंत्र सलोगड़ा के कर्मचारियों ने सोलन पुलिस को सूचना दी कि यहां झाड़ियों के बीच एक व्यक्ति पेड़ से लटका हुआ है। सूचना पाकर पुलिस टीम मौके पर पहुंची, जहां पर एक व्यक्ति झाडियों के बीच लटका पाया गया। इसके बाद एसएफएसएल की टीम को मौका पर बुलाकर घटनास्थल व शव का निरीक्षण करवाया गया। जांच पर उक्त व्यक्ति की पहचान उसके बेटे अनिल ने की है। मृतक की पहचान ज्ञान चंद (49) निवासी गांव व डाकखाना मसेरन जिला मंडी हिमाचल हाल किरायेदार गांव सलोगडा, जिला सोलन के रूप में हुई। मौका पर पुलिस टीम व एसएफएसएल की टीम द्वारा शव का निरीक्षण किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान उसके शरीर पर कोई भी चोट-खरोंच के निशान न पाए गए हैं केवल गले में रस्सी के निशान पाए गए हैं। शव जिस जगह पर लटका हुआ है उसी स्थान के साथ नगर निगम का कूड़ा संयंत्र है जिस कारण मृतक के शव पर मखियां लगी हुई है। निरीक्षण करने पर शव 2/3 दिन पुराना लग रहा है। मौका पर मृतक के परिजन व अन्य लोगों के बयान लेखबद्ध किए जा रहे हैं। प्रारंभिक जांच पर पाया गया कि मृतक ज्ञान चन्द गांव सलोगडा में अपने परिवार के साथ किराये के कमरा में रह रहा था। 21 जून 2025 को वह प्रातः के समय घर से निकला था। मृतक ने करीब 9.00/9.15 बजे अपने छोटे बेटे जो चंडीगढ़ में रह रहे हैं को फ़ोन करके बतलाया कि शाम को घर आ जाना क्योंकि घर पर कल रिश्तेदार आ रहे हैं। उसके बाद मृतक ने कोई भी फोन न उठाया।

अभी तक की जांच पर पाया जा रहा है कि मृतक की मृत्यु फंदा लगाने के कारण हुई हैं। पुलिस मामले की गहनता से जांच की जा रही है।

श्रीमद् भागवत कथा एवं ज्ञान महायज्ञ के दूसरे दिवस की कथा में बोले परम पूज्य स्वामी श्री राजेंद्र दास देवाचार्य जी महाराज

'कलियुग में जन्म लेकर भी सतयुग में जिया जा सकता है'

अर्थ प्रकाश संवाददाता

ऊना, 24 जून। श्रीमद् भागवत कथा एवं ज्ञान महायज्ञ के दूसरे दिवस पर आज गोंदपुर जयचंद में कथा व्यास परम पूज्य स्वामी श्री राजेंद्र दास देवाचार्य जी महाराज ने कहा कि 'मनुष्य यदि जीवन में पांच दोषों का त्याग कर दे तो कलियुग में जन्म लेकर भी सतयुग जैसी पवित्रता से जीवन जी सकता है।'

उन्होंने पांच दोषों को विस्तार से बताते हुए कहा कि जुआ खेलना, मदिरा का सेवन करना, तामसिक भोजन करना, व्यविचार करना और पाप की कमाई ।स्वामी जी ने कहा कि इन दोषों का त्याग कर मनुष्य का जीवन शांत, सुखमय एवं भक्तिमय बन जाता है। और वह मोक्ष की ओर अग्रसर होता है।

उन्होंने मनुष्य जीवन में सत्संग का महत्व बताते हुए कहा कि हमें व्याकुल हृदय भाव से भगवान का भजन करना चाहिए। उन्होंने भगवान श्री कृष्ण की लीलाओं के बारे में विस्तार से बताया। उनके दिव्य वचनों से पूरा पंडाल भक्ति एवं श्रद्धा से ओतप्रोत हो गया।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री, उनकी सुपुत्री डॉ. आस्था अग्निहोत्री, एवं अनेक विशिष्ट अतिथियों सहित भारी संख्या में श्रद्धालुजन उपस्थित रहे। कथा के पश्चात सभी श्रद्धालुओं ने भंडारे एवं महाप्रसाद का पावन लाभ प्राप्त किया।

इस पुण्य अवसर पर पूर्व विधायक सतपाल रायजादा, क्षेत्र की विभिन्न पंचायतों के प्रतिनिधि एवं अनेक गणमान्य अतिथि भी उपस्थित रहे।

विश्व रक्तदाता दिवस पर राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला राजगढ़ में जागरूकता कार्यक्रम

अर्थ प्रकाश संवाददाता

रत्ती (ज्वालामुखी), 24 जून। खंड चिकित्सा अधिकारी रत्ती डॉ पीयूष वैद्यया के आदेशानुसार राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला राजगढ़ में विश्व रक्तदाता दिवस स्कूल की प्रिंसिपल अभिलाषा सेन की अध्यक्षता में मनाया गया। खंड स्वास्थ्य शिक्षक ज्वालामुखी सुरेश चन्देल ने स्कूल के बच्चों को रक्तदान के बारे में विस्तार पूर्वक जागरूक किया। उन्होंने कहा कि लोगो को रक्तदान के बारे में जागरूक करे। ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग रक्तदान करे।

उन्होंने कहा कि इस दिवस का उद्देश्य रक्तदान के बारे मे जागरूकता बढ़ाना और रक्तदान करने के लिए लोगो को प्रोत्साहित करना है। चन्देल ने बताया कि रक्तदान से आप कई जिंदगियां बचा सकते हैं जैसे खून की कमी से गर्भावस्था व प्रसव के दौरान होने वाली मृत्यु को, दुर्घटना के समय अधिक खून बह जाने से होने वाली मृत्यु को, दूसरी सर्जिकल कंडीशन से होने वाली मृत्यु को, गंभीर रक्त अल्पता,कुपोषित बच्चे, थैलासीमिया, गुर्दे की विफलता व दूसरी कैंसर जैसी घातक बीमारियों के दौरान होने वाली जटिलताओं से निपटने के लिए रक्त चढ़ाकर बचाया जा सकता है। चन्देल ने कहा कि रक्तदान महादान है इससे बड़ा दान कोई नही क्योंकि रक्तदान करके आप किसी की भी जिन्दगी बचा सकते है। उन्होंने कहा कि रक्तदान के बाद रक्तदाता का रक्त 48 से 72 घंटे के बीच पूरा बन जाता है। और एक स्वस्थ व्यक्ति को ही रक्तदान करना चाहिए। रक्तदान करने से पहले व्यक्ति को दो गिलास पानी पीकर और पेट भर कर खाना खाकर ही रक्त का दान करना चाहिए। उन्होंने बताया कि जिसका हीमोग्लोबिन 12-5 ग्राम त्न से अधिक हो, वजन 45 किलोग्राम से अधिक हो, कोई भी स्वस्थ व्यक्ति 18 से 60 वर्ष की आयु तक एक बार मे एक यूनिट रक्त दान कर सकता हैं। और आपातकालीन स्थिती में एक यूनिट ब्लड तीन व्यक्तियों की जान बचा सकते हैं। पुरुष 3 महीने और महिलाएं 4 महीने के अंतराल में नियमित रक्त दान कर सकती हैं। चन्देल ने बताया कि यदि किसी व्यक्ति को हृदय रोग, मधुमेह, कैंसर, एड्स, गर्भवती महिला व स्तनपान करवाने वाली महिला, तथा बुखार, सर्दी, फ्लू संक्रमण वाले व्यक्ति रक्तदान नहीं कर सकते है और अगर कभी रक्त दान के बाद आपको चक्कर आना, पसीना आना, वजन कम होना या किसी भी अन्य प्रकार की समस्या लंबे समय तक बनी हुई हो तो आप रक्त दान ना करें। चन्देल ने बताया कि अगर जनसंख्या का 1त्न भाग भी रक्त का दान करें तो भी लगभग सभी जिंदगियों को बचा सकते हैं। इसलिए स्वस्थ व्यक्ति को रक्तदाता जरूर करना चाहिए। रक्तदान कभी भी आप ब्लड बैंक में जाकर के कर सकते हैं। चन्देल ने कहा कि रक्त देने से हम हार्ट टैक के खतरे को भी कम कर सकते है। रक्तदान के महत्व पर स्कूल के बच्चों की भाषण प्रतियोगिता व पेंटिंग प्रतियोगिता करवाई गई। भाषण प्रतियोगिता में पहला स्थान पर कशिश , दूसरा स्थान पर राधिका, आंचल, व तीसरा स्थान पर शिवम रहे।तथा पेंटिंग प्रतियोगिता में पहले स्थान पर अदिति , दूसरे स्थान पर कनिष्का, संस्कृती, व तीसरे स्थान पर खुशी रही। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को प्रोत्साहन के तौर पर रजिस्टर दिए गए। इस अवसर पर स्कूल के प्रिंसिपल अभिलाषा सेन ने बच्चों को कहा कि लोगो को रक्तदान करने के लिए जागरूक करें।

इस दिवस पर महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता राजगढ़ अनिता, सीएचओ रीमा राणा, स्कूल के अध्यापक संत सिंह, सपना, कविता,रोशन भारती, अजय कुमार, सुभाष चंद, शालनी, रेखा मीनाक्षी, आशा ज्योति, अंजू, ज्योतशना आशा कार्यकर्ता दया देवी,मीरा देवी, लीला देवी, मीना देवी, डोलमा देवी,ममता देवी और 236 स्कूल के बच्चे व 39 अध्यापक तथा स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी उपस्थित थे।

आपातकाल की विभिषिका बताने के लिए सभी जिलों में आज होंगे भाजपा के कार्यक्रम

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी करनाल, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली पंचकूला और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल फरीदाबाद पहुंचकर कांग्रेस के काले इतिहास के बारे में बताएंगे

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 24 जून। आपातकाल की विभिषिका को बताने के लिए आज भाजपा सभी जिलों में कार्यक्रमों का आयोजन करेगी। भाजपा ने जिला अनुसार होने वाले कार्यक्रमों की सभी तैयारियां पूरी कर ली है। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी करनाल में और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली पंचकूला में कांग्रेस द्वारा लगाए आपातकाल की खौफनाक यादों को लेकर कार्यक्रमों को संबोधित करेंगे। वहीं केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल फरीदाबाद में, राव इंद्रजीत सिंह गुरुग्राम में, सांसद, मंत्री और संगठन के नेता अलग-अलग जिलों में जाकर कांग्रेस के काले इतिहास की जानकारी देंगे।

अंबाला में असीम गोयल, राम अवतार सिंघल, रवि बतान, यमुनानगर में मंत्री महिपाल ढांडा, कुलभूषण गोयल, दशरथ सिंह चौहान, कुरूक्षेत्र में प्रो. एसपी सिंह बघेल, जवाहर सैनी आपातकाल पर होने वाले कार्यक्रम में मुख्य वक्ता होंगे। इसी तरह कैथल जिला में मंत्री अरविंद शर्मा, मदन गोयल, रेणू डाबला, पानीपत में कंवरपाल गुर्जर, जसबीर दोदवा, सोनीपत में मंत्री विपुल गोयल, सतीश नांदल, गोहाना में रामचंद्र जांगड़ा, समय सिंह भाटी, जींद में डा. कृष्ण मिड्ढा, ललीत बतरा, रोहतक में डा. कमल गुप्ता, गुलशन भाटिया, झज्जर में मंत्री कृष्णलाल पंवार, वीर कुमार यादव और कैप्टन भुपेंद्र सिंह मुख्य वक्ता होंगे।

डबवाली में होने वाले कार्यक्रम में मंत्री कृष्ण बेदी, निताशा सिहाग, सिरसा में मंत्री रणबीर गंगवा, अशोक गुर्जर, हांसी में राष्ट्रीय सचिव ओम प्रकाश धनखड़, सुनीता दांगी, हिसार में राज्यसभा सांसद सुभाष बराला, मुकेश गौड़, फतेहाबाद में प्रदेश महामंत्री सुरेंद्र पूनिया, दीपक शर्मा, भिवानी में मनीष ग्रोवर, दयाराम यादव, दादरी में प्रदीप जैन, सुरेंद्र आर्य, रेवाड़ी में रामबिलास शर्मा, अमरपाल राणा, महेंद्रगढ़ में सुनील ग्रोवर, अभिमन्यु यादव आपातकाल की विभिषिका के बारे में लोगों और कार्यकर्ताओं को बताएंगे।

गुरुग्राम में केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह, गार्गी कक्कड़, गुरुग्राम ग्रामीण में प्रदेश महामंत्री डा. अर्चना गुप्ता, गोविंद भारद्वाज, नागेन्द्र शर्मा मुख्य वक्ता होंगे। इसी तरह नूंह में मंत्री राजेश नागर, चरण सिंह तेवतिया, पलवल में मंत्री गौरव गौतम, गोपाल शर्मा, बल्लभगढ़ में रेखा शर्मा, रवि भूषण खत्री और फरीदाबाद जिला में केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल और दीपक मंगला मुख्य वक्ता रहेंगे।

भाजपा प्रदेश मीडिया प्रभारी अरविंद सैनी ने कहा बुधवार को प्रदेश में आपातकाल को लेकर गोष्ठियां होंगी और प्रदर्शनी लगाकर लोगों को कांग्रेस के काले इतिहास के बारे में बताया जाएगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली समेत तमाम भाजपा नेता कार्यक्रमों में पहुंचेंगे। उन्होंने कहा कि कार्यक्रमों में लोकतंत्र सेनानी लोगों से संवाद कर कांग्रेस के अत्याचारों के बारे में लोगों को अवगत कराएंगे।

यह बदलाव की शुरुआत है, भाजपा का अंत निकट: जगमग मटौर

गुजरात और पंजाब उपचुनावों में आप की जीत पर बांटे लड्डू

अर्थ प्रकाश/ओम प्रकाश

कैथल, 24 जून। आम आदमी पार्टी को विसावदर गुजरात और लुधियाना पश्चिम पंजाब विधानसभा उपचुनावों में मिली ऐतिहासिक जीत के बाद पूरे देश में जश्न का माहौल है। इसी कड़ी में कैथल जिले के आम आदमी पार्टी कार्यकर्ताओं ने जिला कार्यालय पर एकत्र होकर विजय उत्सव मनाया। कार्यकर्ताओं ने लड्डू बांटकर एक-दूसरे को बधाई दी और ढोल-नगाड़ों की गूंज के साथ जीत का जश्न मनाया। विजय उत्सव के बाद एक बैठक का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता जिला अध्यक्ष जगमग मटौर ने की। बैठक में मुख्य रूप से पूर्व मंत्री नरेंद्र शर्मा और वरिष्ठ नेता मास्टर सतबीर गोयत मौजूद रहे। बैठक में उपस्थित नेताओं और कार्यकर्ताओं ने दोनों राज्यों में पार्टी की जीत को आम जनमानस की जीत करार दिया और आने वाले विधानसभा चुनावों का सेमीफाइनल बताया। बैठक के उपरांत पत्रकारों से बातचीत करते हुए जिला अध्यक्ष ने कहा कि गुजरात और पंजाब में मिली जीत यह दर्शाती है कि देश की जनता अब आम आदमी पार्टी को एक मजबूत और ईमानदार विकल्प के रूप में देख रही है। हरियाणा में भी लोग भाजपा सरकार से त्रस्त हो चुके हैं। बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, बिजली के बढ़ते बिल और कानून व्यवस्था की बिगड़ती स्थिति ने आम नागरिकों का जीना मुश्किल कर दिया है। इस मौके पर अमरीक मोर, सुनील सहारण, प्रदीप कुराड, जसविंदर राणा, कुलदीप देवीगढ़, राजबीर सोंगल, युद्धवीर वालिया, सुभाष कुण्डू, सतीश, सुरेश मलिक, विक्की करोड़ा, अंकित ढुल सहित समस्त कार्यकारिणी सदस्य शामिल थे।

पूर्व मंत्री नरेंद्र शर्मा ने कहा कि आम आदमी पार्टी की जीत, दिल्ली और पंजाब की जनहितकारी नीतियों का नतीजा है। उन्होंने कहा कि यह चुनाव परिणाम इस बात का संकेत है कि आने वाले समय में हरियाणा में भी आम आदमी पार्टी ही जनता की पहली पसंद बनेगी। मास्टर सतबीर गोयत ने भी पार्टी कार्यकर्ताओं को बधाई देते हुए कहा कि इस जीत से कार्यकर्ताओं का हौसला और भी बुलंद हुआ है।

न्यूज ब्रीफ

स्नातक के लिए सबसे ज्यादा आवेदन आरकेएसडी कालेज को

कैथल (अप्रस/ओम प्रकाश)। आरकेएसडी महाविद्यालय कैथल में स्नातक कक्षाओं के आवेदनों में हरियाणा के एडिड महाविद्यालयों में आरकेएसडी महाविद्यालय को सर्वाधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं। प्राचार्य डॉ सत्यबीर मैहला ने बताया कि महाविद्यालय में स्नातक स्तर के 4 संकायों के कुल 17 कोर्स की 2445 सीटों के लिए कुल 3516 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इनमें से 2112 अभ्यार्थियों ने महाविद्यालय को प्रथम वरीयता के रूप में चुना है, जो हरियाणा के एडिड महाविद्यालयों में सर्वाधिक है। यह महाविद्यालय के प्रति विद्यार्थियों के रूझान को दर्शाता है। 25 जून को प्रोविजन लिस्ट जारी होगी, 26 जून को अंतिम रूप से प्रथम लिस्ट जारी होगी। इसमें शामिल अभ्यर्थियों को 30 जून तक फीस जमा करानी होगी। 27 जून से फीस भरने के दृष्टिगत महाविद्यालय के मुख्य सभागार में तैयारी पूर्ण कर दी गई हैं। इसमें सभी संकायों के अलग अलग फीस काऊंटर लगाऐ गये हैं। इसके अलावा विद्यार्थियों की सहायता के लिए हैल्प डैस्क भी लगातार कार्य करेगा।

युवक पर लगाया चचेरी बहन से दुष्कर्म का आरोप

कैथल (अप्रस/ओम प्रकाश)। जिले के एक गांव में एक युवक पर उसकी 19 वर्षीय चचेरी बहन से ही दुष्कर्म करने का आरोप लगा है। इस मामले में महिला थाना की पुलिस ने आरोपी युवक पर दुष्कर्म का केस दर्ज किया है। इस संदर्भ में महिला थाने में दी गई शिकायत में युवती ने बताया कि वह 11 जून को घर पर ऊपर के कमरे में अकेली थी। इस दौरान परिवार के अन्य सदस्य नीचे के कमरों में थे। उसके ताऊ का बेटा विवेक उसके कमरे में आ गया। कुछ दिन पहले उसके पिता की मृत्यु हो गई थी। इस कारण वह मानसिक रूप से थोड़ी परेशान थी। आरोपी ने उसे दिलासा दिलाने के बहाने उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया। दुष्कर्म करने के बाद आरोपी ने उसे धमकी दी कि यदि इस बारे में किसी को बताया तो वह उसे जान से मार देगा। उसके बाद आरोपी मौके से भाग गया। महिला थाना प्रभारी सुनीता ने बताया कि पुलिस ने आरोपी के खिलाफ के दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपी फरार बताया गया है।

कच्ची मिट्टी में धंसा ट्रक, नीचे दबी बाईक

कैथल (अप्रस)। यहां सिविल अस्पताल के सामने एक ट्रक सडक़ पर कच्ची मिट्टी में धंसने से पलट गया जिसके नीचे एक मोटरसाइकिल भी दब गई। गनीमत रही कि ट्रक चालक इसमें बाल बाल बच गया। ट्रक के चालक ने बताया कि वह कैथल से लकड़ी भर कर जा रहा था। जैसे ही वह राजौंद के सरकारी अस्पताल के पास पहुंचा तो कच्ची मिट्टी में ट्रक धंसने से एकदम पलटा खा गया। पास खड़ी एक मोटरसाइकिल भी ट्रक के नीचे दब गई जबकि दो मोटरसाइकिल सवार लोग ट्रक को आता देख पीछे हट गए और बच गए। ट्रक के चालक कर्म सिंह ने बताया कि सडक़ पर कार्य चल रहा है इसके संदर्भ मार्ग पर पहले न तो कोई बैरीकेड और न ही कोई डायरेक्शन लगाई गई है कि यहां रोड पर कार्य चल रहा है, भारी वाहन इस पर ना आएं। यह सरासर विभाग कि व ठेकेदार की लापरवाही है जिससे उसका हजारों रुपए का नुकसान हो गया है और वह इस हादसे में बाल बाल बच गया। उसने बताया कि वह ट्रक में लकड़ी लोड करके भिवानी जाने के लिए एनएच 152-डी पर जा रहा था कि यह हादसा हो गया। उसने बताया कि दो मोटरसाइकिल सवार लोग इसमें बाल बाल नीचे दबने से बच गए जबकि उनकी मोटरसाइकिल नीचे ही दब गई। उसने कहा कि यह सरासर संबंधित विभाग व ठेकेदार की लापरवाही के कारण हुआ है।

वरिष्ठ अग्र समाजसेवी विजय मंगला का किया स्वागत

बल्लभगढ़ (अप्रस/दयाराम वशिष्ठ)। अग्रवाल समिति बल्लबगढ़ की ओर से वरिष्ठ अग्र समाजसेवी विजय मंगला को अग्रवाल वैश्य समाज हरियाणा का बल्लभगढ़ विधानसभा क्षेत्र का अध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें समिति के पदाधिकारियों ने उन्हें शाल ओढ़ाकर एवं पुष्पमाला पहनाकर अभिनंदन किया। समिति के अध्यक्ष जितेंद्र सिंगला ने जानकारी देते हुए कहा कि वरिष्ठ अग्र समाजसेवी विजय मंगला को अग्रवाल वैश्य समाज हरियाणा के अध्यक्ष अशोक बुवानी वाला ने हरियाणा के संगठन मंत्री केदारनाथ अग्रवाल की अनुशंसा पर बल्लभगढ़ विधानसभा क्षेत्र का अध्यक्ष नियुक्त किया है। इस अवसर पर सुनील गोयल, ललित गोयल, लोकेश अग्रवाल, राकेश गुप्ता, दीपक सिंगला, पंकज सिंगला, दिनेश मंगला, वैध योगेश कुमार सिंगला एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। नवनियुक्त अध्यक्ष विजय मंगला ने अपनी नियुक्ति पर समाज के हरियाणा के अध्यक्ष अशोक बुवानी वाला का आभार प्रकट किया एवं समाज के अपने उत्तरदायित्व के प्रति निर्वहन का भरोसा दिलाया है। उल्लेखनीय है कि विजय मंगला अग्रवाल समाज के विकास में विगत 35 वर्षों से अधिक समय से अपना योगदान देते रहे हैं।

दो गाड़ियों से 76 पेटी अवैध शराब बरामद

अर्थ प्रकाश/दिनकर गावड़ी

हांसी, 24 जून। पुलिस अधीक्षक हांसी अमित यशवर्धन के दिशा-निर्देशानुसार जिला भर में अपराधो पर लगाम लगाते हुए एएनसी स्टाफ हांसी पुलिस ने 76 पेटी अवैध शराब मामलें में साहिल पुत्र नसीब निवासी भाटोल जाटान व औमबीर उर्फ बिट्टू पुत्र राजबीर निवासी मुढ़ाल खुर्द को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस प्रवक्ता कार्यालय से प्राप्त जानकारी अनुसार एएनसी स्टाफ हांसी पुलिस को गश्त पड़ताल के दौरान गुप्त सुचना मिली थी कि थोड़ी देर में दो व्यक्ति दो गाड़ियों में गांव सोरखी से अवैध शराब लेकर निकलेंगे। अगर फौरी तौर पर नाकाबन्दी की जाए तो उन्हें पकड़ा जा सकता है।एएनसी स्टाफ ने कार्रवाई करते हुए गांव सोरखी बस स्टैण्ड रोड़ पर नाकाबन्दी कर प्राप्त सूचना अनुसार दो गाड़ी आती दिखाई दी। ब्रेजा गाड़ी चालक पुलिस को देखकर गाड़ी को मौके पर छोड़कर भाग गया। गाड़ी को कब्जे में लेकर चैकिंग दौरान 21 पेटी अवैध शराब बरामद हुई और स्कार्पियों गाड़ी सवार व्यक्ति को हिरासत में लेकर गाड़ी को चैक किया तो गाड़ी के अन्दर से 55 पेटी शराब बरामद हुई। व्यक्ति से शराब बारे पुछा तो कोई बिल व परमिट पेश नही कर सका। व्यक्ति को हिरासत में लेकर व्यक्ति के खिलाफ थाना बास में शराब अधिनियम के तहत अभियोग अकिंत किया गया। गाड़ियों व अवैध शराब का कब्जा पुलिस में लिया गया है। एएनसी स्टाफ हांसी पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दूसरे आरोपी औमबीर उर्फ बिट्टू पुत्र राजबीर निवासी मुढ़ाल खुर्द को भी आज गिरफ्तार कर लिया है।

नप की बैठक में बाहरी लोगों के शामिल होने पर विधायक ने विरोध कर किया बहिष्कार

थानेसर के विकास की आवाज हर मंच उठाउंगा: अशोक अरोड़ा

अर्थ प्रकाश/राजकुमार वालिया

कुरुक्षेत्र, 24 जून। थानेसर के विधायक एवं पूर्व मंत्री अशोक अरोड़ा ने कहा कि देश संविधान और कानून से चलता है। नगरपरिषद थानेसर में संविधान और कानून को ताक पर रखकर उन्हीं बाहरी लोगों को हाऊस की बैठक में बिठाने की इजाजत दी गई, जिन्होंने 23 मई की बैठक में विघ्न डालकर सरकारी काम में बाधा पहुंचाई थी। अरोड़ा ने कहा कि जब तक सभी कायदे कानूनों को ताक पर रखकर बाहरी लोगों को बैठक में बैठने की इजाजत देना बंद नहीं किया जाता, तब तक वह नगरपरिषद की बैठक का बहिष्कार करेंगे। अरोड़ा अपने निवास स्थान पर पत्रकारों से वार्तालाप कर रहे थे। इस अवसर पर नगर पार्षद मनु जैन, नरेन्द्र राजू चौहान, राजेन्द्र सैनी, परमवीर सिंह प्रिंस तथा पार्षद प्रतिनिधि शिवम गुप्ता, पूर्व पार्षद गौरव शर्मा गौरी, विवेक भारद्वाज डब्बू सहित अनेक कांग्रेसी नेता उपस्थित थे।

अरोड़ा ने कहा कि बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर ने देश को संविधान दिया और देश संविधान के अनुसार ही चलता है, परन्तु नगरपरिषद थानेसर में जिस प्रकार से संविधान की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं, उसकी जितनी निंदा की जाए कम है। आज नगरपरिषद की बैठक में पालिका अधिनियम का हवाला देकर अनेक बाहरी लोगों को हाऊस की बैठक में बैठने की इजाजत दी गई, जो कि सरासर संविधान का उल्लंघन है। इन लोगों का बाबा साहेब द्वारा दिए गए संविधान में कोई भी विश्वास नहीं है। इसीलिए उन्होंने फैसला लिया है कि जब तक बाहरी लोगों का नगरपरिषद की बैठक में बैठना बंद नहीं किया जाता तब तक वह परिषद की किसी भी बैठक में भाग नहीं लेंगे। अरोड़ा ने कहा कि वह नगर के विकास और भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाते रहेंगे। हलके की जनता ने उन्हें विधायक चुना है और एक विधायक का फर्ज निभाते हुए वह हलके के लोगों की आवाज विधानसभा सत्र में भी उठाते रहे हैं और आगे भी उठाते रहेंगे। भ्रष्टाचार की पोल भी खोलते रहेंगे। नगरपरिषद में व्यापक स्तर पर भ्रष्टाचार है और उन्होंने इस भ्रष्टाचार की पोल खोलनी शुरू की तो सत्तारूढ़ दल ने घबराकर उनके विरुद्ध साजिश रची लेकिन वह किसी भी प्रकार से षड्यंत्रों से डरने वाले नहीं हैं। जिला कष्ट निवारण समिति की बैठक में भी उन्होंने नगरपरिषद में सफाई घोटाले का पर्दाफाश किया था। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड की बैठक में उन्होंने मुख्यमंत्री और राज्यपाल के सामने कुरुक्षेत्र के विकास के मुद्दे उठाए, ब्रह्मसरोवर के पूर्वी तट पर लगभग 60 एकड़ में खड़े सफेदे के जंगल को कटवाकर वहां भव्य पार्क बनाने, सन्निहित सरोवर में श्री गुरु हरमन्दिर साहिब की तर्ज पर स्वच्छ जल रखने के लिए सयंत्र लगाने तथा ब्रह्मसरोवर के पश्चिमी तट पर डम्पिंग प्वाइंट खत्म करने जैसे महत्त्वपूर्ण मुद्दे उठाए, जिसे महामहिम राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने तुरंत मंजूरी दी।

विधायक ने सुनी समस्याएं, अधिकारियों को समाधान के दिए निर्देश

अर्थ प्रकाश/सीमा देवी

इन्द्री, 24 जून। विधायक और गवर्नमेंट चीफ व्हिप रामकुमार कश्यप ने सोमवार को सिंचाई विभाग के विश्राम गृह में जनसुनवाई कार्यक्रम में जनता की समस्याएं सुनी तथा अधिकारियों को इन समस्याओं के जल्द समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि लोगों की समस्याओं के समाधान में किसी भी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

विधायक राम कुमार कश्यप ने कहा कि हर सोमवार को आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में हलके के लोग बड़ी संख्या में अपनी समस्याएं और शिकायतें लेकर आते हैं। उनका यही प्रयास रहता है कि लोगों की समस्याओं का जल्द समाधान हो,जिससे उन्हें सरकार द्वारा चलाई जा रही सुविधाओं का लाभ मिल सके। उन्होंने आमजन से अपील की कि जिस गांव में कोई समस्या हो, उसे तुरंत उनके संज्ञान में लाया जाए ताकि उसका त्वरित समाधान हो सके।

विधायक रामकुमार कश्यप ने कहा कि प्रदेश में भाजपा की तीसरी बार सरकार बनने के बाद विकास कार्यो को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में वर्तमान सरकार का यही प्रयास है कि विकास के मामले में प्रदेश का कोई भी क्षेत्र अछूता न रहे। भाजपा ने जनता से जो वादे किए हैं, उन्हें पूरा किया जा रहा है । उन्होंने कहा कि जितने अधिक विकास कार्य होंगे, उतना ही लाभ आमजन को मिलेगा। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार %सबका साथ-सबका विकास% के मूलमंत्र के तहत हर वर्ग के हित को ध्यान में रखकर कार्य कर रही है और इस मूल मंत्र के माध्यम से सुशासन पर जोर दिया जा रहा है।

जनसुनवाई कार्यक्रम में विधायक राम कुमार कश्यप कश्यप ने कहा कि हमारा पर्यावरण लगातार दूषित हो रहा है, इसलिए पर्यावरण को शुद्ध और स्वच्छ बनाए रखने में पेड़ों की अहम भूमिका है। उन्होंने सभी से अधिक से अधिक पेड़ लगाने का आह्वान किया, क्योंकि यह हम सभी के हित में है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण के गिरते स्तर के कारण हमें कई गंभीर बीमारियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि पेड़ लगाने के साथ-साथ उनकी उचित देखभाल करना भी हमारी जिम्मेदारी और कर्तव्य है जब तक वे अच्छी तरह से तैयार न हो जाएं। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के अधिकारीगण, भाजपा के वरिष्ठ नेतागण, कार्यकर्ता और हलके के विभिन्न गांवों से आए गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे।

गुजरात व पंजाब के उपचुनाव में पार्टी को मिली ऐतिहासिक जीत: जवाहर लाल गोयल

अर्थ प्रकाश/अरविंद मोहन शर्मा

कुरुक्षेत्र, 24 जून। आम आदमी पार्टी लीगल सैल के प्रदेश उपाध्यक्ष

जवाहर लाल गोयल ने गुजरात व पंजाब के उप चुनाव में पार्टी की प्रचंड जीत को ऐतिहासिक करार दिया और कहा कि मतदाताओं ने भाजपा और दूसरी पार्टियों को नकार दिया है। उन्होंने कहा कि गुजरात के विसावदर और पंजाब की लुधियाना पश्चिम के मतदाताओं ने साफ संकेत दे दिया है कि अब देश की जनता झूठ और अवसरवादी राजनीति से तंग आ चुकी है और आम आदमी पार्टी में अपने हित देख रही है। उन्होंने कहा कि दोनों विधानसभा उपचुनाव सीटों पर आम आदमी पार्टी ने पिछले चुनाव के मुकाबले लगभग दोगुने अंतर से जीत दर्ज की है, जो इस बात का प्रमाण है कि आम आदमी पार्टी की लोकप्रियता बढ रही है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी ने भाजपा के गढ गुजरात में अपनी ताकत दिखाने का काम किया है। विसावदर सीट उपचुनाव में पार्टी के उम्मीदवार गोपाल इटालिया ने भाजपा के किरिट पटेल को बडे अंतर से हराया। वहीं लुधियाना की पश्चिमी सीट पर पार्टी के उम्मीदवार संजीव अरोड़ा ने बड़ी जीत दर्ज करते हुए कांग्रेस, भाजपा और अकाली दल के प्रत्याशियों को करारी शिकस्त दी है। उन्होंने कहा कि देश की जनता भाजपा के झूठे वायदों से उब चुकी है। जनता ने विधानसभा उप चुनाव में भाजपा को पूरी तरह नकार दिया है। उन्होंने कहा कि ये जीत केवल दो सीटों की जीत नहीं, बल्कि सोच और भरोसे की जीत है। यह जीत उन लाखों करोड़ों लोगों की उम्मीद की जीत है, जो देश में सच्चाई, ईमानदारी व मेहनत की राजनीति चाहते हैं।

डीएलएसए 1 से 31 जुलाई तक आयोजित करेगा जागरूकता कैम्प

अर्थ प्रकाश/डा. आरके जैन

यमुनानगर, 24 जून। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सी. जे. एम. सुमित्रा कादियान ने बताया कि 1 जुलाई को गांव दामला में पैनल के एडवोकेट वी. पी. एस. सिद्धू द्वारा, 2 जुलाई को गांव दुसानी में एडवोकेट निखिल गुप्ता द्वारा, 3 जुलाई को गांव नाहरपुर में एडवोकेट आरिफ मोहम्मद द्वारा, 4 जुलाई को गांव कुंजल जाटान में एडवोकेट धर्मेन्द्र कुमार द्वारा, 5 जुलाई को गांव सुढैल में एडवोकेट दीक्षा द्वारा, 7 जुलाई को गांव गुंदियाना में पैनल के एडवोकेट राहुल सांगवान द्वारा, 8 जुलाई को गांव कलावड़ में एडवोकेट प्रवीण कुमार द्वारा, 9 जुलाई को गांव लवानी में एडवोकेट परवेज खान द्वारा, 10 जुलाई को गांव नगला खालसा में एडवोकेट प्रणव लाम्बा द्वारा, 11 जुलाई को गांव पिंजौरा में एडवोकेट पुनीत कुमार द्वारा, 14 जुलाई को गांव बैंडी में एडवोकेट राहुल देव द्वारा, 15 जुलाई को गांव बापा में एडवोकेट राजबीर द्वारा कानूनी जागरूकता कैम्प आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने आगे बताया कि 16 जुलाई को गांव हिरन छप्पर में एडवोकेट राखी वर्मा द्वारा, 17 जुलाई को गांव जठलाना में एडवोकेट रमेश कुमार गुग्ल द्वारा, 18 जुलाई को गांव कांजनू में एडवोकेट सचिन द्वारा, 19 जुलाई को गांव मंधार में एडवोकेट सचिन पंजेटा द्वारा, 21 जुलाई को गांव भोगपुर में एडवोकेट वैभव लाम्बा द्वारा, 22 जुलाई को गांव मंडौली में एडवोकेट सतनाम सिंह द्वारा, 23 जुलाई को गांव बहादुरपुर में एडवोकेट शौभा अरोड़ा द्वारा, 24 जुलाई को गांव संधाला में एडवोकेट सुनील कुमार द्वारा, 25 जुलाई को गांव अराईयांवाला में एडवोकेट सुरेन्द्र प्रताप द्वारा, 28 जुलाई को गांव महमुदपुर में एडवोकेट उमेश कुमार द्वारा, 29 जुलाई को गांव तिगरा में एडवोकेट यशराज द्वारा, 30 जुलाई को गांव रोड़ छप्पर में एडवोकेट अमिता कुमारी द्वारा व 31 जुलाई को गांव फतेहगढ़ (खंड छछरौली) में एडवोकेट प्रवीन कुमार द्वारा कानूनी जागरूकता कैम्प आयोजित किए जाएगे।

बारिश ने खोली पानी निकासी व सीवरेज सिस्टम की पोल

आजाद नगर की गलियों व घरों में घुसा गंदा पानी, लोग परेशान

अर्थ प्रकाश/डा. आरके जैन

यमुनानगर, 24 जून। वार्ड नं. 10 की आजाद नगर गली नं. 6 में नालियां जाम होने व बारिश के पानी की सही प्रकार से निकासी न होने के कारण बारिश पानी घरों में घुस गया जिससे क्षेत्र वासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। जानकारी देते हुए क्षेत्रवासी राजेश ठाकुर, दविन्द्र सोनी, शिवलाल गांधी, संजीव सोनी, रूप पिशोर, ललित विनायक, प्राची ठाकुर, सोनिया, प्रीती, कुमुद, सुनीता आदि ने बताया कि क्षेत्र की नालियां व सीवरेज सिस्टम चोक हो रखा है, जिस कारण बीती रात हुई बारिश के कारण गलियों में बारिश का पानी भर गया और यह गंदा पानी लोगों में घरों में भी घुस गया। उन्होंने बताया कि गंदा पानी गलि में बहने व घरों में घुसने के कारण क्षेत्र में चारों तरफ बदबू फैली हुई है और क्षेत्र में बीमारियों का खतरा बढ़ रहा है। उन्होंने आगे बताया कि हर बार बारिश होने पर ऐसा ही होता है, किन्तु क्षेत्र की इस समस्या कोई भी समाधान नहीं किया जा रहा है। नालियों के जाम होने व सीवरेज चोक होने की सूचना पार्षद व विभाग के अधिकारियों को कई बाद दी गई है किन्तु कोई भी इस ओर ध्यान देने को तैयार नहीं है। उन्होंने आगे बताया कि नगर निगम द्वारा लगभग डेड़ साल पहले आजाद नगर को अवैध कालोनी घोषित कर दिया गया है और यहां पर सुविधाएं सही से नहीं दी जा रही है, किन्तु प्रॉपर्टी टैक्स व डेवलपमेंट चार्जेस पूरी तरह से वसूल किया जा रहा है। उन्होंने विभाग से मांग की है कि आजाद नगर को वैध कॉलोनी के रूप में घोषित किया जाए और क्षेत्र में सभी प्रकार विकास कार्य कराए जाए जिससे यहां रहने वाले लोगों को असुविधा का सामना न करना पड़े।

नगर निगम पार्षद किरन पवन यादव ने बताया कि पानी भराव की समस्या के लिए नगर निगम कर्मचारियों द्वारा नाली की सफाई कराई जा रही है जल्द ही समस्या का समाधान करा दिया जाएगा। उन्होंने क्षेत्र में पानी निकासी के लिए डाले गए पाईप काफी छोटे है और प्लास्टिक के है, जिसे चूहे काट देते है और मिट्टी खोद देते है बारिश होने पर पानी भर जाता है और निकासी नहीं हो पाती है, जिसके लिए जल्द ही प्लास्टिक की पाइप को हटा कर खुली नाली बनाई जाएगी जिसे सीमेंट की स्लैब से कवर किया जाएगा ताकी समय पर सफाई कराई जा सके और भविष्य में क्षेत्र वासियों को परेशानी का सामना न करना पड़े।

मुख्यमंत्री भगवंत मान ने राज्यपाल से की मुलाकात

चंडीगढ़ में 'आप' कार्यालय के लिए मांगी जगह

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 24 जून। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने मंगलवार शाम को राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया से मुलाकात की और उनसे आम आदमी पार्टी को चंडीगढ़ में अपना कार्यालय खोलने के लिए जगह आवंटित करने की मांग की। आप के राष्ट्रीय पार्टी होने का हवाला देते हुए मान ने कहा कि अन्य राजनीतिक दलों की तरह आम आदमी पार्टी भी राजधानी चंडीगढ़ में अपना आधिकारिक कार्यालय खोलने के लिए सभी आवश्यक शर्तें पूरी करती है।

बैठक के बाद राजभवन के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए मान ने कहा, 'आम आदमी पार्टी एक राष्ट्रीय पार्टी है। हमने गुजरात और लुधियाना उपचुनावों सहित कई चुनावों में महत्वपूर्ण जीत हासिल की हैं। गोवा में भी हमारे विधायक हैं। इसके बावजूद, आप के पास चंडीगढ़ में अभी तक पार्टी का कार्यालय नहीं है, जबकि हम इसके लिए हम सभी आवश्यक शर्तों को पूरा करते हैं।'

मान ने बताया कि कांग्रेस, शिरोमणि अकाली दल (एसएडी) और भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) जैसी अन्य प्रमुख राजनीतिक पार्टियों के चंडीगढ़ में कार्यालय हैं। उन्होंने समान व्यवहार की आवश्यकता पर जोर दिया और इस मामले में राज्यपाल से हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा, 'हमने राज्यपाल को एक औपचारिक मांगपत्र सौंपा है, जिसमें आप के लिए चंडीगढ़ में कार्यालय स्थापित करने के लिए जगह मांगी गई है।'

मान ने मीडिया से कैबिनेट विस्तार के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि आप के लुधियाना पश्चिम विधायक संजीव अरोड़ा को कैबिनेट मंत्री बनाया जाएगा। अगले 2-3 दिनों में मंत्रिमंडल का विस्तार होगा। संजीव अरोड़ा को मंत्री बनाने का हमने वादा किया था और हम इसे पूरा करेंगे।'

मान ने लुधियाना पश्चिम और गुजरात में आप की हालिया जीत पर गर्व व्यक्त किया। उन्होंने गोपाल इटालिया और संजीव अरोड़ा सहित अन्य पार्टी नेताओं के साथ दिल्ली में जीत का जश्न मनाने की योजना भी साझा की। मान ने कहा, 'ये जीत आप के ईमानदार शासन और हमारे नेताओं व कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत में लोगों के भरोसे को दर्शाती है।' किसानों की सहायता के लिए सरकार के सक्रिय उपायों पर प्रकाश डालते हुए मान ने नमी की कमी को दूर करने और खरीद की समय-सीमा में सुधार के लिए धान की रोपाई में महत्वपूर्ण प्रगति का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा, ÷हमने निर्बाध बिजली, पर्याप्त नहरी पानी सुनिश्चित किया है और किसानों को लाभ पहुंचाने के लिए खरीद की समय-सीमा में भी वृद्धि की है। मान ने आंतरिक गुटबाजी और एकता की कमी के लिए कांग्रेस पार्टी की भी आलोचना की।

476 किलोग्राम डोडा चूरापोस्त व ट्रक कैन्टेनर सहित नशे के सौदागर को किया काबू

अंबाला (अप्रस/रवि पाहुजा)। अम्बाला पुलिस द्वारा नशे के खिलाफ आमजन को जागरूक करने के लिए लगातार जागरूकता अभियान चलाए जा रहे है साथ-साथ नशा तस्करी को रोकने हेतू नशा तस्करों पर कडा प्रहार भी किया जा रहा है। अम्बाला पुलिस द्वारा नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के दौरान थाना नग्गल क्षेत्र बिशनग? टांगरी नदी के पास 152-डी हाईवे से सूचना के आधार पर 23 जून 2025 को सी0आई0ए0-1 अम्बाला के उप-निरीक्षक विनोद कुमार, सह उप-निरीक्षक विशाल व पुलिस दल ने निरीक्षक हरजिन्द्र सिहँ के नेतृत्व में तुरन्त कार्यवाही करते हुए आरोपी अनिल कुमार निवासी गावँ गंगपुर थाना बराडा जिला अम्बाला को 476 किलोग्राम डोडा चूरापोस्त व कैन्टेनर सहित गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के आदेशानुसार 08 दिन का पुलिस रिमाण्ड प्राप्त किया गया है।

प्रशासक ने बदला यूटी का इतिहास: अब सदन में हाथ उठाकर होगा मेयर का चुनाव

प्रशासक गुलाब चंद कटारिया ने प्रस्ताव को दी मंजूरी

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 24 जून। पंजाब के राज्यपाल एवं यू.टी. चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब बंद कटारिया ने यूटी का इतिहास बदलते हुए चंडीगढ़ (कार्य-प्रक्रिया और संचालन) विनिय में संशोधन को मंजूरी प्रदान कर दी है। चंडीगढ़ नगर निगम में अब से मेयर, सीनियर डिप्टी मेयर और डिप्टी मेयर का चयन गुप्त मतदान की बजाय हाथ उठाकर मतदान के माध्यम से किया जाएगा।

इस संबंध में श्री कटारिया ने जानकारी साझा की और कहा कि इस नई प्रणाली के लागू होने से चयन प्रक्रिया में अधिक पारदर्शिता सुनिश्चित होगी तथा जनप्रतिनिधियों की भूमिका अधिक स्पष्ट और उत्तरदायी बनेगी। उन्होंने आशा व्यक्त की कि इससे नगर निगम की कार्यप्रणाली और संचालन में सुधार होगा और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में में विश्वास और मजबूती बढ़ेगी।

संशोधन प्रस्ताव हो चुका था पारित: उल्लेखनीय है कि नगर निगम, चंडीगढ़ की

की सदन बैठक में पंजाब नगर निगम अधिनियम 1976 की धारा 398 (2) द्वारा यथाविस्तारित, जिसे चंडीगढ़ संघ राज्य क्षेत्र अधिनियम 1994 तक विस्तारित किया गया है, के तहत अपने विधिक अधिकारों का प्रयोग करते हुए इस संशोधन का प्रस्ताव पारित किया गया था, जिसे अनुमोदन के लिए प्रशासक को भेजा गया था। अब प्रशासक द्वारा इस पर औपचारिक स्वीकृति प्रदान कर दी गई है।

राजनीतिक दल समर्थन में: चंडीगढ़ नगर निगम में मेयर के पिछले दो चुनावों में आरोप प्रत्यारोप लगते रहे हैं। मेयर चुनाव में गड़बड़ी की आशंका को देखते हुए विभिन्न राजनीतिक डालनबोर पार्षदों ने पारदर्शिता पर सवाल उठाते हुए गुप्त मतदान को लेकर अपनी अलग प्रतिक्रिया दी और साथ ही नगर निगम के सदन में हाथ उठा कर मेयर के चुनाव को प्राथमिकता दी। यही वजह है सदन में इस संशोधन के प्रस्ताव को प्रशासक के पास भेजा गया था।

कांग्रेस ने प्रशासक के फैसले का किया स्वागत

कांग्रेस ने चंडीगढ़ प्रशासन द्वारा मेयर चुनाव में हाथ उठाकर मतदान की अनुमति देने के फैसले का गर्मजोशी से स्वागत किया है। चंडीगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एच.एस. लक्की ने इस साहसिक निर्णय के लिए प्रशासक का धन्यवाद किया। एच.एस. लक्की ने कहा कि चंडीगढ़ कांग्रेस और सांसद मनीष तिवारी इस फैसले की लंबे समय से मांग कर रहे थे। यह निर्णय न केवल राजनीति को स्वच्छ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि इससे चंडीगढ़ नगर निगम और उसके पार्षदों की छवि भी बेहतर होगी, जो लगातार हॉर्स ट्रेडिंग के आरोपों का सामना कर रहे हैं।

फायरिंग के मामले में दो आरोपी काबू

आरोपियो के कब्जे से एक कंट्री मेड पिस्टल,एक देसी कट्टा के अलावा 5 जिंदा कारतूस बरामद

अर्थ प्रकाश/रंजीत शम्मी

चंडीगढ़, 24 जून। थाना क्राइम पुलिस ने फायरिंग करने के मामले में दो आरोपीयों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियो की पहचान हल्लो माजरा के रहने वाले 25 वर्षीय मोनू जायसवाल जिसके खिलाफ 2022 में थाना 17 में मर्डर का मामला दर्ज है। आरोपी के कब्जे से एक कंट्री मेड पिस्टल और 4 जिंदा कारतूस बरामद किए। जबकि दूसरे आरोपी की पहचान स्मॉल फ्लैट मलोया के रहने वाले 22 वर्षीय पवन के रूप में हुई है। आरोपी के कब्जे से एक देसी कट्टा और एक जिंदा कारतूस बरामद किया। पकड़े गए आरोपियो को पुलिस ने जिला अदालत में पेश किया। अदालत ने आरोपियों को 2 दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया।

क्या था मामला: जानकारी के अनुसार शिकायतकर्ता राम दरबार निवासी ने पुलिस को बताया था कि वह प्रॉपर्टी बेचने का व्यवसाय करता है।।20 जून को रात करीब साढ़े 11 बजे वह अपने दोस्त के साथ हरियाणा नंबर की कार में सवार होकर सैक्टर 32 मार्केट से अपने दोस्त को घर छोड़ने के बाद अपने घर पहुंचा। कार को घर के पास पार्किंग की।और घर के अंदर चला गया। 10 मिनट पश्चात उसके पिता ने उसे बताया कि बाहर बहुत शोर हो रहा है। वह अपने पिता के साथ बाहर आया तथा देखा कि उसकी कार का ड्राईवर विंडो का शीशा टूटा हुआ है। तथा सड़क पर एक खाली कारतूस पड़ा हुआ है। उसने बताया कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने उसे डराने के लिए उसकी कार पर गोली चलाई है। थाना 31 पुलिस ने तुरंत मामले में कारवाई करते हुए अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया था।अब तक की प्रारंभिक जांच से पता चला है कि। आरोपी मोनू जायसवाल की मोंटी नाम के एक व्यक्ति से दुश्मनी थी। उसे डराने के लिए उसने एक सह-आरोपी के साथ मिलकर चंडीगढ़ के रामदरबार में एक कार पर फायरिंग की थी।

पिंजौर में चोरों ने गुलेल से परिवार पर बरसाए पत्थर, एक चोर समेत परिवार के 3 लोग जख्मी

अर्थ प्रकाश संवाददाता

पंचकूला। पिंजौर की बिटना कालोनी में बीती देररात चोरों ने एक घर में सेंध लगाई और अंदर सो रहे परिवार पर गुलेल से पत्थर बरसाए जिसमें मां-बाप और बेटा गंभीर रूप से जख्मी हो गए। इस वारदात में एक चोर भी जख्मी हो गया जिसे मौके पर दबोच कर पुलिस के हवाले कर दिया गया। इस वारदात के बाद पूरे मोहल्ले में सनसनी फैल गई। उल्लेखनीय है कि 5 नकाब पोश चोरों ने पंचकूला के सेक्टर 2 में भी एक मकान में घुसने की कोशिश की लेकिन परिवार के जागते ही चोर फरार हो गए।

बिटना गांव निवासी रोहित शर्मा ने पुलिस को दी गई अपनी शिकायत में बताया कि 23-24 जून की रात करीब 2:00-2:15 बजे उसने अपने कमरे के बाहर संदिग्ध आवाजें सुनीं। बाहर निकलने पर उसने देखा कि अंधेरे में चार लोग घूम रहे हैं। अचानक, एक छोटा पत्थर उसके हाथ पर लगा, जिससे वह ÷चोर÷ चिल्लाने लगा और एक घुसपैठिए को पकड़ने की कोशिश करने लगा।

रोहित अपने पिता रामेश्वर शर्मा के साथ मिलकर एक संदिग्ध को पकड़ने में कामयाब रहा। हालांकि, अन्य तीन ने अपने साथी को छुड़ाने के प्रयास में गुलेल से पत्थरों से हमला करना शुरू कर दिया। हाथापाई के दौरान, पकड़े गए घुसपैठिए के सिर पर एक पत्थर लगा, जिससे वह घायल हो गया। शोर सुनकर रोहित की पत्नी सोनिया भी मौके पर पहुंची और उसके चेहरे पर पत्थर लगा, जिससे वह घायल हो गई।

अर्थ प्रकाश न्यूज पेपर्स के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक महावीर जैन द्वारा 'अर्थ प्रकाश प्रेस' से मुद्रित एवं प्रकाशित तथा अर्थ प्रकाश कार्यालय अर्थ प्रकाश भवन, सैक्टर 29-डी, चण्डीगढ़ से जारी। प्रधान सम्पादक : **महावीर जैन,** सम्पादक एवं मुख्य संवाददाता **कैलाश चन्द जैन**
आर.एन.आई. पंजीक्रम : **42427/86** डाक पंजीक्रम : **G/CHD/0197/2021-23** फोन : 0172-2652743, 2638515, फैक्स 2653533 E-mail : arthparkash@gmail.com, arthparkashnews@gmail.com मुख्य सलाहकार : **हरीश चंद्र जैन,** एचसीएस (सेवानिवृत्त)